

No. 25]

नई विस्ती, शनिवार, जून 21, 1986 (ज्येष्ठ 31, 1908) NEW DELHL SATURDAY, JUNE 21, 1986 (JYAISTHA 31, 1908)

: इस.माग में मिन्न पुष्क संख्या दी अगती है विश्वसे शि यह अन्तर संजातन से इत्य में उन्हार का अनेत्र ।

(Supercite paging is given to this 2 are to under that 2 may be that us a supercite accessively

भाग Ш--वन्द्र 1

PART III-SECTION 1

उच्च ग्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor, General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिलांक । श्रप्रैल 1986 सं० ए० 32014/1/86-प्रणा०ІІІ— संघ लोक सेवा श्रायोग में के० सं० से० संवर्ग के नियमित श्रनुभाग श्रधिकारी, श्री सुदेश कुमार को राष्ट्रपति द्वारा 24-3-1986 से 30-4-1986 तक श्रयवा श्रागामी श्रादेशों तक जो भी पहले हो संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में तदर्थ श्राधार पर स्थानापन हम से डेस्क श्रधिकारी के पद पर नियुक्त किया जाता है।

2. श्री मुद्देश कुमार कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के का० ज्ञा० मं० 12/1/74—सी० एम० (1) दिनांक 11 दिसम्बर 1975 की अर्तों के श्रनुसार 75/-रु० प्र० मास की दर मे विशेष वेतन प्राप्त करेंगे।

एम० पी० जैन ग्रवर सचिव (का॰प्रशा०) संघ लोक सेवा श्रायोग

प्रवर्तन निदेशालय

विदेशी मुद्रा वितियसत ग्रिधिनिथम नई दिल्ली-110003, दिनांक 26 मई 1986 मं० ए-11/3/86—प्रवर्तन तिदेशालय के प्रवर्तन ग्रिधिकारी श्री बी० एस० त्यागेस्वरत को एतदस्थारा 1—116 GI/86 13-1-1986 (पूर्वाह्म) से श्रगला श्रादेश होने तक इस निदेशालय के मद्रास क्षेत्रीय कार्यान्य में स्थानापन्न मुख्य प्रवर्तन श्रधकारी नियुक्त किया गया है।

मं० ए-11/4/86--प्रथर्तन निदेशालय के सहायक प्रवर्तन प्रधिकारी श्री एस० रामस्वामी को एतदद्वारा 10-2-1986 (पूर्वाह्म) में श्रगला आदेश होने तम इस निदेशालय के मद्राम क्षेत्रीय कार्यालय में स्थानापत्र प्रवर्तन श्रीधकारी नियुक्त किया गया है।

सं० ए-11/5/86—इम निदेशालय के महायक प्रवर्तन श्रिधिनारी श्री के० मणि की तद्द्वाण 22-1-86 (पूर्वाह्म) में और श्रगला श्रादेश होने तक इस निदेशालय के मद्रास क्षेत्रीय कार्यान्य में स्थानापन्न प्रवर्तन श्रिधिकारी निशुक्त किया गया है।

मं० ए-11/15/83—इस निदेशानय के यहारत प्रजर्तय प्रिधिकारी भी जीव नदराजद की एतद्द्या 26— --86 (पूर्वाह्म) से और प्रमाना प्रादेग होने तक हो है विभावय के मदास क्षेत्रीय कार्याजिय में स्थानात्म प्रवर्तत श्रिथिकारी नियुक्त किया गया है।

> ए० के० राय मुख्य प्रवर्ताः श्रक्षिकारः। (प्रशासन) कृ**ते उ**प निदेशक (प्रशासन)

(20335)

कार्मिक एवं प्रशिक्षण, प्रशासन सुधार लोक शिकायत तथा पेंशन मंस्रालय (कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

> केन्दीय भ्रन्वेषण ब्यूरी न ई दिल्ली, दिनांक 27 मई 1986

सं० जे० 53/67-प्रशासन-5--- राष्ट्रपति श्री जवाहर लाल बरिष्ठ लोक श्रभियोजक केन्दीय श्रन्वेषण ब्यरो को दिनांक 8-5-86 श्रपराह्म से श्रगले श्रादेश होने तक केन्दीय श्रन्वेषण ब्यूरो में उप विधि सलाहकार के रूप में निमुक्त करते हैं।

> धर्म पाल भल्ला, प्रणासन ग्रधिकारी (स्थापना) केन्दीय ग्रन्वेषण ब्यूरो

गृह मंत्रालय महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई विल्ली-3, विनांक 24 मई 1986

सं० ओ० दो० 2202/86-स्थापना—1-राष्ट्रपति जी ने डाक्टर श्रीमती मधुमिता मिश्रा पाठक को ग्रस्थायी रूप में झागामी झादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिर्जंब पुलिस जनरल ड्यूटी श्राफिसर ग्रेड-2 (डी० एन० बी०/कम्पनी कमांडर) के पद पर दिनांक 30 श्रिप्रेल 1986 प्रपराह्म से सहर्ष नियुक्त किया गया है।

दिनांक 28 मई 1986

सं० ओ० दों० 2201/86-स्थापना-1—राष्ट्रपति जी ने डा० उमापित दिवेदी की ग्रस्थायी रूप से ग्रागामी धादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिर्जव पुलिस बल में जनरल ड्यूटी श्राफिसर ग्रेंड— (डी० एस० पी० / कम्पनी कमांडर) के पव पर दिनांक 1 मई \$1986 पूर्वाह्म से सहर्ष नियुक्त किया है।

सं० भ्रो० दो० 2207/86-स्थापना-I राष्ट्रपति जी में डाक्टर योगेन्द सिंह को अस्थायी रूप से श्रागामी पादेश जारी होने तक केन्दीय रिर्जव पुलिस बल में जनरल डयूटी फ्राफिसर ग्रेड- (डी० एस० पी०/कम्पनी क्षमांडर) के पद पर दिनांक 13 मई 1986 पूर्वाह्म से सहर्ष [नियुक्त किया है।

सं० भ्रो० दो० 2208/86-स्थापना—I राष्ट्रपति जी ने डाक्टर विनय कुमार सिंह को भ्रस्थायी रुप से श्रागामी आदेण जारी होने तक केन्दीय रिर्जन पुलिस बल में जनरल डयूटी श्राफिसर ग्रेड-II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमांडर) के पद पर दिनांक 12 मई 1986 पूर्वीह्न से सहर्ष नियुक्त किया है।

एम० श्रगोक राज स्रहामक निदेशक (स्थापना)

महानिदेशालय

केन्दीय आँद्योगिक सुरक्षा बल नई दिल्ली-110003, दिनांक 27 मई 1986

सं० ई०-16014 (1)/6/79-कार्मिक-I--मझगांव डाक लिमिटेड बम्बई में ग्रंपनी प्रतिनियुक्ति की अवधि पूर्ण करने के पश्चात् श्री एस० एस० किरपेकर ने दितांक 28 प्रप्रैल 1986 (पूर्वाह्म) से केअसुब यूनिट के एस० टी० पी० पी० कोरबा (म०प्र०) के कामाडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई-32015 (3)/18-84-कार्मिक-1-हिन्दुस्तान कापर लिमिटेड कलकत्ता में मुख्य मुरक्षा ग्रधिकारी के रूप में नियुक्त होने पर श्री एस० के० ताह ने 1 ग्रप्रैल, 1986 के ग्रपराह्म मे युप कमांडेंट केऔसुब, कलकत्ता के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 29 मई 1986

ं सं० ई 16013 (2)/13/84-कार्मिक-1—मपने मूल राज्य उड़ीसा पुलिस को प्रत्यावर्तन होने के फलस्वरुप श्री एन० जेड़० श्रहमद ने दिनांक 8 मई 1986 (पूर्वाह्न) से केअमुख यूनिट नालको श्रंगुल (उड़ीसा) के कमोडेंट के पद का कार्यभार छोंड़ दिया।

> ह० ग्रपठनीय महानिदेशक केऔसुब

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 27 मई 1986

सं० 10/12/85-प्रणा० रिनियंत्रक महालेखाकार, नई दिल्ली श्री के० बी० शिवासुन्नामित्यन लेखा ग्रिधिकारी को भारत के महारिजस्ट्रार के कार्यालय, नई दिल्ली में लेखा ग्रिधिकारी के पद पर ६० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण द्वारा एक वर्ष की ग्रवधि के लिए दिनांक 7-5-86 के पूर्वाह्न से श्रगले ग्रादेशों तक नियुक्त किया जाता है।

उनका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा। दिनांक 28 मई 1986

सं० 10/8/86-प्रणा०-[—-राष्ट्रपति भारतीय ग्राधिक सेवा के ग्रेड-4 के एक ग्रिधकारी श्री राष्ट्रेन्द्र नारायण दुवे को 1 मई 1986 के पूर्वीह्न से ग्रागामी ग्रादेण जारी होने तक के लिए भारत के महारजिस्ट्रार के कार्यालय में ग्रनुमंधान ग्रिधकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री दुवे का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

वी० ए**स० वर्मा** भारत के महारकिस्ट्रार

पुलिस अनुसंधान एवं विकास व्यूरो नई दिल्ली, दिनांक 29 मई 1986

सं॰ 3/11/86-प्रभा०-1--राष्ट्रपति श्री कुन्दर्नासह जंगपंगी आई॰ पी॰ एस॰ (केरल 1978) को दिनांक 14 अपैन 1983 से अपले आदेशों तक के लिए पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरों में सहायक निदेशक पद पर नियुक्त करते हैं।

> एस० के महिलक, महानिदेशक

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्यं विभाग) प्रतिभूति कागज कारखाना होशंगाबाद, दिनौंक 26 मई 1986

इस कार्यालय की अधिसूचना कि 7 (63) 12261 दिनांक 25-3-1985 के तारतम्य श्री एस० बी० गालकाड़े प्रशासिक अधिकारी की प्रतिनियुक्ति की अविधि को 31-5-1986 तक बढ़ाया जाता है।

प्रतिनियुक्ति की अवधि समाप्त होने पर श्री एम० बी गालफाड़े प्रणासनिक अधिकारी दिनाक 31-5-1986 के अरराह्म से इस संस्थान से कार्य मुक्त हो जायेंगें। उन्हें दिनांक 30-5-1986 से 30-6-1986 तक 32 दिन की अवधि की अजित छुट्टी स्वीकृत किये जाने के कारण वे छुट्टी की समाप्ति पर अनुमत्य कार्यग्रहणकाल का उत्मोग कर अपने मूल विभाग में कार्य पर उत्स्थित होगें।

श्री ए० आर० आडवानी फोरमेन (यां) को श्रीबी० एत० गर्मा महायक अभियन्ता (यां) की दिनांक 20-5-1986 में 19-6-1986 तक की छुट्टी रिक्ति में ए० 650-30-740 -35-810-द० अ०-35-880-40-1000-द०अ० 40-1200 के वेतन मान में पूर्णतः तदर्थ आधार पर सहायक अभियन्ता (यां) के पद पर स्थानापन्तं एप से नियुक्त किया जाता है।

दिनां रु 30 मई 1986

श्री बी० एल० शर्मा को रु० 650-30-740-35-810-इश-35-880-40-1000दअ-40-1200 के वेतनमान में दिनांक 4-4-1986 से 30-6-1986 तक अथाश जब तक अभियन्ता (यां) का पद नहीं भरा जाता इनमें से जो भी पहले हो तहायक अभि० (यां) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

ण० रा० पाठक महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लखा विभाग लेखा परीक्षा निदेशक का कार्यालय पूर्योत्तर सीमा रेलवे गुवाहाटी-781011 दिनाँक 30 श्रप्रैल 1986 कर्मचारी कार्यालय ग्रादेश सं० 10

श्री समरेर्न्द स्वामी इस कार्यालय के लेखा परीक्षा श्रधिकारी दिनोंक 30-4-86 (श्रपराह्म) से निवर्तन पर निवृत्त हुए। एन०जी० मल्लिक लेखा परीक्षा निदेशक

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक आयात एवं निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 27 मई 1986 आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण

स्थापना

सं० 6/1505/84-प्रशा० (राज०) संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात निर्यात के कार्यालय बम्बई में आयात निर्यात के नियंत्रक, श्री एम० एल० घाटे को 1 जनवरी 1986 के पूर्वाहम से सरकारी सेवा में स्वेच्छा से सेवा निवृत होने की अनुमित दी जाती हैं।

> शंकर चन्द उप मुख्य नियंत्रक आयात एवं निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक आयात एवं निर्यात

पूर्ति तथा भिषटाम महाभिदेशालय मई दिल्ली, दिमांक 16 मई 1986

सं० ए-17011/47/72/ए-6--राष्ट्रपति, भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" (अभियांत्रि की शाखा) के ग्रेड-2 के अधिकारी श्री ए० के० सत्त्राह को जो उप निदेशक निरीक्षण (अभियांत्रिक) के पद पर तदर्श आधार पर स्थानापन्न रूप में कार्य कर रहे थे। दिनांक 17-4-1986 के पूर्वाहन से आगामी आदेश दिए जाने तक 1100 (छटा वर्ष अथवा कम)-50-1600 रु० के वेतन मान में नियमित आधार पर भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" (अभियांत्रिकी शाखा) के ग्रेड-2 के पद पर स्थानापन्न रूप से उप निदेशक निरीक्षण (अभि०) नियुक्त करते हैं।

- 2. श्री ए० के० सहवाह ने दिनांक 8-4-86 के श्रपराह्म में श्रीपयां सरकार के अधीन बिहालिंग इन्जीनियर ग्रेड-1 के पद पर कार्यभार छोड़ दिया श्रीर दिनांक 17 अप्रैल 1985 के पूर्वाहन में पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली में उप-निदेशक निरोक्षण (अभियांतिकी) के पद का कार्यभार संभाल लिया।
- 3. उप निदेशक निरीक्षण (अभियांत्रिकी) के पद पर श्री ए० के० सनवाह की नियुक्ति भारत संघ द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय में दायर तीन एल० पी० ए० सं० 57/83, 68/83 श्रीर 69/83 सथा उप निदेशक निरीक्षण (अभि०) श्री एस० सी० आनन्द द्वारा बम्बई उच्च न्यायालय में दायर इब्स्यू पी० सं० 3001/83 श्रीर 35/83 जो अव दिल्ली उच्च न्यायालय को स्थानालारित कर दी गयी है श्रीर अभी दिल्ली उच्च न्यायालय में लिम्बन है श्रीर श्री श्री० डी० सांगर द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय में लिम्बन है श्रीर श्री श्री० डी० सांगर द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय में दायर उक्ट पी० सं० 1277/78 के निर्णय के अधीन होगी।

आर०पी० प्राही उप निदेशक (प्रशासन)

वस्त्र विभाग

ह्थ रुघा विकास आयुक्त का कार्यालयं नई दिल्ली, 19 मई 1986

सं०-1/13/80-डी० सी० एच० प्रशासन-1— विशस आयुक्त (ह्य रुष्धा) श्री एम० जी० जुनेजा को 1 मई 1986 से असामी आवेगों तम के लिए ह्यास्पा विकास आयुक्त के कार्यालय में पहायक निवेणक ग्रेड II के पद पर नियुक्त उन्ते हैं।

रंजना सिन्हा संयुक्त विकास आयुक्त (हथकरघा)

TRANSPORT AND THE BEST OF THE PERSON NAMED OF

इस्पात ग्रीर खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

अलङ्क्ता-700016, दिनांक 20 मई 1986

सं० 2998 ए-19012 (3-एन० के० टी०) 85-19 गि०--- नारतीय सूबैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय प्रवैज्ञानिक पर्वेक्षण के बरिष्ठं तकनीकी सहायक (रसायन, श्री परित्र कुनार तिवारी को जहायक रसायनज्ञ के पर पर उसी विभाग में नियमानुसार 650-30-740-35-810-प० रो०-35-880-40-1000-द०-रो०-40-1200 रु० के जनन मान ने बेनन पर अध्यायी क्षमता में जागामी आदेश होने पर 17-2-1986 के प्रविह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 3011 बी० ए-32013 4-डी०ई० (किनिष्ठ)/ 83-19 बी०--दिष्ट्राति जो भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के च्रित्र जी बी० नियोगी को ड्रिनिंग अभियंता (किनिष्ठ) के रूप में उसी विभाग में नियम,नुजार 700-40-900-द०-रो०-40-1100-50-1300 रु० के वेतनमान के वेतन पर स्थानापन क्षमता में आगामी आदेश होने कक 10-12-85 के पूर्वाहन् ो पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 3025 बी० ए-19012 (4-के० के०) 86-19 बी०—भाग्नीम पूर्वनापिक गर्बेक्षण के महानिदेशक भारतीय भूवैज्ञानिक पर्वेक्षण के विरष्ट नकनीकी सहायक (ड्रिलिंग) श्री काशीमन कुजूर को ड्रिलर के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में नियमानुभार 650-30-740-35-810-द०-रो०35-880-40-1000-द०-रो०-40-1200 छ० के वेतनमान के वेतन पर स्थानापन्न क्षमना में आगामी आदेश होने तक 25 फरवेरी 1986 के पूर्वाहन् से पदोन्नान पर नियुक्ति कर रहे हैं।

दिनां रु 21 मई 1986

नं० 3047 बी०/ए-19012 (2-सी० सी० बी०) 185-19 बी०-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, की सी० निह्नी अखू को महायह भूभौतिकीविद के स्प भिरतीय भूवैज्ञानिक नर्वेक्षण में 650-30-740-35810 - द० रो० - 35-890-40-1000-द० रो०-4 1200 रु० के न्यूनलम वेतनमात में अस्थायी क्षमता में आगामी आदेश होने लक्ष 12-3-1986 के पूर्वाहन् से नियुका कर रहे हैं।

दिनांक 22 मई 1986

सं० 3093 बी० [ए-19012 (2-एस० सी०) 85-19 बी० भारतीय भूवैज्ञातिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञातिक तक्वीकी सहायक (भूभौतिकी) श्री सूरेण चंद को सहायक भूभौतिकी विद के हा में उसी विभाग में ॅ्650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०-रो०-40-1200 ह० के न्यूनतम वेक्तमात में अस्थायो क्षमता में अस्मामी आदेश होने तक 4-3-1986 के पूर्वाहन् से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 3105 बी/ए-32013 (2-जी० एस०) 83/
19 बी०—राष्ट्राति जी भारतीय भूबैजानिक
सर्वेक्षण के भूबोिनिकोबिद (कितष्ठ) श्री आर० के सरकार को
भूभौतिकी विद (विरिष्ठ) के पद पर उसी विभाग में नियमानुसार 1100-50-1600 रु० के वेतनमान के वेतन पर स्थानापन्न
क्षमता में आगामी आदेश होने तक 17-12-1985 के
पूर्वाहन में प्रोन्निक पर नियुक्त कर रहे हैं।

सं०-3116 बीज्य-32013 (2-कें जे आरं) 83-19-बीं राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायकभूमंतिकीविद श्री कें जगन्नाथ राव को भूभौतिकी-विद (किनष्ठ) के पद पर, उसी विभाग में नियमानुसार 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 कें वेतनमान के बेतन पर, स्थानापन क्षमता में आगामी आदेण होने तह 3-5-1985 कें पूर्वाहन् से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 26 मई 1986

सं० 3137 बी०,ए-19013 (३-ई.० केट पं.०),१८५-19 बी०-भारतीय भू वैज्ञािकि सर्दे ए हैं भूति १०० भारतीय भू वैज्ञािक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायम) श्री तीषार कांति पाल को सहायक रसायनज्ञ के पद पर उसी विभाग में नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ए० के वेनामान पर अध्यायी क्षमता में आगामी आदेश होने निय 20-2-1986 के पूर्वाहन से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 3150 बी०/ए-19011 (1-जी० बी० एस०)/
85-19 ए०-राष्ट्रपति जी श्री गोडिसे विधा सागर को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में भूवैज्ञानिक (कतिष्ठ) के पद पर, 700-40-900-द०-रो०-40-1100-50-1300 रु० के न्यूनतम वेतन मान में स्थानापन्न क्षमा में आगामी आदेश होने तक 19-3-1986 के पूर्वाहन् में नियुक्त पर एहे हैं।

अमित कुशारी निदेशक कार्मिक

भारतीय खान व्यूरो नागपुर, दिनांक 27 मई 1986

सं० ए०-19011 (359)) / 84-स्था० ए० :--राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर
श्री सूरंजन सिन्हा को भारतीय खान ब्यूरो में सहायक
खान नियंत्रक के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक
12-5-1986 के (पूर्वाहन्) से आगामी आदेश तक
सहर्ष नियुक्त करते हैं।

जी० सी० शर्मा, सहायक प्रशासन अधिकारी कृते महानियं**त्र**क भारतीय खान *ब्*यूरो

भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

कलकत्ता-12, दिनांक 28 मई 1986

सं० एक० 30-55/83-स्थापना--विष्ठ प्राणिविज्ञान सह्यक, श्री आर० एस० बर्मन को मुख्यालय, भारतीय प्राणि सर्वेक्षण हल हत्ता में ६० 650-1200 के केतनमान में सह्यक प्राणि विज्ञानी (समूह ख) के पद पर 6 मई, 1986 (पूर्वाह्म) ने अगले आदेश तक अस्थायी रूप मे तदर्थ अधार पर, नियुक्त किया गया।

डा० बी० के० टिकादर, निदेश र भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

an war and all a spring and in a line is a line of the district of the angle of the contract o

आकाशवाणी महाभिदेणान्य

नई दिल्ली, दिनां 5 28 मई 1986

सं० 6 (135)/62-एम-एक (खण्ड-4)--श्री के० एम० जी० के० म्र्ति, कार्यक्रम निष्तदण, आ प्राशवाणी कुडण्या का 13 मई 1986 को निधन हो गया है।

> ईश्वर लोल भाटिया प्रशासन उपनिदेशक (कल्याण) कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनौंक 8 श्रप्रैल, 1986

श्री धर्म पाल' गुप्ता, ने उसी तारीख से आकाशवाणी, लेह में प्रशासिक, अधिकारी के पद का कार्यभार संभाला है।

> मोहन फॉसिस प्रणासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

समाचार सेचा प्रभाग आकाशवाणी नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1986

मं० (21 ई० एस० टी०-67)/84-एस--श्री सहदेव सिंह लिपिक वर्ग II को केन्द्रीय सरकार सेवा (प्रस्थायी सेवा) 1965 के नियम 5 के उपनियम (1) के अनुसरण में सेवा समाप्ति का नोटिस 21 (ई० एस० टी०-67) 82-85-एम दिनांक 30-5-1985 पंजीकृत पावती सिंहत (रिजस्टर्ड ए० डी०) भेजा गया था, परन्तु यह नोटिस बिना वितरण हुए ही लौट आया है। अतः निदेशक समाचार सेवा प्रभाग आकाशवाणी नई दिल्ली, एसव् आदेश द्वाराश्री सहदेव सिंह लिपिक वर्ग II की सेवाए, इस अधिस्चना के शासकीय राजपन्न में प्रकाशित होने की तारीख से एक माह की अवधि बीत जाने के बाद से समाप्त की जाती है।

> एस० नागानरसिम्हा उपनिदेशक (प्रशासन) कृते निदेशक,समाचार सेवा प्रभाग श्राकाशवाणी

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

मई दिल्ली, दिनांक 28 मई 1986

सं० ए०-38012/7/85-प्रशापन-रि (भाग)--सेवा निवृत्ति की आयु के हो जाने के फलस्वरूप डा० एस० एन० मुखर्जी स्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय में प्रपर महानिवेशाक 30 अप्रैल 1986 (आराह्म) को मरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गए है।

पी० कें वर्षे उप निदेशक प्रशासन (सी० एंड की०)

नई दिल्ली, दिनांक 29 मई 1986

मं० ए०-12025/3/84-एन० आई० सी० डी०/ पी० एच० सी० डी० एल०--राष्ट्रपति ने श्री ई० धाताराण को राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली में 16 अप्रैल 1986 के पूर्वाह्म से तथा आगामी आदेशों तक भण्डार अधिकारी के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 32013/1/85-एन० एम० ई० पी• (पी० एच०) सी० डी० एण्ड एस०--- राष्ट्रपति ने श्री नवाब सिंह को राष्ट्रीय मलेरिया उन्मुलन कार्यंश्रम दिल्ली में 15 अप्रैल 1986 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों तक उप निदेशक (संभारतः ।

सथा प्रशासन) लाजिस्टिक्स एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन केपद पर अस्याई आधार पर नियुक्त किया है।

जैस्सी फांसीम उन निदेशक प्रशासन (पी० एच०)

कृषि मंत्राज्य (कृषि तथा सहकारिता विभाग) विस्तार निदेशालय

नई दित्ली, दिनांक 22 मई 1986

मि० सं०-2-2/84-स्था०--इस निदेशालय की इसी संख्या की अधिसूचना दिनांक 30 जनवरी 1986 के अभ में इस निदेशालय में श्री एम० पी० निह हिंदी अधिकारी की तदर्थ नियुक्ति की अवधि वर्तमान शर्ती पर 1 मई 1986 से 31 जुलाई 1986 तक अथवा जब तक यह पद नियमित आधार पर न भर लिया जाए जब नक, इनमें से जो भी पहले हो, बढाई जाती है।

आर० जी० बनर्जी निदेशक प्रशासन

वनस्पति रक्षा, संगरोध श्रौर संग्रह निवेशालय गृषि श्रौर ग्रामीण विकास मंत्रालय फरीदाबाद, दिनांक 26 मई 1986

मं० 7-5/86 प्र० अ० प्रथम→-वनस्ति रक्षा सलाह हार, भारत मएकार, श्री के० जी अतिल कुमार को दिनांक 8-5-1986 (पूर्वाह्) से टिष्ट् की क्षेत्र अनुस्थान संस्थान बीकानेर में ६०650-30-740-35-810-द०-रो०-35-880-40-1000-द-रो० 40-1200 ६० वे वेतन्मान में सहायक मौसम विकान के राजपित्ति पद पर अस्थाई आधार पर अगल आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

०्स० पी० कुटार, मुक्षा प्रशासनिक अधिकारी कृते वनस्पति रक्षा सलाहकार भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग ऋय और भण्डार निदेशालय बम्बई-400001, दिनांक 16 मई 1986

संदर्भ सं०: क्रभंनि/41/2/85-प्रशा०/2531 :-परमाणु ऊर्जा विभाग क्रय और भण्डार निदेणालय के निदेणक
ने स्थायी भंडारी श्री पी० सी० मथाई को इसी निदेणालय
में दिनांक 17-2-1986 (पूर्वाह्न) में 4-4-1986 (ग्रपराह्न)
सक 650-30-740-35-810-द०-रो०-35-880-40-1000
द०रो०-40-1200 ६० के बेतनमान में सहायक भंडार ग्रधिकारी
के पद पर तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया
है। यह नियुक्ति सहायक भंडार ग्रधिकारी श्री वी० बी०
प्रभु के स्थान पर की गई है। जिन्हें भंडार ग्रधिकारी
(दवर्ष) के पद पर पदोन्नत किया है।

दिलांक 21 मई 1986

संदर्भ कर्मान/2/1/(3)/85-प्रशा $\circ/2634$:--परमाणु ऊर्जा विभाग ऋय और संखार निदेशालय के निदेशक स्थायी उच्च श्रेणी लिपिए तथा स्थानापन्न सहायक लेखापाल श्री ए० पी० चेंतामराक्षन को इसी चिदेशालय में दिनांक 7-4-1986 (पूर्वाह्म) से 8-5-1986 (अपराह्न) श्राधार दियां ह 8-5-1986 पर तथा (भ्रपराह्न) से श्रमले श्रादेश होने नियमित 650-30-740-35-880-द०-रो-40-पर 960 रु० के वेतनमान में महायक लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

> बी० जी० कुलकर्णी प्रशासन श्रधिकारी

नाभिकीय ईधंन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 24 मई 1986

सं० ना ई० स०/का०प्र० भ०/0703/1101—इस कार्यालय की अधिलूबना संख्या ना० इं० स०/का० प्र० भ०/0703/699, दिनांक 23 अप्रैन 1986 के क्रम में सहायक लेखाकार श्री ना० भरतन की रु० 650-30-740-35-880-द०-रो०-40-960 के वेतनमान में स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्ति को दिनांक 6-7-1986 पर्यंत या आगामी आदेशों पर्यंत—इनमें से जो भी पूर्व घटित हो, आगे बढ़ाया जाता है।

दिनांक 30 मई 1986

सं० ना इं० का प्र० भ० 1603 1144:—नाभिकीय ईश्वन एम्पिय के प्रशासन के उप मुख्य कार्यपालक जी निम्नलिखित कर्मचारियों को नाभिकीय ईश्वन सम्मिश्र में ग्रस्थायी
हैसियत से ६० 650-30-740-35-810-द०-रों०35-880-40-1000-द०-र०-40-1200 के वेतनमान
में स्थानापन्न वैज्ञानिक ग्राधिकारी (एम० बी०) के रुप में उनके नामों के सम्मुख दर्शायी गई तिथि मे ग्रागामी ग्रादेशों पर्यंत नियुक्त करते हैं :—

क्रमांक	नाम	वर्तमान पद	बी०)	ं० (एस० के रूप में त तिथि
सर्वे श्री			_	
1. जी० नर्रासंह	् वै० स (सी०)	0 3-	-3-198	6 (पूर्वाह्न)
2. जे० चंद्रमौ	लि (बैं० स (सी०)		2-198	६६ (पूर्वाह्न)
 भार०,सुब्ब 			-2-198	o (पूर्वाह्न)
			-	

अ०व० खान प्रबंधक कार्मिक व प्रशासन

परमाणु खनिज विभाग

हैदराजाद-16, दिलांक 29 मई 1986

नं पदा-16/9/85-भर्ती,-िदिगा, परमाणु खिनिज प्रभाग परमाणु ऊर्जा विभाग, एतद्द्वाग परमाणु खिनिज प्रभाग के स्थायी विष्ट आणुलिपिक श्री एन० दुर्गा प्रसाद राव को उसी प्रभाग में सर्वथी अ० ल० ग० भास्त्री और टी० एन० जारायणा, सहायक कार्मिक अधिकारियों के छुट्टी पर जाने पण 31 मार्च 1986 के पूर्वाह्म से 6 जून 1986 नक तदर्थ रूप से स्थानलक सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 मई 1986

सं० पखप्र-16/2/85-भर्ती निदेशक, परमाणु खानिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतद्द्वारा परमाणु खानिज प्रभाग की स्थायी महायक लेखापाल श्रीमती सरस्वती वेंकटाचलम की उसी प्रभाग से 2 श्रप्रैंच 1986 के पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेणों तक स्थानायत्र रूप से पड़ाएक लेखा यक्षिकारी नियुक्त करते हैं।

ी० एस० स्रार० मूर्ति, प्रशासन प्रधिकारी-U

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई 400008, दिनांक 29 मई 1986

मंदर्भ भाषाप/भ 5/स्था०/पदों०—भारी पानी परियोजनाओं के प्रधान कार्गकारी भारी पानी संयन्न (तलचर) के श्री बी० प्रधान सहायक लेखाकार को इसी संयन्न में श्री पी० हरिक्वण्यन, सहायक लेखा श्रधिकारी जो छुट्टी पर है के स्थान पर 17-2-1986 (पूर्वा०) ने 25-3-1986 (ग्रय०) तक के लिए ग्रस्थायी तींगपर तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न महायक लेखा ग्रधिकारी निग्वन करते हैं।

श्रीमती के० पी० कल्याणीकुट्टी प्रशासन श्रधिकारी

इन्दिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केन्द्र बम्बई-400039, दिनांक 6 मई 1986

सं आई० जी० सी० ए० आर०/ए० 32023/1/86-आर०/239--इस केन्द्र की तारीख 6 मार्च 1985 की समसंख्यक (4233) अधिसूचना के कम में सहायक लेखाकार के पद पर स्थानापन्न रूप में नदर्थ सहायक लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में कार्यरत श्री किलीकुलंगार मामन वेलवृधन 2-5-1986 (अपराह्म) से सहायक लेखाकार के पद पर प्रत्यावर्तिन किए जाते हैं।

कुमारी एस० गोपान**कृष्ण**न प्रणामनिक <mark>प्रधिकारी</mark>

महानिदेशक नागर विमानन का का**यलिय** नई दिल्लो, दिनांग्र 8 मई 1986

मं० ए०-32014/2/86-ई. ए---महानिदेशक नागर विमानन में निम्नलिखित सहायत विमान **क्षेत्र प्रधिकारियों** (तदर्थ) को दिनांक 29-4-1986 में नियमित **प्राधार पर** नियुक्त किया है:-

ानयु म त ।कथा	ह् :-	_	
ऋसं ०	 नाम		
सर्व श्री	AN TO THE PERSON OF THE PERSON		<u></u>
1. ग्रार० सी	।० फेरियर		
2. ग्रमरजीत	सिंह		
3. श्याम ब	ात्रु शर्मा		
4. भ्रार० ए	० नारायणन-I		
5. बी० के०	वर्मा		
6. बी० बी०	» श्रीवास्तव		
7. सुभाष च	न्द्र		
8. ए० एस	० कादियान		
9. मुश्रता घं	ोप		
10 वी० के	० मेहरा		
1.1 पी० के	० प्र म्हा		
12. ए० के	० श्रीवास्तव		
13 राम कु	मार भर्मा		
14. पी० र्प	ो० श्रीवास्तव		
15. जी० भ	।ट्टाचार्या		
16. वी० र्व	ो० सिंह		
1 <i>7.</i> एम॰ ।	एस० भाराज		

दिनांक 14 मई 1986

18. घी॰ पी॰ जेमिनी

सं० ए० 32013/3/85/ई० ए — राष्ट्रपति सर्व श्री एस० के० ठाक्तुर और एस० महालियम उपनिवेशक के दिनांक 27-3-1986 से सथा श्रन्य श्रादेश होंने तक नियमित श्राधार पर उपनिदेशक विमान क्षेत्र दिनांक नियंत्रक नियुक्त करते हैं दिनांक 22 मई 1986

सं० ए० 31013/3/82-ई०ए०—राष्ट्रपति, नागर विमानन विभाग के वायु मार्ग श्रीर विभान क्षेत्र संगठन में निम्नलिखित श्रीधकारियों को उनके सामने दी गई तारीख से स्थायी क्षमता में विमान क्षेत्र श्रीधकारी के ग्रेड में नियुक्त करते हैं:-

क सं०	नाम	 ~ तथा	पुष्टिकी तारी
सर्वे श्री			
1. वाई०	के० बोहर	T	19-8-82
2. एस० के० माटा			19-8-82
3. टी० व	गि० रामास्वाम <u>ी</u>	t	19-8-82
4. एम०	क्षे० हॉडा		19-8-82
5. एम० एन० पार्थामारथी			19-8-82
6. वी०	के० धर		19-8-82
7. एस०	वी० सिक्का		19-8-82
8. टी॰	एन० सोम		19-8-82
9. वी०	पंचपाकेसन		19-8-82

1	2		3
10. एस०	एन०	बनर्जी	1-10-82
11. पी०	क्रार०	जादव	1-10-82
12. एस•	एस०	सिह्	1-12-62

मुक्कुल भट्टाचार्जी उपनिदेशक (प्रशासन)

निरीक्षण महानिदेशालय सीमा व केन्द्रीय उत्पाटन शुस्क नई दिल्ली, दिनौंक 29 मई 1986

सं० 7/86— श्री राजीव कुमार प्रमुखाल के जो पहले केन्द्रीय उत्पादन शुक्त मबुरें में सहायक समाहर्ता के पद पर कार्यरत थे, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग के दिनांक 31-3-1986 के पत्न फाइल सं० ए-22012/22/86-प्रशा ०-इ रा जारी छावेश संख्या 35/1986 के अनुसार निरीक्षण महानिदेशालय (सीमा शुरुक व केन्द्रीय उत्पादन शुक्क) नयी विरूप में स्थानांत ण हो जामे पर दिनांक 8-5-1986 के पूर्वाह्न में सहायक निदेशक (निरीक्षण) (सीमा शुक्क व केन्द्रीय उत्पादन शुक्क) के पद का कार्यभार संभाज लिया।

एच०एम० सिह निरीक्षण महानिदेशक

परिवहन मंत्रालय

जल भूतल परिवहन विभाग

नौवहन महानिदेशालय

बम्बई,-400038, दिनाँक 21 मई 1986

सं०-11 टी० धार० (6)/85--भारत के भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण भोरिसाक्षेत्र भूवनेश्वर की श्रीमती इराबोस प्रशासनिक ग्राधिकारी को दिनौंक 21-4-1986 (पूर्वाह्म) से तीन वर्ष की ग्रवधि के लिए समुद्री इंजीनियरिंग प्रशिक्षण निदेशालय कलकत्ता में उन्नी हैसियत से प्रतिनियुक्ति के श्राधार पर नियुक्त किया गया है।

> ग्रमिताभ चन्द्र नौवहन उप महानिदेशक

उद्योग एवं कम्पनी कार्य मंतालय (कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी रजिस्ट्रार का <mark>कार्या</mark>लय

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 भौर टाइम पार्टस इन्डस्ट्रीज प्रा० लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनाँक 29 ग्रप्रैल 1986
संख्या 716/11765/560/(3), कम्पनी ग्रिधिनियम
1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रन्मरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माम के ग्रवसान पर टाइम पार्टेस इन्डम्ट्रीज प्रा० लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्यत ना किया गया हो तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा।
और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी

बी० राधा कृष्णन कम्पनियों का श्रृतिरिक्त रजिस्ट्रार महाराष्ट्र, बम्बई

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रौर के एलोरा एजेन्सीज प्रा० लि० के विषय में

कानपुर, दिनाँक 24 मार्च 1986

सं० 3331 LC/3848——कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्बारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के श्रवसान पर एलोर। एजेन्सीज प्राइवेट लिम्टिंड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर मे काट दिया जायेगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

एल० एम० गुप्ता कम्पनियों का रिकस्ट्रार उत्तर प्रदेश, कानपुर प्रारूप आहें. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

धर्जन रैंज, महास

मद्रास, हिनांक 12 मई 1986

निवेश सं० 1/सेप्ट/85---ग्रतः मुझे, ए० के० तालपना भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (वित्ते इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, <mark>विसका उचित वाचार मृस्य</mark> 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी मं० एस० नं० 1910, श्रांडानकोइल किल-पागम ग्राम करूर है तथा जो मद्रास में स्थित है भौर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिः।री के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीय सितग्बर, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाबार मृत्य सं कम के क्यमान प्रतिफल के निष् अन्तरित की गई है और मुक्के यह निर्मास करने का हारण है कि सभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिकंत से, एसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) जीर अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब वाया गया प्रतिकास, निभनिवित उद्योषय से उस्त अन्तरण जिथित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुद्दं फिली बाध कीं, बावसं, स्वयं अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की क्षामित्व में कमी करने या उत्तव वचने में सुविधा के निए; जौर/वा
- [[क]] ए`सी किसी जाव या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय वायकर विधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना चाष्ठिए था, क्रियाने कें सुविधा क निए

अतः अय, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क्षें, मैं,, उक्स अधिनियत्र की भारा 269-व की उपभारा (1) क्रो अभीस, निकासिसिस व्यक्तियों, वर्षात् 🖫 —

- (1) श्री टी॰ वी॰ ए सि॰ वॅकटरामा चेट्टीयार झौर श्रन्य । श्री कामराज पुरम नर्थे, करूल।
- (ग्रन्सरक) (2) श्री ए न० मुनियप्पन फ्रीर दूसरे । श्री उप्पीडन मंगलम मेलपागम ग्राम, करूर। (भन्तरिती)

को वह सूचना बाटी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति को अर्थन को सिक् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

क्या कर्मांत से सर्वर के तंत्रम में साही तो सालेर उन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की बनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों दर स्चनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी विविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति बुनारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पाद किरियत में किए या सक्ती है।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उबत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, आर्थ उस अध्याय में दिया गया है 🗷

अनु सूची

जमीन 0.60 एकड़ एस० नं० 1910।

एस० के० तालपत्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, मदास

सारीख 12-5-1986

भोहर ∄

2-116 GI/86

प्रकल साहाँ हो। एम कम

नावकार विधिनियम 1961 (196) को 43) की भाषा 269-च (1) के अभीन स्थान

नारत तरकार

कार्यालय, बहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रैंज, मद्रास मद्रास, दिनांक 12 मई 1986

निदेश सं० 2/सेप्ट/85—ग्रत: मुझे, ए० के० तालपन्ना बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (निष्णे इसकें इसकें प्रशास 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), अर्थ वारा $469 \sim 3$ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के कारण हैं कि स्थावर मध्यति. जिनका उपित बाजार मृज्य 1.00.000/- रह. से अधिक हैं

म्रीर निपकी मं० 9. 9-ए. टाउन हाल रोड है तथा जो मदुरे में स्थिन है (ग्रीर इपसे लपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिनिस्ट्री ति ग्रीय गरी के वार्यालय, एस० ग्रार० पुदु मंडपम डाकु मैंट नं० 2144 श्रीर 2145/85 में रिनस्ट्री-करण ग्रिधि नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन सारीख मितम्बर, 1985

का प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के सम्बक्त शितफल की निए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि प्रशासिक संपत्ति का उपित बाजार मृत्य असके बब्यमान प्रतिफल से एसे बब्यमान प्रतिफल का पद्ध प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और (अंतरिकों) के बीच एसे अंतरिण के निए तय पाया गया प्रतिक कम, निम्निविधित उद्देश्य से अंक्त अम्तरण मिणित में बास्त कम, निम्निविधित उद्देश्य से अंक्त अम्तरण मिणित में बास्त कम कम से कि मिण तय प्रांत नहीं किया गया है ----

- (क) जन्तरक से हुए किसी भाग की बानका, उत्तर मींपनियम के बाधीन कर दोने की सन्तरक की समिरच में कभी करने या उत्तर्श सकते हों श्रुतिया हा किए; की शा
- (क) एसी किसी बाय वा किसी अन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय वाय-कर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम था धन प्रदे अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम - निम्मिसिक क्यिक्तमों, अधीत :- (1) श्री बी॰ गृरमूर्ति श्रीर दूसरे। श्री नगर कोलनी, मेडिकल कालेश रोड, सांभूर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शिक्ष शंकरमूर्ति, बीठ टी० स्नार० हाउस, स्रशोक रोड, विन्दुगल ।

(भ्रन्तरिती)

की यह सुचना चारी करके पूर्वीकत संपरित के वर्जन के जिल कार्यवाहिकों करता हुं।

उक्त संपरित के वर्षन में संबंध में कोई नी वाश्रेष :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की सविध या तत्सम्बन्धी स्पनितयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर प्रवेक्त स्वविस्ता में से फिसी स्विक्त स्वास;
- (क) इस सूचना के राज्यान में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी की पास जिल्डिंग किए वा सर्केंगे।

स्पद्धिकारण : -- इत्तर्भे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भा उक्त विधिनियस के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं जर्थ होगा को उस अभ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और महान 9 और 9-ए, टाउन हाल रोड, मदुरें।

> ए० के० ताचपता सक्षम प्राधिारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

ं तारीखः . 12−5−1986 मोहरः ‡

मधाम कार्या , क्या , स्था , स्था , स्थानकान

नारकर विवित्यस, 1961 (1961 का 43) सौँ भाग्य 269-भ (1) के संबीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिशांक 12 मई 1986

निदेश सं० 3/सेप्ट/85—ग्रत: मृष्टी, ए० के० तालपत्रा बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त बीधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अजीन सक्षण प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर इम्मित, जिसका बिधत बाबार मृल्य 1,00,000/- रु. सं अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० टी॰ एस॰ नं० 2121 नाच्चीयार श्रम्मन कोइ ल स्ट्रीट, बोर्यूर है तथा जौ—में स्थित है (धीर इससे उपाबद्ध श्रनुनुची में श्रीर पूर्ण घप से व्यापत है), रिनस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय जे० ए० एस० श्रार० श्राई० तिरुचि में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीभीन तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिक्षक के जिए बन्दरिस को गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, ७५% ध्रयमान प्रतिक्षन से, एसे ध्रयमान प्रतिक्षन से, एसे ध्रयमान प्रतिक्षन से, एसे ध्रयमान प्रतिक्षन से बिधक है और बंतरिक (बंतरकों) को बंतरिसी (बंतरिस्पों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पामा गया प्रतिक्षन, निम्निनिचित एक्षिय से उक्त अम्तरण निचित में बास्स्विक रूप से क्षिष्ठ नहीं किया,गया है:——

- (क) जन्तरण सं धुद्ध किसी अस की सम्बद्ध, बदर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के स्थिए; अरि/या
- ग्रंश) एंसी किसी बाय वा किसी अन वा अन्य अस्तियाँ का, चिन्हाँ भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अध्याजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया बाना जाहिए था, जिलाने को सुविधा के निष्ठ;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, में, रुक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, वैनस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

(1) श्री बी० राम कृष्णनन मौर दूसरे। 56. नाच्चीयार रोड, बोरेयूर ।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री भ्रार० बरदन भौर दूसरे 2, ग्रांडर स्ट्रीट, तिरुच्चि।

(भन्तरिती)

निशंयह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सक्याति के अर्चन के जिल् कार्यकाहिया करता हो।

सकत संपत्ति को अर्जन को संबंध में आई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के रायपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की नविभ या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की संविध, यो भी अपिय वाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीक्त क्यें किसी में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिस्तक्ष किसी केन्य व्यक्ति इकारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:---डममें प्रयुक्त शब्दों और पर्दा का, जो अक्ट अधिनयम, के अध्याय 20-क से परिश्लाचत हैं, वहीं अर्थ डांगर जो उस अभ्यास में दिशा सवा है।

अनुभूची

भीत आं : राव टी० एस० नं० 2121 (बुरीयूप)।

ए० के० तालपदा यक्षप्र प्राधिकारी सहापक सायकर सायुक्त (विरीक्षण) अर्जन रैंस, सद्राय

नारीख 12--5-1986 मोहर : प्रकथ बाइ े टी ्र एम्, एस ु------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहामक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

धार्जैन रेंज-2, नई दिल्ली मई दिल्ली, दिनांक 28 धार्पैल, 1986 निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० धार०-1/ 9-85/229-अत: मुझे, धार० पी० राजेश

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० नं० 4782/1, प्ताट नं० 8, बजाक ए, दिरयागंज में स्थित है (ब्रीर इससे उपाबद अनु वि में घौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्री हती अधि तारी के कार्यालय, नई दिल्ली मैं रिजिस्ट्री करण शिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, सारीख सिसम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के खिनत बाजार मृत्य से कम के सरवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्ण, उसके सरयमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिकट से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ..—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की गावत, उक्त अभि-निवस के अभीन कर बोने के बंत क के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में शृविभा के किए; बीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन ना अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर विभिनयम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिमाने में सूविभा के निए;

अतः अव, उभत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, औं, उभत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् ु— (1) श्री सतीस चन्द्र चैन सुपुत श्री जुगुल किणोंप के-41, हीस खास एंकलेय, नई दिल्ली द्वारा मैनेजर (कर्ता) सतीसचन्द्र जैन एण्ड संस (एच० यू० एफ०)।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री चनश्याम लघाराम पहिलवानी सुपुन्न श्री लम्बाराम पहिलवानी श्रीर श्रीमती बंदना घनश्याम पहिलवानी परनी श्री घनश्याम पहीलवानी निवासी बी पी 615, कोंट् (रिपब्लिक श्राफ बेनिन) द्वारा 4764/23, घरियागंज नई दिल्ली। (शन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

सकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (स) इस सूचना के राजए में प्रकाशन की सारी से से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापर्टी नं० 4782/1, कंस्ट्रिक्टड प्रपोन 1 जाट नं० 8, सावादी 304.5 वर्ग ब्लाक ए दरियागंज, नई दिल्ली – 2।

भ्रार० पो० राजेश सक्षमप्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 28-4-1986

प्रकल आहे. टी. एन. एस.,----

शायकर अभिनिवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के ज़बीन त्यना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

धर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांवः 28 धर्मेल 1986

निदेश सं० ग्राई० ए० सी ०/एन्यू०/ 2/एस० ग्रार०-1/ 9-85/230--- ग्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेण णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी परचात् 'जन्त अधिनियम' अध्यागया हैं), की भारा 269-का के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह शिरणांस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से **म**िषक है भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 12/1-यू० ए०, चन्द्रावल रोड, है तथा जवाहर नगर,दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख सितम्बर, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कक के धरमजान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह भिक्सात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, इसके उथ्यभान प्रतिफल से, एसे उथ्यमान प्रतिपाल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

> (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में स्विधा के लिए; और/वा

प्रतिकल, निम्मलिसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में

बास्तिबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(व) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हों आरतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसता अविशेषकम, वा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिक्:

कतः अव, उक्त निभिनियम की भारा 269-ए के अनुद्धरण मों, मीं, उक्त जीभनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्निविधित व्यक्तियों, अथींस् :---

- (1) श्री सीहन लाल पाहवा सुपुत श्री हैमराज, निवासी ए-47, 48, मलकागंज, दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) मैं युनाइटड प्रापर्टीज नं 5, शंकराचार्य मार्ग, सिविल लाइंस, दिल्ली। (प्रन्सरिती)

को यह त्वमा जारी करके पूर्वोक्स सम्पर्धि के गर्गन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाताप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीक से 45 दिन की जबाँध यातरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबील से 30 दिन की अवाँध, धो भी जबाँध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ती किसी व्यक्ति दुवारा;
- (य) इस नुवना के राजवत्र में प्रकाशन की शारीय से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में दितवर्ष जिली अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी की पास लिसित में किए जा सकींवे।

स्यव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वोका, जो उच्च अधिनियम के अध्याय 20-क में परिआधि है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

वनुसूची

प्लाट नं । 12/1-यू० ए० तादादी 552 वर्ग गज । चन्द्रावल रोष्ट जवाहर नगर, दिल्ली फी होल्ड ।

> ग्रार० णी० राजेश सक्षम गाधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली 110002

सारीख : : 8-4-1996

शक्त वार्ष _{ते} द्वी त स्वतः एव त ननवनन

काषकंट वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भास 269-म (1) के वर्षीय सूचमा

HIER REPORT

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 28 अप्रैल 1986

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एकपृ०/2/एस० ग्रार०-1/9-85/264--ग्रतः मुझे ग्रार० पी० राजेश आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्थके परवाद 'उक्त अधिनियमं' कहा गया हैं), को कि पाय 269-च के अधीन सम्भ ग्राभिकारों को, मह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका अभित बाजार क्ष्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० ई-29, राजोरी गार्डेन नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे ज्याबद श्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजिस्ट्री एती ग्रिधिकारी के कार्यात्रय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण प्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारोख सितम्बर, 1985

को बृजोक्त बम्पीत के जिल्ल बाजार मूल्य वे कम के स्ल्यकाल प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाबार मूल्य, उसके स्थमान प्रविक्त से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और जंतरक (अंतरका) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त वीचीनवम के वंधीय कर दोने के वस्तरक के व्यविशा में कभी करने या उद्यवं ावने में विश्वा के सिक्षह; कोंद्र/वा
- (क्र) ध्रेबी किसी नाम वा किसी धन मा कव्य जारिककों ब्रीधिनिवय, 1957 (1957 का 27) के जबसेय-बार्च अन्तरिती व्यास प्रकट नहीं 'क्या नवा भा मा किसा काना काहिए का विमान में सुविधा के सिस्

वरा भव, व्यव विधिनवन की पारा 269-म के वनुकरण मों, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के वधीन, क्रिक्ट्सैनविश व्यक्तियों अवस्ति क्र-- (1) श्री हर्स जोगिन्द्र नाथ सचदेव 2. श्री श्रनिल कुमार सचदेव 3. श्रीमती कमल सचदेव द्वारा वी० के० बम्पी 4. श्रीमती बम्पी निवासी बी-1/638, जनपपुरी, नई विल्ली ।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री मोहन लाल साहनी, बी-34 मायापुरीग्रीगोगि एरिया फेज-2 नई दिल्ली 1

(अन्तरिसी)

को वह त्यना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के सिए कार्यनाहियां कुक करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आसंप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की सर्वीध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिठ-बब्ध किसी बन्ध स्थानिस व्वारा, जभोष्ट्स्ताक्षरी के पांच सिटिवत में किए जा सकीयां।

स्वक्किरणः—इसमें प्रयुक्त बक्दों और पदी का, जो उन्नत निम्नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गवा है है।

अनुस्ची

प्रापर्टी नं० ई-29 राजोरी गार्डेन नई दिल्ली तादादी 451.5 वर्ग गज फी होल्ड।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधितारी सहायक भ्रायकर श्रापुक्त (िीजण) श्रर्जनरेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 28-4-1986

प्ररूप आई.टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 28 श्रप्रैल 1986

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० ग्रार०-1/9-85/265—ग्रत मुझे ग्रार०पी० राजेश आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके क्जाक् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिपकी सं० काटेज 10 बेस्ट पटेल नगर नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विजिन है) रिजिस्ट्री ति श्रिधिकारी के वार्यालय नई दिल्ली में रिजिस्ट्री रूप श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख सितम्बर 1985

को पूर्वोक्ट सम्पत्ति के उचित बाधार मृस्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नहें हैं और जूने वह विषयास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्ट सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्रत में अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेत्रय से उक्त अन्तरण सिकित में बास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया हैं :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की वावता, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वावित्व से कभी करने या उससे वचने में सूचिभा के किए; और/या
- लं श्रंभी किसी नाथ या फिसी वन या क्षण जारिक्यों को, जिन्हें नारतीय आवकर निवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उपता निवित्यम, या क्षण्य अधिनियम, या क्षण्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को अविजाल अल्सीरसी व्यास प्रकट नहीं किया गया या विकास जाना चाहिए था, छिपान में भृतिया के लिए;

अतः भवः, उक्त अभिभित्रक की भारा 269-ग को अनुसरण मा, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिभित व्यक्तियों, अभीत् :--- (1) 1. जनक देवी 2. बरकत राम 3. हरबंस लाल 4. हंसराज 5. जगदीश लाल लोसी श्राफ काटेंज नं० 10 वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्री विशम्भर नाथ 2. मोहन लाल 3. श्रंजू मह्होत्रा निवासी 52/24 रामजस रोड दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को बहु तुचना जारी करके पूर्वोच्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—
(क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से
45 दिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्विक्स
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितसद्भ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पारु लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उम्ब अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिक्त भेगा है।

अनुसूची

काटेज नं० 10 वेस्ट पटेल नगर नई दिल्ली लीज होल्ड १

> भ्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 28-4-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 28 श्रप्रैल 1986

निवेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० प्रार०-1/ 9-85/267-प्रतः मुझे, प्रार०पी० राजेश शायकर अधिनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है प्रोर जिसकी सं० भ्यूनिसिपल नं० 1288 राज बहादुर सल्तान बिल्डिंग नजदी । श्रोल्ड हिन्दु काले विल्डिंग कश्मीरी

आर जिसका सक म्यूनिसिपण निक्य 1288 राज बहायुर सहतान बिल्डिंग नजदी ह श्रीलंड हिन्दू काले के बिल्डिंग कश्मीरी गेट दिल्ली में श्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख सितम्बर 1985

को पूर्वाक्स संग्रीस के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रमान प्रिस्कल के निरु क्तरिस की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूच्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल स्व प्रमुख प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रति-ध्रम निग्निलिबत उद्देश्य से उकत अन्तरण सिधित में बास्तिक स्व से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की यावत, उच्त विधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) पंसी किसी बाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या भन- अर आंभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिभा के लिए।

अत अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनमरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभाष (1) के मभीन, निम्ननिश्चित व्यक्तियों; अर्थात्:——

(1) मैं० ७० विरेंद्रा सिंह (रिटायर्ड) लाला प्रदीप सिंह श्रीर श्रणोक प्रताप सिंह राय बहादुर मृल्तान सिंह बिल्डिंग म्युनिसि⊹ल नं० 1288 कण्मीरी गेट दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. मै० सी० एल० जी० जन्त्स्र्वशन प्रा० लिमिटेड
 - 2. जी० के० कन्स्ट्रक्शन प्रा० लि०
 - 3. गुलाटी एण्ड कपूर कम्स्ट्रकशन कं० प्रा० लि०
 - 4. धरुका कन्स्ट्रक्शन कम्पनी प्रा० लि०
 - मोहन कस्स्ट्रक्शन कं प्रा० लि०
 - 6. वेलफेयर कन्स्ट्रक्शन कं प्रा० लि०
 - 7. पोड़ी कंस्ट्रक्शन कम्पनी प्रा० लि०
 - 8. बी० कपूर कंस्ट्रक्शन कं० प्रा० लि०
 - 9. के० जी० कंस्ट्रक्शन कं० प्रा० लि०
 - 10. गुलकेप कंस्ट्रकशन कं प्रा० लि० रक्तिस्टर्ड कार्यालय 12 ए- बन्दना बिल्डिंग
 - 11 टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली।

(फ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्णोक्त संपत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता है।

उच्य सम्पत्ति को अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-षद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

नन्त्वी

म्युनिसिपल नं० 1288, राथ बहादुर सुल्तान सिंह बिल्डिंग नजदीक म्रोल्ड हिन्दू कालेज बिल्डिंग कण्मीरी गेट, दिल्ली।

> ग्रार०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, विल्ली, नई दिल्ली-110002

तारी**ख**: 28—4—1986

मोहर .

__-----

प्रकृष काह^रः टर्ने. एनः, एसः, अवस्तराज्यास्य

बायकर ब्रॉंक्शिंकिंकः 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के बचीन सुमना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक मामकर काय्क्त (निरक्षिक) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 28 अप्रैल 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/ 9-85/268--अन: मुझें, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सध्यति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिप्तकी सं म्युतिसिपल नं 01288-सी 1289, राय बहादुर स्तात जिड़ बिल्डिंग श्रीलंड हिन्दू कालेज, नई दिस्ती में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिस्ती में रिजस्ट्री करण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जितम्बर, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रथमान प्रतिफल से एसे द्रथमान प्रतिफल का पंद्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बैच एमे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- ्रिक्त) क्रान्तरण से हार्ड किसी मान की वानत सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्व में कमी करने या सससे जवने में सुनिधा को िस्त् | सीर/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों करों, जिस्हों भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवार्य प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में इतिभा के शिष्:

क्षप्तः कव, उक्त किंपित्यम की धारा 269-म के अनुसरक धैं, मैं अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 3—116 GI/86 (1) मै० ७० विरेन्ता निर्देश (1970ई) एण्ड श्रोदराभ १ एर्की (देश १) १२ वटानुर सुल्लान सिंह विल्डिण क्युक्ति(१९) २० 1288 पाण्मीरी गैट, जिल्ली ।

(अनारक)

- (2) मैपर्म सी० गाँ० जी० जन्द्यामा कस्पनी प्रा० विशिष्टेड ।
 - 2. जी० क्षेत्र कस्मदृक्ष्यप काली प्रा० लि०,
 - 3. गुलाबटी और अपर कस्ट्रकम प्रा० लि०,
 - 4. अलग कन्स्ट्रनशा कपनी प्रा० लि०,
 - मोहन कन्छक्षण अम्बनी प्रा० लिमिटेड,
 - पीड़ी कस्त्रुक्णाः । चर्चाः प्रा० लिमिटेड,
 - 8. पै॰ तील अपूर अध्याप असमी प्रा० लिल,
 - भ. दावजीव प्रस्केत असी प्रावित्,
 - गुल १५ कंस्ट्रकार कर्ली प्रा० लि०, पंतरिका कथित ::-१, यस्त्रमा बिल्डिंग,
 - 11. टाक्स्साय प्राची, वर्गी (लर्गे ।

(अन्तरितीः)

करें यह स्थान पार्थी पार्या अस्त । यो प्राप्त के लिहा कार्यवाहियां शुरू करता हो।

रुक्त रामहिता को अलीन को नामन्त्र हो। कोओ और सा**धीय**; कर

- (क) इस मचना के राजपण कि प्रतासन की तारीख से 45 कि की नारीय का निरुष्टा की व्यक्तियों पर सूचना की तासील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि कह में कि कि कि हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिओं की कि कि निर्देश के वितर पूर्वोक्त
- (स) इस मचना की राज्यक की भन्नाजन की नारींब से 45 विश की भीगत करा काना कार्यात में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तित हमारा अभाहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकींग।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उन्स अधिनियम कि अधार 20-क में परिभाषित हैं, शक्की अधीर की लग्न अध्याय में विदा भ्या हैं

प्रन्प्ती

म्युनिरिक्त नं० 1233 ती, व 1289 राय बहादुर मूलनान िंह बिल्डिंग, भलदी व ग्रोल्ड हिंदू कालेज बिल्डिंग कश्मीरी गेट, दिल्ली, फी होल्ड ।

> ं आर० पी० राजेश शक्षम प्राधिकारी एटल असर अस्मिका (निरीक्षण) ्रोहेट केंद्र-१, दिल्ली, कई दिल्ली ।

तारीख: 28-4-1986

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंश-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 अप्रैल 1986

निदेश सं० आई० ए० मो० /एवयू० /2/एस० आर०-1/
10-85/276--अतः मुझे, आर० पी० राजेश
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसको मं० फ्लैट नं० 301 से 304 प्रापर्टी नं० 4834/24, अन्मारी रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबड़ अनुभुषों में श्रौर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीयर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत तारीख अक्तूबर, 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्वरमान प्रतिफल से, एसे द्वरमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितौं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री बुजेक्यर दयाल माथुर भूरेक्वर दयाल एम० डी० माथुर सूपुत्र श्री पी० बी० माथुर 8, विवेरिमा ग्रपाटमेंट माल रोड, श्रार-4 एस० डी० एस० ई०-2, नई दिल्ली द्वारा एम० डी० मदन सूपुत्र सी० आर० मदन निवासी 482, डा० मुखर्जी नगर, दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) मै० स्वरूप लीजिंग लिमिटेड, कम्युनिटी सेन्टर ईसेंट आफ कैलाक नई दिल्ली द्वारा विरेद्रा स्वरूप अग्रवाल सूपुत्र राम खरूप अग्रवाल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त् सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

प्लैट नं० 301 से 304 पूर्ण क्षेत्र। तादादी 1750 वर्ग फीट। प्रापर्टी भाग नं० 4834/24, ग्रंमारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली। फी होल्ड।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकरी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

ता**रीख**: 28-4-1986

इक्त आहु दी पुन एस .----

नायकर निष्तियुत्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 स्व्(1) से स्वीत ब्रुका

शासा वरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनांक 15 मई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एऋयू०/2/एम०आर०—1/11/85 320——आर०पी० राजेश

नायकर मिपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके नक्षात् 'उकत निधिनयम' कहा यना हैं), जी धारा 269-च के नभीन सक्तम प्राधिकारी को, यह निक्यास करने कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाचार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० 10, रोड नं० 84, क्लाण सी, पंजाबी बाग, नई दिल्लो में स्थित है (स्रोप इसमें उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्री क्रित अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन क्षारीख नवम्बर, 1985

को पूर्वेक्त सम्मत्ति के <mark>उत्तित नाकार मृश्य से कम के द</mark>श्यमान प्रतिफल के सिए , जन्तरित की गई

हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुक्य, उसके दृश्यमान प्रति-कश तो, वृत्ते क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच पृत्ते अंतरण के किए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित्ति समुद्देश से उक्त अंतरण सिचित्त में बास्तिक क्य ते काँचित कहीं पित्रमा गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुर्इ किती जाय की शावत, उपत जिम्हिन्दच्च के अभीन कर दोने के अन्तर्क के बायित्य में कमी करमें मा उत्तवे बचने में तृषिभा के किए; कांद्र√वा
- (व) वृथि कियी जार वा किसी धन ना अन्य करिस्त्वों को चिन्हों भाउतीय बावकड़ विधानिक्या, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनिक्या, या धन-वाड़ विधानिक्या, 1957 (1957 का 27) के प्रश्लेषनार्थ कृतिहरी दुवारा प्रकट नहीं किया पना वा वा विधान प्राप्त प्राप्त वा किया प्राप्त वा विधान वो विधान

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कै, कै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) 1 श्री सुरिन्दर पाल सिंह 2. श्री अमिन्दर सिंह 3. श्रीमती हरमित कौर पत्नी कुलदीप सिंह रहेणा सुपुत्नी भाग सिंह 10/84, पंजाबी बाग, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मनमोहन सिंह एण्ड सन्स द्वारा कर्ता श्री मनमोहन सिंह सुपुत्र श्राशा राम 8-ए/15, डब्ल्यू ई० ए०, करील बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तिरती)

को सब् सुभवा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति औं अर्थव कं श्रमक कार्यकाहियों करता हुं।

उनका सम्माचि के अर्थन के सम्मान्त को काहे। भी आक्षरेप :----

- (क) इस सूचना के राज्यम् में प्रकाशन की तारीध से 45 विम् की नविध मा तरसम्बन्धी न्यवितमों पर सूचना की तानीस से 30 दिन की नविध, जो भी नविध वाद में समान्य होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तिका में से किसी नवित क्यारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के शीसर उन्त स्थावर संपत्ति में हिल-न्यू किया के किया के साम सिवित में किए जा सकोंगे।

स्वयांकरण ह—पुरुषे प्रमुख्य कर्मा श्रीर पूरी कहा, को उत्थर अर्थिपूरियम के बच्चाय 20-क भी परिभाषित हैं, वहीं वर्ष श्रोगा को जस सम्याद में जिया नवा हैं।

धनुसूची

सिंगल स्टोरी हाउस, प्लाट नं० 10, रोड नं० 84, क्लास सी. तादादी 536.11 वर्ग गज, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

भार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जैन रेंज⊸2, दिल्ली नई दिल्ली

नारीखा : 15~5—1985

(अन्तरक)

क्षम् अहर[े]. टी. **एव**. एक . = = ==

भागकर क्षेत्रहरूल २२७३ (१**७६**१ का **४३) की** धारा १६५-१ (१) य अलीन स्<mark>यावा</mark>

· 阿爾斯 (1997 m

कामिका, इक्ष्मक भागकर पास्का (मिर्निका) अर्जन रेंग्न-2, वई दिल्ली

नर्क दिल्ली, स्टिन्स्य अ. सङ्घी 1985

निदंश सं० १.ई० ए० ती० / एसपू०/१/एस० आर०-1/
11-85/322--अनः मुते, आर० पी० राजेश
नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (णिसे इसमें
इसकी पश्चात (उपन नार्व तम कहा गया हूँ), की भारा
269-च के अधीन राजाम शायाजारा को यह निश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्भारत, जिसका उच्चित सामार मुख्य
1,00,000/- का संभीयत हैं
ग्रीर निभ्वी ने० प्रासी ने० स्तु नाम वी, वजीरपुर

श्रीर भिन्ती नेव प्राप्ती नेव १७, ज्या तो, बजीरगुर आवासी काम फील्य गर्थ (विटा सिली में स्थित हैं (श्रीर इति उत्पाद त्रिक्ती में श्री पूर्ण क्या से विणत हैं), रिजर्झी हती जीव त्यीकी त्रिक्ति, एई फिली में रिजर्झीकरण अधिनियम, 1900 (2000 का 10) के व्यक्ति सारीख नवम्बर, 1985

को पृथिकत सम्परित के ाकित सम्परित के लिए समान प्रतिकल के लिए अन्तर के स्थापूर्ण से में प्रे यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थापूर्ण सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रव्यक्षण प्रतिकृत तो, एस द्रयमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिकात से को को हो हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नितिक उद्ग्लेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यक्तिक्क रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई फिमी आध की बाबत, उच्त मिंध-नियम के स्थान कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सूविभा के लिए; कॉर/बा
- (स) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्ति। रती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए:

अतः अब, उत्तत अधिनियम नहीं भारा 269-ग के अनुसरण मों, में उक्त अधिनियम कहें दारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री ज्ञानचन्द जैन सूपुत्र श्री हवेली गाह जैन निवासी सी-1/22, माडल टाउन, दिल्ली।
 - (2) सर्वेश्री कृष्ण गोपाल मित्तल और हरी कृष्ण मित्तल सूपुत श्री दीना नाथ 26/2, शक्ति नगर, दिल्ली। (अन्तरिती)

का यह भूवना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विष् कार्यवाहियां करता है।

कक्त सम्बक्ति के अर्थन की संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस नुचना को राजपण में प्रकाशन की तारीचा सं
 45 विन की अविश्व या सत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
 सूचना की तानीस से 30 दिन की अविश्व, चारे भी
 अविश्व वाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्ष्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मध्यक्रिप्रणः - - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्क विभिन्नमा, के अध्याय 20-क में परिधावित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

मन्स्ची

प्रापर्टी नं० 27 ब्लाक बी तादादी 497.22 वर्ग गज। ले आउट प्लान। वजीरपुर श्रौद्योगिक आवासीय स्कीम फेंस-1, अशोक विहार दिल्ली-1। लीज होल्ड।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जेन रेंज-2,दिल्ली नई दिल्ली

तारीब : 8−5−1986

प्रक्ष आह .टी. एत. एस. -----

भावकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-भ (1) के सभीप सुभवा

THE WATER

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी० /एक्यू०/2/एस० श्रार०-1/ 11-85/332--श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

और जिसकी मं० प्रापर्टी नं० 18-सी, ब्लाक डी-1, राजोरी गार्डेन में स्थित है (और इसमे उपाबद्व प्रनुसूची में; और पूर्ण क्या से विजित है), िल्ट्री हर्ती ग्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिक्ट्रिकिंग प्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख नवम्ब , 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचितं बाजार मूल्य में कम के इश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गर्र हैं और मूझे यह विद्वात फरने का कारण हैं कि ममापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके अध्यमन प्रतिपत्त हो, एंग्रं इश्यमान प्रतिपत्त का पंक्ष प्रतिपत्त का पंक्ष प्रतिपत्ति के अधिक हैं और मतरक (अंतरकों) और मंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्त निम्निलिखित उद्धें वस अवत अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्धप्रम सं शूप्र' किसी मान की मानकः सम्ब सीपीयम से सभीत कर समें से संस्कृत औ आमिरण में काफी कारण मा सबसे मणने में सुनिया में किस्तु, जार्ंण
- (अ) जभी किभी बाज मा किसी भव मा कम्म बास्तियाँ अ1, जिन्हाँ भारतीय जायकार भृभिनियम, 1922 (1522 का 11) मा अक्त बिभिनयम, मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ बंधरिसी द्वारा बकट नहीं किया सबा था मा बिजा जला चाहिए था छिपाने में सुबिधा के लिए;

भरा मुझ, उक्त विभिनिष्य की भारा 269-मू के बम्बरण भ, म, जन विभिनियम की भारा 269-मू की लपभारा 111 के बभीन, निम्नलिशित अधिसमों, अर्थान् क्र—

- (1) श्रीमती सरला कक्कड़ पत्नी स्वर्गीय श्री ओम प्रकाश डी-1/18-सी, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री नरेन्द्र कुमार एण्ड महेश कुमार सुपुत्र श्री नक्ष्मी नारायण जे--69, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

क्षे यह सूचना बारी करके पृक्षाँक्य सम्पत्ति के वर्षन के क्षियु कार्यवाहियां करता हूं।

रका संपरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वार्षण:---

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों इर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्वो का, को उक्त विकित्यन के कश्याय 20-क में परिशाविक हैं नहीं वर्ष होगा को उस कश्याय में दिका प्रसाहीं।

नन्स्यी

प्रापर्टी नं० 18-सी ब्लाक डी-1, 266 वर्ग गज राजोरी गार्डन क्षेत्र बसुई दारापुर, क्षेत्र दिल्ली, दिल्ली।

> न्नार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जंन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 15-5-1986

प्रथम बाह् . टी. बुद् . युद् . -------

आमकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-च (1) के अभीत सूचना

नाइत सहस्रह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 मई 1986

निवेश सं श्राई० ए० सी० /ए यी०/2/एस० आर०-1/ 12-85/368--अत: मुझे ,आर० पी० राजेश,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'उन्दे अभिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-व के अभीन तक्षण प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण ही कि स्थानर सम्मीत, विश्वका उचित बाबार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० 7/14 ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवस्बर, 1985

को पूर्वोंकत सपरित के उचित बाजार मून्य से कम के क्याया।
प्रितिस के लिए जन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास
करने का कारण है कि बंधापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार
मूल्य, उसके बश्यमान प्रितिफल से एसे बश्यमान प्रितिफल के
पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) और जंतरिती
(अंतरितियाँ) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाया गचा
मृतिफ स निम्मितियाँ उद्देश्य से उच्च जन्तरण निवित्त में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) क्लारण वे हुई कियों बाव की बावत , उनक अधिकवन के अधीन कर बोने के बन्तरक के वार्तित्व के क्यों करने वा उकते बज़ने में बृविधा के हैंसए; बार/वा
- (क) ऐसी किसी भाव या किसी भन वा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रफट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था, जिन्माने में सुविधा के निए;

अदः वय, उक्त विभिनियम की भारा 269-म के बनुतर्भ वों, गें, उक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपभाद्य (1) कें अंभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमत शकुंतला कपूर 7/14, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती बिन्दू मल्होला 7/14, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन की बिख कार्यवाहियां करता हो।

दक्त सम्मत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी शक्तपे अ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की बनिध या तत्सं लंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराँच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पारभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

7/14, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली । 204 वर्ग गज ।

भ्रार० पी० राजे म सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जंन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 8-5-1996

शक्य आंद्र[ा]. टी. एव. ए**व**्र ५ न न हताल

मायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के जभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यास्य, सहायक नायकर आयुक्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज−2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1996

निवेण सं० म्राई० ए० मी०/एक्यु०/2/एस० म्रार०-1/ 12-85/269--म्रतः मुझे, म्रार०पी० राजेण

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परितः, जिसका उचितं बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से सिधक है

और जिसकी संव प्लाट नंव 33, ब्लाक नंव 18, रोशनारा एक्सटेंगत नगर, में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध प्रनुसुची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ती में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख दिसम्बर 1986

को प्वेंक्ति संपर्ति के अचित बाजार मृत्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अत्तरित की गर्द हैं और मृक्षे यह निश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का यन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर रिती (अन्तरितियों) के बीम एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निश्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविद्ध में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण संहुइ किशी अय की वावक, उपक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्व में कमी अपने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अन्तिरती इवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने के सुविधा के स्थि:

अत: जब, उभत छिभिनियम की भग्ग 269-गृ में जबूबरण में, में, उबत जिथिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) में गभीत, निम्नसिविक व्यक्तियांक स्वादित ड—

- (1) श्रीमती स्वर्णं कींट परती बचन सिंह ओरिजनल 18/33, णिक्त नगर, दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती शकुन्तला देवी जैन पत्नी श्रीराल कुमार जैन 18/33, शक्ति नगर, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

क्षेत्रत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बार्स दे---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त स्वीक्तयों में से किसी स्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया । या है।

अनुसूची

प्लाट नं० एअ--33, ब्लाक नं० 18, रोशनारा एक्सर्टेशन (शक्ति नगर) दिल्ली 2 स्टोरी बंगलो तादादी 264.44 वर्ग गज । फ़ी होल्ड।

> म्रार० पी'० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख 15-5-1986

प्रकल बाडी . टर्डि. एव . एख . -------

सामकार जीपीनगम, 1961 (19**61 का 43) की पाछ** 269-व (1) के भ्रषीन सुचना

भारत सरकाड

कार्याजय, सहायक आयकर जायक्त (निर्धाजन)

धर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मई 1986

निदेश सं० प्रई $\sim 1/37$ - ६६/ 7388/85- ~ 86 प्रतः मुप्ते, निसार ग्रहमद,

बायकार विधित्यम, 1961 (1961 का 43) (विको इत्यमें इत्यमें इत्यमें एक्वात 'उक्त विधित्यम' कहा गया हैं), की बाका 269-स के वभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कार्य का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं ० पर्लंट नं ० 3, जो 24थी मंजिल, मोट ब्लास श्रपार्ट मेंटस, दावी शेठ हिल, बम्बई -36 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबंद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बर्णित हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 268 क ख के श्रधीन बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, बम्बई स्थित संभ्रम श्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं। सारीख 5-9-1985

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्यों का मम्परित का अचित्त वाजार ब्रुच्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एेंग्रे द्रयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिगत से अभिक है और बंतरक (बंतदकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तथ पावा चया ब्रिक्स निद्निसिक्त उद्देश्य ने उसक बन्तरण विविद्ध के बास्तिक इस के ब्रुक्त नहीं किया क्या है हिल्ल

- (क) अन्तरण सं हुई किली जाय का वायत , डाक्ट निवय के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में क्ष्मी करने या उससे वजने में सुविधा के सिए; बीद/वा
- (म) एंसी किसी नाम था किसी वन था अध्य जास्तियों को, जिल्हें भारतीय जायकर अधितियम, 1922 (1922 का 11) या उपत लिपिनयम, या धव-कर जीपिनथम, 1957 (1957 का 27) के ल्योजनार्थ अधारिती द्वारा प्रकट नहीं किया नमा वा या किया जाना याहिए था, कियाने के वृध्यिका के किया

जत: जब उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग के अनुकरण में भी उक्त विभिनियम की भारा 269-म की अपभारा (1) के कर्णा विकासिक व्यक्तियों, अभीत है—— (1) मोट ब्लॉन प्रापर्टी एण्ड इण्डस्ट्रोज प्रा० लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुभाष वि० मेहरा और निभिता एस० मेहरा।

(अन्यरिती)

को यह सुचथा जारी करके प्योक्त संगीत्स के अर्थन के सिध आर्थशीहर्म करता हो।

तकर प्रव्यक्ति जे वर्षन के ग्रंग्यन्य में शांद्र मी बामीर अ---

- (क) इस तृष्यना को राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 विस की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृजना की तासीस से 30 विन की व्यक्ति, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्त भावित्यों में से किसी काचित स्वारा;
- (ल) इस स्थान। के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस स 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जधोहस्ताक्षरी के एक निक्षित में आग्र का स्वीची :

स्वक्रीकरण --- हशकी प्रम्वत सम्बा और पवा का, को उक्स विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभाविश हैं, उस्प जर्म होगा को उस अध्याय में विधा क्या है।

अन्सची

फ्लैट नं० 3 जो 24वीं मंजिल, मोट ब्लांस भ्रपार्टमेंट, दादी गेठ हिल, बम्बई-36 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-1/37 ईई3/7388/85-86 और जो सक्षम पाधिकारी, बम्बई ख़ारा दिनांक 3-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बग्बई

तारीख : 12-5-1986

भोहर :

प्रकृष् बाह्र . ट्री. एच. एस. ------

बायकार व्यविनयम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-I, बम्बई बम्बई, दिनांद 15 मई 1986

निदेश सं० ग्रई-1/73ईई/7944/85-86-- ग्रत: मुझ निसार ग्रहमद

जायकार विधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च थे वधीन सक्तम प्राधिकारी को, वह विस्थात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित वाजार मूच्य 1,00,000/- रा. से विधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लेट नं० 4 बी-ग्रार० जो माउण्ट ब्लाम ग्रापार्टमैंट दादी गेट हिल 24 वीं मंजिल बग्बई-36 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुमुची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 को धारा 269 कथ के ग्रदीन बग्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मैं स्थित है। तारीख 10-9-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इदयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, ससके इदयमान प्रतिफल से एसे इदयमान प्रतिफल का पन्तिह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तृविक रूप से कृथित नहीं किया गया है 6—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अंतक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी अब या किसी धन वा अन्य जास्तियों को चिन्हों धारतीय वायकर विधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियस, या धनकर विधिनियस, या धनकर विधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

नतः नव, उक्त निथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्हिलिखित व्यक्तियों, स्थिति :—

4 --- 116 GI/86

- (1) माउण्ट बनास प्रापरतीत एग्ड इण्डस्ट्रीज भाव लिए। (भन्तरक)
- (2) श्रीमति गीतल ए० भंसाली श्रीर श्री महेश के० भसाली (ऋन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ा-

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध जो भी अन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्ति में किए जा सकेंगे।

स्पर्व्याकरण: — इसमें प्रयोक्त भव्यों और पदां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याण भें दिया गया है।

अभूस्**र्य**ी

पलेट नं० 4बी-श्रार जो 24 वीं मंजिल माउण्ट ब्लांस श्रुपार्टमैंटस दादीशेट हिल बग्बई-36 में स्थित है।

श्रनुभूची जैसा कि ऋ० मं० श्रई-1/37-ईई/7478/85-86 श्रीर जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-9-1985 को रिक्टिई किया गया है।

> निमार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रजन रेंज, बस्क्ई

तारीय: 12-5-1986

प्रारूप आई.टी.एन.एस.----

क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ(1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बम्बई

निदेश सं० अई-1/37ईई/5903/85→86—— ग्रतः मृझे निसार ग्रहमद

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्ट अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अभित बाजार मृख्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पलेट नं० ए-2 जो 13 वीं मंजिल पृथ्वी-ग्रणिटमेंटस ग्रन्टामाउण्ट रोड बम्बई-26 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्णस्प से विणत है) श्रीर जिसवा करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कल के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। सारीख 3-9-1985

को पृत्रों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्यमा। प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवां कत संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निमालिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्ति। कि क्य से कि कत नहीं किया ग्या है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बावित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा थे सिए; बाँग्र/वा
- (भ) एसी किसी जाब वा किसी बन या अन्य बास्तिक्त को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधः के निए;

अतः व्या, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अभीनः निम्नलिखित प्यक्तिग्णे, अर्थात् :---

- (1) श्री विशोग जैन।
- (2) डा० महेन्द्र कुमार पंड्या ग्रीर श्रन्य।

(म्रन्तरिती)

(3) अन्तर्यः।

(वह व्यक्ति जिसके श्र<mark>िक्शोग</mark> में सम्पत्ति है)।

की यह स्वना बारी करके प्रॉक्त सम्मस्ति के वर्षन के लिख कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप ध---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की टारी के 45 दिन की अविश्व या तस्त्रंभी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविश्व आ भी अविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोस्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्यारा;
- (क) हुन सूचका के राज्यक के प्रक्षक की वार्रीक टी 45 किन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य स्थानत क्यारा अभोहस्ताक्षरों के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पंदरीकरका: -- - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थी उद्यक्त अधिनियम, के अध्यास 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ तोगा, थो उस अध्यास में दिश करण है ।

मन्सूची

फ्लेट नं० ए-2 जो 13 वीं मंजिल पृथ्वी अपार्टमेंटस अल्टामाउण्ट रोड बम्बई-26 में स्थित है।

श्चनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्चई-1/37ईई/7420/85-86 श्चौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-9-1985 को रिजस्टर्ड विधा गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बग्बई

तारीख: 5-5-1986

१क्स् नार्ड्ट<u>ी एन् पृक्ष</u>्णकारकारकारणाकार

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के जभीन सुचना

हारव तरकार

कार्यासय, सहारक जायकर जायकत ([नरीकाण]

श्रर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई 1986

निवेश सं० श्रई-1/37ईई/8191/85-86— श्रतः मुझे निसार शहमव

साथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 1 जो 1ली मंजिल टर्फ व्यहू इमारत हार्नबीं वेलार्ड इस्टेंट वरली-2 गाडिया पाविग खुला जगह के साथ बम्बई में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में झौर पूर्ण-रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिन करी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीज 27-9-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्ति रत की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कारित नहीं किया गया है:---

- (क) नृत्यरूप से हुइ किसी वाय की वायत, उपल निपिनियम के नधीन कर येने के जन्तरक के धीयत्व में कनी करने या उससे गुजने में सुविधा नी जिए; चौर/या
- (क) एसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, विश्व (1957 का 27) के प्रवेशवार्थ कर्दिरती ब्वाडा प्रकट नहीं किया गया या विश्वा जाना चाहिए था, कियाने भे त्विभा के लिए)

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

(1) अविंट कारपोरेशन।

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्री परमानन्द जमनादास डोसा 2. श्रीमितपुष्ण बाई पी० डोसा 3. श्री हैमेन्द्र पी० डोसा श्रीर 4. श्री ध्रुव एच० डोसा।

(अन्तरिती)

को यह स्वमा जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

खक्त सम्परित के नर्धन के सम्बन्ध में कोई भी वासेष n-

- (क) इस सूधना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की स्विभि सा त्रस्थम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की क्वचि, यो सी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्वृतिस्मां में वे किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की वारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्त मुभिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

अनुसूची

पलेट नं० 1 जो 1 ली मंजिल, टर्फ व्यय्, इमारत हानंबी वेलाई इस्टेट, वन्ली बम्बई-2, गाडियाँ पार्विम खुला जगह के साथ बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि निं ग्रई-1/37ईई/7711/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बग्बई द्वारा दिनांक 27-9-85 को रजिस्टई किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बग्बई

तारीख 5-5-1986 मोहर: प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) वे वर्षीय सूत्रमा

बारत चंडकाड

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन केंज, बग्बर्ष
बग्बर्ष, विनाव 5 मई 1986
निदेश सं० ग्रर्ष-1/37ईई/8027/85-86-- ग्रतः मुझे,
निसार ग्रहमव,

आवकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त निभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के नभीन शक्त प्राधिकारी को,, यह विश्वाय करने का कारण है कि स्थावर शंपीत्व विश्वक उत्तित वाबाद मुख्य ;

1,00,000/- क. से अधिक हैं
और जिसकी सं० पलेट नं० 10-ए, जो 10वीं मंजिल, इस्टेट
मीनार, जसलीक अस्पताल के पास, पेडर रोड, बम्बई-26 में
स्थित है (और इससे उपाबक अनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), और जिसका करारनामा आयक्तर श्रिधिनियम, 1962 की
धारा 269 कला के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीला 16-9-1985

को प्यांचित सम्मृति के जीवत वाचार मृत्य से का के स्थमान प्रतिपक्ष के निष् बलाहित की नर' हैं, बार ब्रुक्ते यह विवनाय करने का कारण है कि व्यवपूर्वेच्य बंगित का जीवत वाचार ब्रुक्त, उनके स्थान प्रतिक्रम हो होने स्थमान प्रतिक्रम का पंछ प्रतिवत से विभक्त हो और बंगरक (अंश्वस्का) कीर नंतरिती (बन्तरित्वों) के बीच होने बन्दरण के जिल्ला पान प्रा वृत्तिक्य, विव्यक्तियां क्ष्मानेत्र के बच्च बन्दर्स निर्मिक के वास्त्रिक सम् से क्षित्र क्ष्मानेत्र के बच्च बन्दर्स निर्मिक के वास्त्रिक सम् से क्ष्मानेत्र क्ष्मानेत्र के बच्च बन्दर्स

- (क) सन्तारण में हुई किसी बाद की गावत उनक गांध-दिवस से बसीप कर दोने से बन्धरक से समितन में कमी करने वा उन्नयं क्याने में बनिया के सिद्धः बीदः/या
- (व) एसी किसी बाग वा किसी पत्ता बस्य वास्तिनों को, जिन्हों बारतीय बाय-कड़ श्रीपनियन, 1922 (1922 का 11) वा ध्वत निवित्त वा पतकर क्षितिन्य, 1957 (1957 कर 27) के त्रांचनार्थ अ्तरिति क्षाच क्षक क्षी किया व्या पा ना किया बावा क्षाहित पात कियाने में क्षिता के किए;

नत: नव, उन्त निर्मानयम की पारा 269-म के, ननुसरक जो, जी, सबत वीधीनवन की धारा 269-म की स्पप्तारा (1) के वर्षणक निर्मातिक व्यक्तिकों, मर्वास ड--- (1) श्री श्रार० एच० ५टेल ।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री जयसुखभाई वोरा श्रीर ग्रन्य !
- (3) भ्रन्तरक।

(बहु व्यक्ति, जिसके ऋश्विभोग में सम्पन्ति है)।

को नेष्ट कृषका प्राप्ती करनी पृक्तीकर कम्मील की वृज्ञीय की हिन्यू कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उस्त सम्पर्तित में वर्षन में हम्मन्थ में मोद्दें भी बाह्ये हा---

- किंदी हुए सुपता के प्रावपण में प्रकादन की राष्ट्रीय से 45 दिए की बन्दि ना तत्स्विमी व्यक्तियों पूत्र भूपना की तासील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी अवस्थि दार में तमान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिनों में वे किसी व्यक्ति द्वाडा;
- (व) इब श्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हिस-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी कें राह विवित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, को उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसुधी

एलेट नं० 10ए, जो, 10वीं मंजिल, इस्टेट मीनार, जसलोक ग्रस्पताल के पास, ोडर रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० मं० ग्रई-1/37ईई/7551/85-86--श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी द्वारा दिनांक 16-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार भ्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बग्बई

सारीख: 5-5-1986

प्रारूप बाह्र टी.एन.एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मई 1986

निवेश मं० %ई-1/ईई/8126---85-86 श्रत: मुझे, निसार श्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हाँ), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हाँ कि स्थावर मुख्य 1,00,000 रु. से अधिक हाँ

और जिसको सं पलेट न ० 23, जो, सागर कुंज, 78 नेपियनसी, रोड, बम्बई-6 में स्थित (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्णेक्य से विणित हैं), और जिसको करारतामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1962 को धारा 269 व्यव के अर्थान, बम्बई स्थित सक्षम श्रिधि-कारी के कार्यालय में जारीख 23-9-85

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिकाश के निए जन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके द्रायमान प्रतिकास से, एसे द्रायमान प्रतिकास का धन्द्रष्ट प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ल, विश्वतिक्ति उद्देश्य से उच्च अन्तरण विविद्य में बास्त-विक स्थात के किया गया है है—

- (क) बनाहण चंहू इं किसी बाव की वावस, अवस विविद्यक्त के व्योग कर दोने के वृत्यारक के सावित्य में कभी करने मा उससे वचने में सुविधा के जिए; वृद्धि/वा
- (व) ऐसी किसी वाय या किसी वन वा वाय वास्तियों को, विन्हें भारतीय वाय-कर विधिवयन, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिवयन, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रानरेण कुमार जैन।

(भ्रन्तरक)

(2) मकसन भाटो हमयरर्स ।

(अन्तरिती)

को यह स्वान भारी करके पूर्वोक्ड सम्मत्ति के अर्थन के सिध् कार्यवाहियां करता हूं।

अवस् सम्मित् के वर्षन के सम्मृत्यु में कोई भी बाक्षेत् 🖫

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 वित्र की अवधि वा उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पृष्ठ स्वना की तामील से 30 दिए की बन्धि, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बनारा;
- (व) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के शीवर उक्त स्थान्द सम्मात्त में हितवब्ध किसी जन्म व्यक्ति ध्वारा ज्याहस्ताकड़ी के पास लिखित में किए या सकेंगे।

ल्पब्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त श्रम्यों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्**ची**

फ्लेट नं० 25, जो, सागर कुंज, 5वीं मंजिल, 78, नेपिय-नसी रोड, बम्बई-6 में स्थित है। और जैसा कि श्रन्भूवी ऋ० सं० श्रई-1/37ईई/7649/85-86 और जो सेक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 23-9-1985 को र्जिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रह्मद सक्षम प्राधिका**री** सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बम्ब**ई**

णतिक अव', उक्त अधिनियंस की धारा 269-भं के अनुसरण ., में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

तारीख : 12-5-1986

बक्षे आहृद्धी पुरु पुरु अवस्थान

जाधक<u>र</u> अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के जभीन सूजना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (शिर्याक्षण)

श्रर्जनरें ज, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मई, 1986 निदेश सं० शई-1/36ईई/8177/85-86-- श्रत: मुझे निसार श्रहमद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रथात 'उनत अधिनियम' नहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

अंदि जिसको सं० फ्लेट नं० 405, जो 4थी मंजिल, बी-विंग श्रोपाल नगर, 12 ज० एम० मेहता रोड, नेपियनसो रोड, जंक्गन बम्बई-6 में स्थित है (और इससे पाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 को धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रो है। तारीख 25-9-1986

कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से क्रम के ध्रयमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है ब्रिंड मुक्ते यह विश्वाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिकृत से, एसे ध्रयमान प्रतिकृत का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत्ता, निम्निकृति उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिक्त में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क), जन्तरण से हुद्द किसी बाब की बाबस उनका विधिनियम के बधीन कर दोने के जन्तरक को वासित्व में कमी करने या उससे क्यते में सुविधा के निए; बौर/वा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिपती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुनिधा के बिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अधीत् हि— (1) श्रो हरीलाल ए. झवेरी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रो चम्पालाल के० हिंगारह, श्रीमित रत्नाबन सो० हिंगारह श्ररिवन्द सो० हिंगारह और चन्द्रशखर सो० हिंगारह।

(प्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पृक्षोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के शिए कार्यवाह्यां सूक करता हूं।

उनत सम्पर्टित के वर्षन के तंबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बर्वीध, जो भी बर्वीध बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्क बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थण्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 405, जो, बां-चिंग, 4थी मंजिल, श्रोपाल नगर, 12, जि० एम ० मेहता रोड, नैपयिनसा सो० लोड, जंक्शन बम्बई-6 में स्थित है।

प्रनुसूचा जैसा कि ऋ० सं० प्रई-1/37ईई/7697/85-86 और जो सेक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा विनांक 25-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, बम्बई

तारीख: 12-5-1986

१६५ ला<u>हे. हों. ए५. ए५ अस्तरकारकारकार</u>

भागकर जीपनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के नभीन सुचना

नाइत चडुकार

कार्यातयः, सहायक नायकर नायुक्त (निर्देशक)

ध्रजंन रेंज, बम्बई बम्बई, दिनांक 5मई, 1986

निदेश सं० श्रइ-1/37ईई/8393/85-86--- श्रत: मुझे, निसार श्रहमद,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उक्त जिभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूम्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसको सं० फ्लेट नं० 505, जो, प्रभू कुंज, 5वीं मंजिल, पेक्टर रोड, वम्बई-26 में स्थित हैं (और इस उपाबद अनुसूचों में और पूर्णक्य से विणित हैं), और जिसको करारतामा ध्रायकर ध्रिधितियम, 1961 को धारा 269 कख के ध्रधीन, वम्बई स्थित सक्तम प्राधिकारों, के कार्यालय में रिजस्ट्रों हैं। तारीख 15-10-86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्ष्म के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उमके स्थ्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिष्ठत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया वया प्रतिफल , निम्निसिचित उद्योग से उचत बन्तरण सिचित में सास्त्रिक हमा से किया नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान स्विषा औं विष्णा

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थान् :--

(1) श्र(मिति हे मलितिका यू० पटेल ।

(अन्तरक)

(2) श्रामिति मनोरमा प्रवाणचन्द शहा ।

(अन्तिरिती)

का यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

ं उनत सम्पत्ति के नर्पन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थिसत्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिठ है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

फ्लेट र्न॰ 505, जो प्रभू कुंज, 5वीं मंजिल, पेछर रोष्ठ, बम्बई 26 में स्थित है।

श्रनुसूचा जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37ईई/7904/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 15-10-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद क्षम प्राधिकारो हाथक आथकार आयुक्त (निराक्षण) श्रजैन रें ज, बम्बई

सारीख: 5-5-1986

प्रकम बाह्य हो . एत . एस , -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**म (1) के अधीन स्वना**

वार्व वरकाउ

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जनरेंज, बम्बई बम्बई, दिनांक 5मई, 1986

निदेश सं० अई-1/3,7ईई/8119/85-86--- श्रत: मुझे, निसार शहमद,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का नारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूक्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसका सं० फ्लैट नं० 304, जो, 3री मंजिल, और गैरेज नं० 7, जो कलमाल, पराग, 27, पेडर रोड, बम्बइ-26 में स्थित हैं। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्य से विणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 को धारा 269 कख के श्रधान, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्टा हैं। तारीख 23-9-1985

कीं प्राेंबत सम्पत्ति के खींचत बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह निश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का निष्त का निष्ठ का निष्त का निष्ठ का निष्ठ का निष्ठ का निष्त का निष्त

- (क) जन्तारण से हुन्दं किती आग की वानत, उक्त जिथिनिजय के अधीन कर दोने के जन्तारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; की अ./या
- (क्ष) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आब-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया बंदा का वा किया हुए खाहिए था, फियाने में बिद्धा के बिद्धः

जतः जन, उक्त आधीनवम, जी धारा 269-ग के जनतरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) है ज्यीन, निम्नीसीयत व्यक्तिमों, अधीत अ— (1) श्री मोहन उधाराम थडान ।

(अन्तरक)

(2) श्रामित हेमाता ता० झवेरा।

(अंग्रॉरितर)

(3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचका जाड़ी कहके पूर्वोक्त स्वादित के बर्धन है मिए कार्यनाहियां क्रांडल हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी बाक्सेप :---

- (क) इत ज्वान के ग्रावपन में प्रकायन की तारीत से
 45 विष की क्रमीय मा तरक्रक्यी व्यक्तियों एव
 ज्वान की तामीय से 30 दिन की सविध, को भी
 वर्षीय नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविधा क्षितामों में से किसी व्यक्ति ब्राह्मार;
- (व) इथ क्या छे हाय्यम में प्रकार को तारीक के 45 विन के भीतर उक्त स्थावह कम्पत्ति में हित्बव्य किसी जन्म स्थानित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकोंगे।

स्वध्यीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्योका, को उक्त अभिनित्त्र, के अध्याय 20-क में प्रिशाबित हैं, वहीं वर्ष द्वांचा और उद्ध व्यवस्य में दिवा भवा द्वीं

अनुसूत्री

स्लेट नं० 304, जो, 3रो मंजिल, और गैरेज नं० 7, जो तल-माला, पराग, 27 पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

श्रनुसूचा जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37ईई/7642/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारः, बम्बई द्वारा दिनांक 23-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहसद सक्षम प्राधिकारः सहायक प्रयक्तर श्रायुक्त (नि क्षिण) श्रजन रेंज, बस्बई

ताराख: 5-5-1986

मोहर 🖞

प्रकृत संदु^{र्}्ड]<u>. पुत्र कृष</u> _अर्व्यक्त

नामकड नांधनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सूचना

बाइक बुरकार

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमैं इसमें पश्चात् 'उन्त मधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का जारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका स्वित बाबार मुस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० पलैट नं० 502 भीर गॅरेज नं० 8 विवेणी संगम की० ग्राप हाउसिंग सोसायटी लि०, ग्राफ पेडर रोड, बम्बई 26 में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका वररारनामा श्रायकर श्राधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राक्तिशी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 24-9-1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित भाषार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकास के लिए अंतरित की गई है और मूम्में वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, स्थले द्रश्यमान प्रतिकाल से होते क्ष्यमान प्रतिकाल का पन्नह प्रतिकाल से अभिक है और बन्तर्क (बन्तरका) और बन्तिरिती (बन्तरितिवा) के बीच एसे बन्तरन के लिए तक पाता गया प्रतिकास, निम्नसिवित स्वाबदित से उच्न बन्तरन निविध में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरम व हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; ब्रांट्र/बा
- (भ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों को जिन्हों भारतीय ब्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में स्विभा के लिए;

जत: जब, उबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----5—116 GI/86 (1) श्री थियोर जी हिंदूजा।

(अन्तरक)

- (2) मेतर्स पेट्रोफाइल्स को० श्रापरेटिब्स लिमिटेड। (अन्सरिती)
- (3) श्रन्तरक।
 (वह व्यक्ति जिसके श्रविभोग में सम्पत्ति है),
 को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त स्म्युत्ति के बर्जन के किए
 कार्यवाहियां करता हूं।

क्ष्मत तस्मित् के वर्षन के सुम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताकरी के पास सिवित में किये वा सकैंगे।

श्वक्षीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और वर्षों का, को स्वक् अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होरा को उस अध्याय में दिनां पना है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 502 श्रीर गॅरेज नं० 8, जो० त्रिवेणी संगम को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि० श्राफ पेडर रोड, बग्बई-26 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसां क० सं० श्रई-1/37—ईई/7652/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-9-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रुजन रेज-1, बम्बई

विनांक: 5-5-1986

प्रकृष वार्ष , टी. एन्., एवं. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के समीन स्मना

हारत स्रकार

कार्याक्षय, महायक कार्यकर कार्यक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बग्बई बम्बई, दिनांक 5 मई 1986 निदेश सं० ग्रर्झ-1/37-ईई/8100/85-86--ग्रतः

मुझे निसार ग्रहमद

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बद्धि, विश्वका विश्वत वाकार स्वरूप 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट तं० 302, जो उरी, मंजिल मेकर मंत्रान प्लाट नं० 623, जामे जमणेद रोड, प्लाट नं० 623, माटुंगा बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा शायकर श्रविनियम 1961 की वारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राविवारी के दार्यालय में रजीस्ट्री है। दिनांक 20-9 1985

को पूर्वीयत संपत्ति के उद्दिश्च बास्तर ब्रुक्ष से का के स्वयान स्वित्य के लिए बन्ददिस की पर्य है जीर पूर्व यह विस्वास करने का कारण है कि यमानूर्वीयत सम्पत्ति का स्वित याजार मून्य उसके अववान प्रतिक्वस से, एते सम्बन्ध प्रतिक्वस का स्वाह प्रतिक्व से स्वित है ब्रीट बंकरक (बन्दरकारें) जार सन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्दरक के बिए स्वयं पाना वया प्रतिक्वन ब्रिक्तियोंक स्वयं क्वित्य से समझ संतर्क वंतरक के स्वाहतिक स्वयं से क्वित्य वहीं क्विया गया है है----

- (क) अन्तरण पे हुई किसी आय को आयत, उक्त विश्वित के अन्तरक के वासित कर वोचे के अन्तरक के वासित्व में कमी अरने या उससे यक्ते भा सुवित्ता के सिए; बार्डिया
- (क) एंती किसी बाब वा किसी धन या बन्ध अप्राप्ता की, जिन्हीं भारतीय आवकार अधिनियम, 1022 (1922 को 11) या तावध अधिनियम, वा धनकार अधिनियम, वा धनकार अधिनियम, वा धनकार अधिनियम, वा धनकार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रश्निकार अधिकार प्रकार की दिवास प्रकार नहीं दिवास यका धन धन धन विद्यास जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, अकत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) मेमर्भ सूपर इंजीनियर्स।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री होमी श्रदणिर मिस्त्री।

(ग्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तिति। (वह व्यक्ति शिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां जुरू करवा है।

उसस सम्बद्धि के सर्वन के सरकरभ में कार्य में आवर्ष है---

- (क) इस सूजना के राजपंत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की जनभि या तत्त्रंबंधी स्थितस्यों पर सूजक की ताजीज से 30 दिन की कामि, को भी क्यीन वाद में स्थाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्व क्यीनत्त्रों में से किसी क्यीनत क्यारत;
- कि प्रमाण के हायक वे प्रकारक की सार्थि से 45 विष् के प्रीयार कार्य क्यायर सम्माति में हिस-कार्य किसी क्या म्यायर सम्माति क्यायर सम्माति में हिस-पास विविध में किए जा सकेंगे।

स्थाकि एम: — इसमें प्रमुक्त शब्दी बार पर्वा अ, को उनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना को सस अध्यार में विका गया है।

अमृश्रूची

पलैट नं 302, जो में तर मन्यान 3री, मंजिल, प्लाट नं 623, जामे जमशेद रोड, माटुंगा बग्बई में स्थित है। ग्रन्सूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1/37-ईई/7625/ 85-86 ग्रीर जी सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिमाक 20-9-1985 को रजिस्टईकिया गया है

> निसार श्रहमद सक्षम प्राविकारी सहाय ३ श्रायदार शायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बरबई

ंदिनांक : 5−5-1986

मांहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भाषकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन स्वना

सारक सहस्रह

कार्यालय, सञ्चयक नावकर नायुक्त (विद्वासक)

ग्रर्जन रेंज-1, बग्बई बग्बई, दिनांक 5 मई 1986 निदेश सं० भ्रई-1/37-ईई/8000/85-86---श्रत:

मुक्षे निसार श्रहमद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का काइन है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित वाचार नृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, जो नीलकंठ श्रपार्टमेंटस् 62, वरली हिल इस्टेट वरली बग्बई 18 में स्थत हैं (श्रौर इसपे उपावज्ञ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिपका करारनामा श्रायक्तर श्रविनियम 1961 की बारा 269 के, ख के अधीन बग्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के जायलिय में रजीस्ट्री हैं।

दिनांक 13-9-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधिन नाकार मून्य से कम के दरमान पिछक के लिए जन्दिति की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के जारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित वाजार मृज्य उसके दरमान प्रतिकान से एके दरमान प्रतिकान का पन्त्रध्न प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (ज्निरितियों) के बीच एसे जन्तरम के निष्ध् स्व पासा समा प्रतिकात निम्मीसिक उष्ट्रदेश से उक्त सम्बद्धा निक्रित में वास्त्रदिक स्प से किथन नहीं किया गया है द

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबता, उक्त सिधिवियम के सभीन कर देने की बन्तरक को तायित्व में कमी करने या उससे बचने को सृधिधा के किए: और/बा
- (स) एंसी किसी जाब वा किसी धण या जन्न आस्टियों की, चिन्हें भारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपत् अधिनियम या धन्कर प्रिमिन्यम या धन्कर प्रिमिन्यम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियी दुवारी प्रकट नहीं किया स्त्रा था या किया बाना थाहिए था, खियाने में स्विधा हो खिए।

अतः अवः उपने अभिनिधम की भाग 259-म की अनुसर्क में, में, उपने अभिनियम की भाग 269-च की उपभाग (1) अर्ध अभीन, निम्निशिवित स्थितिसों, अर्थात :---

- (1) श्रीनती प्रेमला नारायण यारगोष। (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती उषा प्रेम दुशा। (श्रन्तरिती)
- (3) श्रन्तरका (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के अर्थन के जिए कार्यशाहियां करता हूं।

उन्त सम्मृतित के नुर्वन के सम्मन्ध में कोई भी बाक्षेत् :----

- (क) इस सृवना के राजपण में प्रकासन की तारीच से 45 दिन की जविभ या तत्सक्वन्थी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की स्वीध, जो भी व्यक्तियों में से समाप्त होती हो, के भीतर प्रवॉक्त क्यमित्यों में से किसी व्यक्ति व्यास
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताकारी के पास मिचित में किए वा सकेंचे।

स्वक्तीकरण: इसमें प्रयुक्त कर्कों और पर्वो का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

घनु सुची

पलैट नं० 1, जो नीलकंठ श्रपार्टमेंटस् 62, वरली हिल इस्टेट वरली बम्बई-18 में स्थित है। श्रनुमूची जैसाकि फ्र० सं० श्रई-1/37-ईई/7533/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-9-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार म्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंग रेंज, हैदराबाद

दिताक: 5-5 1986

वक्षक बाह्रीत स्ट्रीत पुरुष पुरुष

बावकर बरिपान्यत्ते 1961 (1961 का 43) की भारत 259-में (1) भी भारत वृपना

गारत जडकाड

कार्याभय, तहासक बायकर बायुक्त (निर्दासक)

श्चर्जन रेंज-1, बम्बई बग्बई, दिनाँक 5 मई 1986 निदेश सं० श्चई-1,37-ईई/8376/85-86---अतः

मुझे निसार श्रहमद

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात् 'अन्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भाड़ा 269-ख के गथीन सक्तम प्राधिकारी को यह निस्तास करने का स्टान्स हैं कि स्थाबह सम्पत्ति, विश्वका अवित वाकार मृश्य 1,00,000/- रू. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 304, जो 3री, वरली सागर दर्शन प्रिमायसेस को श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि॰ 8 वरली, सिफैस बम्बई 25 में स्थित है। (भ्रीर इससे उपादक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) भौर जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रधिनियम 1961 की 269 क. ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राविकारी दिनाँवः 15-10-1985 के कार्यालय में रजीस्दी हैं। को प्रॉक्त सम्पत्ति के अधित बाबार भूस्य से कह के रस्त्रमान इतिफल के लिए अन्त्रित की नद है और मुर्भे यह विकास करने का कारण ही कि न्यापूर्वोक्त संपृत्ति का उपितः वावाद मुख्य उसको ध्रथमान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल् का बन्द्र प्रतिचत से ब्रियक है ब्रीट बन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (बन्दरितियाँ) के बीच श्रेतं वन्तरुच के बिए तब वावा गया प्रतिकास, निम्मीसिया बहुसूरेन हो जनत सन्तरम विद्वित में बारविक क्यू वे कवित वही 'किया बना है'

- (क), जन्तरण धं हुई किसी बाय की वायत शक्त विधित्रक के बचीन कर दोने के बच्चरक के दादिल की कानी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी घन वा नृत्य आस्तियाँ की. चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिए था छिपाने में स्विधा से विष्:

(1) श्री मदन विवाकर पिरंदरे।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सिना बिद्ध श्रीर रेग्नर श्रंडमिरल सतीश चंद्र बिद्रे।

(भन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक। (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

की नह इसमा आही कहनी पूर्वोक्त सम्मत्ति के नर्जन के सिए कार्यनाहियां कहता हो।

यक्त दश्रीता के वृर्धन के सम्बन्ध में कोई भी वासोप:----

- (क) इस सूचना वे राजपण वे प्रकाशन की हारीय वे 45 दिन की जनिष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 20 दिन की अत्रिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारीक वे 45 दिन को भी कर उक्त स्थावर सम्मित में हिठ-बद्ध किसी बन्च व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्वयाकरण र---इर्ग्ये प्रयुक्त सन्दों गाँउ पदों का, वां जनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभीषित हैं, वहीं वर्ष होगा श्री उत्त वश्याय में दिवर नवा हैं।

अनुस्ची

पलट नं० 304, जो 3री, मंजिल, वरली सागर प्रिमायसेस को० ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 8 वरली सिफेस बम्बई 25 में स्थित हैं।

प्रनुसुची जैसाकि क० सं० प्रई-1/37-ईई/7888/ 85-86 प्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बग्बई द्वारा दिनांक 15-10-1985 की रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रैंज-2, बम्बई

दिन क: 5-5-1986

प्रकार कार्ड , टी , **एन**् एवं <u>र</u> नन्दर राजन

नामकर निधानियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नेपीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासक, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई 1986

निवेश सं० ग्रई-1/37-ईई/8555/85-86--ग्रत: मुझे निसार ग्रहमद

करमकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त (धिनियम' कहा गया हैं) की भार 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० एच० 2, जो 8वीं, मंजिल इडेन हाल शिवसागर इस्टेट डा० ए० बेहोंट रोड, वरली बन्बई—18 में स्थित है। (ग्रीर इससे उपाश्रद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, क के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। दिनांक 28—10—1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मून्य वे कब के बश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्प्रीत का उजित बाजार मूल्य, उसके बश्यमान प्रतिफल से एसे बश्यमान प्रतिफल का अन्तरह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अनवरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उच्चियेय से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त वरिधीनयम के वशीन कर दोने के अंतरक. के दायित्व में कमी करने वा उक्कत बच्चमें में बृहिशा के सिए; वरि/या
- (च) एसी निकी काव या किसी धन या निका कास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, स्थिनने में सुविधा भी किसा

अत: अब उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उनधारक (1) कं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन ए——

- (1) श्री बसंत डी० बनकर ग्रौर श्रीमती शारदा इंद वि० बनकर
 - (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती श्रर्जन रामानी ग्रौर श्रीमती शारदा रामानी।

(अन्तरिती)

को यह सुजना जाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनतु सम्पत्ति के अर्थन के संबंध वें कोई भी नाक्षेप ६---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष्ण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ता अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

अनुसुची

फ्लैंट नं० एच० 2, जो 8वीं, मंजिल, एडेन हॉल शिवसागर इस्टेंट डा० ए० बेझेंट रोड, वरली, बम्बई-18 में स्थित है।

त्रेनुसूची जैसाकि ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/8058/ 85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-10-1985 को रजी-टर्ट किया गया है।

> निसार श्रहरूद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज-1, बग्बई

दिनांक: 5·5-1986

प्रकृष् **वाद**ै, टी, **एन . एव** , ---------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुक्ता

बारक चरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांङ 5 मई 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/7863/85-86--ग्रत मुक्षे निसार ग्रहमद

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गमा ही, की भारा 269 स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निरमास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका स्वित नाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से मधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लटनं० जी०-64 जी विनस ग्रपार्टमेंटम् वरली सिफेस बम्बई-18 में न्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), ग्रौर जिसका करार-नामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। दिनांक 3-9-1985

को पूर्वेक्ट तस्परित के उर्वेक्ट बाकार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिपक्षण के लिए अन्तरित की गई है जीड़ मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि य्याप्नींक्ट संपरित का उचित वावाद मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिपक्षण से ऐसे ऐसे दश्यमान प्रतिपक्षण का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिप्रल, निक्निलिखत उक्द रेय से उक्त अन्तरण किलिखत में बास्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया है 🕮

- (क) अन्तरण से हुई कियी जाब की बाबत अक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बाधित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी बाय का किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम था धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त विभिनियम की भारा 209-ग के, वनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिमितः व्यक्तियों, वर्धात् :——

- (1) खुणीराम टी० वाधवानी इंद्र एच० कमलामी जानकी टी० मरचंदानीं ग्रीर गुलाब टी० वाधवानी (ग्रन्तरक)
- (2) गोविंद राम रिझूमल देवनानी। (अन्तरिती)

को यह तुष्पा पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के विष् कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्रीर :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त विद्यों में से किसी व्यक्तियां
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थल्लीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्र्या

फ्लैंट नं० जी० 64 जो विनस ग्रेपार्टमेंटस् वरली सिफेस दक्षिण बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसािक क० सं० ग्राई-1/37—ईई/7398/85—86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-9-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रैंज-1, बग्बई

दिनांक: 5-5-1986

प्रका बार्ड की प्राप्त :----

नाथकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अम्बई
बम्बई, दिनांक 5 मई 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37-**ईई**/8094/85-86--ग्रत:

मुझे निसार श्रहमद बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1.00.000/- उ. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, जो 15वीं, मंजिल, इसारत नं० 5 सी० एन० नं० 868/1/868, बरली बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से ब्रिंगत है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 के, खे के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। दिनांक 20-9-1985

को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्रथमान प्रोतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक कप में कथित नहीं किया गया हैं।:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उममें बचने में सविधा के लिए; अरिंग्या
- (भ) एंसी किसी आय या किसी धन या क्या आस्तियों तो, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या ध्यक्तर अधिनियम, या ध्यक्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अरुश चाहिए था, किए।ने में मिविभा के लिए:

धतः व्यवः अक्त अभिनिषमं की धारा २६०-ग को अनुसरक मी. भी. अवत अर्थित्यमं की धारा २६०-च की ल्पधारा (१) के राजीन, निष्लिलिनित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) बी० बाय बिल्डर्स प्राइवेट लि०।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नंद एन मिरानी।

(ग्रन्तरिती)

(4) ग्रन्तरकों। (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्बन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उसत संपत्ति के शर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतार पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंदब दूध किसी अन्य व्यक्ति इतारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पट्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 1, जो 15वीं. मंजिल, इमात नं० 5, सी० एन० नं० 868/1/868, बरली, बम्बई में स्थित है । श्रृनसूची जैमािक ऋ० सं० श्राई-1/37—ईई/7619/85—86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्रारा दिनांक 20-9-1985 को रजीस्टर्ड विद्या गया है।

निमार घ्रहमद सक्षम प्राधिकारी महायक घ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बग्बई

दिनांक : 5-5-1986

प्र**रूप जाह**े<u>ं</u>टी . एन <u>.</u> एस .

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) अप्रै भारा 269-व (1) के बभीन ब्र्यमा

भारत तरकार

कार्यालय, सङ्गायक जावकर बाब्युक्त (निर्धिका)

श्रर्जन रेंज-1, बग्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/8197/85-86
मुझे निसार श्रहमद
बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्स 1.00,000/-रु. से अभिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 4,, जो, नटराज-ए, प्लाट नं 404, लक्ष्मीनारायण लेन माटूंगा बम्बई-19 में स्थित है। श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रिविनियम 1961 की धारा 269 क, खे के श्रिवीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। दिनांक 30-9-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ने) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच हुंचे बंदरच के बीच तब पत्या गमा प्रतिफल, निम्नलिशित उच्चरेष से उच्त अन्तरण जिसित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गमा है है—

- (क) अन्तरण से हुई किस्सी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के सधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उन्सरों कचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः गव, उक्त जीधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त मिधिनियम की भारा 269-च की जपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाता :--- (1) नटराज बिरुवर्स।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रोमती प्रमा हमचन्द श्रीर श्री हेमचन्द शिवाजी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

उक्त संपृत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ----

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की ताडीच वे 45 दिन की जनभिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी जनभि नाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस्य सूचना के राज्यक में प्रकारका की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्त्र अमितित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकोंगे।

कोकरणः— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सकत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है की

अन्स्ची

पलैट नं० 4, जो नटराअ-ए, प्लाट नं० 404, लक्ष्मी नारायण मादुंगा बग्बई-19 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसाकि क० मं० ग्रई-1/37-ई ई/7715/ 85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 30-9-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-1, बग्बई

दिनांक: 5-5-1986

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

अनायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बग्बई, दिनांक 5 मई, 1986

सं० ग्रई-1/37ईई/8379/85-86:--ग्रतः मुझे/ निमार ग्रहमद,

बावकर बाँधिमबस, 1961 (1961 का 43) (चित्र इतके इसके पश्चात् 'उकत बाँधिमियस' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सञ्चलित, जिसका उचित बांचार भून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 501, जो, 5वीं मंजिल, इमारत, "पराग", 27, पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूत्रों में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम 1961 की बारा 269 के खे के श्रजीत बम्बई स्थित सक्षम प्राज्ञिकारी के कार्यात्रय में रजिस्ट्री है, तारीख 15-10-1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाबार मूख्य से कम के दश्यजान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित काबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान फ्रीतफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पामा भया प्रतिफल निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त बंतरण विवित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरम संहूर कियाँ बाव की बावत, उसत अधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक कें बायित्व में कमीं करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एरेरी किसी कान ना किसी थन ना कव्य नास्तिनों को, जिन्हों नारतीय नाम-कर निधिनयन, 1922 (1922 का 11) या उक्त निजनसम्, या चन-कर विधिनायम्, 1957 (1957 को 27) कें प्रयोजनार्थ नन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया वा ना किना वाना वाहिए था, छिपाने में सुनिधा नरिका के सिछ;

बक्तः क्षेत्रके, बक्त विविधिक की धारा 269 म के विनृत्येष में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269 म की उएधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, क्षर्थात् :--- 1. श्री जयमुखलाल रेवाशंकर बोरा।

(ग्रन्तरक)

2 श्री मोहन उधाराम यडानी।

(श्रन्तरिती)

3. ग्रन्त'रकः

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां बुक्त कराहा हूं।

बच्च सम्पत्ति के वर्षन के संबंध ने कोई भी बाओप रू-

- (क) इस स्वता के रावपण में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की बविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की संबंधि, जो भी संबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वतियों में से किसी स्ववित द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्च व्यक्ति ध्वारा अधाहत्ताक्षरों के पास सिवित में किए बा सकवि।

स्वच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का को जनस जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं क्षर्य होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

पलैट नं॰ 501, जो, 5 वीं मंजिल, इमारत "पराग" 27. पेडर रोड, बग्बई-26 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० [xx=1/37x]/7891/85 86 श्रीर जी सक्षम प्राधिकारी, बग्बर्श द्वारा दिनांक 15-10-1985 को रजिस्टर्ड विया गया है।

निसार श्रहमद, सक्षम प्राधिकारी, महायक क्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-1,बम्ब

दिनांक: 5-5-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्रीमती शेल हिंगोरानी।

(ग्रन्तरक)

2. श्री डाहयांलाल हिरालाल जोगानी।

(भ्रन्तरिती)

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43). को भारा 269 व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज -1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई, 1986

सं० ग्रई-1/37ईई/8218/85-86 -- प्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इक्नें इसके प्रभात् 'उक्त अधिनिजय' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रतिभकारी को यह किल्बास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मत्य 1,00,000 / -रतः सं**मधिक ह**ै

श्रौर जिसकी संख्या फ्लेंट नं० 7 सी, जो, 7वी मंजिल, किस्टल इमारत, कीस्टल को श्राप हाउसिंग सोसायटी, 36, ग्रल्टामाउंट रोड, बम्बई-26 में स्थित है (श्रीर उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसदा करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की बारा 269 क, ख के ग्रजीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिल्द्री है, तारीख 1-10-1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मुख्य से कम के दब्दमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है जोर मुक्के यह विक्यास कारने का कारण है कि स्थान्य विश्व विश्वतिक का अधिते बाधार ब्रूप, उत्तकं रवयमान प्रतिकास से, एसे रच्यमान प्रतिकास का क्लाइ प्रतिकात से वरिश्क है और नंतक्क (नंतरकों) और अंतर्किती (अन्तरितियों) के नीच ए वे बन्दरण के जिए तय पाया गया प्रति-क्षम् निम्ननिवित उपयोग्य से उनम् बन्दरुष् विविधः में भाग्यन्तिक रूप से कथित नहीं किया क्या है :--

- (क) नंतरण से हुई किसी जान की बाबत, उपल निभिनियम के नभीन कर दोने के जन्दरक के वाबित्य में कमी करने या उत्तव बचने में सुविधा के लिए; कौर∕वा
- (का) एोसी किती आय या किसी भन वा अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर जीपनियम, (1922 का 11) या उक्त अभिनवम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 ¥n 27) की प्रयोक्षतार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा मा किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में स्विधा के लिए:

बचाः बयाः, सन्त्रा विभिनियमं की भारा 269-न ने व्यक्तरण वों, वों, उक्त व्यक्तिनवन की भारा 269-व की उपधारा (1) 🐞 बचीन, निम्ननिषित न्यन्तिको, अर्थाक ध—ः

को बहु बूजना बारी करके पूर्वीक्त बन्धारित के वर्धन के कि कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मरित से नर्जन के तंबंध में कोई श्री धार्में है--

- (क) इ.स. सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 15 दिन की जनश्य या तत्संबंधी स्थवितमाँ पर त्चना की तामील वे 30 दिन की अवधि, वो भी *ः≱*विभिःवाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच थे 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितवबूध किसी अन्य व्यक्तिस बुबारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त रूच्यों और पदौं का जो **उनक** अभिनियम, को अध्याय 20-का में परिभावित है, वही कर्थ होगा जो उस अध्याय में बिका वस्य हो।

अनुसूची

पलैट नं० 7 सी, जो, 7वीं मंजिल, क्रिस्टल इमारत, कीस्टन को ब्राप हाउँमग सोसायटी, 37, ब्रल्टामाउँट रोड, बग्बई-26 में स्थित है।

श्रनुमुची जैसा कि ऋ०सं० श्रई-1/37ईई/7736/85-86 श्रीर जो पक्षत प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है

> निसार ग्रहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) %र्जन रेंज-1, बगबई

दिनोंक 5-5-1986 मोइर :

(भ्रन्तरक)

भ्र**क्ष्** वार्<u>ड.</u> टी . एव . एव .,------

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भाष्ट्रत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बग्बई दिनांक 5 मई 1986

निदेश सं० 'ग्रई-1/37ईई/8184/85-86 --ग्रतः मुझे निसार ग्रहमद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (धिक इक्ष्में इसके एक्जात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्तका उचित बाजार मूल्य 1,09,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 25 जो सतनाम सागर, 5वीं मंजिल 20 पेडर रोड बम्बई—26 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनिथम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन ब बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मैं रजिस्ट्री में तारीख 25—9—1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के ध्रयमाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे ध्रयमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नौलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्स वरिविषय के अधीन कर दोने के अन्तरक के बक्कियान में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी काय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रनोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिज्याने में सूतिधा के लिए;

1. श्री सुबोध सी० चौकसी।

2. श्री शैलेश के० देसाई।

(ग्रन्तरिती)

की नृष्क भूकता कारी करूके पूर्वोक्त, स्म्यूति के वर्षन के विष् कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उन्त सम्मृति के न्वीन के सम्बन्ध में कोई भी भारते हूं-

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 25, जो, मतनाम सागर, 5वीं मंजिल, 20, पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

श्चन्यूची जैसा कि क सं० ग्रईई-1/37ई/7704/85-86 कथीर जो सक्षम प्राधिकारी बग्बई द्वारा दिनांक 25-9-1985 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-1, बम्बई

दिनां र 5-5-1986

प्रकल बाह्य हों हुन् हु एक हाराज्यान

बायकर बॉथ्डिन्स्न, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-य (1) के स्वीत स्थान

भारत सरकार कश्वनिय, सहायक भायकर भायक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज~1, बम्बई

बम्बई, दिनांबा 5 मई, 1986

सं० ग्रई-1/37 ईई/8366/85-86 -- ग्रत मुझे, निसार श्रहमद,

कायक र कि धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वाद करने कारण है कि स्थानर सम्पीत, जिसका उचित वाचार मून्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० बी/72 जो, ग्रेन्ड पराडी अपार्टमेंट्स, 7वीं मंजिल, ग्रागस्ट कांती मार्ग, बन्बई-36 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), ग्रीर जिसका जरारतामा ग्रायक्तर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याचय में रिजस्ट्री में, तारीख 14-10-85 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एमें स्थ्यमान प्रतिफल का वन्द्र प्रीत्रात में अधिक है और अतरक (अतरकों) और अतरहिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया शितफल निमानिचित उद्योग्य से उच्त अंतरण निचित में वास्तिफल के मार्गनिचित उद्योग्य से उच्त अंतरण निचित में वास्तिफल के मार्गनिचित उद्योग्य से उच्त अंतरण निचित में वास्तिफल के मार्गनिचित उद्योग्य से उच्त अंतरण कि निचत में वास्तिफल के मार्गनिचित उद्योग्य से उच्त अंतरण निचित में वास्तिफल के मार्गनिचित उद्योग्य से उच्त अंतरण निचित में वास्तिफल के मार्गनिचित व्यवस्थ से उच्त अंतरण निचित में वास्तिफल के मार्गनिचित प्रीतियाँ।

- (क) ब्रन्तरण सं.हुइं किवी शाय की बावत, उनक सिंपनियंत्र के अधीन कर दोने के अन्तरक के वास्तिय में कनी करने ना उससे वचने में धृतिका के विष्: संडि/का
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, जिन्हान के खुनिया के लिए;

नतः नयः, सक्त अधिनियम की भारा 269-ग में अनुतरक में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:--- 1. श्रीमती जेर मोशीर इलाविया।

(ग्रन्तरक)

2. श्री म्गतलाल भगवान दास बोदा।

(प्रन्तरिती)

करें यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के सिक्ष कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

बन्ध बन्धरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप 🥾

- (क) इक सूचना के प्रावपन में प्रकावन की तारीय में 45 दिन की श्वीभ का तत्त्वस्त्रभी स्पन्तियों पर बूचना की ताबील से 30 दिन की बनिभ, को भी बच्चि नार में बचाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्स स्पवित्रकों में से किसी स्पन्ति हुनारा;
- (क) इस सूचना के राष्प्य में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीवर उक्त स्थावर सम्परित में हित्ववृष् किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहत्वाकारी के पास सिवित में किस वा सकान।

स्वक्रीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शक्यों औड़ वर्षों का, को अक्त वीधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाविष हों, वहीं वर्ष होता, को उस अध्याय में विका वया है।

वन्स्ची

पत्रट नं० बी/72, जो, ग्रेन्ड पराष्ठी ग्रपार्टमेंटस, 7वीं मंजित, ग्रागस्ट कांती मार्ग, बम्बई-36 में स्थित है। ग्रमुली जैमानि के सं० ग्रई-1/37ईई/7879/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14~10-1985 को रजिस्टर्ड निया गया है।

> निसार श्रहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनांक . 5-5-1986

प्रक्ष्यः बार्डः की. एन् . एकः . -------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) से अधीन स्वना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 मई, 1986

सं ॰ प्रई-1/37ईई/8198/85-86:--प्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (मिस्ने इसमें रसके पश्चात 'उक्त विभिनियम,' कहा गया हैं), की धारा 269- के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 5, ओ, नटराज-ए, प्लाट नं० 404, लक्ष्मीनारायण लेंस, माटुंगा, बम्बई-19 में स्थित है और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यात्रय में रिजस्ट्री है, तारीख 30-9-1985

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित्र बाबार सून्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्कें वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ब्ह्यमान प्रतिफल से एसे ब्ह्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाथा गया प्रतिक्त का निम्निसिबत उप्रदेश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्य-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एंबी किसी वाम वा किसी वन वा बाम काफितमां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया वा वा वा विका वाना वाहिए वा. कियाने वा सुविवा के किए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उबत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैंसर्स नटराज बिल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

2. खिमजी डुंगरणी छेड़ा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता क्ष्में ।

अवल सम्पृत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विवृक्ष श्रीष्ठर स्वयं स्थावर सन्यस्ति में द्विवव्य किसी कम्म स्थावत् व्वारा, स्थाइस्ताक्षरी में पास विवृक्ष में निम्द वा कर्में ने।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ हायेगा को जस अध्याय में दिया। गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 5, जो, नटराज ए, प्लाट नं० 404, लक्ष्मी नारायण लेन, माटुंगा, बम्बई-19 में स्थित है।

श्रनुभूची जैसा कि क सं० ग्रई-1/37ईई/7716/85- 86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-9- 1985 को रजिस्टई किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–1,बम्ब

दिनांक: 5-5-1986

मोहर 🕲

प्रकर बाह्य हो एन एस -------

नायकर निभिनियन, 1961 (1961 का 43) की पाछा भारा 269-न (1) के नभीन सूचना

THE TAXABLE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, अम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई, 1986

सं० ग्रई-1/37ईई/8003/85-86:—-ग्रत: मुझे, निसार ग्रहमद,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके प्रचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 169-च में अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह निक्नास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रहें से अधिक हैं

और जिसकी संख्या फ्लट नं० 5, जो, कल्पतरू, पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित है (और इसमें उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, खाके ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 13-9-1985

को पूर्वेक्त संपत्ति के अवित बाजार मृत्य से कम के ख्यामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वेक्त सम्पत्ति का उजित बाजार भृल्य, उप्तके दश्यमान प्रतिफल के एप्ते दश्यमान प्रतिफल का पल्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरक्यें) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के जिए सम बाया गया प्रतिफल, निम्नितिबित उज्जेवर से उपक जन्तुक वितिष्ठ में वास्तविक कम से कथित नहीं किया गया है कम्म

- (क) बन्धरण से हुन्दें किसी बाय की बावबंद स्वक सरिवृत्तिका से स्वीत कहा को में में बन्धरूक से बाहित्त्व के कभी कड़ने का बन्न के ब्रोह्म के बिस्: मुद्रिंग
- (व) एती कियी नाम ना कियी भन्ना नाम नास्तिनी को, जिन्ही नारतीय नाम-कर निमित्तियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्ति निमित्तम, वा भन-कर न्यानिवनम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ नन्तिरती ब्यारा प्रकट नृहीं किया नवा का वा किया नामा चाहिए था, जियाने के स्थिना में लिए।

मतः वय, उपत विधिनियम की भारा 269-य के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिस्थित व्यक्तियों, अर्थात :——

- 1. श्रीमती फालिमा ताहीर धनसुरा और भ्रन्य। (श्रन्तरक)
- 2. श्री किशन लाल जैन और ग्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

3. भ्रन्तरकों

(वह व्यक्ति, जिसके म्रधिभोग में सम्पत्ति है।

की बहु शूचना चारी करके पूर्वोक्स संबक्ति के बर्चन के जिल्ल कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

इन्स्य संवित्य के अर्थन के संबंध में कोई भी बाध्येप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की सर्वाभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाभ, यो भी सर्वाभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेतित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षद्री के पास विवित में किए का सकति।

स्पष्टीकरण:— इतमें प्रयुक्त बच्चों और पर्यों का, को अवस् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित् है, सही वर्ष होना को उद्य अध्याय के दिशा प्रया है।

अनुसूची

फ्लट नं० 5, जो, कल्पतरू, 3री मंजिल, मेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-1/37ईई/7536/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई छारा दिनौक 13-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–1, बस्बई

दिनांक: 5-5-1986

प्रकर ् बार् ् डॉउ एक् प्रकार हन्न

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- भ (1) में अभीन स्मना

UKU SKO

कार्यासय, सहायक जायकर नायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई 1986

निवेण सं० म्रई-1/37-ईई/8050/85-86-**-**म्रतः

मुझे निसार ग्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमं इसके प्रवाद 'उसद किंधिनियम' कहा गया हैं), की आरा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, कितका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लट नं० 1, जो, तल, माला, निलमसल; पदम पेकरी पेंडररोड, बस्वई-26 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। दिनांक 17-9-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के द्रायमान व्यक्तिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृक्य, उसके द्रायमान प्रतिकत से, एसे द्रायमान प्रतिकत का पत्त्वह प्रविच्य से विभिक्त है और ब्रन्तरक (अन्तर्कों) गृडि बंदरिती (अंतरितियाँ) के बीच एते अंतरण के लिए सय पामा व्या प्रतिकत निम्निविच्य उच्चेत्रस्य से अवद्य संबद्ध सिविद्य में बास्तिक रूप से कथिय तहीं किया पदा है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने ला उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (क) एती किसी नाय या किसी भए ना नम्ब जास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय नाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जभिनियम, या भन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया भा या किया जाना नाहिए था, खिपाने में स्थिम के लिए।

वरः वयः, अक्त विधिनयम की भारा 269-न के बनुसरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) पफलवी श्रनिमेश शहा।

(भ्रन्तरक)

(2) मुनील णाँतीलाल मोकल।

(श्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्वित्त के वर्षन के तिक् कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

उक्त सम्मति के वर्षम् के संबंध में कोई भी बाबोप् ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सर्वोंगे ।

स्वया के रण: --- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के कभाय 20-क में परिआधिष है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 1, जो, तल माला नीलकमल, पदम टेकरी पेडर रोड, बम्बई में 26 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी क्र० सं० श्र $\frac{1}{37}$ — \frac

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 5-5-198

प्रकल् आही. ही. एन. एक ु ------

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के बभीन सूचना

भारत बरकार

कार्यांक्य, तहायक बायक्क्स बायुक्त (निर्राक्रण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 मई 1986 निदेण सं० ग्रई-1/37-ईई/7938/85-86--श्रतः मुझे, निसार श्रहमद

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसरें देसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-श के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० यूनिट नं० 14, जो तल माला, डी० जे० डी० कामा कोल्ड स्टोरेज न्यू सन मिल्स कंपनी (प्राईवेट) लिमिटेड, सन मिल कंपाउंड, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित हैं (और इससे उपाबद ग्रनुमूची में और पूर्ण रूप से बणित हैं), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्की है। दिनांक 10-9-1985

को प्वॉक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथाप्वॉक्त सम्मत्ति का उचित बाजार ब्रूप, उनके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का श्रम्बह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के जिए तथ पाया स्वा प्रतिफल, निम्निजिद्द उक्षेत्रय से उच्त अन्तरण किश्रम को वास्तीक रूप से क्षेत्रय महीं किया गया है श्रम्

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उच्च जिथ-नियम के जधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उद्यम बचने में स्विध्य के दिवए; बार/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना जाहिए था, जियाने में सुविधा के जिए;

जत्त: अव, अक्त अभिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण वा, या, अक्त अभिनियम की भारा 269-म की अपनारा (1) को अभीन, निम्नलिकित स्पिकतयों,, अर्थात् स— (1) श्री मती गुवंत कौर।

(श्रन्तरक)

(2) मेसर्स विकास।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

सक्त सम्बक्ति के अर्थन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, को भी अविध जाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्ध स्थावत इकारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए था सकेंगे।

स्थाधिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अभिनियम, के संभाय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा चो उस सभ्याय में दिवा वया ही।

अनुसूची

भी यूतिट नं 14, जो, तल माला, न्यू सन मिल्स कंपनी (प्राइवेट) लिमिटेड, (डी० जे०डी० कामा कोल्ड स्टोरेज, सन मिल कंपाउंड लोग्नर परेल बम्बई-13 में स्थित है। अनुसूची जैसाकी क्र० सं० गई-1/37-ईई/7472/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनांक: 5-5-1986

मोहर 🖫

प्ररूप् आहरै.टी.एन.एस.-----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

जाधकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के जभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000 ∕- रु. से अधिक हैं भ्रौर जिसकी संख्या दुकान नं० 5, जो, डाक्टर हाउस, 14, पेडर हाउस, बम्बई-26 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णिन है), श्रौर जिपहा करारनामा आयहर अधिनियम 1961 की धारा 269 है, ख के अभीत बच्चई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यातय में रजिस्ट्री है, तारीख 20-9-85 को पूर्वीयत सम्पर्शिक उचित बाजार मूल्य से कम के दृरयमान पितफल को लिए बन्तरित की गर्द और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पासा गया प्रतिफल, निम्नलिमित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

हिल्लीबल में बास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है है——

- (क) जनतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

श्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :----7----116 GI/86 मैसर्स विनोद कारपोरेशन ।

(ग्रन्तरक).

2. श्री श्रानन्दरात एम० राखेला।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

डांक्टर हाउस, वुकान नं. 5, जो, 14, पेडर **रोड़**, बम्बई-26 में स्थित **हैं।**

अनुसूची जैसाकी क.सं. अई-1/37-ईई 7597 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-9-1985 और रिजस्टर्ङ किया गया है।

निप्तार ग्रहमद, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज–1,बग्बई

दिनांक: 5-5-1986

पोहर:

प्ररूप नाई.टी.एन.एस.-----

नायकर सिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन मुच्छा

भारत स्रकार

कार्यास्य, सहायक वायकर नाय्क्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, बम्बई बम्बई, दिनौंक 5 मई 1986

निर्देश सं॰ ग्रई॰-1/37ईई/799 1/85-8 6--- भ्रतः

मुझे, निसार प्रहमद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 201, जो 2री मंजिल, 242, श्रागर जिला, इस्ट सायन रोड, बम्बई-22 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूनी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्ष्म प्राधिकारी के कार्यानय में रजिस्ट्री है, सारीख 13-9-1985

को पूर्वोक्त नम्पत्ति को उपित बाजार मृस्य से कम के स्वयंजान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विष्वास करने का कारण है कि यथाप्यादत संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को नन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नितियां उद्देश्य से उन्त अंतरण निम्नितियां गास्तिक कर्ण से कायत निम्नितियां गास्तिक कर्ण से कायत निम्नितियां गास्तिक कर्ण से कायत नहीं किया व्या है .---

- (क) नंबक्षण से हुई कियो नाम की नायत्, उपक निभिन्निम के अभीत कार तोने की लाल्ट्क के वामित्व मों कामी कारने या तससे नकारे पर श्रीविधा के विष्य: नार/मा
- (क) एसी किसी भाव वा किसी भन वा अन्य जास्तिओं की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या विच्या प्रकट नहीं किया स्वाया था या विच्या प्रकट नहीं स्वाया स

नेता अन उक्त निर्मानयम की भाग 269-ग के बन्नरण ने, में, अक्त निर्मानम की भारा 269-व की उपधारा (1) के नभीन, निर्मालिकित व्यक्तियों, वर्धात क्रमान 1. मैसर्स आगर डेव्ह्लोपर्स।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बिना विरेश शेठ।

(अन्तरिती)

को शह त्यना धा<u>रीं</u> कहाने पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजधन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तासीक से 30 दिन की व्यक्तियों भी भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रारा;
- (ण) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तार्यं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी नन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकाने।

स्पथ्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्यों और पर्यों का, को उक्त वीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा को जम अध्याय में दिशा गया हो।

भ्रनुसूची

पलैट नं० 201, जो 2री मंजिल, 242 श्राशर विला, इस्ट सायन रोड, अम्बई-22 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकि ऋ०सं० ग्रई-1/37ईई/7524/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: **5**–5–1986

प्रका बार्त हो हुन पुर

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

याच 269-म (1) में नर्दोन सूचक

हारह दुरकार

कार्याजय, बहायक वायकर नायुक्त (रिक्सीकार्य)

भ्रजेंन रोंज-1, बग्बई बम्बई, दिनांक 5 मई, 1986

निर्वेश सं० ग्राई-1/37ईई/8521/85-86 -- ग्रात: मुझे,

निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रमणे पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन राज्ञम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का जारण है कि स्वावर सम्पत्ति, विश्वका उचित बाकार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हो

श्रौर जिसकी संख्या स्टर्लिंग सेंट के 5वीं मंजिल का हिस्सा, जो न्यू स्टर्लिंग सेंटर कर्माणयत्र प्रिमायसेंस को-श्राप० सोसायटी लि०, डा० श्रनी बेसंट रोड, बम्बई-18 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अश्रीन बन्बई थित सक्षम प्राजिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 25-10-1986

को प्रांक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान इतिका के निए अंतरित की गई है और मुखे यह निश्माल करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त संपत्ति का उचित्र बाबार सूच्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, एसे श्रथमान प्रतिफल का पन्तर का पन्तर का पन्तर का पन्तर का सम्बद्ध प्रतिचात से अधिक है और मन्तरक (मन्तरका) और अन्तर दिली (अन्तर रितयों) को नीच एसे जन्तरण को निए तब पाना गना प्रतिफ एनी जनकित उच्चे के अध्या अन्तर का सम्बद्ध कि विका को नास्तरिक कर से कथिय नहीं किया गया है है

- (क) अम्तरण कं हुई किसी बाय को कावज्ञ, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सामिक्य में कभी करने मा उसके समाने में सामिका के सिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी बन या अन्य जास्तियों को शिवाई भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्भात्:--- 1. दि हिन्दुस्तान करस्ट्रवशन कम्पनी लि०।

(अन्तरक)

2. ए वरो इल्डिया लिमिटेड।

(अन्तरिती)

3. ग्रन्सरकों

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सम्बद्ध संपत्ति के मर्जन के संबंध में करेंगें भी कार्याप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीशा के 45 दिन की अपिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर ज्ञान की तामील से 30 दिन की वर्षा को भी अपिश वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्श का किसनों में से किसी व्यक्ति क्वाय;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उपल स्थावर सम्पत्ति में हिटबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास निवित में किए वा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त बद्धां और पदां का, जो स्वक्त अधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाविश है, वहीं अर्थ होंगा जो उस सध्याय में विद्या वस है।

. अनुसूची

स्टिलिंग सेंटर के 5वें मंजिल का हिस्सा, जो न्यू स्टिलिंग सेंटर कर्माशयन प्रिमायसेंग की-ग्राप० सोसायटी लि०, डा० एनी बेसंठ रोड, बम्बई-18 में स्थित है।

श्रनुमूची जैसा कि कि से ग्रई-1/37ईई/8024/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-10-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 5-5-1986

प्रसम् बाह्यं, दीनु हुन्, हुन्, न्यान्यस्य

थानकर व्यिक्तिन, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-य (1) में नपीन चुचना

भारत् सरकार

कार्यक्षत्र, सङ्गतक मार्गपर कार्यक (विरीक्षक)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 मई, 1986 सं० ग्रई-1/37ईई/8089/85-86 —-ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमव

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 3 जो 5वीं मंजिल, इमारत नं० 4, पी० एन० बी० ग्रगर्टमेंटम बी० जी० खेर रोड, बरली, बम्बई—18 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बणित है), श्रौर निपान ग्रगरनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के दायित्य में रिक्स्ट्री है, तारीख 20-9-1985

कों पवोक्ष सम्मित के उचित वाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गर्र हैं और मुक्ते यह विश्वास का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाबार मृत्य सक्ते रुग्यमान प्रतिकत के पंग्रह प्रतिकत से पंग्रह प्रतिकत से पंग्रह प्रतिकत से बाबार मृत्य प्रतिकत से बाबार है और अन्तरिकों और अन्तरिकों (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिकत्त , निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाबरिक क्ये से कियत नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धविष्य में कमी करने पा उसमें बचने में सुविधा में सिए; चौर/भा
- (गा) क्षी किसी जाय या किसी कर या अन्य शास्त्रियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिन्यम, वा अनकर अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुगरा प्रकट नहीं किया नवा भा या किया जाना भाहिए था, छिमाने में स्विचा के शिक्षा

बकः नम, उक्त द्रिपियम की भारा 269-ग के अनुतरण मो, मो, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्सित व्यक्तियों, अर्थात् :---- श्री कमलजीत सिंह चावला श्रीर जगजीत सिंह चावला।

(ग्रन्तरक)

2. सबवे फायनेन्स एण्ड इनवेस्टमेंट कम्पनी लिमिटेड। (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस त्या के राजपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जनिथ या तत्साम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर प्रकर स्थावर सम्पत्ति में हित्यवृथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

रर प्टोकरण .---इसमें प्रथ्नेत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्यात 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया पदा ही।

अन्सूची

पलैट नं० 3, जो 5वीं मंजिल, इमारत नं० 4, पी० एस० बी० ग्रनार्टमेंट्स, बी० जी० छेर रोड बरली, बम्बई-18 में स्थित है।

. ग्रनुसूची जैसा कि फ०सं० श्रई-1/37ईई/7614/85~ 86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई में द्वारा दिनांक 20-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, बस्बई

दिनांक: 5-5-1986

मोहर 🛭

अक्य नाइं.टी.एम:एव.-----

भाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को अभीन सूचना

भारत करकार

कार्यासय, सहायक आयकर जानुक्त (निरीक्षण)

बम्बई, दिनांक 5 मई 1986

सं० अई-1/37ईई/7842/85-86:---अतः, मुझे, नियार अहमद,

कायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात्ं 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

म्रीर जितिको संख्या फ्लैट नं 161, जो, तिलाम्बर, 37, पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित हैं (म्रीर इसने उपाबद भ्रनुसूची में म्रीरपूर्णका से विणा है), म्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269 क, ख के अधीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-9-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्प्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्प्रमान प्रतिफल से, एसे इस्प्रमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व के कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; जॉर/वा
- (थ) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्म आस्तियों करे जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, कियाने में बृविधा के जिए;

भतः ॥ भ, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के बनुसरक् में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. पी० एल० ए० एकपपोर्टस (प्राइवेट) लि०। (अन्तरक)
- श्री श्रेयस कितीलाल दोशी।

(अन्तरिती)

3. अन्तरकों

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना थारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष्
कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों स्वना पर की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 हित को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

गरपर्या

प्लैट न० 151, जो भिलाम्बर 37, डा० गोपालराव वेशमुख मार्ग, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-1/37ईई/7378/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई झारा दिनांक 2-9-1985 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> नितार अहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्त आयुक्त निरीक्षण), अर्जन रेंज–1, बम्बई

दिनांक: 5-5-1986

प्रस्प बार्ड, टी, एन, एस.

आंयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, बम्बर्ड

वम्बई, दिनांक 5 मई, 1986

िनर्वेष सं० अई-1/37ईई/8016/85-86:—अतः मुझे, निसार अहमद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 75, जो 7वी मंजिल, रेड रोड, 44, पोचखानवाला रोड, बरली, धम्बई-18 में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विजत है ग्राँर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 16-9-1985

को प्रशंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का गृह्य प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबतः, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बरः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ्र— _____ 1. रमेश जी० सिप्पी।

(अन्तरक)

2: श्रीमती निता पी श्राफा

(अन्तरिती)

3. मैसर्स मेहला इस्टेटस।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुक्र करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा क्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस्र अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

फ्लैंट नं० 702, जो, 7वीं मंजिल, रेंड रोड, 44, पोचखान बाला रोड, बरली, बम्बई-18 में स्थित है। अनुसूची जैसाकि क सं० अई-1/37ईई/7544/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-9-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निमार अहमद सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 5-5-1986

क्कप का<u>र्व हो . एवं . तुव</u>्य

भागकर निर्धियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमरा

ETCE STATE

कार्यक्रम हार्यक कार्यकर अध्यक्ष (निर्देशक)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनां रु 5 मई 1986

निर्वेश सं० अई-1/37ईई/80ऋ3/85-86:—अत: मुर्झे, निसार

अहमद,

नावकर विधानवन, 1961 (1961 का 43) किये कार्ने इसके व्यवस्था (उनस निर्मानवन' कार्न वक्त ही, की वास 269-थ के नधीन वक्तन त्रीवकारी को वह विध्वस्था करने का बारग है कि स्वापर तन्त्रीत, जिल्ला उपित वासर तन्त्र 1,00,000/- रू. से अधिक है

भौर जिनकी संख्या फ्लैंट नं० 3, जो, 5वी मंजिल, इमारत नं० 5, सी० एस० नं० 868, 1/868, वरली, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), भौर जिनहां करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, खंके अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 20-9-

को पूर्वीक्ष्त सम्प्रित के उपित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वधापुर्वोच सम्प्रेत को उपित बाबार मून्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का नम्बह प्रतिकात से मिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिमों) के बीच एसे अन्तर्थ के लिए तय भावा गया प्रतिफल, विक्तीजनित उद्योध से उन्त जन्तरण निवास भी वास्तिक स्थान के किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शबत, उकत वीभीनवम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके क्काने में वृषिका वीभिष्ट; व्यीप/वा
- (य) देवी किसी काम वा किसी जन या अस्य जारिसयों का. जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनेस अधिनियम, वा धनकार अधिनियम, 1957 (19// का 27) के प्रवोधनार्थ असीरियम, वाधनियम किसा नवा वा विकास असीरिय व्याप प्रकट सहं किया नवा वा वा विकास जाना चाहिन था, कियाने में सूर्विभा से किए;
- ् बक्ष्य क्या, उपल अभिनियम की पास 209-म की क्यूसरण भी, जी अपन किभिनियम की भाष 269-व जी अपनाय (1) के अभीन निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

1. बी० वाई० बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सिमा सिराज खात।

(अन्तरिती)

3. श्री बी॰ वाई॰, बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड । (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना वारी अध्यक्ते पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के जिल् . कार्यवाहियां शुरू कच्छा हो ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत कुष्य के खबक्त में अवश्वन की तारीय क 45 दिन की नवींन वा अस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर बुबका की तायील से 30 दिन की संबंधि, जो भी नवींन बाद में समाप्ता होती हो, के भीतर प्रवेषिय व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षाय;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उपत स्थापर सम्पत्ति ने हितबबुध किसी जन्म स्पष्टित क्वाच जाशहत्ताकरी के पास सिवित में किए वा सकी / ...

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 3, जो, 5वी मंजिल, इमारत न० 5, सी० एम० नं० 868, 1/868, वरली, बम्बई में स्थित **है**।

अनुसूची जैसांकि ऋ सं० अई-1/37ईई/7618/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिन'क 20-9 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद, भक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर अग्युक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज–1, बम्बई

दिनांक: 5-5-1986

मोहर 🖫

प्रका बाद्, टी. इत . एव-५०-५०-५

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत बहुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मई 1986

निर्देश सं० अई-1/37ईई/7920/85-86:--अतः, मुझे निसार अहमद,

नावकर विवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें वसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन ससम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्बद्धित, जिसका उपित बाबार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट न० 23, जो वाय ब्यू को-आप० हाउसिंग सोसायटी 15-ए, रिज रोड, बम्बई-6 में स्थित में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबंध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजा हैं), ग्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिन्यम 1961 की धारा 269 क, खं के अधीन बम्बई स्थित सक्षम शिक्षकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री हैं, तारीख 6-9-

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के जीवत बाजार मृल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्दरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का जीवत बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गमा प्रतिफल, निम्मिसिक उद्वेद्य से उक्त जन्तरण निवित्त में नास्तिविक क्य वे कियत नहीं किया गमा है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (य) एसी किसी जान या किसी भन ना नन्य नास्तिनों की, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनित्रम, 1922 (1922 का 11) या उनत अभिनित्रम, ना भन-कर अभिनित्रम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था ना किना जाना चाहिए था, जिपाने में सुनिया के किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वै, बैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के क्यीन, निम्मचिक्ति स्पित्तर्यों, अर्थात् डिस्स 1. कैप्टन पी० सी० ठाकुर ।

(अन्तरक)

 श्रीमती गुणवंती मोतीलाल गांधी श्रीर कुमारी सुर्थकांता एत० गांधी।

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(बह क्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)।

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस जूपना के राज़पन में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की शरीब या तत्त्वस्वन्धी व्यक्तियों पर श्रृंचना की तामीब से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी अविंग बाब में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इस बुकना के रावपण में प्रकादन की तारीच से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विध-बद्द किंदी कम्ब कवित्त द्वारा नभोहस्ताकारी के पास सिवित में किए वा सकेंचे।

स्पन्धिकरण: इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उनके अभिवित्तम के अभ्यात 20-के में परिभाषित हैं, नहीं सर्थ होंगा, जो उस अभ्यात में दिवा नवा है।

अनुसूची

पलैट नं० 23, जी, बाय व्यू को-अप० हाउसिंग सोसायटी, 15-ए, रिज रोड, मालाबार हिल्स, बम्बई-6 में स्थित हैं। अनुसूची जैसाकि क्रम सं० अई-1/37ईई/7456/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-9-1985 को रजिस्टई किया गया है।

निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1 बम्बई

दिनांक: 12-5-1986

प्रकम भार्च .दौ .एन .एन :

नावकर निधिनिवस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नर्भीन सूचना

नारत तरकार

कार्यातय, सहायक भागकर भाग्यत (निरीक्त)

अर्जन रेंल-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मई 1986

सं० अई-1/37ईई/7839/85-86:--अत मुझे, निसार अहमद.

भावकर जिमिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00.000/-रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या फ्लैट तं० 504, जो, मंगलकुंज को-श्रौप हाउसिंग सोसायटी लि०, 2, श्रल्टा माउंट रोह, बम्बई=6 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधि नियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं तारीख़ 2-9-1985।

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रतिपत्न को लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उपित बाजार मृत्यं, उसके बश्यमान प्रतिकाल से एसे बश्यमान प्रतिकास के पन्तह प्रतिकाल से अधिक हैं और जन्तरक (अन्तरका) और बन्तरितों (जन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब बाबा गया प्रतिकाल, निम्मिनियत उद्योद्य से उसत बन्तरण सिकित में बान्तविक रूप से कथित नहीं किया क्या है क

- (क) मन्तरभ वे हुई फिक्की बाव की बावता कर कर के की बन्तरक की वासरक की वासरक की वासरक को कार्य कर करने के बन्तरक की वासरक को कार्य करने का उसने बनने में सुविधा के लिएए बार/बा
- (क) ऐसी किसी काय या किसी धन या जन्य हानितारों को जिन्ही भारतीय पायकर सधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, पा धन-कर अधिनियम, पा धन-कर अधिनियम, पानतिया पानतिया प्रकट नहीं किया गया था या किया भाना साहिए था। विकास में निरमा

1. श्री हणम्खनाल रतीनान गरा।

(अन्तरक)

 श्री भारत चन्द्र सी० शहा ग्रांप श्रीमती जयप्रभा बी० शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति को नर्पण को सम्बन्ध में कोई नार्शप :---

- (क) इस त्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वविध थाद में समाप्त होती हो, की भीतर प्रवेक्त कारितकों में ने किसी व्यक्ति वृताय:
- (क) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपन्ति में हितबद्ध किसी कर्व स्थानर ह्यारा अभोहस्ताक्षरी के पार निर्धात में दिन्द कारा अभोहस्ताक्षरी के पार

स्वक्यीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हरू जीवनियम के अध्याय 29-क में परिशामिक ही, बहुने कर्य होगा, जो उस अध्याय में दिवा नवा ही।

अनुसूची

प्लैट नं ० ६०४, जो, मेंगलकुंज की-आप हाउसिंग सोसायटी लि०, २, माउण्ट, प्लेट रोड, बम्बई-० में स्थित है।

अतृमुकी जैसा कि करु संर अई-1/37ईई/7376/85-86 श्रीर को सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 2-9-1985 को रिजस्टई किया गया है।

निसार ब्रहमद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त निरीक्षण अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनक: 12-5-1986

मोहर ः

पुरूष लगा हो त्व एड

मार्थकर अधिनियम, 1961 (1961 क्षा 43) की पारा 269-ल (1) के ब्रेडीन समाग

धरस्त सरकार

कार्यालयः, यहायक अध्यक्तर काय्कतः (विरक्षिक)

अर्जन रेज, !-वम्बई बम्बई, दिलांग 15 मई, 1986

मं० अई-1/37ईई/8143/85-86:--अतः मुझे, निसार अहमद,

मायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'जिक्त अधिनियम' कड़ा गया है), की धारा 269- क के सधीम सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित विसका उचित वाचार मृज्य 1.00,000/-रू. से अधिक है

श्रीर जिनकी संख्या मी० एस० तं० 1551, गिरगांव हियोजन बस्बई में हैं तथा जो बस्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपा-बद्ध अन्मुची में श्रीर पूर्ण इस से विजित्त है), श्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षत प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्दी है, तारीख 24-9-1986

प्रीतकाल के निए जन्तरित काँ गई है और मुफ्ते यह निकास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्च सम्पत्ति का उपित बाजार कृत्य, उसके देशयमान प्रतिकल से, एसे देशयमान प्रतिकल का गन्त्रस प्रतिकल को गन्त्रस प्रतिकल को निकास की जीर अंतरिती (किंग्येजीं) को नीक एसे बंतरिश के किए तम बामा गमा परि-कल मिस्निसिवत उदयोग्य से जन्त कन्तरण निवित में गस्तिक क्य में कलित नहीं किया बसा है ---

- (%) बन्तरण से हुई फिसी भाग की मावट उक्त विश्व-रिश्यन के अभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य के कभी करने या उसके वजने के सुविधा के निए; बहि/वा
- (क) एंसी किसी जान या किसी या या अन्य अस्तियाँ कों, जिन्हीं भारतीय भागकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के असोबनार्च अन्तरिती नुवार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में संजिभा के स्मिन्

बतः बब, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मं, इकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के क्षीत्र निम्निकित काकिश्यों, बर्मात :—-

1. मैं दि विक्टोरिया मिल्प लिमिटेड

(अन्सरक)

मैसर्स प्याचा पंचणिला प्रापर्टीच (भामिवार द्वारा)
 नैपर्स प्याचा पंचणिला प्रापर्टीच प्रादेवेट लिमिटेड ।

।लामट**ड**ा (अन्तरिती) 3. माड्त

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4.

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि कि बह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह मुचना आरी करके पूर्वोंक्त सम्पक्ति के **अर्थन के लिए** सर्वापितिस्था कारण हाँ ।

उन्नत सम्पर्णिक ने नजीन के सम्मन्य में की हैं भी मानेप:—
(क) इस प्राप्ता के जानपत्र में प्रकालन की सारीय में 45
विन की जानीय में 39 दिन भी सनिप, सो भी सनीय जाद में समस्त होती हो, के भीतर प्रक्रिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;

(स) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख हैं

15 किन के भीतर उच्च स्थावर संपर्धित में दिसार
बढध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के

15 किला में किसा का सकरें।

क्रमारिकारण : हसारों अयुक्त करनी सौर पदी का **वर्ष उसर** ्मीक्षीनसभा की अध्यास २० के में परिभाषित भी, उन्हीं नर्धा निका को नाम अध्यास में दिया भा है।

अन्सुची

भव जमीन पारमपारीक है। और प्रिमायसेम जिसका विस्तार 7435 चौरम याई है। याने 6316 चौरस मीटर है जिसका सर्वे० सं० 1551, गिरगांव डिवीजन, बम्बई है। जो किरायायाला जमीन पारपपारीख है। और जमीन और प्रिमायसेस जिसका विस्तार 11575 चौरस याई तथा 9766 चौरम मीटर तक है। जिसका सर्वे नं० 1551 है और जमीन पारमपारीख और प्रिमायसेस जिसका विस्तार 1106 चौरम याई तथा 925 चौरस मीटर है तक है। कुल जमीन 30114 चौरस याई तथा 16818 चौरस मीटर तक है। जो गांव देवी रोड, बम्बई में स्थित है। आँर जिसका वर्णन पूर्ण रूप मे हायकोर्ट के कन्सेंटटई में है। पिवित ज्यरी जिन्न मुट नं० 3040 आफ 1984।

अन्भुची जैया कि ऋ० स० अई-1/37ईई/7667/85-86 और जो भक्षन प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांग 24-9-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

निमार अहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त निरीक्षण अर्जन रेज-1, बस्बई

दिनां त: 15-5-1986

मांहर :

त्रक्ष सार्वं . मी , यम , एसं :- ------

वायकर विधितियम, 1961 (1961 कर 43) की भारा 269-व (1) के वधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 15 मिई 1986 सं० अई-1/37ईई/7843/85-86:- अत मुझे, निभार अहमद,

परापकार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इक्का इसके परचाल् 'उनल अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का आरण है कि स्थापर सम्पत्ति, विसका उचित वाचार भूका 1,00,000/- रु. सं अधिक है

मीर जिसकी संख्या फ्लैट नं 68 एक जो, विनस अपार्टमेटस, बरली सिपेस, बम्बई-18 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अमुमुजी में फ्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), फ्रांर जिसका करारनामा आयळ अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के जार्यात्य में रिजिस्टी हैं, तारीक 2-9-1985

की पृथिक अमित के जिला वायात मृत्य ६ क्य के क्यामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्टिक संपत्ति का जिला आलार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंकिस्ती (अंतरितियों) के नीय के एके कन्तरक के सिर्ण उप पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण तिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के निकास में कभी नारगेगा नकते ककने में समिया को निकास करें/गर
- (च) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, चिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के श्रेमेचनार्थ अन्तरिती ह्वारा प्रकट बढ़ी किया गया भा या किया जाना थाड़िए का. छिपाने में स्विधा स्वीवयम

मतः अभ, अवस अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्स अभिनियम को भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् !---

1. श्री एम० एम० थडानी

(अन्तरक)

2. श्री प्रफुल्न के० भृष्या।

(अन्तरिती)

3. अन्त्र <u>ए</u>

(बह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)।

4.

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधाहस्ताक्षरी जानता है कि वह समात्ति में हितबद्ध है)

का यह शुक्षता वारी करसे पूर्वोचल संपत्ति से वर्चन के लिए कार्यवाहियां करता होंदूर

उक्त संपत्ति के वर्षम के संबंध में कोई जी वाक्रीय:---

- (क) इस त्यका के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की सनीध मा तत्संबंधी व्यक्तियों कर सूचना की तामीन से 30 दिन की सनीध, को औं सनीध नाद में सभाप्त होती हों, के भीतर पूर्वे कर स्परित्यों में से किसी व्यक्ति स्वारत;
- (थ) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारोध स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किंछ। अच्य व्यक्ति इसारा अभाहस्ताक्षरी के यात निर्मित में किए जा महाने।

स्वक्योकरणः -- इसम प्रवृत्तक शब्दो और पर्दो का, को उनस किथिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित हो, वहीं वर्ध होंगा धो वस कथ्याय में विका गया है।

अनुसूची

पसैट नं० 68/एफ०, जो विनम अपार्टमेंटस, वरसी सिफेस बम्बई 18 में स्थित है।

अनुमुनी नैसा कि क स० अई-1/37ईई/7379/85-86 भौर जो सक्सम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-9-1985 को रिषस्टई किया गया है।

> निसार अहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज–1, ब्रम्बई

दिनांक: 15-5-1986

मान वार्षः हो ह्या हर ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

ALTER STREET

कार्यासय, सहायक बायबार जानुमच (निर्योक्सक)

अजॅन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 15 मई, 1986 सं ० अई-1/37ईई/7956/85-86:--अत मुझे, निसार

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विको इक्की श्त्रको पश्चास् 'तकत नीभीनवन' कहा बना ही', की बारा 269- व के वधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितं बाजार मृल्य १,98,908/- रा. से व्यक्तिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 504, जो, 5वी मंजिल, ब्लाक डी, सिमला हाउस, नेपियन सी रोड, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से र्वणित है), श्रीप जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम 1961 की धारा 269 क़ ख के अधीन बम्बई स्थित प्राधिकारी, के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 11-9-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझं यह बिश्वास करने का कारण है कि यथाप्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्त-

विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बच्चरूप वे हुद्र विश्वी अस्य की बार्यक्र अस्य अधिकार से अभीत कह दने से अस्तरक व्यक्रियत भें कर्मी ऋतने या समाने बचरे भें हिन्हा **र्क मिला: व्या**र/सा
- (क) क्षेत्री किसी काम दा किसी क्षेत्र दा अभ्य संक्षिककी को विनद् शास्त्रीय वापकार विभिन्नियन, 1922 (1922 का 11) या उपकर अधिनियम, या धन-कर अर्थिनियम, 1957 (1957 के 27) है प्रयोगमार्थ अन्तरिती वृषार। १४४८ नहीं किया गया **वा या किया जाना चाहिए था.** कियाने में **स्**प्रिंगा ने सिन्ध

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

श्री शेखर चन्द मित्तण सैन जैन।

(अन्तरक)

2. बिन्दू राल्फ फर्नान्डीज ग्रीर सिद्धार्थ सेवन्ती लाल शहा ।

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4.

(बह ब्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मत्ति में हितबद्ध है)

को बहु स्थान पारी अथने प्योक्त सम्बद्धित के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हां।

धनद सम्पन्ति के कर्पन को संबंध के कोई भी लाग्नीय s----

- (क) इस ध्वता के राक्षपण में प्रकारकत करें। सारीया वे 45 विन की समिध सा सत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर ब्चना की शामील वे 30 बिन की सवीध, जो औं मनीन नाम में समान्य होती हो, के श्रीतर पुनरेंचक व्यक्तियों में से फिसी क्वींबर इवारा.
- (क) इस तप्तान में सरक्षण में प्रमाणक की बार्यांत से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर भगीरत में द्वितवष् किनी बन्द व्यक्ति ह्वास अभोहेलाबाही के पाय लिक्ति में कियू या उर्योगे।

हों। यही वर्षी होया को उस्के नक्काल के विका पना 🗗

ग्रन्सूदी

म्लैट नं० 504, जो, 5वी मंतिल, ब्लाक डी, सिमला हाउन, नेदिक्त सी रोड, बम्बई में स्थित है।

धनसूची जैपा कि क संव अई-1/37ईई/7491/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधितारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-9-1985 को रजिस्टई जिया गया है।

> निवार अहमद, यक्षम प्राधिकारी.

महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 15-5-1986

प्रकथ आहुँ ती गुन्। गम ---- ---

नायकर वॉथिनियन, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-म (1) के अधीन श्वमा

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आवकार आव्यत (निरीक्षण)

अर्जन रोंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई, 1986

सं० ग्रई-1/37ईई/8567/85-86 — ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात (उकत अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स की अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृज्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

प्रीर जिसकी पंख्या पर्नेट नं० 5, जो, 5वीं मंजिल, धुन प्रपार्टमेंटस, स्कीम 58, 66, वरली हिल इस्टेट. बस्बई-18 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण स्प से वणित है). ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिष्टित्यम 1961 की धारा 269 के, ख के ग्रद्धीन बाबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के जार्यानय में रिजिस्ट्री है नारीख 30-10-85 को पूर्वाक्स संपास्त से उपाय के स्थाप के किए कर्यार्थ के किए कर्यार्थ के किए कर्यार्थ के किए कर्यार्थ के स्थाप करार के लिए कर्यार्थ के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप करार के स्थाप क

- (क) अम्बद्धण के इन्हें । क्षणी काव की वायक, सक्य अधिनिक्क के अधान कर वाने के अन्यस्क के रामित्व में कभी करने या उससे क्षणे में श्रीमधा के सिक्; महिंद/बा
- (व) मांसी किसी का या जिल्ला का जन्म कारितयां का , विन्तुं भारतीय बायकर किश्वित्रमा, 1922 (1922 का 11) भी उक्त बाँधनियम या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिर्दा द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा विकास वामा पाहिए भा जिनाने में वृत्या के निह:

बतः व्या, उक्त अधिनियम की वारा 269-म के अनुसरण मी, भी, उरत अधिनियम की वारा 269-म का उपवास (1) के अधीन, निम्नलिखिश व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री ग्रमोक के० हिंगे,
 श्रीमती निलिमा ए० हिंगे, ग्रौर
 ० हिंगे ।

(ग्रातरक)

2. श्री 'राधाकुष्ण लाइसारीया।

(भ्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरक

(वह व्यक्तिः जिसके श्रविभोग सम्पत्ति है) ।

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विक की अवधि वा तत्संबंधी व्यक्तिनों पर स्थान की तासीम के 30 दिन की वर्षान, वो भी नयहुँच बाद में सवाया होती हो, को भीतर पूर्वेक्स व्यक्तित्वों में से विकी व्यक्ति दुवाराः
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विव के बीसर उस्त स्वावर सम्पत्ति में द्वितवह्रभ विक्ती कृष्य व्यविष् वृषाध अभाक्ष्मशाक्षर। के पास विविध में दिन्द का गुकेंगी।

अध्यक्तिरणः — इसमें प्रमृक्त कावाँ और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,, **हैं, वहीं अर्थ डोगा, जो उस** अध्याय में दिसा हैं।

अन्सर्घ।

फ्लैंट नं० 5 जो, 5वीं मंजिल धुन श्रश्रार्टमेंटस, स्कीम 58, 66, वस्ती हिल इस्टेट, बम्बई-18 में स्थित है। श्रनुसुची जैसा कि क सं० श्रई-1/37ईई/8069/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बग्बई द्वारा दिनांक 30-10-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-1, बस्बई

दिनांक: 5-5-1986

प्ररूप आहें हों एन एत

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ 269-व(1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

श्लयांतर, श्रहायक बावकार जावूका (निहासिक)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई, 1986

निर्देश सं० ग्रई-1/37ईई/8536/85-86 ---ग्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके परचाह 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उसित बाबार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भ्रौर जिसकी संख्या फ्लंट नं 1, जो, 4थी मंजिल, लोटस कोर्ट, डां श्रेनी बेझंट रोड, वरली, बस्बई—18 में स्थित है भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है भ्रौर जिस में वर्गारनामा क्रायकर ग्रीधनियम 1961 की बारा 269 क, ख के श्रेष्धीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिकस्ट्री है, तारीख 29-10-1985

को पृष्टिक्त सम्पत्ति के टिन्ति वाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्नींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके टक्समान प्रतिफल से, ऐसे ट्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और पंतरिती (अन्तरितियों) के जीन एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय में उसत अन्तरण लिखित में वास्तायक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण सं हुइ किसी आय की धावत, उक्का अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/बा
- (क) एती जिल्हों आप या किसी पन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अविनिधम, 1922 (. १०० का १६) ए ताबन जिल्हों नियम, या बन-कार अधिनिधम, 1957 (1957 का 27) खं प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा अकट नहीं किया जवा था या किया बाना बाहिए था, जिलाने में सुविधा के किए;

करा कथा, उक्त जो धीनियम की धारा 269-च की अनुसरभ मों, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाक् :-- ा. श्रम्बीत हारपोरेशन।

(म्रन्तरक)

2. नाहीद कामरान।

(ग्रन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके प्वींकत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरकम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील ते 30 दिन को अदिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से दिल्ली क्षित्र दूटाय;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----ध्समे प्रयास शब्दों मोर पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गना ही।

बन्स्ची

फ्लैट नं० 1. जो. 4थी मंजिल, लोटस कोर्ट, डा० एनी बेझंट रोड, बरली, बम्बई18 में स्थित हैं।

ग्रनुसूची जैसा कि क्र मं० ग्रई-1/37ईई/8039/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 29-10-1985 को रिजस्टिई किया गया है।

निसार ग्रहमद, मक्षम प्राविकारी, महायक ग्रायकण ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1,वस्बर्ष

दिनांक: 5-5-1986

प्रकष काइं. टी. एन. एस. -----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अधीन स्वना

मस्त्र सरकार

कार्गालम, सहायक कायकर आयुक्त (निद्धीक्रण)

ग्रर्जन रेंज्र⊷1, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 मई, 1986

सं ॰ ग्रई-1/37ईई/8212/85-86 -- ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

आयकर मधिनियम, 1061 (1061 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्रशिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्ला उपित बाजार मूख्य 1,00.000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 29, जो, 6वीं मंजिल, डी-इमारत, विनम को श्राप हाउमिंग मोमायटी, लि०, प्लाट नं० 45, बम्बई—18 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करार नामा आयकर श्रिष्ठानियम 1961 की धारा 269 व, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 30~9—1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य कम के दश्यमान शितफल के जिन्ह कर्तिशत कर्ति एक हैं भार अपने यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति क्य उचित बाजार मूल्य उसके क्ष्ममान पतिफल से, एसे रक्ष्ममान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिगत से अभिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया सवा प्रति-कल, निस्तिवित उद्योक्त से उक्त अन्तरण जिलिस में बास्त-बिक एए हे एशिन नहीं किया क्या है निक्

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की, बाभत, उक्त अधिनियप के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिक्ष; कीर/का
- (या) प्रेमी किसी नाय या किसी धन या जस्त जास्तियों कार, जिन्हों भारतीय जासकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या भिया जाना कान्तिए था, न्तिभाने में सविधा के स्था:

अतः अर्ग, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण म³, ज्ञक्त अधिनियम की धार 269-ग की उपभारा (1) अभीन, निकासि**सित व्यक्तियों**, **जर्मात्** :—— 1. श्री चन्द्रभान एम० चौधर्।।

(धन्तरक)

 श्री थादी उहांगीय और श्रीमती फेनी श्रादी जहांगीय।

(भ्रन्तरिती)

3. ग्रन्तर्क

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सभ्पत्ति है)

करों वह स्वमः काकी कारचें पुत्रोकरा संपत्ति को अर्थन के विद कार्यकारियों सुक्ष काव्यात हुं।

समक संपष्टि भी अर्थान भी संबंध में कार्न्स भी शक्तीय :----

- (क) इस स्वना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारील वें 45 दिन की अविधिया तत्यांबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स असंस्कारों में से किसी व्यक्ति क्रिका
- (वा) इस शुक्रता के राजपण की अकाश्वस की शार कि सी 45 दिन की भीतर उपया स्थापन संपर्णिया की हिस्तब्द्ध किसी जन्म स्थापत द्धारा प्रयोहस्ताक्षणी के पार्च लिसित की किस् का संकीति।

स्यध्यीकरणः - इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदौं का, वा उपस वाधिनियमः, को अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं वर्ध हांना को जस अध्याय में दिया गवा हाँ।

मन्मुनी

पलैट नं० 29, जो, 8वीं मंजिल, डी इमारस, विनस को द्याप हाउमिन सोमायटी लि०, वरली मिफोस प्लाट नं० 45, बम्बई-18 में स्थित है।

श्रतुसूचा जैसा कि क मं० छई-1/37ईई/7730/85-86 और जो गथप गणिकारी, वस्पर्द द्वारा दिलोक 30-9-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> िमार श्रहमद, मक्षप गाविकारी, महाप्त असकर असुका (सिरीक्षण) प्रजीनर्रोत-स्वम्यई

दिनांक : 5~5-ा 986

प्रस्थः जाहाँ . टौ . एव . क्ष

ाः शीतनी गंगानाई टा० धाला**नी**।

🗅 श्री भुभाष उन्द्र (प्ताः।

(प्रस्तर्क)

(अस्परिती)

कायकर विधनितम, 1961 (1961 का 43) की

धारर १६०-व (1) के जबीन नचना

भारत परकार

ल्पर्यक्रम अगुम्बक शासकर आस्ट्रा (शिन्सिक्स) श्रजीन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई, 1986

मं ० श्रई-1/37ईई/7940/85-86:--श्र (: मुझे, निसार

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परवास 'उन्त अधिनियम' कहा नवा हैं), की धारा अधीन सक्षम गापिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावन संपत्ति जिसका उपित बाजार मृस्य 1,00,000/ गार से विश्वास करने

भौर निसकी संख्या फ्लैंट नं० सी०-77 जो, ए. स्कीम, वितस को-आप० सोसायटी बरली बम्बई-18 में स्थित हैं (और इसमे उपावड अनुमुची में और पूर्ण रूप ने विणित हैं), और जिसका कराणामा जारकर प्रधित्यम 1961 की धारा 260 ए त के प्रधी विस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, कार्ख 10-9-1985

को प्वामित सम्पत्ति के उचित वाचार मूल्य सं कर के करणमान प्रक्रिकार के लिए अन्तरित की गई है और अभ वह विकास करने का कारण है कि अधाप्यों अत सम्पत्ति का उत्ति वाचार सूच्या करने का कारण है कि अधाप्यों अत सम्पत्ति का उत्ति वाचार सूच्या करने व्यवसान प्रतिकत्त से, एसे क्ष्यमान प्रतिकत का स्मार्थ प्रतिकास से प्रधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिक (अन्तरित्ति) के बीच एसे जन्तरण के लिए स्य पात्रा प्रया प्रतिकल, निम्नलियित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्त्रिक स्थान है दिया प्रया है :---

- हैंथां छण्<u>रण से हुन्</u> किसी साथ की बायस स्वत्र विभिन्न के समीन करें हैं में अन्तरक के सामित्र में सभी करने या समने नचने में मृतिकर के लिएए समित्रर
- (क) एंकी किसी बाब वा किसी धन का बक्क कास्तिकों को बिन्हें भारतीय बाबकार बिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, राज्यत अधिनियम, राज्यत अधिनियम, राज्यत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनी बन्तियों क्यारा प्रकट नहीं किया भवा था वा किया जाना चाहिए था, किया विकास के किसा

करा: कव, उपत जीप[नवच को भारा 269-ग के प्रवृत्तरण को, में, उक्क जीपनियम की भारा 269-ग की उपवारा (1) के अधीम, निम्नलिखिस व्यक्तियों है अर्थात् :----

को वह सुवाना पारी करके एवीक्त भश्यांत के अजन न जिला आर्थनाहिया करवा को

अवत सध्यक्ति के वर्षन के बंदन में कोई भी आकीर 🖚

- (क) इस स्थान के प्रायम में प्रकाशन की तारीय है 45 दिय की अवधि वा सत्तम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान का ताथीत में 30, जिन की सम्बिम, जो भी अधिय याद में हमान्य क्रिकी हो, के भीवर पूर्णिक्छ व्यक्तियों में से स्थिती व्यक्तित स्थाराः
- श्वा क्रम नामना के राध्यक में प्रकाशन की तारीम न 45 किन के भीतार अक्त स्थावर कम्मीता के दिल-वपुथ किन्ती मन्य क्षित क्यारा अपोक्स्याकारी के न किन्तिक में क्षित का इल्लिंग.

स्थानिक स्थः :---- इसकी अध्यात संख्या अर्थर पर्यो ता, वर्ष उत्तर विधिनिकात, को अध्यात 20-क में परिभाषिः ही, वहीं वर्ष होना को उस अध्याय में विद्या

वन्स्थी

पत्नैट नं० मी--77, जो, ए स्कीम, विश्वम की-आप० सोनापटा, विश्वदेड, घरली, अम्बई--18में स्थित है।

अनुसूची जैमाकि कर्णर अई-1/37ईई/7474/85-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10--9 (1985 को पिल्स्टई किया कराहै।

> िनार अहमद, सद्धाय आयक्र शायुक्त (निरीक्षण) प्रजीत रोंगे⊶1, बस्बई

दिनांक: 5-5-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीर राचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरौक्षण) श्रजेन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई, 1986

सं० म्रई-1/37ईई/7933/85-86:--म्रतः मुझे, निसार श्रहभदः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह पिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उत्तिस बाजार मुल्य 1.00.000/- उ. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लंट नंव 101 और 102. जो, 2 गाडी पार्किंग खुला जगह के साथ, रेंड रोझ श्रपार्ट पेंट. प्ताट नं 14, पोच्खानावाला, स्ट्रीट, वरली, बम्बई-18 है स्थित है और इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा ब्रायकर ब्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्दी है. तारीख 9-9-1985 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इदयमान प्रतिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इक्यमान प्रतिफाल से एसे इक्ष्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नेलि**खित उद्ध**ेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दास्तिव में कभी करने या उससे बचने में सूतिधा के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य बास्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उप्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, कि के में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम कौ धारा 262-ण की उप्धारार (!) के अधीन, निम्निसिबिस व्यक्तियों, अर्थात ५--- 9—116GI/86

 श्री मगा लाल टो० जागानी आंद श्री सुरेण टी० जोगानी

(अन्तरक)

2. श्री गिरधारी लाल सेवाराम राजानी।

(अन्तरिनी)

ं को यह मुचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के ेलए आर्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील : दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को उत्तर अभिनियम, के अभ्याम 20-क में परिभाषिः है, बही अर्थ होगा जो उस अभ्याम में दिया गया है।

मन्त्रधी

फ्लैंट नं० 101 और 102 जो 2 गाड़ीया पाकिंग खुला जगह के साथ, रेड रोझ प्रपार्टमेंट, प्लाट नं० 41 पांखबानवाला, स्ट्रीट, वरली, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुस्ती जैसा कि में सं० श्रई-1/37ईई/7468/85-86 ऑप जो भक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 9-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजीन रेंज-1, यभ्वई

दिशांक: 5-5-1986

वक्त वार्त्ते, श्री , द्य , एवा , --------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यक्षत्रं, सहात्रक नायकर नायुक्त (विरोक्तक)

ग्रजंन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई 1986

सं० ग्रई-1/37ई\$/8111/85-86:-<math>श्रत: मुझे, निसार श्रहमद,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विन्ने इनके इनके वस्तात् (उनत कविनियम) कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्मत्ति, विवका उचित वाचार जूका 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं 1, जो, 4थीं मंजिल, इमारत नं 2. पी एस बी ग्रपार्ट मेंटम, बी जी जी खेर, रोड, बरली, बम्बई—18 में स्थित है। और इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, नारीख 23-9-1986

नवं नृतों जत संस्मित को उचित बाजार मृत्य से कम के द्रवमान प्रतिकास के निए बंतरित की गई है और मृत्रे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रों कर संपत्ति कम जिसत बाधार पृत्य, उसके अवज्ञान प्रतिफल के, एके अवगान प्रतिफल कम पन्छ प्रतिकार से पश्चिम है और घन्यरण (जन्यरकों) और धन्यरिकी (धन्यरितियों) के बीच ऐसे धन्यरण के विश् तब सामा मना प्रतिक क्य विन्यविधित उद्देश्य से उस्त धन्यरण विधित में नास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है :——

- (क) बंतरण के इ.च. किसी बाथ की बावस्त, क्यस विधिनयम के अधीन कर दोने के बंतरक के दावित्य में क्यी करने था उससे वचने में सुविचा के सिए; विद्र/मा
- (व) देवी किया बात दा किया धन वा बन्ध वास्तिवाँ को; विन्दू वास्तोव धायकर धाँविवयम्। 1922 (1922 का 11) वा क्या धाँविवयम्। वा क्या क्या विवयम्। वा क्या क्या विवयम्। वा क्या क्या विवयम्। 1957 (1957 का 27) वा व्याप्तिवयम्। वा व्याप्तिवयम्। व्याप्तिवयम्। व्याप्तिवयम्। व्याप्तिवयम्। व्याप्तिवयम्। व्याप्तिवयम्। व्याप्तिवयम्। व्याप्तिवयम् व्याप्तिवयम् व्याप्तिवयम् व्याप्तिवयम् विवयम् विवयम्यम् विवयम् विवयम्यम् विवयम् विवयम्यम् विवयम् विवयम्

वतः वयः, बक्त विधिवयम वर्षी पादा 269-न व्ये कन्वरम वी, मी, उक्त विधिनियम की पारा 269-च की उपभास (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 श्रीमती रामिन्दर कोर।

(धन्तरक)

 सनवै फाइनन्स एण्ड इनवेस्टमेंट कम्पनी लि०। (अन्तिरक्षी)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप ह—

- (क) इस सूचना के रावपन में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की नविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों वर्ष बूचना की ताबील से 30 दिन की जबधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धुनारा;
- (व) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उकत स्थानर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य स्थानर द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के शास शिक्ति में किए वा सकोंगे।

स्वकाकिरण:--इसमें प्रयुक्त शक्तों और पदों का, को खक्त विविवस, को वश्वाय 20-क में यथा परिभावित हैं, वहीं वर्ष होना को अब वश्वाय में दिवा प्या है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 1, जो, 4 थी मंजिल, इमारत नं० 2,पी एस० बी० ग्रपार्टमेंटस, बी० जी० खेर रोड, वरली, बम्बई 18 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० ग्रई-1/37ईई/7635/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बस्**बई**

दिनांक: 5-5-1986

मोहर 🔅

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासर, तहारक सामकर सायुक्त (निरीक्षण)

म्रजंन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई, 1986

सं० ग्रई-1/37ईई/8025/85-86:--ग्रत: मुझे, निसार ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजर मृल्य 1,00,000/- रठ. से अधिक है

और जिसकी संज्या पर्लंट नं० 305, जो, 3री मंजिल, उद्यान दर्शन इसारत, सयानी रोड, प्रभादेवी, बम्बई—25 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय से रिजस्ट्री है, तारीख 15-9-1985 को पूर्वेंक्त संपत्ति के उपात बाजार मृख्य से कम के ब्रथमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह बिब्बास करने का कारण है कि यथापूर्वेंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ब्रथमान प्रतिफल से, ऐसे ब्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 14) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैंनर्स केरानी डेवलपर्स।

(अन्तरक)

 श्री सिद्धार्थ यू० झवेरी और श्रीमती श्राशा एस० झवेरी।

(न्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लंट नंऽ 305, जो. 3 री मंजिल, उद्यान दर्शन इमारत संयानी रोड, प्रभादेवी, बस्बई-25 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कं सं० श्रई-1/37ईई/7552/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-9-1985 को रिजस्टिंड किया गया है।

> निसार श्रहमद, संक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), स्रजन रेंज-1, बम्बई

বিনাক : 5-5-1986

मोहरः

प्रकथ गाइ. टी. एन. एस.-----

बावकार करिपनिवस्त 1961 (1961 का 43) की भारत 269-ल (1) के स्थीन स्वान

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक नायकर वायुक्त (विद्वीक्षण)

ग्रजन रेज-1, धम्बई

बम्बई, दिनाक 5 मई 1986

निर्देश संब अई--1/37ईई/7890/85-86:---श्रनः गुझे, निसार श्रहमद,

शायक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (दिसे इस्में इसके पश्नात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है . की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित्र वाजार मृज्य 1.00,000/- रुपयं से अधिक है

आंप जिसकी संख्या फ्लैंट सं० बी/104, जो, पूतम अपार्टमेंट्स, बरली, बम्बई—18 में स्थित हैं (और इससे उपाबह अनुसूची में ऑर पूर्ण रूप से विणत है), आर जिसका कवारतामा आरकर अधितियम 1961 की धारा 269 के खे के अधीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्याक्षय में प्रजिस्ट्री है तारीख 4-9-1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित दाजार मून्य से त. 4 के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफी यह निश्वास करने का कारण है कि दश्यपूर्विक्त सम्पत्ति का उचित दाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के बन्द्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितयों) के नीप एसे सन्तरण के लिए तथ पाया गया क्या निज्योलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिविक की वास्तिविक क्या से किया गया है :--

(क) अन्तरण में हुई सिम्बी बाय की मावत, उन्तः मीधिनिवव के बधीन कर दोने के अन्तरक के बाबिरन में कमी करने या उसम बचने में सुनिधा की निष्, बारि थ।

एसं किसी नाय या विसी धन या अन्य जारिशियां को, जिन्हें भारतीय नायकर विभिन्नम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधानसम, प भन्नकर विभिन्नम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया कान कहिए या, फियान मां स्वीवधा के सिद;

बातः अभः, उनतः अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उनते अभिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के सभीन, निम्हिलिसित व्यक्तित्यों, अर्थति .--- गुमारी मालती डी० देशपाडे और श्रीमती शोना जोशी।

(सन्तरक)

2. श्री दिलीप भ्रार० पारीख ।

(अन्तरिती)

3. ग्रन्सरिनी

(वह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सचना कारो करके पूर्वीक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

दक्त तम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कीई भी बाकोप :----

- (क) इस स्थमा के राजपण में प्रकाशन की तारीश से
 45 दिव की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 च्या की तामील से 30 दिन की जबिंग, थो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीवर पूर्वोक्ध
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशन की तांदील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदबुध किसी बन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकींगे।

स्मध्यां ब्रास्थाः -- इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, वो उनव विध-नियम के वश्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होता, वो उस कश्याय में विदा गया है।

मन्स्ची

पर्लंड न० बी/404, जो, पूनम श्रपार्टमेंटस, बरली 97736 - 18 में स्थित है।

ग्रनमूनी जैना कि क सं० ग्रई-1/37ईई/7427/85-86 आर जो सक्षम प्राधिकारी, द्वारा दिनांक 4-9-1985 को रिजम्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहम सक्षम प्राधिकारी 'सहायक ग्राकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेज-1, बम्बई

दिनांक: 5-5-1986

प्रकृत आहे हैं दी , पूर्व , एवं , -----

बायकर विधिनियम 1961 (1961 का 43) की 269-व (1) के बभीन स्वना

भारत सहस्रह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रार्थन रेज-1, बम्बई वम्बई, दिनांक 5 मई 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37ईई/8127/85-86 — श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

नायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

स्रीट जिसकी संख्या फ्लैट दं० 3, जो प्लाट तं० 45 डी ।ली मंजिल, बीनस अपार्टमेंटम, बरली, बम्बई-18, में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुमुची में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) स्रीट जिसका करारनामा स्रायकर ऋबिनियम 1961की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राविकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 24-9-1985

का पृथावत गंपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से शिथक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- [का) अन्तरण संहुदंकिसी काव की बाबत, उपके लिशियम को अभीन कार दोने को अन्तरक को दानित्व में कनी करने वा उससे वचने में सुविधा के निए; और√या
- (ण) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आवकर विधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उनकर विधिनयम, या धन-कर अधिनियम, विश्व के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वे शिए;

कतः जब, उक्त विधिनियम की धारा 269-न के जनुतरू मां, गीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसों, अर्थात् :---

1. श्रीमती पार्वती बी० दोदानी।

(ग्रन्तर,ः)

2. श्री मुकेश एन० शाहा।

(ग्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षण :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तितमों दर स्वा की तामील से 30 दिन की वर्वीध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्श व्यक्तिस्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इत सूचना के राजपक्ष में क्रकाकन की तारीब स 45 विन के भीतर उच्चत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति प्यारा अभाहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकति।

स्पच्छिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उनत आयकर विभिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

अन्स्ची

प्लाट नं ०3 जो प्लाट नं ० 45-सी 1ली मंजिल, बीन स अपार्टमें न्ट, वरली, बम्बई-18 में स्थित है।

ग्रन्मूची जैसा कि क गं० ग्रई-1/37ईई/7650/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-9-1985 को रजिस्टई किया गया है।

निसार ऋहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंक-I बम्बई

तारीख : 5−5−1986

मोहर.

प्रक्षम बाह्री, टी. एवं . एक . -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, बम्बई

वम्बई, दिनांक 5 मई, 1986

निर्देस सं० श्रई- 1/37ईई/8076/8**5**-86 —श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यहिक्ष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या कार्यालय नं० 112 श्रीर 115, जो, 11वीं मंजिल, जाली मेकर चेम्बर नं० 2, 225, बकबे रेक्लमेशन नरीमन पाइंट, बम्बई—21 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की वारा 269 क, ख के श्रवीन स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 20~9—1985

को पूर्वेक्टि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अम्तरित की गई है और मुम्ने यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्टि सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्ट अन्तरण लिखित के बास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाम की मामत, उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के खिक्त में कमी करने मा उच्च से क्यमें में सुविशा के लिए; और/सा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

कतः अव, उकत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, जों, उकत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्नसिवित स्पीक्तयों, अधीत्:—

- जं ० एम ० फायनान्सीयल एण्ड इनवेस्टमेंट।
 (ग्रन्तरक)
- 2. फिक्स कन्सल्टन्सी सर्विमेस लिमिटेड। (ग्रन्सरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्ण्यन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्कीकरण :---दसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

कार्यालय नं० 112 ग्रार 115, जो, 11 वीं मंजिल, जाली में हर चेम्बर नं० 2, 225, बकवे रेक्लमेशन, नरीमन पाइंट, बग्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कसं० अई-1/37ईई/7601/85~86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 20-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद, सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, बम्बई

विन⁸क: 5~5~1986

मक्ष भार ती हम एड ,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-म (1) के बचीन क्या

भारत सरकार

फार्याजय, **बहारक बावकर बाव्यत (रिश्रांकण)**

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई, 1986

निर्देश सं ० श्रई-1/37ईई/8530/85-86- श्रत म्हो, निमार श्रहमद,

वायकर शिंधनिवस, 1961 (1961 का 43) (चिंचे क्लब्री इसके परचात् 'उक्त विधिनवस' कहा पता ही, की बाद 269-च के वभीत रक्षम प्रीधिकारी की वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, विश्वका क्षेत्रस वादार क्ष्य 1,00,000/- फ. से विधिक है

श्रीर जिसकी संख्या कार्यालय श्रिमायमेंस नं० 216 जो, प्रमाद चेन्बर्स राक्सी सिनेमा के साथ, आपेरा हाउस बस्बई-4 श्रीर पार्किंग जगह नं० 7 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची मैं श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रीविनयम 1961 की बारा 269 के ख के श्रिवीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीक 29-10-1985

को प्रॉक्त सन्दित के दिवस वाकार कृष्ण है कान के स्वकात प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्रॉक्त सम्पत्ति का किवस वाकार कृष्ण, उसके दिवसमान प्रतिफल से, एसे स्वमान प्रतिफल से प्रकृत प्रतिकाद से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) आर अंतरिकों (अंवरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तव पाया गया/प्रतिफल, निम्नसिक्त उस्पंच से उक्त संकरण विश्वास के वास्त्रीवस क्य से स्विद्या नहीं किया गया है :--

- (क) विश्वरण वे हुई किसी शांध की बाबता, क्वल विशिव्यम को अधीन कर दोने को अध्ययक के दायित्व मों कभी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए: और/या
- (च) एसी किसी नाय वा किसी वन वा करव वास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तत अधिनियम, वा वय-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाने बन्दरिती व्यारा प्रकट नृष्टी किया नया था वा किया जाना थाहिए था, कियाने से सुनिया के किय;

कतः नव, वज्रत वीवनियम की भारा 269-मू खे अनुसरम भी, भी, स्वतः अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्यों, अवस्ति :--- ा डा॰ मध्यार पी. रेले।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्म विकी आयमंडस।

(ग्रन्सरिती)

को यह सुकवा बादी करकी क्योंक्ट ब्रम्मीस्त से वर्षम् से सिए कर्मकाहियां करता हूं।

ब कर बंदरित के बर्चन के बंदेन के कांद्रों की नाक्षेत्र ह----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विस की नवींच या तत्वंबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अनीध, को जी क्यींच बाद में समान्य होती हो, के मीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारत;
 - (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बम्ब स्थावस ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकों ने।

त्वध्यीकरणः --- तसमें प्रमृत्य कव्यों श्रीप्र वर्षों का, को क्वस अधिनियम के अध्याय 20-क में परि गौंधतः ही, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिका यका ही।

नन्स्ची

कार्यालय प्रिमायसेस सं० 216, जो, प्रसाद चेंम्बर्स, राक्सी सिनेमा के पास, ग्रापेरा हाउस, बम्बई 4 ग्रीर पार्किंग जगह नं० 7 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि के सं० भई-1/37ईई/8033/85-86 श्रीर जो सक्षत प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-10-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निभार अहमदर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग-1, यम्बई

दिनाँक: 8-5-1986

प्रकल वाहर् हो . एन . एव . -------

राध्यकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) कार्य याचा 269-म (1) के नभीत त्यारा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्देक्षण)

ग्नर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांच 5 मई, 1986

निर्देश मं० स्रह-1/37ईह/7868/85-86 ---श्रम: भूझे, निमार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उकत अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या कार्यालय नं 407, जो, 4 थी मंजिल मे गर चेस्बर्ग-5 प्लाट नं 221 अववे, रेक्लमे गन, नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है, और जिसका वर्रार-नामा ज्ञायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रीधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिद्वारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 3-9-1985।

को पूर्वोक्त तम्परित के उचित बाजार मूस्य से कम के उत्वान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जीर मुक्ते यह विकास अरले का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उत्तक दश्यमान प्रतिफल है, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्र प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण विश्वित में बास्तरिक रूप से किया नहां किया नहां है ——

- (क) अन्तरण से हुव्दे किसी बाय की, बावत, स्वतः विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्सरक के दासित्न में कमी करने वा उससे वचने के सृधिधा के लिए; और/वा
- (था) होती जिली जाय या जिली थन वा अध्य वास्तियों को विन्हें भारतीय कामकर वीधीनवन, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनिवन, या धन-कर अधिनिवन, या धन-कर अधिनिवन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती इवारा त्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में तृतिथा की जिला;

नतः यन, उक्त अनिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) हे लगीत, विप्रतिविद्यिक **व्यक्तिक, कर्या**क क्रम्म 1. श्री निवास एन० पै।

(अन्तर्क)

2. मैमर्म टेंक्मपोर्ट गार्मेन्टस प्रा० लि०।

(अन्तरितीः)

3. श्रन्तरक

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)।

4. मैं मर्म मुप्रीम प्रिमायसेस प्रा० लि०।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
ग्रधीहस्ताक्षरी जानना है कि
वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को वह स्वमा जारी करके पृथेक्ति सञ्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के शर्मन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इसस्चना के राजवन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्यारा अभोहस्ताक्षरी के पांच सिवित में किए जा सकरेंगे।

स्पर्णीकरण: ----हवर्जे प्रशृक्त कव्यों और पर्यों का, भी उपन व्यक्तियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं देखें होना भी उसे अध्याय में विवा पर्या ही अ

अनुसूचो

कार्यातय नं. 407, जो, 4यी मंजिल, मेगर चेंम्बस-5 प्लाट नं० 221, बकवे रेक्लभेणन, नरीमन पाइंट, बम्बई 21 में स्थित है।

श्रत्भूची जैना कि क सं० श्रई → 1/37ईई/7403/85 --86 श्रीर जो पश्रम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ऋहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (िरीक्षण) श्रर्जन रोज-1, बग्बई

दिनांक : 5-5-1986

मोहर .

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.----

अध्यक्तर लिभीसम्म, 1961 (1961 का 43) की स्थार 69-व (1) के नपीन सुचना

HITCH STUDY

कार्यांसय, बहायक बायकर वाय्यत (निर्णालय)

श्रर्जन रेंज-1, बम्ब**ई** बम्बई, दिनांक 5 मई, 1986 सं० श्रई-1/37ईई/7918/85-86:--श्रनः मुझे, निसार हमद,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसकें परवात 'उयल अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारों को वह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाणार बन्ध 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

अंग जिसकी संख्या फ्लैंट नं 12, जो, 1ली मंजिल, ममता प्रपार्टमेंटम, डी विंग, प्लाट नं 926, टी पी एस न क् 4, माधीम विभाग, न्यू प्रभावें ती रोड, वस्बई में स्थित है और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विंगत है, और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 5-9-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्स्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह जिस्सास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपरित का समित बाजार कृत्व, उसके क्ष्यमान प्रतिक्रम से, एसे क्ष्यमान प्रतिक्रम का कृत्वाह प्रतिकृत से अभिक है और वंतरक (अंतरका) और कृत्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एके कृत्तरण के निष्ण कर कृत्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एके कृत्तरण के निष्ण कर कृत्तरित में वास्तरिक कप से कृत्तित नहीं किया जना है कि

- िंश) अन्तराण से हुए हैं किसी साम की प्राक्तः । ६०००० वर्षभितित्तराम की उत्पीत वर पाने की व्यक्तराम की साधिक को कामी कारने वर समाधिक वर्ष के प्राप्त की कारने वर समाधिक वर्ष के साधिक की कारने वर समाधिक की साधिक कार की कारने वर्ष साधिक की साधिक कार की साधिक की साधिक कार की साधिक कार की साधिक की साधिक कार की साधिक कार की साधिक कार की साधिक की साधिक कार की साधिक की

अत यत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं रक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीए, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- .
10—116 GI/86

 श्रीमती बी० सिन्हा राय और श्रीमती एम० घोषाल ।

वुँ(श्रन्तरक)

2. मैंसर्म कामेट स्टील्म लिमिटेड।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना चाड़ी करने पूर्वोतन संपत्ति से कर्णन हैं। रिध्य कार्यवाहियां करता हुए।

तुक्त सम्पत्ति वे वर्णन के संबंध भी कोई की बाक्षेप र-ः ी

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाबन की तारीब से 45 विंन की मूनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तूचना की तानीब से 30 दिन की अवधि, को भी नवींच बाद में बनाया होती हो, के भीतर प्रवेचक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारः;
- (ज) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीन के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति इनारा क्योहस्ताक्षरी के शक निवित में किए वा सकति।

स्वच्छीकरणः -- इसमें प्रमुक्त बब्दों और पर्योक्षा, को उक्त अभिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा की कि अध्याय में दिशा क्या ही

अनुस्ची

फ्लैंट नं० 12, जो, 1ली मंजिल, डी विंग, ममता भ्रपार्टमेंटस, प्लाट नं० 926, टी० पी० एस० नं० 4, साधीम-विभाग, न्यू प्रभादेत्री रोड, बम्बई में स्थित है।

श्रनुभूची जैसा कि श्र सं० श्र $\xi-1/37\xi\xi/7454/85-86$ और जो सक्षम प्राधिकारी बम्ब ξ द्वारा दिनांक 6-9-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंच-1, बस्दई

विनांक: 5-5-1986

मोहर ६

7,730 - COP-C

प्रकृष बाहाँ, टी. एन. एस. -----

बायकर बॉधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुपना

भारत तरकार

कार्यां नय , महायक आयकर आवृत्यत (निरीक्षण) प्रजीत रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 मई, 1986 सं० प्रई-1/37ईई/8081/95-86:—-प्रतः मुझें, निसार प्रहमद

वायकर गाँपनियम, 1961 (1961 का 43) (धिसे इसमें इसके परुवास (उक्त अधिनियम कहा गया ही), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य रा. 1,00,000/- से अधिक ही

और जिसकी संख्या प्लैंट नं० 2, जो, 16वीं मंजिल, स्कायरकपर इसारत "बी", भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई 26 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विजित है, और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 20-9-1985।

का पूर्वोक्त संपरित के उचित नाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रितिक से निए जस्तरित की गई दे और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित नाबार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिकत से एसे व्यथमान प्रतिकल का वन्त्रह प्रतिश्वत से मिश्क है भीर नन्तरक (मन्तरका) और असरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया बृतिकल निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त बंतरण मिश्कत में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तारण के हुई किसी नाम की बावत, उक्त अधिनियम के अधीम कर वेने के जन्तरक के वाकित्य में कमी करने या उससे बच्ने में स्विधा के सिए? औड़/या
- (क) एसी किसी बाब या किसी थम या बन्ध बास्तियों की, जिन्हों भारणीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकन बिधिनियम, या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वार प्रकट हहीं किया गया था मा किया जाना बाहिए था, कियाने में मृतिधा के सिए;

कतः अव, उक्त विधिनियम की भाग 269-ग के बन्सरक को, मी, उक्त विधिनयम की भाग 269-भ की उपधारा (1) के मधीन, निकासिक्त व्यक्तियों अर्थात् हा-- 1. श्री चिमनभाई पी० पटेल।

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती झरीनावाई वाय० ग्रत्तस्वाला।

(अन्तरिती)

3. सिंध वर्क को ग्राप हाउसिंग सोसायटी लि०। (वह व्यक्ति, জিনके श्रधिभोग

में सम्पत्ति है)।

4. सिंध वर्क को ग्राप हाउसिंग सोसायटी लि० के सदस्य (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह त्यना बारी करके पूर्वीक्त सम्भीत के नर्यन के लिए कार्यवाहियां करता हुई ।

अक्त सम्पत्ति के जर्बन के संबंध के कोई भी बाध्येप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, को भी जनभि नाद में समाप्त होदी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थलित इनाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिनबस्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिन्चित में किए वा सकेंगे।

स्वक्कीकरण: ----इसमें प्रवृक्त सम्बों बौद वर्षों का, वो अवस विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया भवा है।

मन्स्ची

पलौट नं० 2, जो, 16 वीं मंजिल, इमारत स्कायस्कष "बी," भुलाभाई देलाई रोड, तम्बई-26 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क मं० श्रई-1/37ईई/7606/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–1, बम्बई

दिनांक: 5--5-1986

मोहर 🕄

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कायतिय, सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई, 1986

मं० श्र\$-1/37\$\$/7986/85-86:-- स्रत: मुझे, निसार स्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लट नं 1 ए, जो, संभव तीर्थ को-श्राप हार्जिंग सोसावटी लिं 2 ए, भुलाभाई देसाई रोड हाजी श्रली, बम्बई-26 में स्थित है और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पुर्ण रूप संवर्णित है, और जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, खके श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्री है, तारीख 13-9-1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित साजार मृत्य, इनके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रातेफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबन्द रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उसते बचने में सूनिभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

जत: अन्त, उन्त अभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उन्तर अभिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:--- 1. भन्द कांत जी० दावडा

(श्रन्तरक)

2. केटी जिगर रंगुनवाला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारास है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

पफ्रैट नं 1 , जो, संभव तीर्थ को श्राप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, 2-ए, भुलाभाई देमाई रोड, हाजी श्रली, बम्बई-26 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्र $\hat{\xi}-1/37\xi\hat{\xi}/7520/85-86$ और जो सक्षम प्राधिकारी बम्ब ξ द्वारा दिनांक 13-9-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रापकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, **बम्बर्ध**

दिनांक: 5-5-1986

मुख्य बार्च हो . द्व १६६

नायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सुमना

थारत सरकान

कार्यालय, सहावक बायकर बावक्त (निराक्षक)

श्रर्जन रेंज 1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई, 1986 सं० ग्रई-1/37ईई/804/85-86:—-ध्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ज के मधीन सक्षम प्राधिकारी को सह विश्वास खड़ने का का रूप है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उपित वाबार मृत्य

1,00,000 /- रुक्त **से अधिक ह**ैं।

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 118, जो, 11वीं मंजिल इमारत नं० 2, बी विंग, कमं क्षेत्र इमारत, कामरेड हरबंस लाल मार्ग, सायन (पूर्व), बम्बई-37 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 13-9-1985।

को पूर्नोक्त सम्पत्ति के उत्वित बाबार मृत्य सं कम के क्रयमान प्रतिफान के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास कारते दे। कारण हो कि अन्यपूर्वादत सम्प्रीत्त का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का इन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रसिक्षत, , निम्नलिखित उद्वेश्य से उधरा अन्तरण विश्वित में बास्तविक इप सं कथित नहीं किया गया है क्ष-

- (क) अन्तरण वे हाई किया नाम का बावस, उक्स अधिवियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व मी कमी करने या उसके बुक्त मी सुविधा के किए, कार्या
- का, जिल्हा भारतीय जाय-कर जिल्हा मान्-(1922 कर 11) या उक्त जिल्हा है। या पन-कर काधानका । 1957 (1957 को 27) के अयोधानक अन्ति रितंर वृद्धारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना जाहिए था, छिपान में मुविधा के लिए;

मतः नव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के मन्धरभ भी, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- गल्पतक (इण्डो सायमन) मन्स्ट्रक्शन प्राइवेट नि०।

(म्रन्तरक)

 श्री हशमतराय वि खुबतदानी और श्री प्रद्रीप एच० खूबतदानी।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वता जारी करके पृथीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यगाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्धन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षेप ...-

(क) इस स्टब्स की राज्यक को शक्तक की शार्डी के 4 के दिन की अधील वा तरक काली का निर्मा पूर्व क्षान की ताबील से 30 बिन की जनीय, को भी जनीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्व क्या क्षित्वों में से किसी का निष्य कृतारा;

्म सूचना के राजपण में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्य व्यक्ति वृद्धार अधिकस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

रपब्दीकरणः --- सममें प्रमुक्त शन्तों और पदों का जो उनत अधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा, जा उम अध्याय में दिया गया हैं॥

मपुत्रकी

फ्लैट नं० 118, जो, 11 वीं मंजिल, इमारत नं० 2 बी विंग, कर्म क्षेत्र इमारत, कामरेड हरबंसलाल मार्ग, षण्मुखा, नन्द हाल के पास, सायन (पूर्व), बम्बई-37 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-1/7ईई/7537/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-9-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> निसार भ्रहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनां मः: 5-5-1986

प्रसम् आर्था . हो . एन . एस . -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के बभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिक)

ग्रर्जन रें^ज-2, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 5 मई 1986

निदेश सं० श्रई -2/37ईई/7901/85-86 \sim -यतः मुझे, निसार अहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लंट नं० 702 जो 7वी मंजिल उद्यान दर्श इमारत स्थानी रोड प्रभीदेवी, बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रन्मुची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत हैं), रिजिस्ट्रोकर्सी श्रीधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्रोकरण श्रीधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, दिनौक 5-9-1985

को पूर्विस्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने के। कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित जाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी ज्ञास या किसी अन वा अव्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-भनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए जा, छिपाने के सुविधा के सिए:

#कः वय, उपत व्यक्तिवय की धारा 269-व के वनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 मैसर्स फेरानी डेण्हलापर्स

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती हरमिन्दर धालीवाल।

(भ्रन्तरिती)

काँ वस् भूजना आरो करने पुनीमत कनका में वर्जन के जिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त बीपित के बर्जन के संबंध में कांद्र भी कार्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति जो भी विधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के स्थानत यों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें कि 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकींग।

स्पष्टिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा ही।

क्युस्पी

फ्लैंट नं० 702, जो 6वीं मंजिल. उ**छान दर्शन इमारत,** सयानी रोड, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित है।

ग्रनुसुची जैसा कि क० सं० ग्रई-1/37ईई/7438/85-86 ग्रीर जी सक्षम प्राधिकारी, ग्रग्बई द्वारा दिनाक 5-9-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार भ्रहमद सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर भ्रायुव्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-1, वस्बई

विनांक **5**-9-1986

प्रक्ष भाद . टी . एन . एस . -----

भायकर मुभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) के बभीन स्वा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन र्जेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई, 1986

निर्वेश सं० ग्रई-1/37ईई/8039/85-86 -- अतः मुन्ने, निसार ग्रहमक,

भायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इसके पश्चात् 'त्यक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षत्र प्राधिकारी को वह विस्थाय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित नाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अभिक है

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 93 ए, बी, जो, पाकिंग जगह नं० 13 बी के साथ, बीच टावर्स, पी० बालू मार्ग, प्रभा देवी, बम्बई-25 में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 16-9-1985।

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्षरमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफस निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क), अन्वारण वे हुए जिसी थान की नावस उनक महिद्दीन्त्र में मुचीप कर दोने के क्लाइक से खुनिरण में क्ली करने ना उससे नवले में सुविधा में सिए; मुडि/ना
- (थ) होती किया नाथ या किया वृत्य वा सून्य वारिस्ताकों का, जिन्हों भारतीय सामकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत निभिनयम, या वनका अधिनयम, या वनका अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोद्याप्त नम्याद्विती क्वाय्य प्रकट नहीं किया तथा या वा किया जाना वाहिए वा कियाने में कृषिका के जिए;

शतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण भी, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमें, अर्थास् ः— 1. स्काल श्रुत्वेस्टमेंट लिमिटेंड।

(इन्तरक)

2. इलाईट इस्टेटस प्राइटेट लिमटेड

(ग्रनरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्बन्धि के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की बविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि साद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाराः
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब तें 45 बिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकतें।

स्पष्टनेकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और ५वों का, जो उसत्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमृसूची

फ्लैंट नं० 93 ए/बी जो. पार्किंग, जगह नं० 13 बी के साथ, बीच टावर्स, पी० बालू मार्ग, प्रशादेखी, बम्बई-2 भें स्थित है।

श्रन्सुची जैसा कि ऋ सं० श्रई-1/37ईई/7656/8 5 86 श्रीर जो नक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रेंज-1, बग्बई

दिनांबः 5~5-1986

मोहरः

प्रस्प नाह".डी. एव . एस . -----

शयकर विविधित , 1961 (1961 का 43) की भारा 169-ग (1) के अभीत स्थना

अस्यता **सार्**कार

कार्यालय, महाबाक आयक्तर वाव्यक्त (विराधिक)

ग्नर्जन रेंज -1, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 मई, 1986 निदेश सं० श्रई-1/37ईई/8159/85-86--ग्नतः सुन्ने, निसार ग्रहमद,

सावकार विभिन्नियन, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके पश्यात कि कि कि कि कि प्राप्त के अभीता स्थान प्राप्तिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, विसका अभित बाबार मूक्त 1,00,000/- ए. से अभिक हैं

ग्रीर जिसकी संस्था पर्लंट वं 1, जो, 4थी मंजिल, कूबर विला खारेघार रोड, दादर पारसी कालीनी, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड ग्रन मुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है श्रीर निसका करारनामा ग्रायकर अधिनियम 1961 की बारा 269 के ख के श्रवीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्णिक में रिजिन्ट्री है, नारीख 24~9-1986

को प्रविक्त सम्परित को स्थित सम्परित मृत्ये के कम को स्थानन प्रतिपाल को सिए अपरित की नहीं है जीर मृत्रे कह विकास करते का कारण है कि स्थापकोंक्त सम्परित का किए अपित साकर मृत्ये , उसके स्थानान प्रतिकास से, एसे स्थानाम प्रतिकास का पंत्रह प्रतिकास से निषक है और संतरक (वंदरकों) और संतरिकों (बन्तरितियों) को सीन एसे संतरक के किए तय सकत ग्या प्रतिकास, निकासिकित सहुदिया से सन्त संतरक मिकत में सामारिक का से किथत नहीं किया नहीं है ——

- (क) बन्धरण नं हुन्दं किसी बास सी बासछ, उपच वीभिनियन के संधीन कार दोने के जन्मरक के दासित्व में कमी कारते वा उनने बचने में मृतिधा क लिए:
- (व) एसी किसी काम या किसी धन या अन्य आहिसामी की, विनह जारतीम बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वजन कर अधिनियम, या वजन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने यें सुविधा के निकट:

बतः स्वा, उपन विभिनियम को गारा 269-म के बस्पारण को, मी, उपन निर्मित्यम की बादा 269-म की उपनारा (1) वे बपीन विकासिका व्यक्तिका विकासिका 1. डी० एन० दारूवाला।

(ग्रन्तरक)

 श्री दरावणा एन० दारूवाला भौर श्रीमती परिविश एफ० दारूवाला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में को**र्ड भी जाक्षेप**:---

- (क) इस स्वना के राज्यन में प्रकाशन की तारीं वें
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 ब्यान की तानीस से 30 दिन की व्यक्ति, वो की
 व्यक्ति वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका
 व्यक्तियों में है किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास निवित्त से किए का सकरी।

अनुस्ची

पर्लंट नं० 1, जो, 4थीं मंजिल, कूबर विला, धारेघाट रोड, दादर पारसी कालोनी, बम्बई सर्वे नं० 561-10 मार्टुगा डिबीजन में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० मं० श्रई-1/37ईई/7679/85→ 86 श्रौर जो सक्षम प्राि⊅गरी वश्वई द्वारा दिनांक 24-9 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रोज–1, सम्बद्ध

दिनांक 5-5-1986 **मोह्र्ड** ब्र

श**स्त्र बार्ड**्र टीज़ एक_ा एक_ा लाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकात

भार्यासय, सञ्चयक मध्यकर आगृत्स (निर्द्राक्षण)

श्चर्जन रॉज-1, बर्म्बई

बम्बई, दिनांव 5 मई, 1986

निदेश सं० श्रर्ध-1/37र्ध्ध/8190/85-86 — श्रत : मुझे, निसार श्रहमट,

वाधकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इक्सी इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' यहा नया ही, की भारत 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उजित बाजार भ्रूप 1.00,000/-रा. से अधिक है

मौर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 1, जो, 2 री मंजिल, टफ्रें क्यू हनेव बेलाई इस्टेट बरली, बग्बई-1 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद ग्रन्सुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अबीन बग्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 27~9-1985

का वृज्ञां अत संपत्ति के उचित वाचार पूल्य से कव चे रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करन का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकस है, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच वंतरण के सिए तम पामा गया प्रतिफल निश्निमिनित उन्देश्य से उस्स अंतरण लिवित में वासीविक रूप से कथित नहीं किया गया है स्ल्ल

- (थ) बाधरण से हुंचं किसी बान की बास्ता; उनक मीर्थितवम के मधीन कर बोर्ग में मीरक के शावित्व मो सभी करने या उन्हों नचने मो तुर्वेत्रक के लिए। और/वा
- (क) होसी किसी बाब ना किसी पन या बन्य जास्तिकों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपता जिल्हों में पन-कर जिल्हों भारतीय अपता जिल्हों का 27) के अपने अस्तिकार्थ अस्तिकों इतारा प्रकट नहीं किया थया भा या किया आसा जानिए था, खिपाने में सुस्थित जो नियः

नतः सम, उनत विधिनयम की धारा 269-न के जनसरम में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-म की लग्नारा (1) के सुधीन,, निकासियिस व्यक्तिसमैंह मर्थास हरू- 1. अविंट कारपोरेशन।

(अन्तरक)

2. प्रागजी जे डोसा, माधव सिंह, पी० डोसा, हेमन्त एम० भाटीया, हर्षद एम० भाटीया श्रीर महेग एम० भाटीया।

(अन्सरिती)

का सह सूच्या जारी करके पूर्वोक्य सम्मति के वर्षक के क्यि कार्यवाहियां करता हुं ॥

र का प्रमारित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई ही बार्शन हु---

- (क) इव त्वना के धवनन में प्रकाशन की ताशीब है 45 दिन की क्वीभ ना तत्वंत्री व्यक्तियों दूर स्वना को ताशीन वे 30 दिन की क्वीभ, वो भी नविभ नाद में समाप्त होती हो, के शीतर पृथीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वाच;
- (ख) इस मुलन। के राजधन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हितमब्ध किसी मन्य न्यक्ति इवारा स्थोहरताकारी के पास निधित में किए या सर्वेचे?

स्थाधिकरण १—-इसमें प्रमृक्त शब्दों बीर पदों का, जो उक्त अधिनिवस के बच्चाव 20-क कें परिशासिक हाँ, वहीं वर्ष होता को उक बच्चाव कें दिया वक्षा हाँ।

अनुसूची

पर्लंट नं० 1 जो, 2री मंजिल, टर्फ ब्यू, हार्नबी बेलार्ड इस्टेंट, बरली, बम्बई में स्थिम है।

ग्रनुसुची जैसा कि कर संरु श्रई-1/37ईई/7710/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बग्बई द्वारा दिनांक 27-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिवारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बम्बई

दिनांक: 5-5-1986

मोहर 战

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्वमा

प्राप्त संह्याह

कार्यासय, सहायक नायकर नायकत (निटांसण)

अर्जन रेंज, बम्बई

मम्बई, दिनांक 5 मई, 1986

ित्रंश मं० अई-1/37ईई/7988/85-86—अतः मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पहचात 'उप्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी संख्या फ्लैट नं० जे-1, जो, 3 री मंजिल फीमली हाउम, पारसी कालोनी, दादर, बम्बई-14 में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विजन है) स्रोर जिसका करारभामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम [प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 13-9-1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ब्रियमान श्रीटक्त के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ब्रियमान प्रतिफल से, ऐसे ब्रियमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिक्त से विभक्त है और सन्तरक (जन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य बामा गया प्रतिकास, जिम्निलिखित उद्देश्य में उच्त अन्तरण किखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण ते हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियंत्र के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सूबिधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी काम या किसी धन या अन्य आस्तियों किसी, जिन्हों भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गक्त भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में किशा के लिए।

कतः सग, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सभीन, निम्निसिक व्यक्तियों, अंधित् ह—-11—116 GI/86

1. रभेषा बिल्डर्स।

(अन्दर ह)

 हकीश सोहराब फान्ट्रेक्टर एण्ड रोणत एम० कान्ट्रेक्टर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रीत के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त क्लांति के वर्षन के संबंध भी कीई भी बाक्षेप क्र-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की जनिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुना, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों;
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकायन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार निवित में किए जा सकोंगी।

स्वक्रतीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रयों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

वन्त्रजी

फ्लैट ने० जें-1, जो, 3 री मंजित, फैमिली हाउस, पारमी कालोनी, दादर, बम्बई-14 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-1/37ईई/7522/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-9-85 को रुजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद राक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण प्रजैन रेज-1, बम्बई

दिनांक: 5-5-1986

प्रकृप नाइ. टी. एन. रत.-----

अप्राप्तिक अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की कार्य-269-म (1) के सभीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, वस्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई, 1986

निदेश मं० अई-1/37ईई/8077/85-86--अत: मुर्झे, निमार अहमद,

शायकर जीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके पर्याद् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-स के नभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञास करने का कारण ही कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1.00,000/- रहा से अधिक ही

श्रौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 201, जो, उद्यान दर्शन इमारत, सयानी रोष्ट दादर, अम्बई-25 में स्थित है (श्रांर इउमे उपाबद्ध अनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप में विणान है, श्रौर जिपका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ए. ख के अधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिकस्टी है, तारीख 20-9-1985

को प्रोंचित संपरित के उचित बाचार मृत्य से कम के दश्यमाथ प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मुक्ते यह बिद्दवास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सस्पति का उचित बाचार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पल्द्रह प्रतिज्ञत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कमिश्त नहीं पामा प्या है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे अचने में सूबिधा के लिए; और/बा
- (क) एसी कियी नाय वा किसी अन या नन्य नास्तियों की, जिन्हीं भारतीय नाय-हार विजित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना साहिए था, रिस्पार अस्ति स्वासा के किया

मतः जयः, उस्त विधिनियमं की भारा 269-मं सै अनुतरक मों, मों, उस्त विधिनियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) के स्थीय, निम्नीसियतं स्थितकों, सर्वातं है—— 1. मैसर्स फेरानी डेवलपर्स।

(अन्तरक

 श्रीमती कुमुदा पी० नायक,
 श्री दीपक पी० नायक, श्रीर पदमनाम एम० नायक।

(अन्तरिती)

का यह त्या जारी करके प्यांक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनस सम्बद्धित के बर्चन के संबंध में कोई भी नाक्षेप ह—-

- (क) इस ब्यान के राज्यम में नकावन की तारीं हैं 45 दिन की अवधि या तत्त्वंभी व्यक्तियों की ब्रूपन की तानीस से 30 दिन की नवधि, वो ती समीप नाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी न्दर्वित द्वारा;
- (क) इव त्यमा के हायपम में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के मीत्र उस्त स्थानद सम्मत्ति में हित्तवहुष किसी बन्य स्थानित ब्याय, अभोहस्ताक्षरों के शक्ष सिवित में किए का सकेंचे।

त्वक्षीकरण्: --इसमें प्रयुक्त बन्दों शीटु पदों का, जो क्षकत अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अमृतुची

फ्लैट नं० 201, जो, उद्यान दर्शन इमारत, सवानी रोड, दादर, बम्बई-25 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि क०सं० अई-1/37ईई/7602/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा विनांक 20-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनांक: 5-5-1986

प्रका बाइं_टी_एन_एस उ

भागकर विभिनित्त्र 1961 (1961 का 43) वर्ष भारा 269-व (1) के स्थीन स्वता

THE STREET

कार्याच्या, सहायक मायकार मायुक्त (किरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज~ 4. बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई 1986

निदेश सं० अई-1/37ईई/8353/85-86:—-अत मुझें, निसार अहमद,

नावकर निधित्तवम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त निधित्तवम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के नधीन सकत प्राधिकारी को वह दिश्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से जिधिक हैं

भीर जिसकी संख्या पलैट नं० 41, जो, 6ठी मजिल, शिव तीर्थ, नं. 1, इस्ट विंग, भुलाभाई वेसाई रोड, बम्बई में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप सं विंगत है, श्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, हारीख 11-10-85 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के विंगत बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफक्ष के सिए रिजस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार जंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिंगत स्वृद्धिय से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिंगत स्वृद्धिय से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिंगत स्वृद्धिय से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिंगत स्वृद्धिय से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिंगत स्वृद्धिय से उक्त अन्तरण कि लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिंगत स्वृद्धिय से उक्त अन्तरण कि लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिंगत स्वृद्धिय से उक्त अन्तरण कि लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिंगत स्वृद्धिय से उक्त अन्तरण कि लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिंगत स्वृद्धिय से उक्त अन्तरण कि लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिंगत स्वृद्धिय से उक्त अन्तरण कि लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्मलिंगत स्वृद्धिय से उक्त अन्तरण कि लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्मलिंगत स्वार्धिय से अपन नहीं

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिभीनवम के जभीन कर दोने के अंतरक के दावित्य में अभी करने वा उत्तरी बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (च) एंसी किसी नाय का किसी भन या जन्य आस्तियां करे, जिन्हें भारतीय जाब-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, वा धन-कर जिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकारणार्थ बन्दारिती ब्याया प्रकार नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए था, जिनाने में स्विधा वे जिन्हें

बस्द बन्, उक्त वॉभिनियन की भारा 269-न के नन्तरण $\vec{a}_{(p)}$ $\vec{a}_{(p)}$ उक्त विभिन्न की भारा 269-व की उपभारा (1), $\vec{a}_{(p)}$ विभिन्न किस्तियन की भारा 269-व की उपभारा (1),

1. असूबेंन बाबूराव देसाई।

(अन्तरकः)

2 शशिकान्त ए. मेहता।

(अन्तरिती)

3. अन्तर्क

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पृ<mark>वाँक्त सम्पर्तित के वर्जन कासिए</mark> कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के तायपत्र में प्रकासन की तारीच के 45 दिन की जबािस वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खबिध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिविद में किए का सुनों जे के

अनुसुची

पाँड नं० 1!, 33ो मंजिन, शिव तीर्थ नं० 1, ईस्ट मुलाभाई देवाई रोड, बम्बई में स्थित है।

अनुपूची जैसा कि का सं० अई-1/37ईई/7867/85 \rightarrow 86 क्रांट जो पक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिलांक 11-10 1985 को एजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमः सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्घन रेंज-1, बम्बई

दिनां क: 5-5-1986

मोहर 🖫

वर्षेत् वार्ष_ःश्रीतुष्यः कृष्यः । -----

थावधार विविधिया, 1961 (1961 के 43) की पाछ 269-म (1) के बचीन सुचना

MIEG GEWIN

कार्यासय, बहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई, 1986

निवेश सं० अई-1/37ईई/7925/85-86:--अतः मुझे. जिसार अहमद,

सक्तमार वरिषिषयं, 1981 (1981 वा 43) हिनसे स्वयं इसके प्रवयह 'स्वयं अधिवयं' आहा प्रार हैं), को पार 269-व के अधीन स्वयं प्रारिक्षांद्री को बहु विकास काले हा नाइव हैं कि स्वायंद्र सम्पत्ति, विकास उचित वाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से विधिक हैं

स्रोत जित्रकी संख्या कार्यालय नं ० 417, जो, मेकर चेम्बर्स, 221, नरीमन पाइण्ट, बम्बई-21 में स्थित है (स्रोर इसो उपाबड़ अनुसूची में स्रोर पूर्ण का ते विणित है, स्रोर जिसका करारातामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अबीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्टी है, तारीख 9-9-1985।

को प्येंक्श तम्परित के उपित याजार मून्य से कम के दरममान अधिकत के लिए सम्तरिती की भर्द कार मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वीकत सम्पर्शित का उपित वाजार मूक्य, असके कारणान प्रतिप्तम सं, होते कारणान प्रतिप्तम का कृद्ध प्रियाल के निषक है और अन्यरक (अन्यरकों) और सम्बद्ध प्रियाल के निषक है और अन्यरक (अन्यरकों) और सम्बद्ध प्रियाल के निष् तम कारणा प्रतिप्तम के निष् तम सम्पर्श (वाक्तिपत्तम) के नीम एक वम्बरण के निष् तम सम्बद्ध प्रतिप्तम के निष् तम

- (क) सम्बद्ध ने हुद्र किकी बाय की नायत, जनत अधिमयम के वसीय कर योगे के सन्तरक से स्वक्रिय में क्की करने वा उसने मधने में स्थिक के सिए; मीर/वा
- (ख) एसी किसी अन्य आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अधिनियम, 1957 1957 का 27) क प्रमाण-नार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिला वाला जानिय ना जिला में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) ﴿ विधीन, निकासिकि विभिन्न किसी किसी 1. श्री राजीव जे० कपाड़िया।

(अन्धरक)

2. मैसर्स भाग्योदय सेल्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के वर्षय के बम्बन्य में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकायन की तारीस से 45 दिन की क्वींच या तरक्रकानी क्वींचतमां पद स्था की हानीस से 30 दिन की क्वींच, को भी नवींच थाद में भनाय होती हो, के नीकर प्रवेषण व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर क्षत्रत स्थापर क्षत्रीत के दिनकार किया क्षत्री कर कार्य कार्य

अनुसूची

कार्यालय नं ० 417, जो, में एर चेम्बर्स-5, 221, नरीमन पाइण्ट, बम्बर्स-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कसं० अई-1/37ईई/7463/सं 85-86 स्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-9-1985 को राजस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 5--5-1986

4.

प्ररूप मार्थः, टीः, एतः, एस∴-----

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 मई, 1986 सं० अई--1/37ईई/7935/85-86:--अत: मुझें, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिनकी संख्या कार्यालय प्रिमायसेस नं० 76, जो, बी बिंग, 7 वी मंजिल, मित्तल टायर, नरीमन पाइण्ट, बम्बई—21 में स्थित हैं श्रीर इसमें उनाबद्ध अनुभुवी में श्रीर श्रीर पूर्ण रून से विणि: हैं, श्रीर जिनका करारतामा आयकर आयज़र अधितियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, कारीख़ 9-9-1985।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पंचह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिता में बास्तविद्य रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के शिल्प्; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या कन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए॥

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वै, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म करी उपभारा (1), के अथीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्रे— 1. श्रीमती मामीम दलवी

(अन्तरक)

2. मैसर्स इण्डिया इण्टरनेशनल टेक्सटाइल मशीनरी एक्सीबिशन सोसायटी।

(अन्तरिती)

3. मैसर्स इण्डिया इतमें सोसायटी।

(वह व्यक्ति, जिसके <mark>प्रधिभोग</mark> में सम्पक्ति हैं)।

(वह ब्यक्ति, जिसके बारे में अधोहराक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबढ़ है)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विश्वीनयमा, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

कार्यालय प्रिमायसेम नं० 76, जो, बीविंग, 7वी मंजिल, मित्तल टावर, नरीमन पाइण्ट, बम्बई—2 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि का सं० अई-1/37ईई 7470/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिलांक 9-9-85 को रजिस्टई किया गया है

निमार अहमद, समक्ष प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–1, बम्बई

विनांक: 5-5-1986

प्रस्त बार्ड , दी ु एन , एक : ------

नामकर निधानियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के नधीन सूत्रमा

भारत करकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-।, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई, 1986

निर्वेश सं० अई-1/37ईई/7998/85-86:—अत मुझे, निसार अहमद,

नायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसरों इसके परवात् 'उनत निधीतिवन' कहा नवा ही), की भारा 269-व के नधीन सक्तम प्राधिकारी को यह निस्तात करने का कारण ही कि स्थावर सम्भिता, जिसका उचित वाबार मृज्य 1,00,000/- रह, से सिधक ही

ग्रीर जिनकी सं० कार्यालय नं० 801, ओ, 8 वी मंजिल, में कर चेंम्बर्स-5 प्लाट नं० 221, नरीमन पाइण्ट, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जितका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, खें के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 13-9-1985

को पूर्वांकर सम्परित के उचित बाबार मूक्य से कम के उपयमित प्रित्तिक के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोंकर सम्परित का उचित बाबार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के सिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निवित्त में बास्तविक रूप से किया गया है हिंग

- (क) क्लाक्य से हुई किसी बाव की बावत, उसत अधि-निवस के बधीन कर कोने के बंतरक के दायित्व में करी करने या उससे क्याने में सुविधा के जिए; बिर्/मा
- (ण) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, मा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सृविधा के निए;

अतः अव, उक्क अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के वधीन, निम्निसिक्त म्युनिस्तों, वर्षा ।—

1. श्रीमती कमला गुलाबराय वाधवनी।

(अन्तरक)

2. मैसर्स इन्ट्रापोर्ट इण्डिया।

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. मैंसर्स सुप्रीम प्रियायसेस प्राइवेट लि॰ (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना चादी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी कदिं। बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में से किए का सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों बार पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं वर्ध होगा, जो उस शेष्याय में दिवा पदा है।

प्रवची

कार्यालय नं० 801, जो, 8त्री मंजिल, मेकर चेम्बर्स, 5, प्लाट नं० 221, नरीमन पाइण्ट, बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क सं० अई-1/37ईई/7531/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 13-9-1985 को रजिस्टई किया गया है।

निसार अहमद, मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बर्ष

दिनांक: 5-5-1986

प्रारूप आई.टी.एन.एस्.-----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) अती धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनोक 5 मई 1986

स० अई-1/37ईई/7847/85-36: \longrightarrow अ1 मुझें, निसार अहमद,

नावकर विधिनवन, 1961 (1961 का 43) हिंचने इसने वस्तात् 'स्वत विधिनवध' कहा दल ही, की सम्बं 269-क ने विधीन सक्त प्रतिकारी को का विस्तात करने का कारण है कि स्थानर सम्बंधित, विश्वना अधित कारण स्वत्य मान्य 1,00,000/- के. से अधिक ही

प्रीर जिनकी संख्या प्लाट नं० 761, टी० पी० एस० नं० 4 न प्रीन नक नार सावर प्रसान, दादर, बस्बई-28 में स्थित है (प्रीर इसने उराबद अनुसुची में प्रीर पूर्ण का से वर्ण है), प्रीन जिसका करारतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यात्य में रिजस्ट्री है, तारीख 2-9-1985 को पूर्वोक्स संपत्ति के उर्जित वाकार मुख्य से क्यू के अवभाव विद्यास के विद्या संपत्ति के उर्जित वाकार मुख्य से क्यू के अवभाव विद्यास के कि स्थाप्यों के संपत्ति के प्राथम के विद्यास करने का कारण है कि स्थाप्यों के संपत्ति का प्रविच्च का प्रमुख्य प्रतिकृत को विद्यास के विद्यास क

- (क) बन्दरम् वं हुए कियो वाय की वायकः। क्या विभिन्नियः ये वायीय कह वार्षे वं वायायक वो वायित्व यो कायी करने वा उद्यवे व्याने वो श्रीवाण को किए; बीट्र/वा
- (च) एंती किसी नाम ना किसी थन वा मन्य नास्तिनों को, जिन्हों भारतीय भागकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, बा प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया या या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुनिधा जै हिल्ह;

अत: अब, उक्. अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण प मैं. उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— श्री किमन दास बधराम कुकरेजा।

(ध्रन्त्यक)

2. भेमर्स विजय राज बिल्डर्म प्राइवेट क्षि०।

(अन्तरितः)

3. ग्रन्तरितीयाँ

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

4.

(वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस स्वाम के स्वाम में प्रकारण भी सामीय में 45 दिए की कार्य मा स्वामित्र कार्यक्रमों गर क्वाम की कार्यम में 30 हिला की कार्यम, को की कार्य में क्वाम मुनि हो, में मीलर क्वाम मानकार्य में क्वाम मुनि हो, में मीलर क्वाम
- (ण) हुन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पाड़ सिविस में किए जा सकेंगे।

अवस्थितक ह—दक्षणे प्रकृता काले कोर नवी का, को अपत व्योगीनवर्या, के सम्बाध 20-क वो परिशामिक ही, काहें कर्य होता को उस बन्धान वी दिवा पना ही।

अनुसूची

प्लांट नं० 751, टो॰ पी॰ एस॰ नं० 4, माहीम श्रीफ वोर सावरकर मार्ग दादर, बम्बई 28 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-1/37ईई/7382/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा विनाक 2-9-1985 का रिनेंट टर्ड किया गया है।

> िसार श्रह्मव, सक्षम प्राविकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण) श्रजन रेंज- 1, बम्बई

दिनांका: 5 - 5 - 986

मक्त बाइ ही एन एवं -----

नामकर विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-प (1) के स्थीन स्वना

प्राच्य बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, विनांक 5 मई, 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37ईई/7996/85-86—श्रतः मुसे, निसार् श्रहमद,

बायकर ऑपनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतमें इंडमें परवाद 'उस्त् मीधिनयम' बहा मना ही, की धारा 269-धान मधीन सक्षम प्राधिकारों को, वह विस्तास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बद्धि, विद्यका उचित बाचार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी संख्या कार्यालय नं० 1205, जो, 12 वीं मंजिल, मेकर चेम्बर्म-5, प्लाट नं० 221, नरीमन पाइन्ट, बम्बई-21 में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध धनुसुची में प्रौर पूर्ण रूप से विणत है), प्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधितियम 1961 की धारा 269 के खे के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 13-9-1985 को वृबेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम की दश्यवान प्रविक्रत के लिए जन्तरित की गई है और मूझे यह विकास कर ने का कारण है कि वभावाँकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य से कम की दश्यवान प्रविक्रत के लिए जन्तरित की गई है और मूझे यह विकास कर ने का कारण है कि वभावाँकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उनके ध्ववमान प्रविक्रत से, एसे ध्वयमान प्रविक्रत के प्रमुख प्रतिक्रत के लिए इं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरक प्रतिक्रत से लिए इं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरक प्रतिक्रत से लिए इं और अन्तरक विज्ञत को लिए इंग्लिस स्था का प्रतिक्रत, निम्निवित्त उप्योग से इनक कन्तरण के किए इंग्लिस को वास्तरित में वास्तरिक कन से क्षिण नहीं दिवस वसा है इनक कन्तरक को की वास्तरित में वास्तरिक कन से क्षिण नहीं दिवस वसा है इनक

- (क) अन्तरण वं हुई जिली बाय की बाबत धनक बरिय-विवस के बधीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कभी कशने वा उद्वर्ष वचने में विवधा के विद; बीह-(ब)
- (क) पंडी किसी बान मा किसी धन सा बन्य बारिसकों की, बिन्हें बारतीय जानकर साधानियस, 1922 (1922 का 11) या उपल साधानियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिह;

सत्तक सम्म स्वतं सिपियम की धारा 269-न से अनुसरक में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-च की नवधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मैसर्स वन्झुमर्स प्लास्टीक्स प्राइवेट लिमिटेख। (धन्तएक)
- 2. श्री हर्षंद शांतीलाल मेहता।

3. श्रन्तर्क

(ग्रन्सरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग

में सम्पत्ति है)।

4. मैसर्स सुप्रीम प्रिमायसेस प्राइवेट लि॰।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे मे
श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की वह त्यान वारी करके प्रॉक्स सम्मत्ति के वर्षन के रिसए कार्यनाहियां करता हां।

उक्त सुन्यतित के वर्षन् के स्थ्यारथ में कोई भी काक्षप :---

- (क) इक ब्रूचना के राज्यन को त्रकाबन की तारीय ते 45 विभ की अवश्यि का तक्तस्वन्धी व्यक्तियों पर त्वन को ताजीत के 30 दिन की अपिप, मो भी अवश्यि बाद को स्वतन्त्र होती हो, को शीतर प्रोंक्श व्यक्तिकों को किया व्यक्ति हुन्।
- (थ) इस स्वाम के राज्यन में प्रकारन की शारीन से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- स्वाम किसी अन्य न्यानिस् कृतारा सथोहस्ताकरी के वात सिहित में किस या सकते।

स्वक्रीकरणः---इक्ने प्रकृतक वाली बीर वर्षों का, वर्षों वर्षे वर्षिणियक् के अध्याय 20-क में परिभाविक हीं, महीं वर्षे होना वर्षे वस अध्याय में विका क्या ही है

जन्सू भी

कार्यालय नं० 1205 जो, 12 वीं मंजिल, मेक्स चेम्बर्स 5, प्लौट नं० 221, नरीमन पाइण्ट, बम्बई-21 में स्थित है।

भ्रत्मुची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-1/37ईई/7529/85-86 भ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारादिनांक 13-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक: 5-5-1986

मोहरः

प्रक्ष बाद टी.एन.एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-थ (1) के बभीन सूचना

मारत तरकार

कार्यासय, सहायक शायकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज−1, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 मई, 1986

निदेश स॰ ग्रई-1/37ईई/7995/85-86--प्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

बायकर मिथिनयम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिथिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-वा के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, विसका उक्ति बाबार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या कार्यालय नं० 1206, जो, 12वीं मंजिल, मेकर चेम्बर्स-5, प्लाट नं० 221, ब्लाक 3, बंक ये रेक्लमेशन नरीमन पाइण्ट, बम्बई-400021, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के श्रिशीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनार्ग के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 13-9-1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफास के निए जन्तरित की गई है और जुओ वह विश्वास कर के का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूक्य क्ष्म अस्यमान प्रतिफास के, एसे क्ष्मयान प्रतिफास का थलाइ प्रतिकात से विश्व है और जन्तरक (जन्तरकों) और बन्तरिती बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब बाबा नया प्रतिफास, निम्नसिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किवित में वास्तरिक रूप से कथित महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाग की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियत्व में कमी करने वा सससे बचने में सुविधा के विष्; करि/वा
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय नायकर निभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिनयम, भा भन-कर निभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिभा के निए;

वतः वष, उपत विभिनियमं की धारा 269-ग के बनुसरक में, मं, उस्त विधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के वधीन, निम्नितिसत व्यक्तियों, वर्षात् क्र—12—116 GI/86

- मैसर्स कन्सुमर्स प्लास्टिक्स प्राइवेट लि०।
 (ग्रन्तरक)
- 2. श्री हर्षद गांतीलाल मेहता।

(ग्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरक

(बह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. मॅंसर्स सुप्रीम प्रिमायसेस प्राइवेट लि॰।
(यह व्यक्ति, जिसके बारे में
ग्राधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्बत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना शारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राज्यक में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी व्यक्तियों में किसी व्यक्ति इते, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के प्रस निवित में किए वा सकींगे।

क्ष्मच्चीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, वां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्षीं होगा वां उस अध्याय में दियः वस हैं प्र

वनुसुची

कार्यालय नं० 1206, जो, 12 वीं मंजिल, मेकर चेम्बर्स-5, प्लाट नं० 221, बनाक 3, बंकवे रेक्लभेशन, नरीमन पाइण्ट, बम्बई-21 में स्थित है।

भ्रानुसूची जैसा कि ऋ० सं० मई-1/37ईई/7528/85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार म्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रोज-1, बम्बई

दिनांक : **5-5-**1986

प्रकल कार्य ,दी, एव ,एव , कार्या कार्या ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) से अभीन स्वका

भारत बरकार

कार्यातम, तहायक जायकर बायुक्त (निर्देशक)

्रप्रजेन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक ,12 मई, 1986

निर्देश सं० ग्राई-1/37ईई/8356/85-86—ग्रन: मुझे, निसार श्रहमव,

शहराकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-च के अधीन सक्षण प्राधिकारी को वह विस्ताद करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, विसका उचित वाचार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 902, जो, 9वीं मंजिल, ग्रीर गरेग नं० 3 ग्रीर 4. तल मांला, समुद्र सेतू, भलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 मैं स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मैं ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसवा करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनयम की धारा 1961 269 के ख के ग्राधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 11-10-1985

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार स्वय, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल कर पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तस पासा गया प्रतिपल, निम्निलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथान नहीं किया गया है:——

- [का) अन्धरण संधुद्ध किसी नाय की शावक, अन्धर विधित्तम के नवीन कार क्षेत्र के अन्धरक के शावित्व में कनी करने मा सल्ले वचन में सुविता के निष्णः और विश्वा
- (अ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय वायकर विभिन्नेम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनवन, शा धन-कर विधिनवम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-क के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् κ—-

1. मैसर्स इण्डो सायमा एजेन्सी।

(ग्रन्तरक)

2 मैसर्स प्रलका इन्टरप्रायजेस ।

(ग्रन्तरिती)

को शह क्षमा बारी करने पूर्वोक्त हमारित में वर्षण में जिस कार्ववाहियां करता हो।

वस्य कलरित से सर्वन से सम्बन्ध में स्वीर्व ही सम्बन्धः---

- हुँकों इस ब्रंपना के राज्यप की प्रकारत की साडीय ही 48 दिन की संबंधि का स्टांबंधी व्यक्तियों पर स्थान की सानीय से 30 दिन की वर्षीय, को भी वर्षीय बाद की स्थान होती हो, की पीटप प्रविधा व्यक्तियों में की किसी म्योचन स्थापन
- (क) इस प्रयो से राज्यम में प्रथायन की शारीयां से 45 दिन से भीतर बच्छा स्थायर सम्पर्धि में द्वित-बच्च मिली सम्ब कनित हुमारा, समेह्स्सांस्ट्री के राज विधिय में किने या वर्षोंने।

रक्षतीकरणः इसमें प्रमुख्य क्षम्यों और पूर्वों को, को क्षम्य वीवीवनम के क्षमान 20-क की श्रीकृतिकत ही, नहीं कर्ण होता को देखें सभाव में विका सवा ही।

अनुसूची

पलैट नं० 902, जो, 9 वीं मंजिल और गेरेज नं० 3 और 4, तल माला, समुद्र सेतु, भलाभाई वेसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि कै० सं० भई-1/37ईई/7869/85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-10-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> निसार भ्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1,बस्बई

दिनां ३: 12-5-1986

प्रकल कार्युं ट्रॉ. एव . एस .------

कावकर विधित्वन, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के नवीन सुजना

आरंत वरकार

कार्यावय, बहायक बायकर बायुक्त (पिट्रांबाच)

• प्रज़ित रेंज-1 बम्बई अम्बद्द, दिनांक 5 मई 1986

'निर्देण तंं के श्राई-1/37-ईई/7984/85-86--यतः, मुझे निसार शहमद,

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इक्ष्म परभात् 'उक्स विधीतयम' कहा गमा है"), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित वाजार अस्य 1.00.000/- रा. से अधिक हैं

मोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 703, जो 7वी मंजिल, ए-इमारत सूर्य भपार्टमेंट को-ऑप० हार्जीसग सीसायटी लि० 53, भूला भाई देसाई रोड, बम्बई-26 म्रीर खुला गरेज नं० 6, तल माला के साथ में स्थित है (भीर इससे उपाबद प्रनुसूची में म्रोर पूर्ण रूप से बर्णित है), और जिसका करारनामा अयकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्टी है। दिनांक 3-9-1985

को बूबोंक्त सम्पर्ति के जिन्त बाजार भूल्य से कम के क्यमान अक्षिकत के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उशके बस्यमान प्रतिफल से एसे बस्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिक्रत ते अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और सन्दर्शती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब बाबा बदा प्रतिक्रल, निम्नलिखित उद्बोस्त से उस्त अन्तरण विश्वित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया ब्या है है----

- (क) जन्तरण के हुए किसी नाम की गानत, उनक विधिनवन के सभीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कभी कको का समये वचने में द्विभा के किए: और/का
- (क्षं) क्रेसी किसी नाम वा किसी भन मा नन्म जास्तिमों का, विमहुं भारतील नामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत निधिनियम, वा नाकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोषनार्थ अंबरिकी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा ना किया जावा आहिए था, कियाने में सूरिक्धा ने क्रिकेट

बहाः शवः, जनस् नौरितियतं की भारा 260-मा नै समृत्रहरू हो, हो, एक्ट कीचनियतं की भारा 260-स की स्वभारा (1) के बभीन, निस्तिलिक्षतं व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमती कवादेवी अरविन्द प्रसाद महाविषया। (अन्तरक)
- 2 श्री श्रकवरत्रली ताजूबीन मर्चेन्ट। (अन्तरिती)
- 3. अन्तरक

(घह व्यक्ति, जिसके श्रधिमो**ग** में सम्पत्ति हैं)।

का वह त्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति से वर्षन के विद कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

.बक्त संस्थित के नर्पन के संबंध में कोई भी बासीप ह---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की स्वीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकायन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाब निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अभिनियम, के अभ्याब 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गमा है।

अनुसूची

पर्लंट नं० 703, जा, 7 वीं मंजिल, ए-इमारत, सूर्यं श्रपार्टमेंट की-अपि हाउमिंग योगायटो लि०, 53, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 और खुला गरेज नं० 6, सल माला, के साथ स्थित है।

धनुसूची जैमा कि कर्ज संज प्राध-1/37 हैई | 7421 | 85+-86 और जो प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिलांक 3--9--1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> िसार प्रहमद संक्षम प्राधिकारा सहायक श्रायकर श्रायुक्त (िरःक्षण) श्रर्जन रेज-1, बम्बई

दिनाक: 5-5-1986

माहर:

प्रकृष् नार्वे ही . एत , एस . ------

भावकर मिथिनमन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण) शर्जन रेंज-1, बम्बई

यम्बई, दिनाक 5 मई, 1986 निर्देश सं० बई-1/37 ई/7865/85-86--वतः मुझे, निसार श्रहमद,

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 2'69-क के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्थ 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

औं जिसकी संख्या कार्यालय नं० 111, जो, 11 वीं मंजिल, मेकर चेंबर्स-6, प्लॉट नं० 220, नरीम : पॉइंट, वस्ब ξ -21 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनाम। श्रीयकर ऋधिनियम 1961 की धारा 269 के, खा के ब्राधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिलस्टी है, दिनांक 3-9-1995 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल अर्थिक : हब्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशह से भार अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोरम से उक्त अन्तरण सिचित में वास्त्रविक रूप से कायित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व के कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्द बिभिनियम, या भनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के किए:

जत: जब, उक्त जीभीनियम की भारा 269-ग की, जनुसरण को, मीं उक्त किभीनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) को अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- मैसर्स गालिना ट्रेंडिंग कम्पनी प्रायवेट लि० (धन्तरक)
- 2. मैं सर्स लिऊकोण्लास्ट (इण्डिया) लि० (अन्तरिंती)
- 3. श्रन्तरकों

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रभिभोग में सम्पत्ति है)

9. मैसर्स स्त्रिम त्रिमायसेस

(यह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचमा बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उनत संपृत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की जनभिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अकिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाकन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के बाख लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों बार पदाँ का, जो उच्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में गरिभाषित है, वहीं अर्थ हुर्गण जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 111, जो, 11 वीं मंजिल, मेकर चेंबर्स-6 स्लॉट नं० 220, नरीमन पाइण्ट, बम्बई 21 में स्थित है।

श्रृतुमुची जैसा कि अ॰ नं॰ ग्राई-1/37ईई/7400/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिमांक 3-9-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार प्रहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, बम्बई

चिनोंक: 5−5−1986

मोहर।

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-थ (1) के अधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-1, बम्बई

बम्बई, विनांक 8 मई, 1986

निर्वेश सं० प्रई-1/37ईई/7999/85-86---श्रत: मुझे निमार श्रहमद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शवात् 'उकत निधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन तक्षम ब्राधिकारी को यह निश्मात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्ब 1,00,000/- रु. से अधिक है

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसका संख्या फ्लैट नं० 505/506 ए, जो, ब्राह्य नगर सी" इमारत, 5वीं मंजिल, फोर्जेंट स्ट्रीट, बस्बई-36 में स्थित हैं (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ने विगत हैं), और जिसका करारतामा ब्राह्मकर ब्रिधित्यम 1931 का धारा 269 क, ख के प्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारा के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, ताराख 13-9-85 को प्रबेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्वेध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कनी करने या उत्तसे वचने में तृतिभा के लिए; और/या
- क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा ज्ञकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिचाने में तृषिधा के सिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1. श्रीमती सिंदितार धीरजलाल महता

(अन्तरक)

2. श्री डाह्या लाल पूनम चन्द मोदी

(प्रतिरिती)

ग्रन्तरक

4, ---

(वह व्यक्ति, जिसके प्राधिभोग में सम्पात है)। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहरताकरी जानता है कि

वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह तूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की अविधि यासस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त क्षव्यों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

मनुसूची

फ्लैंट नं० 505/506 ए, जो, प्रानन्द नगर, सी' इमारत, 5 वी मंजिल, फोर्जेंट स्ट्रीट, बम्बई-36 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रमसं० श्रई-1/37ईई/7532/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौक <math>13-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज- 1, बम्बई

दिनांक: 8-5-1986

प्रकल अर्थाः दी क्ल त्रुत . -----

अखकर अधिपियम, 1961 (1961 का 48) की भारा 269-म (1) के अभीत त्यतः

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 मई, 1986

निर्वेण सं० अई-1/37ईई/8163/85-86:--अतः मुझें, निसार अहमद,

आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परजात् 'उक्त अधिजियम' कहा जवा हैं), की भाष 269-स के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से जीधक हैं

भीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० ए 804, जो, पूनम अपार्टमेंटस शिव सागर इस्टेट, डा० रानी बेझट रोड, वरली, वम्बई—18 गैरेज के साथ में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 24-9-1985

को पूर्विक्त तम्परित के उपित बाजार मूल्य ते काम के उपयाम प्रितफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूले वह विश्वास करने का कारण है कि स्थापनिक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, इसके ध्रवमान प्रतिफल से, एसे ध्रवमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिकात से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तब पावा गया प्रतिकाल, निम्मदिविक्त उप्देश्य से उक्त कन्तरण लिक्ति में कास्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुन्द किसी अग्रव की बाबत, उक्त अभिनिवन के अभीत कहा दोने के अन्तरक के दाबित्व में कजी करने या उससे यचने में स्त्रीवभा के लिए; जौर/या
- (स) इंसी किसी अपन का किसी भन वा जन्म जासिसमीं को, सिन्हें भारतीस आपकर अभिनिधन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनिधन, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा भावा किया जाना चाहिए था, कियाने में स्वीवधा के लिए:

जतः जस, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण मों, मीं, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) की अभीन, निक्निलिखित स्वक्रियों. अभीत्:—— 1. श्री सुरेश कुमार गोयल।

(अन्तरक)

2. श्री नरेन्द्र डी० करानी।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बद्धा है अर्थन 🖷 📆 कार्यनाहियां करता हो।

उनतः सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस स्मान के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पति लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वोका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

मन्सूची

प्लैट नं० ए-804, जो, पूनम अपार्टमेंट्स क्षित सागर $^{!}$ इस्टेट, डा० रानी बेझट रोड, बरली, बम्बई-18 गैरेज के साथ बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कि॰ सं॰ अई-1/37ईई/7684/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजॅन रेंण–1, बम्बई

दिनांक: 5-5-1986

प्रकल बाह्य हो हुए हुए हुए हराना

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सूलना

शास्त्र प्रकार

कार्यासम्, तहारक जायकर मान्नत (निर्देशक)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 मई. 1986

निर्वेश सं० अई-1/37ईई/8166/85-86:—अत: मुझें, निसार अहमद,

नामकर अधिनितम, 1961 (196) का 43) (चित्रे इसमें इसके परवाद् 'प्रकृत निविध्यम' 'स्कृतना हैं), की धाक 269-क के संधीय तक्षण प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का स्वकृत है कि स्थापर इस्लेखि, चित्रका उपित्र नामार मुख्य 1,60,000/- रहे. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या कार्यालय नं 122, जो, 12वी मंजिल, सी० विंग, मित्तल कोर्ट, नरीमन पाइण्ट, वम्बई—21 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा' आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 25—9—85 को प्रेक्त कम्बित के जियत बाबार यूक्स के क्व के व्यवक्र शिक्त कम्बित के जियत बाबार यूक्स के क्व के व्यवक्र शिक्त कम्बित को नई है और मुझे यह क्विवास करने का कारण है कि बचाव्यक्ति के स्थान शिक्त का नई के और मुझे यह क्विवास करने का कारण है कि बचाव्यक्ति के एसे क्वमान प्रतिकृत का पन्छ प्रतिकृत से विषक्त हैं और अन्तरण के तिए तथ पांचा क्या प्रतिकृत , निम्नीतिवत उद्विध्य से उनक कन्तरण किवार में वास्तिवक क्य से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त बीधीनयन के बधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: बीर/वा
- (क) ऐंदी कियी अंग का का काम वास्तिकों को, फिल्हें भारतीय बावकर अधिनिवस, 1922 (1922 का 11) वा उनत अधिनिवस, का धनकर अधिनिवस, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृत नहीं किया नवा था वा किया वाना चाहिए वा, कियाने के स्विधा के किया;

बक्दः शवा, शक्त विधिनियम की भारा 269-न मी अनुसरण हो, भी, सक्त सिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) हो सभीत, निम्नसिवित काक्तिती, नमात हो—— 1. किशन गोराडिया फैमिली दूस्ट।

(अन्तरक)

2. श्रीमती राज कोशल्या।

(अन्तरिती)

अन्तरको ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

न्त्रे यह स्वाना बारी करके पूर्वोक्त सम्मतित के बर्चन के लिए कार्यगाहियां संरक्षा है।

वन्त वंगीत के वर्जन के वंजभ में कोई भी कार्यन :---

- (क) इस ब्यान के राज्यम में प्रकाशन की पार्टीं हैं
 45 किए की नव्याप ना बरहम्मानी स्पानितमों पर
 सूचना की राजीन से 30 दिन की क्याप, को भी
 कामि नाम में संमान्य होती हो, से नीतार प्रनीवत
 व्यानता में के निकी न्यान्य स्वाद्ध;
- (व) इस सूचना के खनना में प्रकासन की वारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मतिय में द्वितवर्थ किसी मन्त्र स्थायत स्थाय मभोद्यताकारों के नास जिल्हा में किए या समीचे ।

रचन्द्रीकरण:---इसमें प्रयुक्त कर्यों और पर्यों का. को क्ष्मा अधिनियम, को बच्चाम 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्य होगा, को उस अभ्याय में विका क्षम ही।

नमृत्यी

कार्यालय नं 122, जो, 12 वी मंजिल, सी बिंग, मित्तल कोर्ट, नरीमन पाइण्ट, अम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37ईई/7686/85-86 ग्रीर जी सक्षम प्राधिकारी अन्बई द्वारा दिनांक 25-9-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद, सक्षम प्राधिकारी **तहायक ग्रामकर कृष्युक्त (निरीक्षण** अर्जन रेंज—1, **बस्क** ई

विनोक: 5-5-1986

प्रकृत सार्व 🖬 🛍 पुर्व . पुर्व 🚈 व्यवस्थान

वायकड वरिशयन, 1961 (1961 का 43) व्यक्ति पाडा 269-म (1) में नपीन बुमना

BISS SSPE

कार्यासय, सहायक नायकार जायूक्त (निर्दाक्क)

अर्जन रेंज-1 बम्बई बम्बई विनौक 5 मई 1986

निवेश सं० अई-1/37ईई/7869/85-86-- अतः मुझें, निसार अहमद,

जायकर अभिनिवस. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियस' कहा गया हैं), की भाष 269-इ के अभीन सक्षम प्राभिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृख्य 1,09,000/- रु. से अभिक हैं

मीर जिसकी संख्या कार्यालय प्रिमायसेस नं० 408, जो, 4थी मंजिल, मेकर चेम्बर्स – 5, प्लाट नं० 221, ब्लाक 3, 3, बक्र बे, रेकलमेशन स्किम, मरीमन पाइण्ट, बम्बर्स – 21 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण का से विणित है),श्रीर जिपका करारतामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बर्स स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 3-9-1985 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिकत के लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वत करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खरमान प्रतिकल से ऐसे खरमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पत्या गया प्रतिकल, निम्नीशिवत उद्वरेश्य से उक्त अन्तरण लिकत में बासाविक रूप से कथित महीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आसित्यों की, जिम्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अर्ब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन,, निम्मलिखिल व्यक्तियों, अर्थात्ः— मैसर्भ गरद एण्ड कम्पनी।

(अस्टर्ड)

2. मैसर्स जी० एम० फेशन।

(अन्तरिती)

3. अन्त'रकों ।

(बह्रव्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. मैसर्स सुप्रीम प्रिमायमे प्राइवेट सि०।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह मम्पक्ति में हितबद्ध है)

को शह क्षमा कार्यों करके पूर्वोक्त कम्पृत्ति ने वर्षन के निष् कार्यगाहिक करका हूँ।

उच्छ बुन्दरित के वर्षन के बन्नरूप में कीई भी वालेंद्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थितियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 किन के भीतर क्कत स्थावर संपत्ति में दिव-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किथित में किए वा नकींथे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

averal)

कार्यालय प्रिमायसेस न० 408, जो, 4 थी मंजिल, मेकर चेंम्बर्स-5, प्लाट नं० 221, ब्लाक 3, बेकवे रेक्लमेशन स्कीम, प्रीमन पाइण्ट, बम्बई-21 में स्थिक है।

अनुसूची जैसा कि क्र॰ सं॰ अई-1/37ईई/7404/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनां क: 5-5-1986

प्रारूप आहें दीं एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

EIST MENS

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरौक्षण) प्राजीन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई, 1986

निर्देश मं॰ ग्रई-1/37ईई/7969/85-86--ग्रतः मुझें, निसार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सवाय प्राधिकारी को, यह विस्वाद करने का कारक हैं कि स्थानर सम्पत्ति, विसक्ता उजिक नाचार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ष्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 2202, जो, पंचरतन, 22 वीं मंजिल, आपेरा हाउस, बम्बई-440004 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावब अनुसूची में श्रीरपूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीरिजिएण करारतामा आयकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यांत्रय में रिजिल्ही हैं. तारीख 12-9-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिक स के लिए अन्तरित की नई है और मूनों वह विश्वास करने का कारण है कि अभावनींक्स धंबीस का उचित्र बाजार बूक्स, उनके क्यमान प्रतिकत से, देखें क्यमान प्रतिकत का बनाइ प्रविक्त से अधिक है और अंतरक (अंकरकार) और बन्तरिती (अन्तरितिनों) के बीच एसे बन्तरूज के तिए तब क्या क्या प्रविक्त , विश्वतिविद्य उनुष्टेश से उद्धा अध्यादन शिक्ति में वास्तविक रूप से किंगत नहीं किया गया है है—

- (क) बस्तरून वे इर्ड किडी नाव की वावसा, वयर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विभा के लिए:
- (स) ऐसी किनी बाय वा किसी भन या अन्य आस्तियों की हिंग हुं आर्पीन दावकर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) वा उन्तर अधिनियन, या भनकर धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रवाजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

क्य जन्त मिनियम का भाष 269-ग के जन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, सर्थात् ए—- 3—116 GI/86

1 श्रीमुकेण भाषी भाग गां।

(ग्रन्तरक)

2 मैसर्स श्री राम कृष्ण एक्सपोर्ट।

(बन्सरिद्धी)

का वह बुक्ता वादी क्याओं पूर्वोक्त कल्पीत के वर्षन के विद्यु कार्यमहिकां करता होंद्रों

उन्त बन्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन क्रिंग सारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वोक्स व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किश्वी सम्ब व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्ती के शक्ष स्थित में किश् वा सर्केंगे।

स्पट्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसद अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

जन्मू ची

फ्लैट नं॰ 2202, जो, पंचरतन, 22 वीं मंजिल, श्रापेरा हाउस, बस्बई-440004 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क मं० ग्रई-1/37ईई/7503/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार **श्रहमद,** सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण), सर्जेन रेंज~1, बम्बई

दिनांक: 5-5-1986

...... प्रथम प्रथम प्रथम प्रथम का स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक प्रथम प्रथम प्रथम स्थानिक स्थानिक स्थानिक स प्रस्ति कार्स**ं .टी. एन .एस** . -------

मायकर माधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त जाय्का (निर्याक्त) श्रर्जन रोज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई, 1986

निर्देश सं० श्राई-1/37ईई/7895/85-86:—-अत: मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाषा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उद्विस आजार मृत्य 1..00.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 16, जो, 4थीं भंजिल, पेंटाबल को-प्राप हाउमिंग सोपायटी लि०, 61/डी०, बी० भुलाभाई देवाई रोड, बम्बई-26 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं, श्रीर जिसता बारार-नामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 के ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रिधिहारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 4~9-1985।

को पूर्वोक्त सम्बक्ति के उचित बाजार मून्य से क्रम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विक्वास करने की कारण है कि यथायुर्वोक्त सम्पत्ति का सचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्तह प्रतिकत से आधक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरित (अंतरितिकों) के बीच ऐसे बंतरण से बिह्न तब पाया गणा प्रतिफल, निम्मिबीचा एष्टेश से उनत जंतरण मिन्निक क्ष्य से की मन्तिक क्ष्य से की की से संतर्भ से सिन्निक क्ष्य से की से सिन्निक स्था से की से सिन्निक क्ष्य से की सिन्नित महीं किया गया है है —

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिध-सियम के अभीत कर बोने के अंतरक के द्वारिक्य में करते करूपे या उससे क्यन में सुविधा के जिए; स्क्रीर/का
- (ख) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के जिन्

अतः अब, उथत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) दे बधीन विकासिक व्यक्तियों, बच्ची अल्ल 1 श्री लक्ष्मी नाथ दत्ता।

(भ्रन्तरक)

2 श्री मुमी माणें हजाज तजाटी।

(ग्रन्तरिती)

3 श्री लक्ष्मी नाथ दत्ता।

(बह ध्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सुचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यविष्टियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध के कोई भी कार्थेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की ताराव से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस स्वना के राजपत्र मो प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरुणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः । बह्नी अर्थ होगा जो सम अध्याय में दिया गया।

मनुसुची

फ्लैट नं० 16, जो, 4थी मंजिल, पेंटा कल को-प्राप हार्शिय मोपायटी लि०, 61/ष्टी०, बी० मुला नाई देनाई रोड, बस्बई-26 में स्थित है।

ग्रन्सूची जैसा कि क्र० संश् श्रई-1/37ईई/7432/85-86 ग्रीट को सजन प्राधिकारी वस्बाई द्वारा दिनांक 4-9-1985 को रुस्टिई किया गया है।

> निसार श्रहमद, सक्षम प्राधिकारी, सह्या स्त्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, बग्बई

दिनां ह : **5-5-198**6

प्रकार भार . टी . एत . एत . -----

आयंकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के समीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मई 1986

निर्देश सं० श्रई- 1/37ईई/8369/85-86:—-श्रतः मृङ्गे, निमार श्रहमद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 126, जो, 12 वीं मंजिल, सतनाम ग्रपार्टमेंट, 93, जफ परेड, बस्बई—5, कार पार्किंग जगह नं० 23 के साथ, में स्थित हैं श्रौर श्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं श्रौर विभन्न उपारनामां श्रायकर श्रधिनियेम 1961 की धारा 269 व ख के श्रिपीन वस्बई स्थित सक्षोम प्राधिकारी के कार्यात्य में रिजिस्ट्री है, नारील 14-1-85

की पूर्नोकत सम्पत्ति के शिष्ट नामार मृत्य से कम के स्वयमान प्रिटिफल के लिए कस्तरित की गर्व है जीर कुछे यह विकास सर्त का कारण है कि स्थाप्यों कर संपत्ति का उपित वाजार ब्रुट्ट का कारण है कि स्थाप्यों कर संपत्ति का उपित वाजार ब्रुट्ट , उसके स्वयमान प्रतिकास से एसे स्वयमान प्रतिकास का ब्रुट्ट प्रतिकात से विभिन्न हैं जीर कस्तरक (वस्तरक) और जन्द-रिशी (अस्तरित्यों) से बीच एसे अस्टरण के सिए तम पामा प्रतिकान में सिए तम पामा प्रतिकान, विकास के स्वतिका स्वयक्ति करना से स्वतिका स्वयक्ति करना से स्वतिका स्वयक्ति करना से स्वतिका नहीं विकास स्वयक्ति हैं ——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की नागत, उनक अधिन्यस्थ के स्थान कह दोने के अध्यक्त क शास्त्रस्थ में अभी अध्येश उनके क्यूने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एरी किसी नाथ वा किसी थन था क्स आरिएशी को, विन्हें भारतीन नानकर नांधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त नीधनियम, या जनकर निधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा मा किया वाना नाहिए था, कियाने में कृषिधा के किए;

ं अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- मैसर्स मिराक्शा एसोसिग्टेस।

प्रन्तरक)

2. श्री मीहम्मद हुमैन सहनभाई मास्टर।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्णन के ैसर कार्यवाहियां करता हूं।

सकत संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षोप :----

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अत्रिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (य) इत स्थान के राजपत्र में प्रकासन की तारीस है 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरों के क्षाम विश्वित में किए या सकीने।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाधिक हैं, बही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिशा मबा हैं।

अमुस्ची

पर्लंट नं० 126, जो, 12वीं मंजिल, सतनाम ध्रपार्टमेंट, 93 बफ परेड, बम्बई-5 कार पार्किंग जगह नं० 23 के साथ स्थित है।

ग्रनमूची जैसा कि क सं० ग्रई-1/37ईई/7881/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 14-10-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–1, बम्बई

दिनांक: 12-5-19'86

मोहरः

प्ररूप आहें.टी.एन.पुरा ू-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारः 269 व (1) के अधीन स्चना

STATE STATES

कार्यालय, सहायक जायकर आपूक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज⊷1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मई, 1986

निर्वेश सं॰ ग्रई-1/37ईई/37ईई/7984/85-86—ग्रसः मुझे, निसार ग्रहमद,

नावकर प्रिमिनन, 1961 (1961 का 43) शिंक्से इसमें इसमें परणाद 'उस्त निर्मिननमं काहा गया हैं), की धारा 269-व में अभीन स्थान शाधिकारी को यह निरम्भ करने का साइण है कि स्थान्य सम्बद्धि, विश्वका शिंक्स शकार मृख्य 1.00,000/- स्त. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 72, जो, सी लाई, "बी", कफ परेड, कुताबा, बन्बई-5 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद सनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 13~9-1985

की पूर्णोश्त संपरित के उपित बाजार मूस्य से कम के करवजान मित्रफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपरित का उपित बाजार मूस्य, द्वाबों क्यानान प्रतिक्ता से एवं क्यानान प्रतिक्ता का प्रकार प्रतिकत्त से बाधक है बीह जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरिकों (क्यारिटिवरें) से भीच एवं मन्तरक के किए एव पाना करा प्रतिकत्त में निम्निजिति उप्योध्य से उपत अन्तरण जिल्कित भे मान्तरिक कम से क्यारित महाने किया गया है ह—

- ्रेयम् सन्तरण संशुद्ध निक्षी शाच्य कर्त नावसः, जनसः भौधिनियस के स्थीत कर योगे के जनसङ्ख्य क्षे याजित्य में कभी अर्ग्यसा सवसे कपने के स्थिता स्थे हैंससः और/नार
- (क) एची किली जाय या किली धन का कम्य जाहिलाओं को, जिन्हों भारतीय जाय-कर विधिनचम, 1922 (1922 का 11) का उत्तर विधिनचम मा धन-कर विधिनयम् 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ धन्दरिती क्वास प्रकट नहीं किया ग्या था या किया प्रवा चाहिए था, स्थिपने में सुनिया में सिक्ष;

बतः वन, उनल अधिनियम की धारा 269-ग के जनूनरम सै, मैं अवस अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकत्यों. अर्थात् :— श्री प्रभुदास खुशालतास शाहा श्रीर श्रन्य।

(अन्सरकः)

2. श्री विनयकुमार गोयल श्रीर श्रन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वकाहियां करता हूं.

जनत कलरित के अर्थन के बस्तरथ में कोई भी मासेर :---

- (क) इस ब्यान को राज्यन में प्रकायन की शारीक के 45 दिन की ब्रुपि या उत्संत्री क्यूनिसकों एड ब्यान को राजील से 30 दिन की अन्यि, को भी अव्योध काद में बनान्य होती हो, तो मीवर पृथ्वेंक्ट क्यूनिक्सों में से किसी अविक दुवारा;
- (क) इस ब्रुपना के राजपण में अध्यक्षन की दार्सीय है 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-सकूष विक्ती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के फरू सिवित में किए था इकोंने।

स्वक्षीकरणः -- इसमें प्रमुक्त कवा बीर पर्यो का, यो जनस विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,। यही अर्थ होगा, यो उस अध्याय में विका नवा है।

नवृस्त्री

फ्लैट नं० 72, जो, सी लार्ड "दी?", कफ परेष्ठ, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है।

श्चन्सूची जैसा कि क सं० श्रई-1/37ईई/7518/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई कारा दिनांक 13-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, **बम्बई**

दिनांक: 12-5-1986

मोहरः

प्ररूप नाइर्. टी ् एन . प्रस_ु-------

1. मैसर्स ग्रन्सा बिल्डर्स।

(प्रस्तरक)

2. श्रीमती रेखावेंन मनुभाई शहा।

(भ्रन्तरिती)

जाबकर अर्थिनियम, 1961 (1961 का 43) करी धारा 269-म के अभीन सुमना भारत बहकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायक्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई, 1986

निसार ग्रहमद,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) **(जिते इत**में इसके परचात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उद्मित बाजार मुख 1,,00,000/- रु. से अभिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 3, जो, बी, विग, तिरूपित श्रपार्टमेंट, 1ली मंजिल, भलाभाई देलाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुमुची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) ग्रौर जिल्हा करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 व ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 3-9-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मृल्य से कम के इष्ट्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरिस की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर कम्पत्ति, विसका स्थित वाकार मुख्य शुरुष, उन्नके कायमान प्रतिकाब से, एसे कायमान प्रतिकाब 🖚 पण्डह प्रतिकत से जभिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और बंतरिती (बंतरितियाँ) ये नीय एवे बंतरल के किए स्व वावा वना प्रतिकत्व विक्निविधित तब्देवेच से अकत सन्वदन निवित में मन्तिमिक कर है काफिक सही किया क्या है।---

- (क) बन्तरण ते हुए किसी बायः की शवकः। उपक नियन के अभीन कर दोने के बंतरफ के वार्वित्व में कमी करने या उत्तर बचने में सविधा के हैंसए। नौर/या
- (स) एेसी किसी जाय या किसी धन वा अच्य आस्तिओं को जिन्ह भारतीय गायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाया किया जाना आहिए था, छिपाने में सविधा के सिएः

अतः अव , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, में, उस्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1)। को अभीन, निम्नलिधित व्यक्तियों, अर्थात :---

को बहु सूचना जार्रों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यमाहियां करता हां।

बक्त सम्बन्धि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हरू

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की कारीब बे 45 विन की अविधि मा तत्सम्बन्धी प्रविक्तयों पर बुबना की शामीब से 30 दिन की वयिष, जो भी अंत्रीभ बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजवत के प्रकाशन की तारी करें 45 दिन को भीतर उम्त तथावर सम्पत्ति में हितववुभ किसी अन्य व्यक्ति बुम्परा नधोहस्ताक्षरी के पास लिबित में किए जा धकोंगे।

स्वकाकरण:---इसमें प्रमुक्त गन्दो और पदों का, को उक्त मीधीनसम्, के मध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यान में दिना गमा है।

वन्स्यी

फ्लैट नं 3, जो, बी, विंग, तिरूपति ग्रपार्टमेंट. 1ली मंजिल, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है। ग्रनुस्ची जैमा कि क सं० ग्रई-1/37ईई/7419/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-9-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद, सक्षम प्राधाकरी, महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), फर्जन रेंज-1, बम्बई

दिन् क 5-5-1986

प्रकार बाह्र । टी. पुर, एस ल्लालनका

जावकार निभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) के समीन स्वाना

भारत बड्रक्टर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई, 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37ईई/7864/85-86---ग्रत: मुझे, निसार ग्र**ह**मद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उन्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 का को बात सक्षम प्राधिकारी को यह विदेवास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिन्नका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या कार्यालय नं 506 जो, 5वीं मंजिल, मेकर चेंम्बर्स-5, प्लाट नं 221, ज्लाक 3, बकबे रेक्लमेणन स्कीम, नरीमन पाइंट. बग्बई-21 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अन्सुची मैं श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधनियम 1961 की धारा 269 क स के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-9-1985

को पूर्वोक्त सम्बन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए जन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूस्थ, उनके दक्षकान प्रतिकल से ऐसे दश्यमान प्रतिकल का कल्क्स प्रतिकल से अभिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिका) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तब पाया का अधिकस निम्तितिका उद्देश्य से उनत अंतरण शिक्षक में बास्तिकक रूप से अधित नहीं किया गया है :—

- र्क्ष्णे करतरण से हुए किया जान की बारतात, उक्क निविध्य के निपीत कर क्षेत्रे के बारतरक के व्यक्तिय में कमी कारने या उत्तवे अपये में सुविधा के सिक्ष्य माहा/बा
- (था) एवी किसी भाग या किसी भाग या बत्त नास्तियों को जिन्हों भारतीय भायकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उत्तत अधिनियम, या भानकार निर्माणकार निर्माणकार निर्माणकार, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ जन्मरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया या सा सिना नामा जाहिए ना, कियाने में सुविधा के सिन्ह;

1. मैसर्स एच० एम० टी० डी० टेंक्सटाइलम प्राइवेट लि०।

(भ्रन्तरक)

2. में सर्स हितेच लबोरेटोरीज प्राइवेट लि॰।

भ्रतरिती)

3. ग्रन्तरकों

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. मैसर्स सुप्रीम प्रिमायसेस।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध हैं)

को कह सुचना धारी करके पृथाँकत संपरित के धर्णन के निक् कार्यवाहियां करता 👫

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजवज में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अवधि या तत्त्वंची व्यक्तियों पर सूचना की ताबीस से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि नह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर माजित में किसी स्वक्ति द्वारा:
- (ख) इस सुमान के राजपात्र मों प्रकाशन की तारील से 45 बिन के भीतर तकत स्थानार संपरित मों हितनस्य किसी अन्य व्यक्तिः द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित मों किए का सक्षीने।

ल्बाडीकरणः--असमें प्रयुक्त शस्त्रां अरि पदी का, जो उन्तर अधिनियमः के बच्चाय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा को उस् बच्चाम में दिवा गंवा हैं।

वमृस्ची

कार्यालय नं० 506, जो, 5 वीं मंजिल, मेवार चेंम्बर्म 5, प्लाट नं० 221, ब्लाबा 3, बरावे रेक्लेमेशन स्कीम, नरीमन पाइंट, बम्बई-21 मैं स्थित है।

श्रमृसूची जैसा कि ऋ सं० श्रई-1/37ईई/7399/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनौंदः 3-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1, बम्बर्श

दिनौंक: **5**-5-1986

प्ररूप आई.टी.एन्.एस.-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

तिर्दोश सं० ग्रई-1/37ईई/7856/85-86:—-ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थार संपत्ति जिसका उचिक वाकार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक हैं।

त्रीर जिमकी संख्या प्लाट नं० 226, जो, ब्लाम-3 बक्ष वे रेक्लेमेजन 46. बजाज भवन, नरीमन पाक्ष्य, बम्बई-21 में स्थित है (और इनसे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है) और जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है. तारीख 3-9-85 को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब पाथा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम् के अधीन कर दोने के अंतरफ के दायित्व मों कभी करने था उससे उक्तने मों स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या दिया जाना चाहिए था, छिपानं में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-५ के अनुसरण भो, भी, उक्त सधिनियम की धारा 269-ए की उण्धारा (1) के अधीन, निम्निस्थित स्यक्तियों, स्वभीत् है—— 1. हुइसन बाय एक्सपोर्ट (प्रा०) लि०।

(अन्तरक)

2. श्री वेंंबटेण स्टील रोलिंग मिल्प (प्रा०) लि०। (अन्तरिती)

3 ग्रन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके श्र**धिभौग** में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके प्रशिक्त सम्पन्ति के अर्थन के लिए जार्यवाहियां करना हो।

उन्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ध---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस अपूर्णना के लाजपण में प्रकासन की सारीश से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावण सम्पत्ति में हिंत-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित भी किए आ सर्वेगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 226, ब्नाह-2, बकवे रेक्लमेशन 46, बजाज भवन नरीमन पाइंट बम्बई-21 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क सं० ग्राई-1/37ईई/7391/85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 3-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद, मक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्र्यान रोंग-1, बस्बई

दिनौंक: **5~5~**1986

प्ररूप जाइ टी एन एस

लाजकर नेरिपनियम. 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जधीन सूचना

TASK SANSON

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बग्बई सम्बई, दिनांक 12 मई, 1986 निर्देशमं० श्रई-1/37ईई/8208/85-86:--श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

गायकर माधितयम, 1961 (1961 का 43) शिवतं इस्यो इसके पश्चात् 'उनत निर्भातनम' नहा गगा हो, की भाय 269-व के निर्भाव क्यान प्रतिकाली के वह विश्वाद काले का भारत हो कि स्थावर क्यांकि, विश्वत्व संचित्त याचार मृत्य 1,00,000/- का के निर्भाक हो

श्रीर जिसकी संख्या पर्लंट नं० बी/3, जो, 2री मंजिल, बिच कैन्डी श्रपार्टमेंटस. बी देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की बारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 20-9-85

ते प्रतिक वानित के विषय नावाद तृत्व वे कान के आवश्यन श्रीवायन के निवाद क्षेत्रिय की वाद है और नृत्री का निवनात भारती का काइण है कि वादानुष्टिक तान्यीय का स्थित गावाद श्रीवायन के काद्यान प्रतिकास के एके कात्राव प्रतिकान का भारत प्रतिकास के निवाद है और मंत्रात्व (बंदारकारें) और मंत्रीदतीं (अन्तरितिकारें) के दीय दोने बन्तरप्य के विश्व तब पावा कर्या श्रीवायन, विन्निविद्या क्युक्तिय है क्या बन्दद्रमा श्रीवादिय वे भारतिकार का से कविद्य कर्यु विकास क्या है है—

- (क) बंधरण से हुए किसी बाद की वायक, क्षत्र क्षिप-विवस के वापीन कर दोने के बंधरक के शांकिल में कमी करने या उसने वापने में स्विधा के स्विध; और/बा.
- (व) ऐती किसी बाव या किसी भन वा बण्ड वास्तिकी की जिन्हों आएडीय बायकर निर्धानिक्य, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विभिन्नक, वा भन-वल अधिनिक्य, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जैतीरती इंबारा प्रकट नहीं किया ववा भा वा किया जाना चाहिए चा, क्रियान के साथ। के सिए।

बत्तः वया, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण हो, ही, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीम, निम्मलिखित व्यक्तिवाँ अर्थात् १.—— 1. डा० नोशिर एच० वाडिया।

(अन्मरक)

2. श्रीमती फेंनी दादी नानावटी।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुनुं।

उक्त सम्बन्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र :--

- (क) इस वृष्या ये अध्यापन में प्रकाशन की घाडीय वे 46 कि की कमीप ता क्ष्यान्त्री व्यक्तियों पर प्रकाश की कमीच वे 30 कि की व्यक्ति, को भी स्थाप नार में क्ष्यान्य होती हो, के बीवह पूर्वेक्त व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति इन्तराः
- (क) इस सूचना के उपलब्ध में अकावत की वारीक के 45 दिन के भीतर उकत स्थानर बज्बत्ति में हितबद्ध किन्द्रि अन्य कर्नुक्त क्वारा, अभाहत्ताक्षरी के पास किन्द्रिक के किन्द्र आ कर्मों के

स्थानकारणः ----इडाने प्रवृक्त पार्थी जीड गडी खा, को जनस सर्विधियम् के मध्याय 20-क में परिशापित ही, बहुई कर्य होगा को जम कथाय में दिया पार्था होता

प्रपृष्ट्यी

फ्लैट नं० बी/3, ओ, 2 री मंजिल, बीच कैन्डी, ग्रापार्टमेंटस, बी देसाई रीड, बम्बई--26 में स्थित है। ग्रानुसुची जैसा कि क मं० ग्राई-1/37ईई/7726/85--86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-9-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 12--5-1986

प्रकल काही, हो, हुन्, हुन्, हुन्,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के क्यीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकर (निरीक्षण) शर्जन रोज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 मई, 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37ईई/8045/85-86:—-म्रनः मृझे, निसार श्रहस σ ,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कला गया हैं), की धारा 269-क के अभीन सक्षण प्राधिकारी की, यह जिस्तास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य रु. 1,00,000/- से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मंख्या फ्लैंट नं 207, तो, 2री मंजिल राजनीलम खा राजाबलीं पटेल रोड. भ्राभाई देसाई, रोड बम्बई-26 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से बिला है) श्रीर जिमका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है, दिनांक 17 सिनम्बर 1985

को पृथंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है और मुझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिपत्ति से ऐसे द्रयमान प्रतिफल के चंद्रह श्रीतशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और बंतरिती (अन्तरितियों) के गीच एसे अन्तरण के लिए तय पाम गय। प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण सिकित में बाक्तीयक रूप से किथत नहीं फिका नक्षा है .——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उनते नियम को अभीन कर दोने को जंतरक को वाशित्य में कभी करने या उसने बचने में संविधा को सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्म आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर गिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अभिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया "" जाहिए था, छिपाने में अविधा की लिख?

काः कवः, उवर १८७६०० ातं वारा 269-ए से अनुसरण मी, उत्तर शीधनियम की भाग 260 क की उपधारा (1) दो सामित नियमितिकतं क्रांभितस्यं, असीतः :—— 14—116 GI/86 1 श्री जेरामदास दुलोमल जशनानी ।

(ग्रन्तरवः)

2. मुरेण हरीला ड्रेंसवाला।

(श्रन्तिरती)

3. ग्रन्सरक

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है।

भौ यह तुमना नारी करके पृथोंकत सम्पत्ति को अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्मति के अर्थन के सम्बन्ध में कोड़' भी वाक्षेप ह----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 36 दिन की अदिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, अ भीतर प्रविकत स्थानत में से किसी व्यक्ति दक्षारा;
- (क) इस स्वना के राजगत्र म त्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निसित में किए जा सकेंगे।

स्वकाकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बौधनियम, के बध्याय 20 क में परिभाषित हैं., वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं?

अनसची

पलैंट नं० 207 जो. 2री मंजिल, राचनीलम डा० राजाबली पटेल रोड, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि क सं० अई-1/37ईई/7572/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांव 17-9 1985 को रजिटडें किया गया है।

> निसार श्रहमद मक्षम प्राधि∗ारी, सहायक साय हर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज–1, बम्बई

दिनांक: 5-5-1986

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

अनुभाग अधिकारी/आशृतिपिक (ग्रंड छ/ग्रंड 1) सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1980

नई दिल्ली, दिनांक 21 जुन 1986

सं. एफ 9/1/86 प.1 (स)—भारत के राजपत्र विनांक 21 जून, 1986 में कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित संवाओं के अनुभाग अधिकारी ग्रंड तथा आश्रालिपिक ग्रंड ।/ग्रंड ख की चयन सूचियों में सम्मिलित करने के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा बम्बई, कलकरता, दिल्ली, गंगटोक, मद्रास और नाग-पुर में 9 दिसम्बर, 1986 से एक सम्मिलित सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा ली आएगी।

आयोग यदि चाहे तो उक्त परीक्षा के उपयुक्ति केन्द्रों तथा तारीक्षों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लिए उनकी पसंद के केन्द्र देने के, सभी प्रयास किए जाएंगे तो भी आयोग परिस्थितिवश किसी उम्मीदवार को अपनी विवक्षा पर अलग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा में प्रवंश दे दिया जाता है उन्हें समय सारिणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दे दी जाएंगी (नीचे अन्बंध 1 परा 7 देखिए)।

श्री. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर जिन सेवाओं में भती की जानी है उनका तथा उन सेवाओं में उपलब्ध रिक्तियों की अनुमानित संख्या का विदरण इस प्रकार है :

वर्ग⊸⊸I

वर्ग-∏

अनुभाग अधिकारी, ग्रेड (भारतीय विवेश सेवा, 'शाखा' ख के सामान्य संवर्ग का समेकित (ग्रेड-II) भीर III)

बर्ग -III 4%

रेलवे बोर्ड सचिवालय क्सेनवा का अनुभाग अधिकारी ग्रेड

वर्ग-IV

केन्द्रीय सचिवालय आगुलिपिक सेवा का प्रेड ख

वर्ग∼V

भारतीय विदेश सेना, शास्त्रा 'ख' के आमुलिपिक संवर्ग का ग्रेड- $oldsymbol{I}_i^3$

ग्रेड-VI

सम्रास्त्र सेना मुख्यालय आण्णिपिक सेवा 3(1 पद अनुमूचिन जाति के लिए का ग्रेड ख वर्ग) आर्थिन)

वर्ग-VII

रेतने बोर्ड सचिवालय आण्णिपिक सेवा का ग्रेड 'र्च

ग्रेड-VIII

श्रासूचना ब्यूरो का शनुभाग र्याधकारी 6(1 पद श्रनुसूचिन जनजाति के ग्रेड लिए श्रारक्षत)

% प्रनुसूर्णित जातियों/प्रनुसूर्णित जनजातियों की रिक्ष्तियों के संबंध में सरकार ने सूर्णित नहीं किया।

उपर्युक्त संस्थाओं में परिवर्तन किया जा सकता है। "रिक्तियां सरकार दुवारा सचित नहीं की गर्दा।

3. जो उम्मीदार उक्त सेवाओं (द्रष्टव्य नियम 3) के दौ वर्गों के लिए पाप है और दोनों के लिए प्रतियोगिता में भाग लेना चाहते हैं; वह केयल एक ही आवेदन-पत्र भेजें उसे नीचे पैरा 6 में उल्लिप्ति घल्क एक बार ही बना होगा सथा आवेदन किए गए प्रत्येक वर्ग के लिए पृथक गुल्क देने की आवश्यकता नहीं है।

विक्षेष ध्यामः — उमीदवार को अपने आवेदन-पत्रों में उस वर्ग अन वर्गों का स्पष्ट उल्लेख करना चाहिए जिनके लिए वे प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं। दो त्यों के लिए प्रतियोगिता में भाग लेने वाले उम्मीदिवारों को अपने आवेदन-पत्र में वरीयता कम से दोनों वर्गों का उल्लेख करना चाहिए। दो वर्गों के लिए प्रतियोगिता में भाग लेने वाले उम्मीदिवार को अपने आवेदन-पत्र में उल्लि-स्ति मृततः वर्गों के वरीयता कम में परि-वर्जन करने के अनूरोध पर तब सेक विचार महीं फिया जाएगा, जब तक कि इस आशय का अनुरोध संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में लिखत परिक्षा के परिणाम रोजगार समाचार में प्रकाशित होने के 30 विनों के भीतर प्राप्त नहीं हो जाता।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सिचव, संघ लोक सेवा आयोग, धीलपूर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्शारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण विवरण दो रुपए वेकर आयोग से खक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सिचव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपूर हाउस, नई दिल्ली-11001† को मनीआई र द्वारा या सिचय, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर येग रेखें कित भारतीय पोस्टल आई र द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआई र/पोस्टल आई र के स्थान पर चैक या करेसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन प्रपत्र आयोग के काउण्टर पर नकद भगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। वो रुपए की यह राघि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

टिप्पणी:—-उम्मीदवारों को चेतावनी वी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र अनुभाग अधिकारी/आश्विलिपिक (ग्रेड ल/ग्रेड) सीमित विभागीय परीक्षा, 1986 के लिए निर्धारित मृद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तूत करें। अनुभाग अधिकारी/आश्विलिपिक (ग्रेड ख/ग्रेड ।) सीमित विभागीय परीक्षा 1986 के लिए, निर्धारित आवेदन प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर प्रस्तूत आवेदन प्रपत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. शरा हाआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सिचय, संघ लोक सेवा नायोग, धीलपुर हाउस, नर्क दिल्ली-110011 को 18 अगस्ता, 1986 (18 अगस्ता, 1986 से पहले ही किसी नारील से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणि-

पूर, नागालैण्ड, त्रिप्रा, सिक्किम, जम्म और कश्मीर राज्य के लद्वाल प्रभाग हिमाचल प्रदेश का लाहाँल और रपीति जिले और चंबा जिले के पांगी उपमंडल, अंडमान और निक्रोबार द्वीप समृह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदनारों के और जिनके आवेदन-पत्र उपर्यूक्त में से किसी एक क्षेत्र से डाक द्वारा प्राप्त होते हैं उनके मामले में 1 सितम्बर, 1986 तक या उससे पहले डाक द्वारा अवश्य भिजवा दिया जाए या स्वयं आयोग के काउण्टर पर आकर जमा कर दिया जाए। निर्धारित तारील के बाव प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विश्वार नहीं किया जाएगा।

मसम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपूर, नागालण्ड, त्रिपूरा, सिविकस, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश का लाहाल और स्पीति जिला सथा चंबा जिले के पांगी उपमंडल अंडमान और निकोबार द्वीप-समूह या लक्षव्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यदि चाहों सो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुस करने के लिए कह सकता है कि वह 18 अगस्त, 1986 से पहले की किसी तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मिणपूर, नागालण्ड, त्रिप्रा, सिविकम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्वाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश का लाहाल और स्पीति जिला तथा चंबा जिले के पांगी उपमंडल अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप या विदेशों में रह रहा था।

टिप्पणी:—जो उम्मीववार एसे क्षेत्रों के हैं जहां के रहने वाले आवंदन की प्रस्तृति होत् अतिरिक्त समय के हकदार है उन्हें आवंदन-पत्र के संगत कालम में अपने पत्रों में अतिरिक्त समय के हकदार, इलाके या क्षेत्र का नाम अर्थात् असम, मेघालय, जम्म् तथा कदमीर राज्य का लब्दाख प्रभाग आदि स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए अन्यथा हो सकता है कि उन्हें अतिरिक्त समय का लाभ न मिले।

6. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीववारों को भरें हुए आबंदन-पत्र के साथ आयोग को रु. 28.00 (अट्ठाई स रुपये) का शुल्क भेजना होगा जो कि सचिव, संघ लाक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर दोय या रखा कित भारतीय पोस्टल आर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली स्थित स्टेट बैंक आफ इण्डिया की मूख्य शाखा पर दोय स्टेट बैंक आफ इण्डिया की किसी भी शाखा से जारी किए गए रोखांकित बैंक बापट के रूप में हों।

अनुसूचित जातियाँ/अनुसूचित जनजातियाँ कं उम्मीदवारों को को की के जुल्क नहीं दोना है।

विद्येश में रहने वाले उम्मीववार को निर्धारित शूल्क भारत के उच्च आयुक्त राजदूत या विद्येश स्थित प्रतिनिधिः जैसी भी स्थिति हो के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह "051——लोक सेवा आयोग परीक्षा शुल्क" के लेखा शीर्ष में जमा हो जाए आवेदन-पत्र के साथ उसकी रसीद लगाकर भेजनी चाहिए।

जिन आयोदन-पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एक-दम अस्वीकार कर विया जाएगा।

7. यवि कोई उम्मीदवार अन्भाग अधिकारी/आश्निपिक (ग्रेड ख/ग्रेड ।) सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1985 में बैठा हो और इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन करना चाहता हो उसे 1985 की परीक्षा के परिणामों की प्रतीक्षा किए बिना ही अपना आवेदन-पत्र अवश्य भेज बना चाहिए, तािक वह निर्भारित तारील तक आयोग के कार्यालय में पहुंच जाए, यवि 1985 में ली गई परीक्षा के परिणाम के आधार पर उसका नाम

चयन सूची में सम्मिलित करने होते अन्शंसित कर दिया जाता है तो उसके अनुरोध पर इस परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उसको शूल्क लीटा दिया जाएगा बशर्त कि उम्मीदवारी रद्द कराने और शूल्क को वापस करने का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 1985 की परीक्षा के अंतिम परिणामों के ''रोजगार समाचार'' में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के अंदर प्रस्तुत कर दिया जाए।

8. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शूल्क का भूगतान कर दिया हो किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो तो उसे रु. 15.00 (पंक्रह रुपये)की राशि वापिस कर दी जाएगी।

उपर्युक्त तथा पैरा 7 में उपबंधित व्यवस्था को छाड़कर अन्य किसी भी सिथित में आयोग को भूगतान किए गए शुल्क को वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क की किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरिक्षित रखा जा सकेगा।

- 9. उम्मीदवार को अपना आबेदन-पत्र प्रस्त्त कर देने के बाद उम्मीदवारी वापस लेने से सम्बद्ध उसके किसी भी अन्रोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।
- 10. नियमावली के परिशिष्ट । में उल्लिखित परीक्षा की योजना में वताए गए सामान्य अध्ययन के प्रश्न-पत्र में वस्तूपरक प्रकार के प्रश्न होंगे। वस्तूपरक परीक्षण के विवरण और नमून के प्रश्नों के लिए अनुबन्ध ।। पर उम्मीदवारों के सूचनार्थ विव-रिणका का सन्दर्भ दिया जाए।

मां. बालाकृष्णन, उप सचिव, संघ लोक सेवा आयोग

अनुबन्ध----।

उम्मीदवारों को अनुब्रेश

1. उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपन्न भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़कर यह देख तें कि वे परीक्षा में बैंटने के पात्र भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं वी जा सकती है।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नीटिस के पैरा । में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक हो, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से सम्बद्ध अनुरोध को सामान्यतया स्वीकार नहीं किया जाएगा किन्तु यिव कोई उम्मीदवार अपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परिक्षा होतू अपने आवेदन में निर्दिष्ट किया था तो उसे सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को इस बात का पूरा औचित्य बताते हुए एक पत्र रिजस्टर्ड डाक से अवश्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। एसे अनुरोधों पर गुणवत्ता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्तू 10 नवम्बर, 1986 के बाद प्राप्त अनुबन्धों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवारों को आवेदन-प्रपत्र तथा पायती कार्ड अपने हाथ से स्याही से या बाल पाइन्ट पेन से ही भरने चाहिए। अध्रा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र अस्वीकार कर दिया जाएगा। उम्मीदवार यह ध्यान रखे कि आवेदन-पत्रों को भरते समय भारतीय अंकों के अंतर्राष्ट्रीय रूप का ही प्रयोग किया जाना है। वे इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आवेदन-पत्र में की गई प्रविष्टियां स्पष्ट और सुपाठ्य हों। यदि प्रविष्टियां अपाठ्य या भूमक होंगी तो उनके निर्याचन में हाने वाले भूम तथा संविग्धता के लिए उम्मीदवार उत्तरदायी होंगे।

उम्मीदवारों को ध्यान रसना चाहिए कि आयोग व्वारा आवे-दन-पत्र में उनके द्वारा की गई प्रिचिष्टियों को बदलने के लिए कोई पत्र आदि स्वीकार नहीं किया जाएगा। चूंकि आवेदन-पत्रों को संगणक प्रणाली द्वारा संसाधित किया जाता है, इस-लिए उन्हें आवेदन-पत्र सही रूप सें भरने के लिए विशेष साव-धानी बरतनी चाहिए।

उम्मीदबार को अपना आबंदन-पत्र संबद्ध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत ही भेजना चाहिए जो संगत प्रिक्षिटियों का सत्यापन करके आवंदन-पत्र के अंत में दिए गए पृष्ठांकन को भर कर आयोग को भेज देगा।

- 3. उम्मीदवार को अपने आवंदन-पत्र के साथ निम्नलिस्तित प्रमाण-पत्र अवस्य भेजने चाहिए :—
 - (1) निर्धारित शुल्क के लिये रेखांकित किये हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट या भारतीय मिशन की रसीद (देखिए नोटिस का पैरा 6)।
 - (2) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 से. मी. × 7 सें. मी.) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां जोंकि एक आवेदन पत्र पर और दूसरी उपस्थित पत्रक में निर्धारित स्थल पर चिपकाई गई हो।
 - (3) लगभग 11.5 से. मी. ×27.5 से. मी. आकार कें बिना टिकट लगे हुए दो लिफाफे जिन पर आपका पता लिखा हो।
 - (4) विधिवत भरा ह्या उपस्थिति पत्रक (आबंदन-पत्र के साथ संलग्न)।

मद (1) और (2) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे वियो गए हैं।

(।) (क) निर्धारित शूल्क के लिये रेखांकित किये हुए भारतीय पोस्टल आर्डर:——

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः रोसांकित किया जाए, उस पर ''सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय'', लिसा जाना चाहिए।

किसी अन्य डाकघर पर दोय पोस्टल आर्डार किसी भी स्थिति मों स्वीकार नहीं किये जायोंगे। विरूपिस या कटो-फटो पोस्टल आर्डार भी स्वीकार नहीं किये जायोंगे।

सभी पोस्टल आर्डारों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मूहर होनी ख़ाहिए।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किये गये हों और न ही सचिव संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के जनरल डाकघर पर दोय किये गये हों, उन्हों भेजना सुरक्षित नहीं हैं।

निर्धारित शुल्क के लिये रेखांकित बैंक ज़फ्ट

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक आफ इण्डिया की किसी शाखा से लिया जाना चाहिए और सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इण्डिया की मूख्य शाखा, नई दिल्ली में देय शोना चाहिए तथा विधिवत रेखांकिस होना चाहिए।

किसी अन्य बैंक के नाम से दोय किये गये बैंक उपपट किसी भी हालता में स्वीकार नहीं किये जायेंगे। विरूपित या कटे-फटे अपपट भी स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

- टिपण्णी:--- (1) उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्र प्रस्तृत करते समय बैंक ड्राफ्ट की पिछली ओर उत्पर के सिर पर अपना नाम तथा पता लिखना चाहिए। पोस्टल आर्ड रों के मामले में उम्मीदवार पोस्टल आर्ड र के पिछले और इस प्रयोजन के लिए निर्धारिक्ष स्थान पर अपना नाम तथा पता लिखें।
 - (2) जो उम्मीदबार आबंदन-पर्श भेजते समय विषये में रह रहें हों, वे निर्धारित शुल्क की राशि रु. 28.00 (अट्अइस रुपए) के बराजर यथास्थित उस देश में स्थित भारत के उच्च आय्क्त, राजदूत या प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करवायों और उनसे कहा जाए कि वे उस राशि को लेखा शीर्ष ''051—लोक सेवा आयोग परीक्षा शुल्क'' में जमा कर वें। उम्मीदवार उस कार्यालय से रसीद लेकर आवंदन-पत्र के साथ भेजें।
- (2) फाटो की बा प्रतियां—- उम्मीदवार का अपने हाल ही के पासपार्ट आकार (लगभग 5 से. मी. × 7 से. मी.) के फाटो की एक जैसी दो प्रतियां अवश्य भेजनी चाहिए । इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्रक पर निर्विष्ट स्थान में चिपका देना चाहिए। फाटो की प्रत्येक प्रति के उत्पर उम्मीदवार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

विशेष ध्यान:— उम्मीदियारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि
आवंदन पत्र के साथ उत्पर पैरा 3 (1) और (2)
में उल्लिसित प्रलेख संलग्न न होंगे तो आवंदन
पत्र अस्वीकार कर दिया जाएगा और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सनी जाएगी।

4. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि आबंदन-पत्र भरते समय कोई भूठा ब्यौरा न दें अथवा किसी महत्वपूर्ण सूचना को न छिपाएं।

उम्मीदवारों को चंतावनी वी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय प्रस्तुत कियां किसी पलेख अथवा उसकी प्रति की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करों न उसमें परि-वर्तन करों और न कोई फेर-बदल करों और न ही फेर-बदल किये गये भूठे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करों। यदि एसे वो या अधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई अशृद्धि अथवा विसंगत्ति हो तो विसंगति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

5. आवेदन-पन दार में प्रस्तुत किये जाने पर दारी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-प्रपत्र को अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-प्रपत्र का भेजा जाना

ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

6. आयोग के कार्यालय में विलम्ब से प्राप्त सहित प्रत्येक आबोदन-पत्र की पावती दी जाती है तथा आबेदन-पत्र की प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार की आवेदन पंजीकरण संस्था जारी कर दी जाती है। यदि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के आबेदन-पत्र प्राप्त करने के लिये निर्धारित अन्तिम तारीस से एक मास के अन्दर पावती नहीं मिलती है तो उसे तत्काल आयोग से पावती देय सम्पर्क करना चाहिए।

इस तथ्य का कि उम्मीदवार को आवंदन पंजीकरण संख्या आरी कर वौ गई ही अपने आप यह अर्थ नहीं ही कि आवंदन-पत्र सभी प्रकार पूर्ण ही आर आयोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

- 7. इस परीक्षा में प्रवेश चाहन वाले प्रत्येक उम्मीववार को उसके आवंदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीष है दी आएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीद-वार को अपने आवंदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने एसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित रह जायेगा।
- 8. संघ लोक सेवा आयोग ने "संघ लोक सेवा आयोग की कस्तुपरक परीक्षाओं होतु उम्मीदवार विवरणिका" शीर्षक से एक समूल्य पुस्तिका छापी है। इस प्रकाशन का उद्देष्य यह है जिससे संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं या चयनों के भावी उम्मीदवारों को सहायता मिल सके।

यह पुस्तिका और पिछली पांच पूर्ीकाओं की नियमावली तथा परम्परागत प्रश्न-पंभी का उल्लेख करेने वाले पेम्पलंटों की प्रतियां प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दंहली-110054 के पास बिकी के लिए सूलभ हूँ और इन्हें उनसे सीधे मेल आर्डर द्वारा या नक्स भूगतान पर प्राप्त किया जा सकता है। इन्हें केवल नक्स भूगतान पर (1) किताब महल, रिवाली निनेमा के सामने, इम्पो-रिया बिल्डिंग ''सी'' ब्लाक, बाबा बड़्ग सिंह मार्ग, नई विस्ली 110001 और (2) उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011 स्थित प्रकाशन शासा का बिकी काउण्टर और (3) गवर्नमें ट आफ इण्डिया मुक्त डिपो, 8-क. एस. राय राड, कलकत्ता-700001 स भी लिया पा सकता है। मैनुअल/पैस्कलैट भारत सरकार के प्रकाशनों के विभिन्न मुफरिसल शहरों में स्थित एजेन्टों से भी उपलब्ध हैं।

- 9. परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए उम्मीदवारों को संभ् लोक सेवा आयोग से कोई यात्रा भक्ता नहीं मिलेगा।
- 10 जावेदन-प्रपत्र से संबद्ध पत्र-व्यवहार: आवेदन-पत्र से संबद्ध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपूर हाउस, नई विल्ली-110011 को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा ब्यारा अनिवार्य रूप से दिया जाए:
 - (1) परीक्षाका नाम
 - (2) परीक्षा का महीना और वर्ष
 - (3) उम्मीधनार की आवेदन पंजीकरण संख्या/अनुक्रमांक अथवा जन्म तिथि यदि आवेदम पंजीकरण संख्या/ अनुक्रमांक सूचित नहीं किया गया है।
 - (4) उम्मीदबार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)

(5) आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता।

निकोष भ्यान :--(1) जिन पत्रों आदि में यह स्यौरा नहीं होगा संभवतः उन पर ध्यान नहीं विया जाएगा।

विशेष ध्यान :---(2) परीक्षा समाप्त होने के बाद यदि उम्मीद-वार से कोई पत्र/सूचना प्राप्त होती हैं और उनमें उसका पूरा नाम अनुक्रमांक नहीं लिखा है तो उस पर ध्यान नहीं दिया जाएगा और कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

11. पते में परिवर्तन :— उम्मीदवार को इस बात की व्यव-स्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करे। पत्र में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्यक्त परा 10 में उल्लिखित व्यौरे के साथ यथाशीष दी जानी चाहिए यद्यपि आयोग एसे परिवर्तनों पर ध्यान दोने का पूरा-पूरा यत्न करता है फिर भी इस विषय में यह जिम्मेदारी सीवीकार नहीं कर सकता।

अनुबंध II उम्मीदवार को सूचनार्थ विवरणिका

(क) वस्तुपरक परीक्षण :

जापकी परीक्षा में सामान्य अध्ययन का प्रश्न पत्र ''वस्तूपरक परीक्षण'' प्रकार का होगा। इस प्रकार की परीक्षा (परौक्षण) में आपको उत्तर तिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको आगे प्रश्नांख कहा जाएगा) के लिए कई सूकाए गए उत्तर (जिसको आगे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) विए जाते हैं। उसमें से प्रत्येक प्रश्नांख के लिए आपको एक उत्तर चून लेना है।

इस विवरणिका का उद्दोश्य आपको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी दोना ही जिससे कि परीक्षा के खब्ज से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

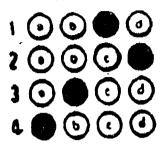
(स) परीक्षण कास्यरूपः

प्रका पत्र "प्रका पुस्तिका" के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में कम संख्या 1, 2, 3 आदि के कम से प्रकाश होंगे। इस प्रकाश के नीचे ए. बी. सी. डी. चिन्हों के साथ सुकाए गए प्रत्युत्तर सिंखे होंगे। आपका काम एक सही या यदि आपको एक से अधिक प्रत्युत्तर सही लगें तो उनमें से सर्वोत्तम उस्तर का चुनाव करना होगा। (अंत में दिए गए नमूने के प्रकाश देखे लों)। किसी भी स्थिति में प्रत्येक प्रकाश के लिए आपको एक सही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक प्रका चून लेते तो आपका प्रत्युत्तर गलत माना जाएगा।

(ग) उत्तर दोने की विधि :

परीक्षा भवन में आपको अलग एक उत्तर पत्रक (जिसकी नमूने की प्रति आपको प्रवेश प्रमाण पत्र के माथ दी जाएगी) दिया जाएगा। आपको अपने प्रत्युत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। प्रदन पूस्तिका में या उत्तर पत्रक को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर नहीं आंचे आएंगे।

उत्तर पत्रक में प्रश्नोंकों की संख्याएं 1 से 160 तक भार खंडों में कापी गई हैं। अत्येक प्रश्नोंकों के सामने, एुनी, बी. डी. चिन्ह वाले बृनाकार स्थान छपे होते हैं। प्रश्न पूस्तिका के प्रस्थेक प्रश्नांश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद िक कानसा प्रत्यूत्तर सही या सर्वेत्तम है आपको इस प्रत्यूत्तर के अक्षर वाले वृत्त में पेंसिल से पूरी सरह काला कर उसे अंकित कर बेना है, जैसा कि (आपका उत्तर दर्शाने के लिए) नीचे दिसाया गया है। उत्तर-पत्रक के बृत्त को काला बनाने के लिए स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।



यह जरूरी है कि:---

- प्रश्नींशों के उत्तरों के लिए केवल अच्छी किस्स की एच.
 (पे सिल) ही लाएं और उन्हीं का प्रयोग करें।
- 2. गलत निशान को बदलने के लिए उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर पर निशान लगा दें। इसके लिए आप अपने साथ एक रबड़ भी लाए।
- 3. उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई एेसी असाव-धानी न हो जिससे यह फट जाए या उसमें मोड़ व सिलवट आदि पड़ जाए या वह सराब हो जाए।

(घ) कुछ महत्वपूर्ण विनियम :

- आपको परीक्षा आरम्भ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा।
- 2. परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी भी परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा ।
- 3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिन्ट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।
- 4. परीक्षा समाप्त होने के बाव, प्रश्न पुस्तिका और उत्तर-पत्रकनिरीक्षक/पर्यवेक्षक को सींप वे। आपको प्रश्न पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमित नहीं है। इस नियम का उल्लंघन करने पर वण्ड दिया जाएगा।
- 5. परीक्षा भवन में आपको उत्तर-पत्रक पर क्रूछ ब्यौर भरने होंगे। आपको उत्तर-पत्रक पर क्रूछ ब्यौरों को क्रूट बब्ध भी करना होगा। इससे संबद्ध अनुदेश आपको प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ भंज विए जाएंगे।
- 6. प्रका-प्रसिक्ता में दिए गए सभी अनुद्देश आपको साव-धानी से पढ़ने हैं। इन अनुद्देशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नंबर कम हो सकते हैं। अगर उत्तर-पत्रक पर कोई प्रविष्टि संविग्ध हैं, तो उस प्रक्तांश के प्रत्यूत्तर के लिए आपको कोई नंबर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षण के अनुद्देशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षण किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरम्भ या समाप्त करने को कहे तो उसके अनुद्देशों का संस्काल पालन करें।
- आप अपने प्रवेश प्रमाण-पत्र साथ लाएं, आपको अपने साथ एक एच बी. पेंसिल, एक रबड़, पेंसिल शार्पनर और

नीली या काली स्याही बाली कलम भी लानी होगी। आपको सलाह दी जाती है कि आप अपने साथ एक-एक क्लिप बोर्ड या हार्ड बोर्ड या कार्ड बोर्ड भी लाए जिस पर कुछ लिखा न हो। आपको परीक्षा भवन में कोर्ड खाली कागज या कागज का टुकड़ा या पैमाना या आरखण/उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। मांगने पर कच्चे काम के लिए आपको एक अलग कागज दिया जाएगा। आप कच्चा काम शुरू करने से पहले उस पर परीक्षा का नाम, अंपना रोल नंबर, और परीक्षण की तारीख लिखें और परीक्षा समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यविक्षक को वापस कर दी।

(ङ) विज्ञेष अनुवोध

परीक्षा भवन में आपके अपने स्थान पर बैठ जाने के बाद निरीक्षक आपको उत्तर पत्रक बंगे। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूचना अपनी कलम से भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको प्रश्न प्रितका वंगे। प्रश्न प्रितका मिलने पर आप यह अवश्य दोखं लें कि उस पर प्रितका की संख्या लिखी हुई है अन्यथा, उसे बदलवा लें। अपनी प्रितका को खोलने से पहले उसके प्रथम पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक लिख दें। आपको प्रश्न प्रितका तब तक खोलने की अनुमति नहीं है जब तक पर्यविक्षक एसा करने के लिए न कही।

(च) कुछ उपयोगी सुभाव

यसिप इस परीक्षण का उद्बदेश आपकी गति की अपेक्षा शृब्धता को जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का यथासंभव दक्षता से उपयोग करें। संत्लन के साथ आप जिहनी जल्दी काम कर सकते हैं, करें पर लापरवाही न हो। आप सभी प्रदनों का उत्तर नहीं दे पाते हों तो चिन्ता न करें। आपको जो प्रदन अत्यंत कठिन मालूम पड़ें उन पर आप समय व्यर्थ न करें। बूसरे प्रदनों की ओर बढ़ें और उन कठिन प्रदनों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रकाशों के अंक सम्ब्र्ज होंगे। उन सभी के उत्तर वै। आपके द्वारा अंकित सही प्रत्यूत्तरों की संख्या के आधार पर ही आपको अंक दिए जाएंगे। गलत उत्तरों के लिए अंक नहीं काटे जाएंगे।

(छ) परीक्षण का समापन

जैसे ही पर्यवेक्षक लिखना बंद करने का कहें, आप लिखना बंद कर दें। आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक आपके पास आकर आपसे सभी आवश्यक वस्तुएं ले जायें और आपको हाल छोड़ने की अनुमति दें। आपको प्रश्न पुस्तिका और उत्तर-पत्रक तथा कच्चे कार्य का कागज परीक्षा भवन से बाहर लंजाने की अनुमित नहीं हैं।

नमूने के प्रश्नांश (प्रश्न)

ंटिप्पणी—–*सही∕सर्वोत्तम उत्तर-विकल्प को निर्विष्ट करता *)

1. सामान्य अध्ययन

बहुत उनं चार्ष पर पर्वतारों हिया के नाक तथा कान से निम्न-लिखित में से किस कारण से रक्तस्त्राव होता है?

- (क) रक्त का दाब वायुमण्डल के दाब से कम होता है।
- *(स) रक्त कादाब यायुमण्डल कोदाब से अधिक होता है।
- (ग) रक्त वाहिकाओं की अंदरूनी तथा बाहरी घिराओं पर दाब समान होता है।
- (घ) रक्त का बाब बायुमण्डल के दाब के अनुरूप घटता बढ़ता **ह**ै।

2. (English)

(Vocabulary-Synonyms)

There was a record turnout of voters at all municipal elections

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- *(d) largest so far

3. (कृषि)

अरहर में, फूलों का भड़ना निम्नलिखत में से किस एक उपाय से कम किया जा सकता है?

- *(क) वृत्रिध नियंत्रक द्वारा छिड़काव।
 - (क) दूर-दूर पौधे लगाना।
- (ग) सही ऋतु में पौधे लगाना।
- (प) थोड़े-थोड़े फासले पर पौधे लगाना।

4. (रसायन विज्ञान)

- (a) VO₃
- (b) VO₄
- (c) V₂O₃
- *(d) V₂O₅

*(अर्थशास्त्र)

थम का एकाधिकारी शाषण निम्निसिखत में से किस स्थिति में होता है?

- *(क) सीमान्त राजस्य उत्पाद से मजदूरी कम हो।
 - (ख) मजदूरी तथा सीमान्त राजस्व उत्पादन दोनों बराबर हों।
 - (ग) मजदूरी सीमान्त राजस्व उत्पाद से अधिक हो।
 - (घ) मजदूरी सीमान्त भौतिक उत्पाद के बराबर हो।

6. (वैद्युत इंजीनियरी)

एक समाक्ष रोखा को अपेक्षित परावैद्युतांक 9 के पैराजुत से समपूरित किया गया है। यदि सी मुक्त अंतराल में संखरण वेग दर्शाता है तो लाइन में संखरण का बेग क्या होगा?

- (a) 3C
- (b) C
- *(c) C/3
- (d) C/9

7. (भू-विज्ञान)

घेयाल्ट में प्लेजिजाक्लेज क्या होता है?

- (क) अप्तिगोक्लेज
- *^{/ख}) ल**ैदोडोराइ**ट
 - (ग) एल्बाइट
 - (घ) एनाथाइट

8. गणित

मृत बिन्दू में गुजरने बाला ग्रीर $\dfrac{d^2y}{dx^2} - \dfrac{dy}{dx} = 0$ समीकरण

को संगत रखने बाला यक-परिवार निम्नलिखित में से किस से निर्दिष्ट हैं?

- (π) y=ax+b
- (च) y≔ax
- (1) $y = aex + be^{-x}$
- *(♥) y=acx-a

9 (भौतिकी)

एक आदर्श उज्या इंजन 400° के और 300° के तापक्रम के नध्य कार्य करता है। इसकी क्षमता निम्निसिस्त में से क्या होगी?

- (年) 3/4
- *(可) (4~3)/4
 - $(\pi) \frac{4}{(3+4)}$
- (F) 3/(3+4)

10 (सांस्थिकी)

यदि द्विपद विचार का माध्य 5 है तो इसका प्रसरण निम्नि लिखित में क्या होगा?

- (略) 4²
- * (ख) 3
- (ग) ∝
- (甲) ---5

11. (भूगोल)

बर्मा के विक्षणी भाग की अत्यधिक समृिष्ध का कारण निम्न-लिखित में क्या है?

- (क) यहां पर खनिज साधनों का विपुल भंडार है।
- *(स) वर्माकी अधिकांश नदियों का डोल्टाई भाग है।
- (ग) यहां श्रेष्ठ वन संपदा है।
- (घ) देश के अधिकांश तेल क्षेत्र इसी भाग में है।

12 (भारतीय इतिहास)

बाह्मणवाद के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से क्या सत्य नहीं है?

- (क) बांद्ध धर्म के उत्कर्ष काल में भी बाह्मणवाद के अनुयायियों की संख्या बहुत अधिक थी।
- (ल) बाह्मणवाव बहुत अधिक कर्मकांड और आडम्बर से पूर्ण धर्म था।
- *(ग) बाह्मणवाद के अभ्युद्धय के साथ, बलि सम्बन्धी यज्ञ कर्म का महत्व कम हो गया।
- (ध) व्यक्ति के जीवन-विकास की विभिन्न दशाओं को प्रकट करने के लिए धार्मिक संस्कार निधिरित धे।

13 (दर्शन)

निम्नलिखित में से निरीय्वरवादी दर्शन-समूह कान-सा है?

- (क) बौद्ध, न्याय, चार्वाक, मीमांसा
- (स) न्याय, वैशेषिक, जैन, और बौद्ध, चार्वाक
- (ग) अद्वैत , वैदांत , सांख्य चार्वाक योग
- *(घ) बोद्ध, सांख्य मीमांसा, चार्वाक

14 - (राजनीति विज्ञान)

वृत्तिवत प्रतिनिधान का अर्थ निम्निलिखित में से क्या है?

- *(क) व्यवसाय के आधार पर विधानमण्डल में प्रतिनिधियों का निवचित।
- (स) िकसी समूह या किसी व्यावसायिक सम्दाय के पक्ष का समर्थन।
- (ग) किसी राजगार सम्बन्धी संगठन में प्रतिनिधियों का चुनाव।
- (घ) श्रीमक संघा व्यारा अप्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व।

15. (मनाँविज्ञान)

लक्ष्य की प्राप्ति निम्नलिखित में किस क्ये निर्वेशित करती है?

- (क) लक्ष्य संबंधी आवश्यकता में मृद्धि
- *(ख) भावात्मक अवस्था में न्युनता
 - (ग) व्यावहारिक अधिगम
- (।।) पक्षपातुपूर्ण अधिगम
- 16. (समाज शास्त्र)

भारत में पंचायती राज संस्थाओं की उपलब्धि निम्न में से कान-सी है?

- *(क) ग्राम संरकार में महिलाओं तथा कमजौर वर्गी को ओपवारिक प्रतिनिधित्व प्राप्त हुआ है।
 - (ख) छाबाछात कम हुई है।
- (ग) विचित वर्गी के लोगों को भूस्वामित्व का लाभ मिला है।
- (घ) जन साधारण में शिक्षा का प्रसार हुआ है।

टिप्पणी :— उम्मीदवारों को यह ध्यान रखना चाहिए कि उपयुंक्त नमूने के प्रश्नोश (प्रश्न) केवल उदाहरण के लिए दिए गए हैं और यह जरूरी नहीं हैं कि ये इस परीक्षा की पाठ्यचर्या के अनुसार हो।

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 26th May 1986

No. F. 6/37/57-SCA(1),—Shri Anand Mohan Srivastava, Court Master, having expired on February 22, 1986, his services in this Registry came to an end with effect from the afternoon of February 22, 1986.

> SHARDA LOWE Assistant Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110 011, the 1st April 1986

No. A.32014/1/86-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri Sudesh Kumar a regular Section Officer of the CSS Cadre of the UPSC to officiate as Desk Officer on ad-hoc basis w.e.f. 24-3-86 to 30-4-86 or until further orders, whichever is earlier.

2. He shall draw a special pay @ Rs. 75/- p.m. in terms of Deptt. of Personnel and ARs O.M. No. 12/1/74-CS(I) dated 11-12-75.

M. P. JAIN Under Secy. (Per. Admn.) Union Public Service Commission

ENFORCEMENT DIRECTORATE FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Delhi-110003, the 23rd April 1986

No. A-11/3/86.—Shri V. S. Thiageswaran, Enforcement Officer in this Directorate is hereby appointed to officiate as Chief Enforcement Officer in Madras Zonal Office of this Directorate with effect from 13-1-1986 (forenoon) and until further orders.

No. A-11/4/86.—Shri S. Ramaswamy, Assistant Enforcement Officer in this Directorate is hereby appointed to officiate as Enforcement Officer in Madras Zonal Office of this Directorate with effect from 10-2-1986 (forenoon) and until further orders.

No. A-11/5/86.—Shri K. Mani, Assistant Enforcement Officer in this Directorate is hereby appointed to officiate as Enforcement Officer in Madras Zonal Office of this Directorate with effect from 22-1-1986 (forenoon) and until further orders.

No. A-11/15/83.—Shri D. Natrajan, Assistant Enforcement Officer in this Directorate is hereby appointed to officiate as Enforcement Officer in Madras Zonal Office of this Directorate with effect from 20-1-86 (forenoon) and until further orders.

A. K. ROY for Dy. Director (Admn.)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-3, the 27th May 1986

No. J-53/67-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri Jawahar Lal, Senior Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation as Deputy Legal Adviser in C.B.I. with effect from the afternoon of 8-5-86 until further orders.

D. P. BHALLA Administrative Officer (E) CBI

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110 003, the 24th May 1986

No. O.II.2202/86-Estt.I.—The President is pleased to appoint Dr. (Mrs) Madhumita Mishra Pathak as General Duty Officer, Grade-II (Deputy Superitendent of Police/Coy Comdr.) in the Central Reserve Police Force, in a temporary capacity with effect from the afternoon of 30th April, 1986 till further orders.

The 28th May 1986

No. O.II.2201/86-Estt.I—The President is pleased to appoint Dr. Umapati Dwivedi as General Duty Officer, Grade-II (Deputy Superintendent of Police/Coy. Commander) in the CRPF in temporary capacity with effect from the forenoon of 1st May, 1986 till further orders.

No. O.II.2207/86-Estt.I.—The President is pleased to appoint Dr. Yogendra Singh as General Duty Officer, Grade-II (Deputy Superintendent of Police/Coy Commander) in the CRPF in temporary capacity with effect from the forenoon of 13th May, 1986 till further orders.

No. O.II.2208/86-Estt.L.—The President is pleased to appoint Dr. Binoy Kumar Singh as General Duty Officer, Gr.-II (Deputy Superintendent of Police/Coy Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of 12th May, 1986, till further orders.

M. ASHOK RAJ Assistant Director (Estt.)

DIRECTORATE GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 26th May 1986

No. E-16014(1)/6/79-Pers.L.—On completion of his term of deputation with Mazagaon Dock Limited, Bombay. Shri S. S. Kirpekar has assumed the charge of the post of Commandant, CISF Unit, KSTPP, Korba (MP) w.e.f. the forenoon of 28th April, 1986.

The 27th May 1986

No. E-32015(3) /18/84-Pers.I.—On appointment as Chief Security Officer in Hindustan Copper Limited, Calcutta, Shri S. K. Tah relinquished charge of the post of Group Commandant CISF Calcutta in the afternoon of 1st April, 1986.

The 29th May 1986

No. E-16013(2)/13/84-Pers.I—Consequent on his repatriation to parent state of Orissa Police, Shri M. Z. Ahmad has relinquished the charge of the post of Commandant, CISF, Unit. NALCO, Angul (Orissa) w.e.f. the forenoon of 8th May. 1986.

Sd./- ILLEGIBLE Director General/CISF.

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 27th May 1986

No. 10/12/86-Ad.I.—Shri B. Sivasubtamanian, Accounts Officer in the office of the Controller General of Accounts, New Delhi is appointed as Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200/- in the office of the Registrar General, India, New Delhi by transfer on deputation, for a periood of one year with effect from the forenoon of 7th May, 1986 or until further orders, whichever is earlier.

His headquarters will be at New Delhi.

The 28th May 1986

No. 10/8/86-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Raghvendra Narain Dubey, an Officer of Grade IV of the Indian Economic Service as Research Officer, in the office of the Registrar General, India with effect from the forenoon of the 1st May, 1986, antil further orders.

The headquarters of Shri Dubey will be at New Delhi.

V. S. VERMA Registrar General

BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT/ POLICE

New Dehli-110003, the 29th May 1986

No. 3/11/86-Adm.I.—The President is pleased to appoint Shri Kundan Singh Jangpangi, IPS (KL.1978) as Assistant Director in the Bureau of Police Research & Development w.e.f. the forenoon of 14th April, 1986, until further orders.

S K. MALLIK Director General.

MINISTRY OF FINANCE (DEPTT. OF FCONOMIC AFFAIRS) SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad-461 005, the 26th May 1986

No. 7(63)/1636.—In continuation of this Office Notification No. 7(63)/12261 dated 25-3-1985 the deputation period of Shri S. B. Galphade, Administrative Officer is extended upto 31-5-1986.

No. 7(63)/1637—On completion of the deputation period Shri S. B. Galphade, Administrative Officer will be relieved from this organisation with effect from the afternoon of 31-5-1986. As he has already been granted Earned Leave for 32 days from 30-5-1986 to 30-6-1986 he will report back to his parent department on expiry of leave and after availing admissible joining time.

No. M-17/1692.—Shri A. R. Advani, Foreman (Mech.) is appointed to officiate as Assistant Engineer (Mech.) in the nav scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000 EB-40-1200 purely on ad-hoc basis, in the leave vacancy of Shri B. U. Sharma with effect from 20-5-1986 to 19-6-1986.

The 30th May 1986

No. M-6/1783.—Shri B. L. Sharma is hereby appointed as Assistant Engineer (Mech.) on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 4-4-1986 to 30-6-1986 or till the post of Engineer (Mech.) is filled up, whichever is earlier.

S. R. PATHAK General Manager

MINISTRY OF TRANSPORT OFFICE OF N.F.R., GAUHATI

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT N.F. RAILWAY

Maligaon, the 30th April 1986

S.O.O. No. 10.—Sri Samarendra Swami, an Audit Officer of this office retired on superannuation with effect from 30th April 1986 (AN).

Sd. ILLEGIBLE Director of Audit

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Dolhi, the 27th May 1986

IMPORTS AND EXPORTS TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 6/1505/84-Admn(G)-13034.—Smt. M. L. Ghate, Controller of Imports and Exports in the office of the Jt. Chief Controller of Imports and Exports, Bombay has been permitted to retire voluntarily from the forenoon of the 1st January, 1986.

SHANKAR CHAND

Dy. Chief Controller of Imports & Exports
For Chief Controller of Imports & Exports

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION-6) Now Delhi-110 001, the 16th May 1986

No. A-17011/47/72/996.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Satwah, [who had been officiating as Dy. Director of Inspection (Engg.) in Gr. II of Indian Inspection Service, Group 'A'] (Engineering Branch) on ad-hoc basis to officiate as Deputy Director of Inspection (Engineering) (Gr. II of Indian Inspection Service, Group 'A') (Engineering Branch) on regular basis in the scale of pay of Rs. 1100 (6th year or under)-50-1600 with effect from 17-4-1986 (F.N.) and until further orders.

- 2. Shri A. K. Satwah relinquished charge of the office of Drilling Engineer Gr. I under the Government of Kenya on the afternoon of 8-4-86 and assumed charge of the office of Dy. Director of Inspection (Engineering) in Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi on the forenoon of 17th April, 1986.
- 3. The appointment of Shri A. K. Satwah as Dy. Director of Inspection (Engg.) is subject to the outcome of the three LPAs No. 67/83, 68/83 and 69/83 filed by U.O.I. in Delhi High Court and WP No. 3001/83 and 35/83 filed by Shri S. C. Anand, Dy. Director of Inspection (Engg.) in Bombay High Court and transferred to Delhi High Court which are still pending in Delhi High Court and WP No. 1277/78 filed by Shri O. D. Sangar in Delhi High Court.

R. P. SHAHI Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF TEXTILES OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 19th May 1986

No. 1/13/80-DCH/Admn.I.—Development Commissioner for Handlooms is pleased to appoint with effect from 1st May, 1986 and until further orders Shri M. C. Juneja as Assistant Director Grade II in the Office of the Development Commissioner for Handlooms.

RANJANA SINHA Joint Development Commissioner for Handlooms

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 20th May 1986

No. 2998B/A-19012(3-NKT)/85-19B,—Shri Naresh Kumar Tiwari, STA (Chem), Geological Survey of India is appoint-

ed by the D.G., GSI, to the post of Assistant Chemist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 17-2-86, until further orders.

No. 3011B/A-32013(4-DE(Jr.)/83-19B.—The President is pleased to appoint Shrì C. Niyogi, Driller, Geological Survey of India, on promotion as Drilling Engineer (Jr.) in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 10-12-85, until further orders.

No. 3025B/A-19012(4-KK)86-19B.—Shri Kashisan Kujur, Sr. Tech. Asstt. (Drilling) in the Geological Survey of India is appointed on promotion to the post of Driller in the GSI by the Director General, GSI, on pay according to rules in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 25th February 1986, until further orders.

The 21st May 1986

No. 3047B/A-19012(2-CCB)/85-19B.—Shri Babu, is appointed by the Director General Geological Survey of India as Assistant Geophysicist in the GSI in the minimum of the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 12-3-86 until further orders.

The 22nd May 1986

No. 3093B/A-19012(2-SC)/85-19B.—Shri Suresh Chand, STA (Geophysics), GSI, is appointed by the Director General, Geological Survey of India as Assistant Geophysicist in the same department in the minimum of the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 4-3-86, until further orders.

No. 3105B/A-32013(2-GS)/83/19B.—The President is pleased to appoint Shri R. K. Sarkar, Geophysicist (Jr.), G.S.I., on promotion to the post of Geophysicist (Sr.) in the same department on pay according to rules in the 'scale of pay of Rs. 1100—50—1600/- in an officiating capacity w.c.f. the F.N. of 17-12-1985, until further orders.

No. 3116B/A-32013(2-GJ)/83-19B.—The President is pleased to appoint Shri K. Jagannadha Rao, Asstt. Geophysicist, Gs. L., on promotion to the post of Geophysicist (Jr.) in the same/department on pay according to rule in the scale of pay of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300/- in officiating capacity with effect from the forenoon of 3-5-1984, until further orders.

The 26th May 1986

No. 3137B/A-19012(3-TKP)/85-19B.—Shri Tushar Kanti Pal, STA (Chem), Geological Survey of India is appointed by the D.G., GSI, to the post of Assistant Chemist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 20th February 1986, until further orders.

No. 3150B/A-19011(1-GVS)/85-19A.—The President is pleased to appoint Shri Godise Vidya Sagar to the post of Geologist (Jr.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 19-3-86, until further orders.

A. KUSHARI Director (Personnel)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 27th May 1986

No. A.19011(359)/84-Esit.A.—The President is pleased to appoint on the recommendation of the Union Public Service Commission Shri Suranjan Sinha to the post of Assistant Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 12th May 1986 until further orders.

G. C. SHARMA
Asstt. Administrative Officer
for Controller General
Indian Bureau of Mines

ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-12, the 28th May 1986

No. F.30-55/86-Estt./9394.—Shri R. S. Barman, Senior Zoological Assistant is hereby appointed to the post of Assistant Zoologist (Group B) in the scale of Rs. 650—1200 in the Headquarters Office of the Zoological Survey of India, Calcutta, in a temporary capacity on ad-hoc basis with effect from the 6th May 1986 (F.N.) until further orders.

DR. B. K. TIKADER
Director
Zoological Survey of India

Processing and a second section of the section of the second section of the secti

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

Supplementation of the public for the contraction of the contraction o

New Delhi-1, the 28th May 1986

No. 6(135)/62-SI(Vol.IV).—Shri K. S. G. K. Murthy, Programme Executive, All India Radio, Cuddapah expired on 13th May 1986.

Dy. Director of Administration (WL)

for Director General

New Delhi, the 28th April 1986

No. 1(2)/86-SII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri Dharam Paul Gupta, Senior Store Keeper to the post of Administrative Officer in a temporary capacity on regular basis in the pay scale of R₃. 650-30-740-35-880-EB-40-900 with effect from 20-2-1986 (F.N.).

Shri Dharam Foul Gupta assumed the charge of the post of Administrative Officer, All India Radio, Leh with effect from the same date.

MOHAN FRANCIS
Dy. Director of Administration
for Director General

NEWS SERVICES DIVISION

New Delhi, the 16th April 1986

No. 21(EST-67)/84-S.—In pursuance of sub-rule (i) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965 the notice of termination of the services of Shri Sahdev Singh, Clerk Grade-II was sent to him vide order No. 21 (Est.-67)/84-85-S dated 30-5-85 by Registered post acknowledgement due, but the same has been received back undelivered. Hence, the Director of News Services Division, All India Radio, New Delhi hereby terminates the services of Shri Sahdev Singh, Clerk Grade-II from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notification is published in the official Gazette.

S. NAGANARASIMHA
Dy. Director Administration
for Director of News Services: AIR

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 28th May 1986

No. A-38012/7/85-Admn.-I(t.).—On attaining the age of superannuation Dr. S. N. Mukherjee, Addl. DG in this Directorate retired from Government Service on the afternoon of 30th April 1986.

P. K. GHAI Dy, Director Administration (C&B)

New Delhi-110011, the 29th May 1986

No. A.12025/3/84-NICD/PH(CDL).—The President is pleased to appoint Shri E. Thanaraj, to the post of Stores Officer in the National Institute of Communicable Diseases, Delhi in a temporary capacity with effect from the forenoon of 16th April 1986 and until further orders.

No. A.32013/1/85-NMEP/PH(CDL).—The President is pleased to appoint Shri Nawab Singh, to the post of Deputy Director (Logistics and Administration) in the National Malaria Eradication Programme, Delhi in a temporary capacity with effect from the forenoon of 15th April 1986 and until further orders.

SMT. JESSIE FRANCIS
Dy. Director Administration (PH)

MINISTRY OF AGRICULTURE (DEPTT. OF AGRI. COOP.) DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi, the 22nd May 1986

No. F.2-2/84-Estt.I.—In continuation of this Directorate notification of even number dated 30th January 1986, the ad hoc apointment of Shri M. P. Singh, Hindi Officer in this Oirectorate is extended with effect from 1st May 1986 to 31st July 1986 or till the post is filled up on a regular basis, whichever is earlier, on the existing terms and conditions.

R. G. BANERJEE Director of Administration

DIRECTORATE OF PLANT PROTECTION, QUARANTINE AND STORAGE

Faridabad, the 30th May 1986

F. No. 7-5/86-Adm.I.—The Plant Protection Adviser to the Government of India has appointed Shri K. G. Anil Kumar, as Assistant Meteorologist at Field Station for Investigation on Lucusts, Bikaner in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the foremon of 8th May, 1986 in a temporary capacity until further orders.

S. P. KUTAR Chief Administrative Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 16th May 1986

Ref. No. DPS/41/2/85-Adm./2531,—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri P. C. Mathai, a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-

40-1200 from 17-2-1986 (FN) to 4-4-1986 (AN) in the same Directorate vice Shri V. B. Prabhu, Asstt. Stores Officer promoted as Stores Officer (ad-hoc).

The 21st May 1986

Ref. No. DPS/2/1(3)/85-Adm./2634.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Enery appoints Shri A. P. Chanthamarakshan, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accountant to officiate as a Assistant Accounts Officer on an ad-hoc basis from 7th April 1986 (FN) to 8th May 1986 (AN) and on a regular basis with effect from 8th May 1986 (AN) until further orders in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in the same Directorate.

B. G. KULKARNI Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500762, the 24th May 1986

No. NFC/PAR/0703/11011.—Further to this office notification No. NFC/PAR/0703/699, dated April 23, 1986, the appointment of Shri N. Bharathan, Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 on ad hoc basis is extended upto 6th July 1986 or until further orders, whichever is earlier.

The 30th May, 1986

No. NFC/PAR/1603/1144—Deputy Chief Executive (A), Nuclear Fuel Complex, appoints the following officials to officiate as Scientific Officer (SB) with effect from the dates shown against their names, in the scale of pay of Rs.650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in Nuclear Fuel Complex in a temporary capacity until further orders.

S. Name No.	Present post	Date of appointment as SO (SB)	
S/Shri 1. G. Narsimha.	SA(C)	3-3-1986 (FN)	
2. J. Chandramoul	i . SA(C)	11-2-1986 (FN)	
3. R. Subba Raju	. SA(C)	1-2-1986 (FN)	

A.W. KHAN Manager, Personnel & Admn.

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-16, the 29th May 1986

No. AMD-16/9/85-Rectt./8151,—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri N. Durga Prasad Rao, a permanent Senior Stenographer, Atomic Minerals Division to officiate as Assistant Personnel Officer in the same Division on an ad hoc basis with effect from the forenoon of March 34, 1986 to June 6, 1986, vice S/Shri Bh. L. G. Sastry and T. S. Narayanan, Assistant Personnel Officers, granted leave.

Hyderabad-16, the 30th May 1986

No. AMD-16/2/85-Rectt./8255.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Smt. Saraswathi Venkatachalam, a permanent Assistant Accountant, Atomic Minerals Division as Assistant Accounts Officer in the same Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of April 2, 1986 until further orders.

P. S. R. MURTY Administrative Officer-II

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 21st May 1986

Ref. HWPs/R5/OP.—Chief Executive, Heavy Water Projects appoints Shri B. Pradhan, Assistant Accountant of Heavy Water Plant (Talcher) to officiate as Assistant Accounts Officer in the same plant in a temporary capacity on ad hoc basis w.e.f. 17-2-1986 (FN) to 25-3-1986 (AN) vice Shri P. Harikrishnan, Assistant Accounts Officer, granted leave.

SMT. K. P. KALLYANIKUTTY Administrative Officer

INDIRA GANDHI CENTRE FOR ATOMIC RESEARCH

Kalpakkam, the 6th May 1986

No. IGCAR/A 32023/1/86-R/239.—In continuation of this Centre's Notification of even number (4233) dated March 6, 1985. Shri Killikulangara Mamon Velayudhan, a permanent Assistant Accountant officiating on ad hoc basis as Assistant Accounts Officer stands reverted to the post Assistant Accountant with effect from 2nd May 1986 (AN).

KUM. S. GOPALAKRISHNAN Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi-110006, the 8th May 1986

No. A-32014/2/86-EA—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Assistant Aerodrome Officers Ad-hoc on regular basis with effect from 29-4-1986:—

S. No.	Name	
1	2	

- 1. Shri R. C. Ferrier
- ' 2. Shri Amar jit Singh
- 3. Shri Shyambabu Sharma
- 4. Shri R. A Naraynan
- Shri B. K. Verma
- 6. Shri B. B. Srivastava
- 7. Shri Subhash Chander
- 8. Shri A.S. Kadian

2

- 9. Shri Subrata Ghosh
- 10. Shri V. K. Mehra
- 11. Shri P. K. Brahma
- 12. Shri A. K. Srivastava
- 13. Shri Ram Kumar Sharma
- 14. Shri P' P. Srivastava
- 15. Shri G. Bhattacharya
- 16, Shri V, V. Singh
- 17. Shri M. S. Bharaj
- 18. Shri V. P. Gemini

The 14th May 1986

No. A-32013/3/85-EA.—The President is pleased to appoint S/Shri S. K. Thakur and S. Mahalingam, Dy. Director to the grade of Dy. Director/Controller of Aerodromes on a regular basis with effect from 27th March 1986 and until further orders.

The 22nd May 1986

No. A. 3101313/82-EA—The President has been pleased to appoint the following officers in a substantive capacity in the grade of Aerodrome Officer, in the Air Routes and Aerodrome Organisation of the Civil Aviation Department with effect from the date mentioned against each:—

SI. Name No.				Date of Confir- mation
1. Shri Y. K. Vohra .				19-8-82
2. Shri S. K. Matta .				19-8-82
3. Shri T. V. Ramaswamy				19-8-82
4. Shri S. K. Handa .				19-8-82
5. Shri M. N. Parthasarth	y			19-8-82
6. Shri B. L. Dhar .				19-8-82
7. Shri S. P. Sikka .				19-8-8
8. Shri T. N. Som .				19-8-82
9. Shri V. Panchapakesan				19-8-82
10. Shri S. N. Banerjee				1-10-82
11. Shri P. R. Jadav				1-10-82
12. Shrl S. S. Singh .				1-12-82

M. BHATTACHARJEE

Dy. Director of Admn

For Dir. Gen. of Civil Aviation.

DIRECTORATE-GENERAL OF INSPECTION

CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi-110002, the 29th May 1986

C. No. 1041/18/86.—Shri Rajiv Kumar Agarwal, lately posted as Assistant Collector of Central Excise, Madural, on his transfer to the Directorate-General of Inspection

Customs and Central Excise), New Delhi vide Ministry of Finance Department of Revenue's Order No. 35/986 dated 31st March 1986 issued vide letter F. No. A-22012/22/86-Ad.II. assumed charge of the post of Assistant Director of Inspection (Customs and Central Excise) on the forenoon of 8th May 1986.

H. M. SINGH Director-General of Inspection

MINISTRY OF TRANSPORT

DEPARTMENT OF SURFACE TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-400038, the 21st May 1986

No. 11-TR(6)/85.—Smt. Ira Bose, Administrative Officer, Geological Survey of India, Orissa Circle, Bhuhaneswar, has been appointed on deputation in the same capacity in the Directorate of Marine Engineering Training, Calcutta with effect with effect from 21st April 1986 (F.N.) for a period of three years.

AMITABH CHANDRA Dy. Director General of Shipping

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES MAHARASHTRA

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Time Parts Industries Private Limited

Bombay-400 002, the 29th April 1986

No. 716/11765/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956

that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Time Parts Industries Private Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

> V. RADHA KRISHNAN Addl. Registrar of Companies Maharashtra, Bombay-2

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES U.P.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Ellora Agencies Pvt. Limited
Kanpur, the 27th May 1986

No. 6399/3331/LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Ellora Agencies Pvt. Limited unless cause is known to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

L. M. GUPTA Registrar of Companies, U.P. Kanpur

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

(1) Shri T. V. S. Venkatarama Chettiar & others, Kamarajapuram North, Karur.

(Transferor)

(2) Shri N. Muniappan & others, Uppidamangalam, Melpagam Village, Karur.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTINGASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, MADURAI 625 002

Madurai-625 002, the 12th May 1986

Ref. No. 1/Sept/85.—Whereas, I, A. K. TALAPATRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and hearing S. No. 1910 situated at Andankoil Keepagam Village, Karur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Malekarur (Doc. No. 3069/85) on Sept. 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION 1—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax, Act. 1957 (37 of 1957);

THE SCHEDULE

Lands, 0.60 acre. S. No. 1910.

A. K. TALAPATRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madurai 625002

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely: ---

Date: 12-5-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADURIA 625002

Madurai-625 002, the 12th May 1986

Ref. No. 2/Sept/85.—Whereas, I, A. K. TALAPATRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 9, 9A, Town Hall Road, situated at Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at S. R. Pooumandapam (Doc. No. 2144 Q 2145/86) in Sept., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) findlitating the reduction or evaluated of the Hubling of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) feellitating the seasonalment of any inscense or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

 Shri V. Gurumoorthy & others, Shrinagar Colony, Medical College Road, Tanjore.

(Transferor)

(2) Shri N. Suasankaramoorthy, VTR, House, Ashok Road, Dindigul.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The iterms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building 9 & 9A, Town Hall Road, Madurai.

A. K. TALAPATRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Madurai-625002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-5-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri B. Ramakrishnan & others, 56, Nachiar Road, Woraiyur.

(Transferor)

Shri R. Barathan & others,
 Andar St.,
 Trichy-2.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

AQCUISITION RANGE, MADURAI 625,002

Madurai-625 002, the 12th May 1986

Ref. No. 3/Sept/85.—Whereas, I, A. K. TALAPATRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. TS. No. 2121 situated at Nachiarammankoil St., Woraiyur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1968 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at ISA I, Trichy (Doc. No. 6465/85) in Sept., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afodesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of 'ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other access which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Land and Building, T.S. No. 2121 (Woraiyur),

A. K. TALAPATRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Madurai-625002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice unifor subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

16—116GI/86

Date: 12-5-1986

Scal t

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th April 1986

Ref. No. IAC/Acq. II/SA-I/9-85/229.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

k. P. KAJESH, being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 4782/1, Plot No. 8, Block A Darya Ganj situated at New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in Sept., 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Satish Chandra Jain, sales Guarda Sales Satish Chandra Jain & Sone (HUF).

(Transferor)

(2) Ghanshyam Ladharam Pahilwani, S/o Shri Ladha Ram Pahilwani and Smt. Vandana Ghanshyam Pahilwani, w/o of Ghanshyam Pahilwani, R/o B. P. 615, Contou (Republic of Benin), c?o 4764/23 Daryagani, New Delhi. (Transferee,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication, of this notice in the Official Caretta of a period of 50 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No.4782/1, Constructed upon free hold plot of land being Plot No. 8 measuring 304.5 sq yds. in block 'A', Darya Ganj, New Delhi-2.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 28-4-1986

FORM ITHE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 28th April 1986

Ref. No. IAC/Acq II/SR-I/9-85/230,---Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'); have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. XII/I-UA, Chandrawai Road, Jawahar Nagar, Delhi Chida and Jawahar Nagar, Delhi Chida and Jawahar Nagar, Delhi Chida and Jawahar Nagar.

Plot No. XII/I-UA, Chandrawai Road, Jawahar Nagar. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi in Sept., 1985

for an apparent consideration which is I ess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid sacretics the apparent consideration therefor by more than affective per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said hastrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Sohan Lal Pahwa,
 S/o Shri Hem Raj,
 R/o A-47-48, Malka Ganj, Delhi.

(Transferor)

M/s United Properties,
 No. 5, Shankeracharrya Marg, Civil Lines,
 Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Art, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE .

Plot No. XII/1-UA, measuring 552, Sy. yds at Chandrawal Road, Jawahar Nagar, Delhi. Free-hold.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th April 1986

Ref. No. 1AC-Icq. 11/SR-1/9-85/264.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property No. E-29, Rajouri Garden, New Delhi

Property No. E-29, Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Sept., 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) 1. Shri Harsh Jogindernath Sachdev,

2. Shri Anil Kumar Sachdev, 3. Smt. Kamal Sachedv,

through Attorney Shri V. K. Bammi

Smt. Nita Bammi,
 r/o B-1/638, Janakapuri, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mohan Lal Sawhney, B-34, Mayapuri Industrial Area, Phase-II, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aferential persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Constse or a period of 30 days from the cervice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shal lhave the same meaning as given in that Chapters.

THE SCHEDULE

Property No. E/29, Rajouri Garden, New Delhi measuring 451.5 Sq. yds. Free-hold.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 28-4-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 28th April 1986

Ref. No. 1AC/Acq II/SR-1/9-85/265.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income Tax Act 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

And bearing No.
Cottage No. 10, West Patel Nagar, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed here to) been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

New Delhi in Sept., 1985 fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more then fifteen percent of such apparent consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) 1. Janak Devi,

2. Barket Ram,

3. Harbans Lal, 4. Hans Raj,

Jagdish Lal, Lessees off Cottage No. 10, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Bishamber Nath,

Mohan Lal,
 Apju Malhotra,

R/o 52/24, Ramjas Road, New Dlhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interesed in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Cottage No. 10, West Pagel Natur, New Delhi, Leasehold.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1861 (43 QF 1861)

GOVERNMENT OF ENDLA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th April 1986

Ref. No. IAC/Acq II/SR-I/9-85/267.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competens Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,09,009/-

and bearing No. Municipal No. 1288 known as Raj Bahadur Sultan Singh Building near Old Hindu College Building, Kashmere Gate, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Sept., 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the rarties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arisins from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Maj. Gen. Virendra Singh (Retd.), Lala Praceep Singh and Mr. Ashok Pratap Singh, Rai Bahadur Sultan Singh Biulding, Municipal No. 1288 Kashmere Gate. Delhi. (Transferor)

- M/s C. L. Constn. Co., P. Ltd.,
 M/s Gee Kay Constn. Co. P. Ltd.,
 M/s Gulhati a Kapur Constn. Co. P. Ltd.,
 M/s Alka Constn. Co. P. Ltd.,
 M/s Sohan Const. Co. P. Ltd.,
 M/s Welfare Constn. Co. P. Ltd.,
 M/s. Pindl Constn. Co. Pt. Ltd.,
 M/s Vee Kapur Constn. Co. Pvt. Ltd.,
 M/s Kay Gee Construction Company Pvt.

 - 9. M/s Kay Gee Construction Company Pvt. Ldt., (10) M/s Gulkap Constructionn Co. Pvt. Ltd., Registered Office 12-A Vandhoma Building,

11 Tolstory Merg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property. may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined a Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal No. 1288 known as Kai Banadur Sunan Singii Building, near Dld Hindu College Biulding, Kashmere Gate, Delhi. Freehold.

> R, P, RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 28-4-1986

Beal

NUTICE UNDER SECTION 2800(1) OF THE PROMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW BELHI

New Delhi, the 28th April 1986

Ref. No. IAC/Acq II/\$R-1/9-85/268.--Whereas, I. R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that the
historical biography, having a fair mineter value 'exceeding
Ri, 1,50,000/- and bearing No.
Municipal Nos. 1288-C, 1289, known as Rai Bahadur Sultan

Singh Biulding, near Old Hindu College, Kashmere Gate, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Sept., 1985 for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affine per test of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any income or distributed which have not been or which edges to be Hackford by the trainferer for the purposes of the Indian Philippin tax Act, 1922 (91 of 1922) or the edd Act, or the Wealth-tax Act, 1987 (27 of 1987);

Maj. Gen. Virendra Singh (Retd.), And other Co Vendors: Rai Bahadur Sultan Singh Building, Municipal Nos. 1288-C & 1289, Kashmere Gate, Delhi.

(Transferor)

(2) M/Cl. G. Constns Co. P. Ltd.,
2. M/s Gee Key Constn. Co. P. Ltd.
3. M/s Gulhati & Kapur Constn. Co. P. Ltd.,
4. M/s Alka Constn. Co. Ltd.,
5. M/s Sohan Constn. Co.,
6. M/s Welfare Constn. Co. P. Ltd.,
7. M/s Pindi Construction Company P. Ltd.,
8. M/s Vee Kapur Construction Co. P. Ltd.

M/s Pindi Construction Company F. Ltd.,
 M/s Vee Kapur Construction Co. P. Ltd.,
 M/s Kay Gee Construction Company P. Ltd.,
 M/s Gulkap Construction Company P. Ltd.,
 Registered office 12-A Vandhana Building,
 Tolstoy Marg, New Delhi,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferentic persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamete or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Municipal Nos. 1288-C, 1289 known as Rai Bahadur Sultan Singh Building, near Old Hindu College Building, Kashmere Gate, Delhi. Freehold.

> R. P. RAJESH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 1800 of the told Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the decimald property by the large of this notice under exhibition (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date: 28-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th April 1986

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/10-85/276.—Whereas, I, P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 301 to 304 Property bearing No. 4834/24, situated at
Ansari Road, Daryagani, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the registering Officer.

1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in Oct., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from thet transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

(1) S/Shri Brijeshwar Dayal Mathur. Sureshwar Dayal Mathur M. D. Mathur M. D. Mathur all sons of Shri P. B. Mathur, r/o 8, Raivaria Apartments, Mall Road, Delhi, R-4, NDSE Part II, New Delhi, and E-10, Eaugpura Extension, New Delhi respectively through their attorney Shri S. D. Madan, S/o Shri C. R. Madan, R/o 482 Dr. Mukherjee Nagar, Delhi. (Transferor)

(2) M/s Swarup Leasing Limited II, Community Centre, East of Kailash, New Delhi, through its Director Shri Virendra Swarup Aggarwal, S/o Shri Ram Swarup Aggarwal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, to 304 covered area measuring 1750 Sq. ft. part property bearing No. 4834/24, Ansari Road Daryagani, New Delhi. Free-hold.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 28-4-1986

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-U, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1986

Ref. No. IAC/Acq II/SR-I/11-85/320.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
Immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
10 on Road No. 84, Class C, situated at Punjabi Bagh
New Delhi

New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in Nov., 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and/er
- (a) sacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1857 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said persons, namely:-

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following 17-116GI/86

(1) 1. Shri Surinder Pal Singh,2. Shri Uminder Singh son of Late Shri Bhag Singh & 3. Smt. Harmeet Kaur w/o Shri Kuldeep Singh Reheja

D/o Shri Bhag Singh, all r/o 10/84, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferor)

(2) Ms/ Manmohan Singh & Sons, (HUF) through Karta S. Manmohan Singh, S/o Shri Ayaram, R/o 8-A/15 WEA Karol Bagh, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single Storeyed house built on freehold plot No. 10, on Road No. 84, Class C, mg. 536,11 sq. yds. situated in Residential Colony known as Punjabi Bagh, area of Vill. Bassai Darapur State, Delhi, Free-hold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II. Delhi/New Delhi

Date: 15-5-1986

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th May 1986

Ref. No. IAC/Acq II/SR-I/11-85/322.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'anid Act') have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property No. 27, Block B, Wazirpur Residential Scheme Phase-Ashok Vihar, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at New Delhi in Nov., 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to bolieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trensfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) locilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tex Act, 1957 (27 of 1968):

- (1) Shri Gian Chand Jain (G. C. Jain), S/o Shri Haveli Saha Jain, resident of O 1/22, Model Town, Delhi.
 - (Transferor)

(2) Sarvshri Krishan Gopal Mittal and Shri Hari Krishan Mittal, sons of Shri Dina Nath Mittal, Residents of 26/2 Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the pubcation of this notice in the Official Gazette.

EXFLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapte: XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 27 Block B built on land measuring 497.22 sq. yds. situated in the layout plan of Wazirpur Residential Scheme Phase-I, presently known as Ashok Vihar, Delhi. Leasehold.

> R. P. RAJESH
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-5-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/11-85/332.-Whereas I, R. P. RAJESH,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Projecty No. 18-C, Block D-1, Rajouri Garden situated at National California.

New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the

registering Officer at New Delhi in November 1985

New Delhi in November 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to the consideration and the consideration for such transfer as agreed to the consideration and the consideration for such transfer as agreed to the consideration that the consideration for such transfer as agreed to the consideration that the consideration for such transfer as agreed to the consideration that between the parties has not been truly stated in instrument of transfer with the object of :-

(a), facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Washt-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Smt. Sarla Kokkar W/o. Sh. Om Parkash Kakkar R/O. D-1/18-C, Rajouri Garden New Delhi,

(Transferor)

(2) Shri Narinder Kumar & Sh. Mahesh Kumar sons of Sh. Laxmi Narain R/o. J-69, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

No. 18-C, in Block D-1, mg. 266 Sq. yds. situated in Rajouri Garden, area of Vill. Bassai Darapur, Delhi State, Delhi, Free-hold.

> R, P, RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this netice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-5-1986

(1) Smt. Shakuntala Kapoor, 7/14, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bindu Malhotra, 7/14, East Patel Nagar, New Delhi,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th May 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/12-85/368.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
7/14 East Patel Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in

the office of the Registerin Officer at New Delhi in December, 1985

for an apparent consideration which i less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

7/14, East Patel Nagar, New Delhi, 204 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 8-5-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Swaran Kaur W/o. Shri Bachan Singh, originally R/o 18/33, Shakti Nagar. Delhi.

(Transferor)

 Smt. Shakuntala Devi Jain W/o. Shri Raj Kumar Jain R/o. 18/33, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-1/12-85/369.--Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,), have reason as the 'said Act,) and the said Act, and the Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot No. 33, Block No. 18, Roshanara Extension situated at Shakti Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registring Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

New Delhi in December, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than flifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULB

(b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Plot No. H-33, Block No. 18, Roshanara Extension, (Shakti Nagar) Delhi_2 storeyed banglow on land measuring 264.44 sq. yds. Free-hold.

> R, P, RAJESH Competent Authority Inspecting Asstr. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 15-5-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 12th May 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7388, 85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 3 on 24th floor, Mont Blanc Apartments, Dadyseth Hill, Bombay-36.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market vilue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in repect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid propert by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) M/s. Mont Blanc Properties & Industries Pvt. Ltd. (Transferor)
- (2) Mr. Subhash V. Mehra & Mrs. Namceta S. Mehra.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the cate of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The erms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 on 24th floor, Mont Blanc Apartment, Dady Seth Hill, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Bombay, under No. AR-I/37EF/7388/85-86 on 3-9-1985.

> NISAR AHMED. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, **Bombay**

Date: 12-5-1985

(1) M/s. Mont Blanc Properties & Industries Pvt. Ltd. (Transferor)

(2) Mrs. Shital A. Bhansali & Mr. Mahesh K. Bhansaii.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 12th May 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7944/85-86.—Whereas, I,

NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. Flat No. 4-BR, Mont Blane Apartments, 24th floor, Dadyseth Hill, Bombay-36.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 10-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetta or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice is the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4-BR, Mont Blanc Apartments, 24th floor, Dadyseth Hill, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/7478/85-86 on 10-9-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 5-5-1986

(1) Shri Kishore Jain.

(Transferor)

(2) Dr. Mah endra Kumar Pandya & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor,

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY-38**

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-1/37EE/5903/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. A-2, 13th Floor Prithvi Apartment, Altamount

Road, Bombay-400026.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infloen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lightli of the manuferer to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the trans
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. A-2, 13th Floor Prithvi Apartments, Altamount Road, Bombay-400026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7420/85-86 on 3-9-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-5-1986

Scal:

FORM ITNS----

(1) M/s. Orbit Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I. **BOMBAY-38**

Bombay-38, the 5th May 1986

AR-1/37EE/8191/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 1, 1st floor, Turf View Building, Hornby Vellard Estate, Worli, Bombay, together with 2 open car parking

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 21-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) 1. Shri Parmanand Jamnadas Dossa,

Smt. Pushpabai P. Dossa,
 Shri Hemendra P. Dossa &

Shri Dhruv H. Dossa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immsovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 1st floor, Turf View Duilding, Hornby Vellard Estate, Worli, Bombay, together with 2 open car parking spaces.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under No. Ak-1/37EE/7711/85-86 on 27-9-1985,

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-18-116GI/86

Date: 5-5-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-1/37EE/8027/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 10-A, 10th Floor Sett Minar, Near Jaslok Hospital, Peddar Road, Bombay-400026.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Вотвау оп 16-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of tht liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue o fthis notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri R. H. Patel.

(Transferor)

(2) Shri Jaysukhbhai Vora & Ors.

(Transferec)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) None.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property nay be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10-A, 10th Floor Sett Minar, Near Jaslok Hospital, Peddar Road, Bombay-400026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/7554/85-86 on 3-9-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 5-5-1986

PORM ITSIS ---

(1) Shri Naresh Kumar Jain.

(Transferor)

(2) M/s. Makson Auto Hirers.

(Traneferce)

NOTICE UNDER SECTION 249D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY-38

Bombay-38, the 12th May 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8126/85-86.—Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 23, Sagar Kunj, 78, Napeansea Road, Bombay-6. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 23-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westin-tax Act, 1957 (37 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, respective persons, ver period expires let
- (b) by any other person interested in the said immov-nite property, within 45 days from the date of the publication of this notice is the Official Genette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 25, Sagar Kunj, 5th floor, 78, Napeansea Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7649/85-86 on 23-0-1985.

NISAR AHMED' Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-5-1986

(1) Shri Harilal A. Jhaveri,

(Transferor)

(2) Shri Champalal K. Hingarh, Smt. Ratnaben C. Hingarh, Shri Arvind C. Hingarh & Shri Chandrasekhar C. Hingarh.

(Traneferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 12th May 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8177/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1 00 000/- and hearing No.

able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 405, 4th floor, B Wing Shreepal Nagar, 12, U.M.
Mehta Road, Napeansea Road Junction Bombay-6.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 25-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 405, 4th floor, B Wing, Shreepal Nagar, 12, J.M. Mehta Road, Napeansea Road Junction, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7697/85-86 on 25-9-1985.

NISAR AHMED Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-5-1986

(1) Smt. Hemlatika U. Patel.

(Transferor)

(2) Smt. Manorama Pravinchandra Shah.

(Traneferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8393/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 505, Prubhu Kunj, 5th Floor Peddar Road, Bombay-

4000026.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 15-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of gansfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acuisition of the aforesmid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days m the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 505, Prabhu Kunj, 5th Floor, Peddar Road, Bombay-4000026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. A R.1/37EE/7904/85-86 on 15-10-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 5-5-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY-38**

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8119/85-86.—Wherens, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing Flat No. 304, 3rd Floor and Garage No. 7 on ground floor in Parag, 27 Peddar Road, Bombay-400026.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 23-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Mohan Udharam Thadam.

(Transferor)

(2) Smt. Hemanti T. Zavari.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) N.A.

interested in the property) (Person whom the undersigned knows to be

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein ar are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304, 3rd Floor and Garage No. 7 on ground floor in Parag, 27 Peddar Road, Bombay-400026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7642/85-86 on 23-9-1985

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Date: 5-5-1986

Scal:

(1) Shri Kishore G. Hinduja.

(Transferor)

(2) M/s. Petrofils Co-operative Ltd.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR.I/37EE/8129/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 502, and Garage No. 8, Triveni Sangam Co-op. Housing Society Ltd., Off Peddar R. d. Bombay-26.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 24-9-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfr with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which have period applies later. whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immer-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502, and Garage No. 8, Triveni Sangam Co-op. Housing Society Ltd., Off Peddar Road, Rombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, 24-9-1985. Bombay, under No. AR-I/37EE/7652/85-86 on

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 5-5-1986

(Person in occupation of the property)

FORM ITNS

(1) M/s. Super Engineers.

(3) Transferee,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Homi Ardeshr Mistry.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY-38**

Bombay-38, the 5th May 1986

AR-I/37EE/8100/85-86.-Whereas, I. Ref. No. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 302, 3rd uoor, Maker Mansion, Plot No. 623

Jame Jamshed Road, Matunga, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 20-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been ever the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the World-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 320, 3rd floor, Maker Mansion Plot No. 623 Jame Jamshed Road, Matunga, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/7625/85-86 on 20-9-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-5-1986

Scal:

PORM ITHS

(1) Smt. Premala Narayan Yargop.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

THE

(2) Smt. Usha Prem

Transferor.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTA SIONER OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMUN

ΛCQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th May 1986

R-I/37EE/8000/85-86.- Wheteas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, Neelkanth Apartments, 62, Worli Hill Estate,

Worli, Bombay-18.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bom ay on 13-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und or;

'b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which count to be disclosed by the transferee for no purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast. 1957 (27 of 1957):

to the acquisition of the said property be made in writing to the undersigned-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Canette or a period of 30 days from the service of motios on the respective persons, whichever period expires later;

(Person in occupation of the Property)

(b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Neelkanth Apartments, 62, Worli Hill Estate, Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/7533/85-86 on 13-9-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-5-1986

Seal:

19---116GI/86

PORM ITEM

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38.

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8376/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 304, 3rd floor, Worli Sagar Darshan Premises CSL, 8, Worli Seaface, Bombay-25

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ...

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Madan Divakur Purandare

(Transferor)

(2) Smt. Meena Bindre & Rear Admiral Satishchandra

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be united in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304, 3rd floor, Worli Sagar Darshan Premises Co-op. Society Ltd., 8, Worli Sea Face, Bombay-400 025.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/7888/85-86 on 15-10-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 5-5-1986

(1) Shri Vasant D Banker & Mrs. Indu V Banker (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Arjun Ramani & Mrs Sharda Ramani (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38.

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8555/85-86.-Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. H-2, 8th floor, Eden Hall, Shivsagar Estate, Dr. A. Besant Road, Worli, Bombay-400 018 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-10-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imm.ov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. H-2, 8th floor, Eden Hall, Shivsagar Estate, Dr. A. Besant Road, Worli, Bombay-400 018.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8058/85-86 on 28-10-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-5-1986

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

Khushiram T Wadhwani, Indra H Kamlani Janki T Mirchandani, Gulab T Wadhwafi

(Transferor)

(2) Gobindram Rijhumal Devnani

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38.

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7863/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. G-64, Venus Apartments, Worli Sea Face South Bombay-18

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that he fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaustie or a period of 30 days from the service of notice on the respect persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immervable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. G-64, Venus Apartments, Worli Sea Face South, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7398/85-86 on 3-9-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-(
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

Dated: 5-5-1986

cal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1. BOMBAY-38.

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8094/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 1, 15th floor, Bldg. No. 5, C.S. No. 868/1/868,

Worli, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 20-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruct of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the pusposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) B. Y. Builders P. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Nand N Mirani

(Transferee)

(3) N.A.

(Person in occupation of the property)

(4) B. Y. Builders P. Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date et the publication of this notice in the Official Gazetta

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 15th floor, Bldg. No. 5, C.S. No. 868/1/868, Worli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7619/85-86 on 20-9-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I

Dated: 5-5-1986

(1) Natraj Builders

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38.

Bombay-38, the 5th May 1986

Raf. No. AR-1/37EE/8197/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the knoome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 4, Natraj-A, Plot No. 404, Laxminarayan Lane, Matunga, Bombay-400 019 (and more fully described in the Schedule apprezed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(2) Smt, Prabha Hemchand & Shri Hemchand Shivji

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 day from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4 Natraj-A. Plot No. 404, Laxminarayan Lane. Matunga, Bombay-400 019.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7715/85-86 on 30-9-1985,

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Dated: 5-5-1986

Scal:

13) Transferor.

(4) None

FORM ITNS--

(1) Shri Jaisukhlal Revashankar Vora

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mohan Udharam Thadani

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38.

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-1/37EE 8379/85-86. --Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 501, on 5th floor of Building "PARAG" situated

at 27 Peddar Road, Bombay-26

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the at Bombay on 15-10-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any. (Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows

(4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501, on 5th Floor of Building "PARAG" situated at 27, Peddar Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7891/85-86 on 15-10-85.

> NISAR AHMED Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Dated: 5-5-1986

The state of the s

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY138.

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8218/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hardnaster referred to as the 'said Act'), have reason to bolieve that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 7C, 7th Floor Crystal Building, Crystal Co-op. Hsg. Society 36, Altamount Road, Bombay-400 026 (and more fully described in the schedule nunexed hereto)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid passerty, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per caut of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income urising from the transfer, **10/08**

(b) facilitating the concentment of any mecome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1937):

(1) Mrs. Sheilla Hingorani

(Transferor)

(2) Shri Dahyalal Hiralal Jogani

(Transferee)

(3) N.A.

(Person in occupation of the property)

(4) N.A.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, so the acquisition of the said property by made in writing to the undessigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used hereig as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meming as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7C, 7th Floor, Crystal Building, Crystal Co-op. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/7736/85-86 on

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 5-5-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(1) Subodh C. Chokshi

(2) Shri Shailesh K. Desai

(Transferor)

(Transferee)

(3) N.A.

(Person in occupation of the property)

(4) N.A.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY138.

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8184/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 25, Satnam Sagar 5th Floor, 20, Peddar Road,

Bombay-400 026

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 25-9-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or thhe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 25, Satnam Sagar, 5th Floor, 20 Peddar Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7704/85-86 on 25-9-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely:— 20—116GI/86

Dated: 5-5-86

FORM ITNS ----

(1) Mrs. Jer Moshir Elavia

(Transferor)

(2) Mr. Mugatlal Bhagvandas Boda

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) N.A.

(Person in occupation of the property)

(4) N.A.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6366, 85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. B.72. Grand Paradi Apartments, 7th Floor, August Kranti Marg, Bombay-36 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 26⁶AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-10-85 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. B/72, Grand Paradi Apartments, 7th Floor August Kranti Marg, Bombay-400 036.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7879/85-86 on

14-10-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 5-5-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1HE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Natraj Builders.

(Transferor)

(2) Khimji Dungarshi Chheda

(Transferee)

(3) N.A.

(Person in occupation of the property)

(4) N.A.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8198/85-86,---Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 5, Natraj-A Plot No. 404, Laxminarayan Lane, Matunga, Bombay-19

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the ageement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-9-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betwen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a seriod of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 5, Natraj-A, Plot No. 404, Laxminarayan Lane Matunga, Bombay-400 019.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-1/37EE/7716/85-86 on 30-9-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Dated: 5-5-86

Seal •

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8003/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 5, Kalpataru 3rd Floor, Peddar Road Bombay-400 026

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the salt Act, in respect of siny income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which outght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Fatima Tahir Dhansura

(Transferor)

(2) Jishanlal Jain

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

(4) Nil

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLAMATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, Kalpataru, 3rd Floor, Peddar Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/7536/85-86 on 13-9-85.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Bombay

Dated: 5-5-86

(1) Pallavi Animesh Shah

(2) Smil Shantilal Gokal

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(3) Transferor

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Person in occupation of the property)

(4) Nil

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8050/85-86.—Whereas, J, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, Ground Floor 'Neclkamal', Padam Tekri Peddar

Road, Bombay-26

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agecment is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 17-9-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferi and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of A5 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette eas period of 30 days from the service of notice on the respective

persons, whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by an other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice is the Official Cazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ground Floor, 'Neclkamal' Padem Telari Peddar Road, Bonibay-400 026,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37/ 2-7576-A 85-86 on 17-9-85.

NISAR AHMED Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J, Bombay

Dated: 5-5-86 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following oersons, namely ---

FORM ITNS-

- (1) Mrs. Gulwant Kaur.
- (Transferor)

(2) M/s. Vikas.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I вомвау-38

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7938/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Unit No. 14, Ground floor, D.J.D. Cama Cold Storage, 'New Sun Mills Co. (P) Ltd., Sun Mill Compound, Lower

Parel, Bombay-13.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 10/9/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to pulseve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trunsfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be reads in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gauctte.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 14, Ground floor, New Sun Mills Co. (P) Ltd. (D.J.D. Cama Cold Storage) Sun Mill Compound, Lower Parel Bombay-13.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/7472/85-86 on 10/9/85

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 5-5-1986

Sen1:

(1) M/s. Vinod Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Anandraj M. Rakhecha.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8072/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Doctor House, Shop No. 5, 14, Peddar Road, Boombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

tent Authority at Bombay on 20/9/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or thhe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Doctor House, Shop No. 5, 14, Peddar Road, Boombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7597/85-86 on 20/9/86

> NISAR AHMED Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombav

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 5-5-1986

Soul:

FORM ITNS ---

(1) M/s. Ashar Developers.

(Transferor)

NOTICE 12 AS 23 SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Bina Viresh Sheth

(Transferee)

GÖVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR.I/37EE, 7991/85-86,--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the stid Act,), have reason to believe that the immovable polyerity, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No. Fint 1.0. 201, 2nd floor, 242, Asha Vilia, East Sion Road, 1913, 222.

(and from faily described in the Schedule innexed hereto), his area maniferred and the agreement is registered under the fail of the said Act in the Office of the Competent Act normy

tern actionity of Bembay on 13/9/1985.

for an apparent consideration which i less than the fair in the value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the abiest of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1932) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, 242, Ashar Villa, East Sion Road, Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/7524/85-86 on 13-9-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Adv. I becelve the proceedings for acquisition of the aforeswill property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons attends:

sons, namely:--

Dated: 5-5-1986

Soul:

FORM PINS-

(1) The Hindustan Construction Co. Ltd.

(Transferor)

(2) Acro India Limited

(Transferee)

(3) The Hindustan Construction Co. 1.td. (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8521/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Part of V floor of Sterling Centre of new Sterling Centres Commercial Premises Co-op. Society Ltd. Dr. Annie Besant

Road, Bombay-400 018.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Compe-

tent Authority at Bombay 25/10/1986.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proprty as afortsald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chater.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of V floor of Sterling Centre of new Sterling Centres Commercial Premises Co-op. Society Ltd Dr. Annie Besant Road, Bombay-400 018.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37FF/8024 on 25-10-85

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 21--116GI/86

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Dated: 5-5-1986

Scal:

(1) Kamaljit Singh Chawla & Jagjit Singh Chawla. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Subway Finance & Investment Co. Ltd. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8089/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 3, 5th floor, Bldg. No. 4, P.S.B. Apartments, B.G. Kher Road, Worli, Bombay-18.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 20/9/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesa'd property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mere than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of metics on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 5th floor, Bldg. No. 4, P.S.B. Apartments, B.G. Kher Road, Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/7614/85-86 on 20/9/85 20/9/85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Dated: 5-5-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7842/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 161, Neclamber 37, Peddar Road, Bombay-400026. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2/9/85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen parcent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tox under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Pla Exports (Pvt) Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Shreyas Kirtilal Doshi.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 161, Neelamber 37, Dr. Gopalrao Deshmukh'Marg Bombay-400026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-1/37EE/7378/85-86 on 2/9/85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay. Competent Authority

Dated: 5-5-1986

FORM ITNS

(1) Ramesh G. Sippy.

(2) Mrs. Nita P Shroff.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee) (4) M/s. Mehta Estates. (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY-38**

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-I/37HE/8016/85-86.—Whereas, I,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Flat No. 702, 7th floor, Red Rose, 44, Pochkhanealla Road.

Worli. Bombay-18.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 16/9/1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid p.operty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the ebject of :-

- (a) the distribution of evaluation of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; said/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Canette or a period of 30 days from the service of notice on the respective paraons, whichever period empires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable preparty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 702, 7th floor, Red Rose, 44, Pochkhancalla Road, Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competer Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/7544/85-86 on 16/9/1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Dated: 5-5-1986

- (1) B. Y. Builders Pvt. Ltd.
- (Transferor)

- NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
- (2) Mrs. Seema Siraj Khan.

(Transferce)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) B. Y. Builders Pvt. Ltd. (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

CFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8093/85-86.—Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a rair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, 5th floor, Bldg. No. 5, C.S. No. 868, 1/868

Worli, Bombay-18.

Worli, Bombay-18. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the LT. Act 1961 in the Office of the registering Officer at f.T. Act, 1961 IAC Range 1 at Bombay on 20/9/1985. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid extends the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obleat of : transfer with the object of :-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichover period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The trems and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957) 4 THE SCHEDULE

Flat No. 3, 5th floor, Bldg. No. 5, C.S. No. 868, 1/868, Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authoray, Bombay, under No. AR-1/37EE/7618/85-86 on 20/9/1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-I, Bombay. Competent Authority

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the ax resaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 5-5-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay-38, the 12th May 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7920/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveble property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and bearing

and bearing
Flat No. 23, Bay View CHSL, 15-A, Ridge Road, Bombay-6.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269 AB of the Said Act in the Office of the
Competent Authority

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the feir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfereo for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Capt. P. C. Thakur

(2) Smt. Gunwanti Motilal Gandhi & Miss Suryakanta M. Gandhi

(Transferee)

(3) Capt. P. C. Thakur.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesma wersons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the vame meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 23, Bay View VI-co-op, 15-A, Ridge Road,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/7456/85-86 oon 6/9/85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 12-5-1986.

FORM ITMS---

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Hashmukhlal Ratilal Shah.

(2) Shri Sharatchandra C. Shah & Mrs. Jayaprabha B. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay-38, the 12th May 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7839/85 86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 504, Mangalkunj Co-op. Hoousing Society Ltd., 2, Altamount Road, Bombay-400 006. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-1985

at Bombay on 2-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties hae not been truly stated in the said instrement of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from he date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2, mount Pleasant Road, Bombay-400006.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/7376/85-86, on 2/9|1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of 'ncome-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquiition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 12-5-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I ВОМВЛҮ

Bombay, the 15th May 1986

Ref. No. A.R.I./37EE/8145/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfleer referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding C. S. No. 1551 of Girgaum Divn situated at Girgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been riansferred and the Agreement is registered under section 269All of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24/9/85 for an apparent consideration, which is less than the fair

nomeay on 24/9/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration tierates by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in corpus of any iscome arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :---

(1) The Victoria Mills Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Plaza Panchshil Properties (Through Partner) M/s. Plaza Panshil Prop.

(Transferce)

(3) Tenants

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforced persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the pervise of nation on the respective persons. whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immervable groperty, within 45 days from the data of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the land hereditament and premises admeasuring about 7435 sq. yds. corresponding to 6266 sy. mtrs. and bearing survey No. 1551 of Girgaum Div. the leasehold land hereditaments and premises adm. about 1573 sq. yrd corresponding to about 9677 sq. mtrs. bearing survey No. 1551 and the land hereditaments and premises adm. about 1106 sq. yrd corresponding to 925 sq. mtrs. total about 20114 sq. yds. corresponding to about 16818 sq. mtrs. situated at Gamdevi Road, Bombay, and morefully described in the schedule as per the concent terms of the High Court of Judicature at Bembay, Ordinary original Civil jurisdiction, Suit No. 3040 of 1984.

The agreement has been registered by the Competent

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S. No. 7667/85-86 on 24-9-85.

NISAR AHMFD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 15-5-1986

(1) Mr. M. M. Thadani

(Transferor)

(2) Mr. Prafulla K. Bhuia

(4) Nil

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 15th May 1986

Ref. No. ΔR -I/37EE/7843/85-86...Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Bern 100 (2014) and harring No.

roperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 68/F Venus Apapriment, Worii Sea Face, Bombay-18. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income as Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2/9/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any recome arising from the transfers
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1929) or the said Act, or the Weslin-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
22—116G1 86

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person merested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

68/Fm Venus Apartments, Worli Sea Face, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE 7379/85-86, on 2/9[85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 15-5-85.

Scal .

FORM ITNS----

(1) SHIKHARCHAND MATTERSAIN JAIN (Transferor)

(2) BINDU RAPH FERNANDES SIDDARTH SEVENTILAL SHAH

(Transferee)

(3) TRANFEROR

person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay-38, the 15th May 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7956/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable properly, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 504 on 5th Floor Block D, Simla House, Nepensea Road, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the I.T. Act, 1961, with the Competent Authority at

Bombay on 11-9-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to include the said of the said o between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Unicial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings rfo the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following amely :--

THE SCHEDULE

Flat No. 504 on 5th Floor, Block D, Simla House, Nepenease Rd Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No.AR-I/37EE/7491/85-86, on Competent 11-9-1985

> NISAR AHMED Competent Authority fff Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Rombay.

Dated: 15-5-1986.

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

BOMBAY

Bombay38, the- 5th May 1986.

Ref. No. AR-I/37EE/8567/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 5, 5th floor, Dhun Apartments, Scheme 58, 66, Worli Hill Estate, Bombay-400018. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Bombay on 30-10-1985.

Bombay on 30-10-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--Seal:

(1) Mr. Ashok K, Hinge, Mrs Nilima A. Hinge, Miss Anjali K. Hinge

(2) Mr. Radhakishna Ladsariya

(Transferot v

(3) Transferors

(Transferec)

Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 5th floor, Dhun Apartments, Scheme 58, 66, Worli Hill Estate, Bombay-400018.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No.AR-I/37EE/8069/85-86, on 30-10-1985.

(NISAR AHMED) Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 5-5-1986.

FORM ITNS

(1) Ambit Corporation

(Transferor)

(2) Nahid Kamran

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay38, the- 5th May 1986.

Ref. No. AR-I/37EE/8536/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAK AHMED, tening the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. Np. Flat No. 1, 4th floor, Lotus Court, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-18

and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority
Bombay on 29-10-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; audior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. 1, 4th floor, Lotus Court, Dr. Annie Besant Road Worli, Bombay-18 The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No-AR-I/37EE/8039/85-86, on 29-10-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax AcquisitionRange-I,Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 5-5-1986.

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

Bombay38, the- 5th May 1986.

Ref No. AR-1/37EE/8212/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 29, 8th floor. D Building, Venus CHSL, Plot

No. 45, Bombay-18

transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affices per cent of such apparent consideration and that the consideration for

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chandrabhan M. Chaudhari

(Transferor)

- (2) Shri Adi Jehangir, Smt Freny Adi Jehangir (Transferce)
- (3) Transferor (Person in occupation of the property)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 29, 8th floor, D Building, Venus Co-op. Housing Society Ltd., Worli Seaface, Plot No. 45, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No.AR-I/37EE/7730/85-86, on 30-9-1985.

(NISAR AHMED)
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
AcquisitionRange-I,Bombay

Dated: 5-5-1986.

Seal;

(1) Smt. Gangabai T Balani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Subashchander Gupta

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICH OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

Bombay38, the- 5th May 1986.

Ref. No. AR-1/37EE/7940/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Flat No. C-77, A Scheme Venus CSL, Worli, Bombay-18 (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-9-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of master with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-77, A Scheme, Venus Co-op. Society Ltd., Worli, Bombay-18

The agreement has been registered by the Competent

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No.AR-I/37EE/7474/85-86, non 10-9-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

New, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this rietice sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dated: 5-5-1986.

FORM ITNS----

(1) Shri Mangilal T Jogani & Suresh T Jogani (Transferor)

(2) Shri Girdharidassewaran Rajami

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7933/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovas the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 101 & 102 alongwith two open car parking spaces, Red Rose Apartment Plot No. 44, Pochkhanwalla St., Worli, Bombay-18
(and more fully described in the Schoolyle appared beauty)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AD of the Said Act in office of the Competent Authority at

Bombay on 9-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the property as a supervised to be the control of the co ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the cocnealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101 & 102 alongwith two open car parking spaces. Red Rosc Apartment, Plot No. 44, Pochkhanwalla Street Worli, Bombay-18

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7468/85-86 on 9-9-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 5-5-1986.

(1) Smt. Raminder Kaur

(Transferor)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Subway Finance & Investment Co. Ltd.

(Transferee)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

may be made in writing to the undersigned : -

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-I/37EH/8111/85-86.-Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. Flat No. 1, 4th floor, Building No. 2 P.S.B. Apartments, B.G. Kher Road, Worli, Bombay-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 23-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

whichever period expires later;

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noites in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 4th floor, Building No. 2, P.S.B. Apartments, B.G. Kher Road, Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bomboy, under No. AR-I/37EF/7635/85-86 on 23-9-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bomba

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following price our namely:--

Dated: 5-5-1986

(1) M/s Ferani Developers

(2) Mr. Siddharth U Jhaveri & Mrs. Asha S Jhaveri

(Transferor) (Transferce)

NONYCH UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38 Bombay, the 5th May 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8025/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 305, 3rd fl. Udyan Darshan Building, Sayani Road, Prabhadevi, Bombay-400025.

(and more fully described in the schedule annexed herete), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Bombay on 16-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the unit Act, I respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aformal persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 305 on the 3rd floor in the building known as 'Udyan Darshan' Sayani Road, Prabhadevi, Bombay-400025.

authority. Bombay, under No. AR-I/37EE/7552/85-86 on 16-9-1985. The agreement has been registered by

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 5-5-1986

Scal:

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely: persons, namely :---23-116GI/86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7890/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

roperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. B/404, Poonam Apartments, Worli, Pombay-18 (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Miss. Malati D Deshpande & Mrs. Shobha Joshi (Transferor)

(2) Mr. Dilip R Parikh

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B. 404, Poonam Apartments. Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/7427/85-86 on 4-9-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 5-5-1986

Scal:

FORM ITNS----

(1) Smt. Parvati B. Dodani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISTTION RANGE-L BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-1/37EE/8127/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 et 1961) (nereinatter referred to as the said Act') have reason to believe that the mmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 3, Plot No. 45-D, 1st floor, Venus Apartment,

Worli, Bombay-18.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 24-9-85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (2) Mr. Mukesh N Shah

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Plot No. 45-C, 1st floor, Venus Apartment, Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authorityl, Bombay, under No. AR-I/37EE/7650/85-86 on 24-9-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the followgg persons, namely:---

Dated: 5-5-1986

FORM ITNS—

(1) J. M. Financial & Investment.

(Transferor)

(2) FICS Consultancy Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8076/85-86.-Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the stid Act,), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 112 & 115 situated on 11th Floor of Jolly Maker Chamber No. 2, 225, Backbay Reclamation Nariman

Point, Bombay-400021.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 29-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immo-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used heroin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been en which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ef 1957);

Office No. 112 & 115, situated on 11th Floor of Jolly Maker Chamber No. 2, 225, Backbay Reclamation, Nariman Point, Bombay-400021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/7601/85-36 on 20-9-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 5-5-1986

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8530,85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Office Premises No. 216 Prasad Chambers, Near Poxy Cinema Opera House, Bombay-400004 and a parking space No. 7 of Prasad Chambers, Bombay-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 29-10-85. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- note to pay that under the sald Act. in respect of may be e arising trops the treatment ing/ee
- (b) facilitating the constalment of any income or any amoneys or other assets which have not been or which coght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 641 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax sct, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sunsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Dr. Madhukar P. Rele.

(2) M/s. Veekay Diamants.

(Transferor)

(Transferce)

(3) N.A. (4) N.A.

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property way be made in writing to the undersime

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 216, Prasad Chambers, Near Roxy Cinema Opera House, Bombay-400004 and a parking space No. 7 in basement of Prasad Chambers, Bombay-400004.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8033/85-86 on 29-10-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 5-5-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-I 37EE/7868/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and beating
Rs. 1,00,000/- and beating
Office No. 407 on the 4th Floor of the building known as
Maker Chambers V on Plot No. 221, Backbay Reclamation
Nariman Point Bombay-400 021
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269. B of the said Act in the Office of the Competant Audhantic at Bombay or tent Authority at Bombay on 3/9/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: assif/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mr. Srinivas H. Pai

(transferor)

(2) M/s. Eexport Garments Pvt. Ltd.

(Transferce)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

(4) M/s Supreme Premises Pvt. Ltd.

(Person whom the undersigned knows (to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 407 on the 4th Floor of the building known as Maker Chambers V on Plot No. 221, Backbay Reclamation, Nariman Point Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay, under No. AR-I 37EE/7403 on Authority, 3/9/85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Bombay-38

Date :5 5-86 Seal:

____ (1) Mrs. B. Sinha Roy & Mrs. S Ghoshal

(transferor)

(2) M/s Comet Steels Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-1/37EE, 7918/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 12, 1st floor Mamta Apartments, D Wing, Plot No. 926, TPS No. IV, Mahim Area, New Prabhadevi Road,

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Compe-

tent Authority at Rombay on 6/9/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 1st floor, D Wing, Mamta Apartments, Plot No. 926, T.P.S. No. IV, Mahim area, New Prabhadevi Road.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7454/85-86 on 6-9-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay-38

Date :5-5-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. ВОМВЛҮ-38

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8081/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 2 on the 16th Floor of the building Skyscrapeer 'B'

at Bhulabhai Desai Road, Bombay-26 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20/9/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Chimanbhai P. Patel

(Transferor)

(2) Mrs. Zarinabhai Y. Attarwala

(Transferee)

(3) Sind Work Co-operative Hsg. Soc. Ltd.

(Person in occupation of the property)
(4) Members of Sind Work Co-operative

Housing Society Ltd.

(Person whom the undersigned knows (to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2 on the 16th Floor of the Building Skyscrapper 'B' at Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7606/85-86 on 20/9/85

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay-38

Date : 5-5-86 Seal:

(1) Chandrakant G. Dawda.

(Transferor)

(2) Katy Jigar Rangoonwala

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-I37EE/7986/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1-A, Sambhav Tirth Co-op. Hsg. Society Ltd. 2-A, Bhulabhai Desai Road Haji Ali, Bombay-400 026 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13 '9| '85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

o) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely; 24—116GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1-A in Sambhav Tirth Co-op. Hsg. Society Ltd., 2-A Bhulabhai Desai Road, Haji Ali, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/7520/85-86 on 13-9-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Jaspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Bombay

Date: 5-5-86

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(1) Kalpataru (Indi Saigon) Constructions P. Ltd. (Transferor)

(2) Mr. Hashmatral V Khubchandani & Mr. Pradeep H. Khubchandani

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-1/37EE/8004/85-86.—Whereas. L. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

Flat No. 118, 11th floor, Bldg. No. 2, B Wing, Karma Kshera bldg., Com. Harbanslal Marg, near Shanmukhananda Hall, Sion East, Bombay-37

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13, 9/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to boileve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to us disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Insome-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the mid Ast, or the Weslth-tax Ast, 1957 (27 of 1957))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 118, 11th floor, Building No. 2, B Wing, Karma Kshetra Bldg. Comrade Harbanslal Marg, Near Shanmukhananda Hall, Sion East, Bombay-37.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7537/85-86 on 134 04.95

9,/85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bomba7

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 5-5-86

FORM ITNE-

(1) M/s Ferani Developers

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Harminder Dhaliwal

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> **ACQUISITION RANGE-I** BOMBAY

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7901/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED.

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 702, 7th floor, Udyan Darshan Building, Sayani Road, Prabhadevi, Bombay-25 (and more fully described in the Schedule annexed betata)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on \$79/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforsacid property by the insue of this notice under subsection (1) of Section 2660 of the said Act, to the following persons, namely :-

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 702 on 7th floor, Udyan Darshan Bldg., Sayani Road, Prabhadevi, Bombay-25

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7438/85-86 on 5/9 1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Bombay

Date: 5-5-86

(1) Scal Investments Limited

(Transferor)

(2) Elite Estates Private Limited

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8039/85-86.—Whereas, I.

NISAR AHMED, meing the Competent Authority under Section 249B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat Nos. 93 A/B with covered parking space No. 13B, BEACH TOWERS, P. Balu Marg Prabhadevi, Bombay-25 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16/9/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such temperature represent to the temperature of the such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the trinteferor to pay tax under the mid Ast, in respect of any income arising from the transfer: ead /cr
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wesith-tax Act. 1957 (27 of 1967);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by may of the afterestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this not the Official Genetic or a period of 30 days from service of notice on the respective persons whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of publiention of this notice in the Official Gaustic.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as time defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 93 A/B with covered parking space No. 13B in BEACH TOWERS, P. Balu Marg, Prabhadevi, Bombay-400

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7566/85-86 on 16/9/1985.

NISAR AHMFD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date : \$/5/86

(1) D. N. Daruwala

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Darabsha N Daruwalla & Smt. Perviz F Daruwalla

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE-I - BOMBAY

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-II/37EE/8159/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a rair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 1, 4th floor, Coover Villa, Khareghat Roud, Dadar Parsi Colony, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereio), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24/9/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as along all exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to believe a the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

J-APLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1 on 4th floor, Coover Villa, Khareghat Road, Dadar Parsi Colony, Bombay, Survey No. 561-10 of Matunga Division.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/7679/85-86 on 24/9/1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : \$/5/86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8190/85-86.—Whereas, L. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 1, 2nd floor, Turf View, Horby Vellard Estate, Worli Rombay 18

Bombay-18

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27/9/1985

27/9/1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Orbit Corporation

(Transferor)

(2) Pragii J Dossa, Madhavsinh P Dossa, Hemant M Bhatia, Harshad M Bhatia and Mahesh M Bhatia

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by way of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION 6—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 2nd floor, Turf View, Bornby Vellard Estate, Worli, Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-IJ/37EE/7710/85-86 on 27/9/1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-L Bombay

Date: \$/5/86

(1) Ramesh Builders

(Transferor)

20525

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Hafee Sohrab Contractor & Roshan Contractor

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7988/85-86.—Whereas, I,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. J-1, 3rd floor Family House, Parsee Colony, Dadar,

Bombay-14

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13/9/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as alone said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woolth-ter Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said preserty may be reade in writing to the undersigned:—

- (a) by stay of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-shle property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. J-1, 3rd floor, Family House, Parsee Colony, Dadar, Bombay-14.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-1/37EE/7522/85-86 on 13/9/85

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5/5/1986

the or a period of 30 days from los on the respective persons.

FORM ITNS---

(1) M/s Ferani Developers

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

('') Mrs. Kumuda P Nayak, Mr. Deepak P Nayak Mr. Padmanabh M Nayak

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later:

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX. ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8077/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hersinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 201, Udyan Darshan building, Sayani Road, Dadar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20/9/85

for an apparent consideration which is less than the fair for all apparent consideration which is less than the reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and this the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability eferor to pay tax under the said Act, is of any income arising from the trace

(b) facilitating the concealment of any income or any szoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, Udyan Darshan Building, Savani Road-⊃ dar. Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competen! Bombay, under No. AR-I/37EE, 7602 85-86 o 20/9/85

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 5/5/1986 Scal :

(1) Bachuben Baburao Desai

(Transferor)

(2) Shashikant A. Mehta

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8353/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000,"—and bearing No. Plat No. 41, 6th floor, 'Shiv-tirth' No. 1 East Wing situated at Bhulabhai Desai Road Rombay.

at Bhulabhai Desai Road, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on

11/10/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the phect of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income our any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-ing Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ing Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 41, 6th floor "Shiv-tirth" No. 1 East Wing situated at Bhulabhai Desai Road, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7867/85-86 on 11/10/85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2692 of the said Act, to the following persons, namely :-25-116GI/86

Date: 5/51/1986

FORM ITNS.----

(1) Mr. Rajiv J. Kapadia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Bhagyodaya Sales Pvt Itd.

(Transferce)

(3) N.A.

(Person in occupation of the property)

(4) N. A.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I. BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7927/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Officer No. 417, Maker Chambers V, 221 Narimon Point,

Bombay-400021

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered undere section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 9-9-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 417, Maker Chambers, V, 221 Nariman Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under No. AR-I/37EE/7463/85-86 on 9-9-1985,

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Bombay-38

Dated 5-5-1986 Seal:

(1) MRS. Shameem Dalvi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. India International Textile, Machinery Exhibition Society,

(Transferee)

(3) M/s. India-Time Society.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

in the Official Gazette or a period of 30 days from

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning on given in that Chapter.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7935/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 210, Mittal Tower 'B' wing, 7th Floor No. 6 (76) Nariman Point, Bombay-400 021

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered underco section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 9-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Efteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of manafer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor end or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

210, Mittal Tower 'B' wing, 7th Floor No. (76) Nariman Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent;

Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7470/85-86 on 9-9-1085.

> NJSAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Bombay-38

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated 5-5-1986 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7998/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 801 on the 8th Floor of the building Leavest

Office No. 801 on the 8th Floor of the building known as Maker Chambers on Plot No. 221, Nariman Point, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 13-9-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration

and that the consideration or such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-sax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) MRS. Kamla Gulabrai Wadhwani.

(Transferor)

(2) M/s. Intraport India.

(Transferee)

(3) Transferor,

(Person in occupation of the property)

(4) M/s. Supreme Premises Pvt. Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 801 on the 8th Floor of the building known us Maker Chambers V on Plot No. 221, Nariman Point, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR-I/37EE/7531 on 13-9-85.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay-38

Date: 5-5-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7847/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsther referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market as the 'said Act'). property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing

Plot No. 761 of T.P.S. No. IV Mahim, OFF, Veer Sawarkar Marg. Badar, Bombay-28.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-1985

at Bombay on 2-9-1985
Let an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the trainsfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) MR. Kishandas Wadhuram Kukreja.

(Transferer)

(2) M/s. Vijay Raj Builders Pvt. Ltd.

(Transferee)

(3) Vliav Rai Builders Pvt Ltd.

(Person in occupation of the property)

(4) N.A.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Crarette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period axpires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as arm defined in Obrister AXA of the made Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 761 of T.P.S. No. IV, Mahim, Off. Veer Sawar-

kar Marg, Dadar, Bombay-400 038.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, Under No. AR-1/37EE/7382 on 2-9-85.

NISAR AHMED Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rang Bombay-38

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 5-5-1986

(1) M/s. Consumers Plastics Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7996/85-86.-Whereas, I, NISAR AHMED.

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 1205 on the 12th Floor of the Building nown as Maker Chambers V on Plot No. 221, Nariman Point (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of th Office of the Competent Authority

at Bombay on 13-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(2) Mr. Harshad Shantilal Mehta.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) M/s. Supreme Premises Pvt. Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Office No. 1205 on the 12th Floor of the building known as Maker Chambers V on Plot No. 221, Nariman Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR-I/7529/85-86 on 13-9-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay-38

Dated 5-5-1986

(1) M/s. Consumers Plastics Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Harshad Shantilal Mehta.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) M/s. Supreme Premises Pvt. Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF PROLA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7995/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-ten Act, 1961 (43 of 1961) (hoselastics influent to as the 'said Act') have reasons to believe that the in-movable present, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 1206 on the 12th Floor of the building known as Maker Chambers V on Plot no. 221 of Block III of Backbay Reclamation Nariman Point, Bombay-21 (and more fully described in the Schedule appeared hereto), has been transferred and the agreement is registered under a property of the schedule appeared under the schedule appeared the schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered undere section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid purperty, and I have realen to believe that the fair market value of the preparty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly etated in the said instrument of transfer with the chiest of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, 45 days from the date of publication of this notice whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Ast. In respect of any impose arising from the randov and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office No. 1206 on the 12th Floor of the building known as Maker Chambers V on Plot No. 221 of Block III of Backbay Reclamation, Nariman Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7528 on 13-9-85.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 5-5-1986

FORM I.T.N.S.---

(1) M/s. Indo Saigon Agency.

(Transferor)

(2) M/s. Alka Enterprise.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 12th May 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8356/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 902 on 9th Floor and Garage Nos, 3 & 4 on Ground Floor in "Samudra Setu" Bulabhai Desai Road,

Bombay-400 026

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred und the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 11-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 cf 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the publication of the notice in the Official whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat. No. 902 on 9th Floor & Garage Nos. 3 & 4 on Ground Floor in "Samudra Setu" Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR-I/37EE/7869/85-86, on 11-10-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the avoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 12-5-1986

FURM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE-L BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-I/37FE/7884/85-86.--Whoreas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fife market value exceeding Rs. 1.00,000/- and beeving No.

Flat on the 7th Floor having No. 703 of A' Bldg of Surya Apa tment Co. on Hsg. Soc. Ltd., 53 Bhulabhai Desai Road Bombay-26 along woth an open garage No. 6 on Gr. Floor

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: 26-116G1/86

(1) Smt. Kaladevi Arvindprasad Mahadevia,

(2) Shri Akbarali Tajudin Merchant.

(Transferor) (Transferce)

(3) Vendr.

(Person in occupation of the property) (Person whom the undersigned knows

to be interested in the prop.1.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the andersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat on the 7th Floor having No. 703 of 'A' Bldg of Surya Apartment Co. op Hsg. Soc. Ltd., 53, Bhulabhai Desai Road, Bombay-26 along with an open garage No. 6 on the ground floor of this 'A' Building.

The agreement has been registered by the Comp Authority Bombay, under No. AR-J/37EE/7421/85 86 3-0-1005

1985.

NISAR AHMED Competent Authors! Impecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rang Bombay-2

Dated 5-5-1986

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-I'AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7865/85-86.—Whereas, I.

NISAR AHMED.

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 111 on the 11th Floor of the building known as Maker Chambers VI on Plot No. 220, Nariman Point, Rombay-400 021

Bombay-400 021.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered underesection 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-9-1985 fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any recovery or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Shalina Trading Co. Pvt. Ltd.

(2) M/s. Leukoplast (India) Ltd.

(Transferor) (Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)
(4) M/s. Supreme Premises Pvt. Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the maleralened:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 111 on the 11th Floor of the building known as Maker Chambers VI on Plot No. 220, Nariman Point, Bombay-21.

The agreement has been registered by the Competer Authority Bombay, under No. AR-1/37EE/7400/85-86 on 3-9-1985.

> NISAR AHMLD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rang:-I Bombay-38

Dated: 5-5-1986

FORM ITNS----

(1) SMT. Savita Dhirai Lal Mehta.

(Transferor)

(2) Shri Dahyalal Poonamchand Mody.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) M/s. Supreme Premises Pvt. Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-I/37EE /7999/85-86.—Whereas, I,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 505/506-A, Anand Nagar, 'C' Building, on 5th
Floor, situated at Forett St. Bombay-400 036.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 13-9-1985

for an appearent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax and the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid. Act or the Wenith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nauce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of networn the respective persons, whichever pariod of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said at, shall have the same meaning us given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 505/506-A Anand Nagar, 'C' Bldg. on 5th Floor situated at Forjett Street, Bombay-400 036,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-137EE/7532/85-86, on 13-9-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay-38

Dated: 5-5-1986

FORM I.T.N.S. ----

(1) Shri Suresh Kumar Goel.

(Transferor)

(2) Shri Narendra D, Karani.

(Transferce) (Transferce)

(3) Purchasers.

(Person in occupation of the property) (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-MONEY OF BOSINGS TA

> ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8163/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. A 804 Poonem Apartments, Shiv Sagar Estate, Rr.

Annie Besant Road, Worli, Bombay-18 Along with Garage

in the Bldg (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered undersection 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 24-9-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion for the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immer-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said As shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tox under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concomment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. A 804, Poonam Apartments, Shiv Sagar Estate, Dr. Annic Besaut Road, Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR-I/37EE/7684/85-86 on 24-9-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Bombay-38

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the hene of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:--

Dated 5-5-1986 Seal:

(1) Kishan Goradia Family Trust.

(3) Kishan Goradia Family Trust.

may be made in writing to the undersigned :---

(2) Smt. Rai Kushalya.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 5th May 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8166/85-86,-Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immov-Section 269B of Rs. 1,00,000/- and bearing
Office No. 122, 12th Office No. 122, 12th Floor 'C' wing,
Mittal Court Nariman Point, Bombay-400 021.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered undere section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 25-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-sideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this noice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office No. 122, 12th Floor, 'C' Wing, Mittal Court Nariman Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent Authorty, Bombay, under No. AR-I/37EE/7686/85-86 on 25-9-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Bombay-38

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--~

Dated 5-5-1986 Seal:

FORM ITNS...

(1) M's Sharad & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. G. M. Fashion.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) M/s. Supreme Premises Pvt. Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMPATAX

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY-38**

Bombay, the 5th May 1986

Ref. No. AR-I' 37EE/7869/85-86.—Whereas, I.

NISAR AHMED. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing

Office Premises No. 408 on the 4th Floor of the Bldg. known as Maker Chambers V on Plot No. 221 of Block III of the Backbay Reclamation Scheme Nariman Point, Bombay-400021 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in oct of any income arising from the transfers end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Offician Gazette or a period o 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period arrives later. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 408 on the 4th Floor of the Building known as Maker Chambers V on Plot No. 221 of Block III of the Backbay Reclamation Scheme, Nariman Point, Bombay-400021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7404 on 3/9/

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now therefore, in sursuance of Section 269C of the st Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under su section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellow ing persons, namely :-

Date : 5/5/86

(1) Shri Mukesh Jayantilal Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Shree Ramkishna Export.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

(3) N. A.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE **BOMBAY-38**

Bombay, the 5th May 1986

Ref. No. AR-I 37EE/7969/85-86.-Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2002 Pancharana 22nd Flore Opera House

2202, Pancharatna, 22nd Floor, Opera House,

Bombay-400 004,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12/9/85

for an apparent enosideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immoval. property within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2202, Panchratna, 22nd floor, Opera House, Bombay-400004.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay, under No. AR-J/37FE/7503/85-86 on 12/9/85,

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bomba;

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely:-

Date: 5/5/86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay, the 5th May 1986

Ref. No. AR-1/37ED 7895/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 16 on 4th Floor at Pentacle Co-op Housing Society Ltd., 61/19, B. Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4/9/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not occur truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hobitty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and /ar
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Lakshminath Datta.

(Transferor)

(2) Shri Sugi Maneklal Talati.

(Transferee)

(3) Shri Lakshminath Datta (Transferor). (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16, on 4th Floor at Pentacle Co.op Housing Society Ltd. 61/D, B, Bhulabhai Desai Road, Bombay 400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authorty, Bombay, under No. AR-I/37EE/7432/85-86 on 4/9/85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 5/5/86

(1) M/s. Miraksha Associates

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohamedhuscin Hassanbhai Master.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY-38

Bombay, the 12th May 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8369/85-86.—Whereas, I,

"ISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding
2.s. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 126, 12th Floor Satnam Apartment, 93, Cuffe Parade
Bombay-400 005 alongwith covered Car Parking Space No.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on

14-10-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any lacome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 126, 12th Floor, Satnam Apartment, 93, Cuffe Parade, Bombay-400 005 alongwith covered car parking space No. 23.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/7881/85-86 on 14/10/85.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-thx
Acquisition Range-1
Bombay

Date: 12-5-1986

(1 Mr. Prabhudas Khushaldas Shah & others. (Transferos

(2) Mr. Vinaykumar Goel and others,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIQUER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay, the 12th May 1986

Ref. No.AR-1/37EE/7984/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 72, Sea Lord 'B' Cuffe Parade, Colaba,

Bombay-5,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-9-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this note in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as giv in that Chapter

THE SCHEDULB

Flat No: 72, Sea Lord 'B' Cuffe Parade, Colabi Bombay-5.

agreement has been registered by the Compete The Authority, Bombay, under No.AR-L/37EB/7518/85-86, c 13-9-1985.

> NISAR AHME Competent Authori Inspecting Assistant Commissioner of Income-t Acquisition Range-I, Bomb

Dated: 12-5-1986

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afferestid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s Ansa Builders.

(Transferor)

(2) Smt. Rekhabhai Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

THE ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

the 5th May 1986

Ref. No.AR-1/37EE/7883/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. e1,00,000/- and bearing No. Flat No: 3, B Wing Tirupatl Apartment, 1st Floor Bhulabhai Desai Road, Bombay-400026 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on for an apparent consideration which is les than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be tween the parties has not been truly attention in the consideration therefor the parties has not been truly attention in the consideration.

between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

28—116GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Flat No: 3, B Wing, Tirupati Apartment, 1st Floor Bhulabhai Desai Road, Bombay-400026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/27EE/7419/85-86 on 3-9-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 5-5-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay, the 12th May 1986

Ref. No.AR-I/37EE/7864/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 506 on the 5th Floor of the building known as Maker Chambers V on Plot No. 221 of Block III of Backbay Reclamation Scheme Nariman Point, Bombay-21 (and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-9-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay any under the said Act, as
 respect of any income arising from the transfer;
 andlor
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Hmtd. Textiles Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Hitech Laboratories Pvt. Ltd.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) M/s Supreme Premises.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein asare defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 506 on the 5th Floor of the building known as Maker Chambers V on Plot No. 221 of Block III of the Backbay Reclamation Scheme, Nariman Point, Bombay-21.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No.AR-I/37EE/7399 on 3-9-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following passess, simulates:

Dated: 5-5-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX THE ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

the 5th May 1986

Ref. No.AR-I/37EE/7856/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Plot No: 226, Block-III of Bacbay Reclamation 46,
Bajaj Bhawan, Nariman Point Bombay-400021.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-9-1985

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cout of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Hudson Bay Exports (P) Ptd.

(Transferor)

- (2) Sri Venkatesh Steel Rolling Mills (P) Ltd. (Transferee)
- (3) Transferor.

 ;(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understanted:

- (a) by any of the aforesaid persone within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of fibbles on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the skild improvement, within 45 days from the data of the publication of this notice in the Official Cassette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereid as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 40 Bigha 12 Biswas 15 Biswai, Village Bajaj Bhawan, Nariman Point, Bombay-400021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No.AR-I/37EE/7391/85-86 on 3-9-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 5-5-1986

(1) Dr. Noshir H. Wadia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Freny Dadi Nanavati.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> THE ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY-38**

> > the 12th May 1986

Ref. No.AR-I/37EE/8208/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

NISAK AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 /(43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'mid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. Flat No:B/3, 2nd Floor, situated in the Building
named and known as Breach Candy Apartments, B. Desai
Road, Bombay-26
(and more fully described in the Schedule appared havete)

Road, Bombay-26 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-9-1985 market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration property as therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; nãd/or

(b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been which eught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property nay be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given le that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No: B/3, 2nd Floor situated in the bldg, name and known as Breach Candy Apartments, B. Desai Road, Bombay-400026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No.AR-I/37EE/7726/85-86. on 20-9-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 12-5-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

GFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

THE ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

the 5th May 1985

Ref. No.AR-I/37EE/8045/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 26918 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Res. 1.00 0000/- and hearing.

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No:207 on the Second Floor of 'Raneelam' Dr. Rajabali Patel Road, Bhulabhai Desai Road Bombay-400026 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-9-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Jeramdas Dulomal Jasmani,

(Transferor)

(2) Suresh Harilal Dresswala.

(Fransferee)

(3) Jeramdas Dulomal Jasmani. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No :207 on the second Floor of "Rajneelam" Dr. Rajabali Patel Road, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No.AR-1/3714F/7572/85-86 on 17-9-1985,

> INISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur

Date: 5-5-1986

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

S.Os/STENOGRAPHERS (GRADE "B"/GRADE-I)

LJMTTED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, 1986

New Delhi, the 21st June, 1986

No. F.9/1/86-EI(B).—A combined limited departmental competitive examination for additions in the Select List for the Section Officers' Grade and Stenographers' Grade-I/Grade B of the Services mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission commencing on 9th December, 1986 at BOMBAY, CALCUTTA, DELHI, GANGTOK, MADRAS AND NAGPUR in accordance with the Rules published by the Department of Personnel and Training in the Gazette of India dated 21st June, 1986.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION. (See Annexure 1, pare 7 below).

2. The Services to which recruitment is to be made on the results of the examination and the approximate number of vacancies in those Services are given below:—

Category I

Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service

Category II

Section Offlicer's Grade (Integrated Grade II & III) of the General Cadre of the Indian Poreign Service, Branch "B'

Category III

Section Officer's Grade of the Railway Board Secretariat Service.

4%

Category IV

Grade 'B' of the Central Secretariat Stenographers' Service.

Category V

Grade I of the Stenographers cadre of the Indian Foreign Service Branch "B"

Category VI

Grade "B" of the Armed Forces 3 (Includes 1 vacancy re-Heaoquarters Steno graphers Serserved for Scheduled Castes vice. candidates)

Category VII

Grade "B" of the Railway Board SecretariatStenographers' Service.

Category VIII

Section Officer's Grade of the Intelligence Bureau, 6 (Includes 1 vacancy reserved for scheduled Tribe candidates)

The above number is liable to alteration.

"Vacancies not intimated by Government.

%Communal composition of the vacancies not intimated by the Government.

- 3. A candidate who is eligible for two Categories of Services (c.f. Rule 3) and wishes to compete for both, need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in para 6 below once only and will not be required to pay separate fee for each of the categories for which he applies.
- N.B. Candidates must indicate clearly in their applications the Category/Categories for which they are competing. Candidates competing for two Categories should specify in their application the two Categories in the order or preference. No request for alteration in the order of preferences for the categories originally indicated in his application by a candidate competing for 2 Categories would be considered unless the request for such alteration is received in the Office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of publication of the results of the written examination in the Employment News.
- 4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal, Orders. The forms can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.

Note.—Candidates are warned that they must submit their application on the printed form prescribed for the S.Os/Stenographers' (Grade 'B'/Grade-I) Limited Departmental Competitive Examination 1986. Applications on forms other than the one prescribed for the S.Os/Stenographers' (Grade 'B'/Grade-I). Limited Departmental Competitive Examination, 1986 will not be entertained.

5 The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 18th August, 1986 (Ist September, 1986 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoran, Manipur, Nogaland, Tripura,

Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba Disti. of Himachai Pradesh. Andaman and Nicobar Islands of Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 18th August, 1986 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Mampur, Nagaland, Iripura, Sikim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the disciplina of the Commission be required to furnish documen rry evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Iripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 18th August, 1986.

Note.—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Megbalaya, Ludakh Division of J&K State etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time,

6. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 28 (Rupees Twenty-eight) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi, General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi,

Candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes are not required to pay any fee.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to the account head "051 Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED.

7. If any candidate who took the S.Os/Stenographers (Grade B/Grade I) Limited Departmental Competitive Examination 1985 wishes to apply for admission to this examination, he must submit his application so as to reach the Commission's office by the prescribed date without waiting for the results of the 1985 Examination. If his name is recommended for inclusion in the Select List on the results of the 1985 Examination, his candidature for this Examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, provided that the request for cancellation of candidature

and refund of fee is received in the Commission's office within 30 days of the date of publication of the final results of the 1985 Examination in the Employment News.

8. A refund of Rs. 15.00 (Rupees Fifteen) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained except as provided above and in para 7 nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

- 9. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.
- 10. The question paper on General Studies as indicated in the scheme of examination at Appendix I to the Rules will consist of objective type questions. For details pertaining to objective type Tests including sample questions, reference may be made to "Candidates Information Manual" at Annexure II.

M. BALAKRISHNAN
Dy. Secretary
Union Public Service Commission.

ANNEXURE-I

Instructions to Candidates

1. Before filling in the application form, the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CADIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE. THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be convidered on merits but requests received after 10th November, 1986 will not be entertained under any circumstances.

2. The Application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball point pen. An application which is incomplete or is wrongly filled in, will be rejected.

Candidates should note that only International form of Indiain numerals are to be used while filling up the application form. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. As the application forms are processed by a computerised system, they should take special care to fill up the application form correctly.

A candidate must submit his application through the Head of his Department or Head of Office concerned who will verify the relevant entries and complete the endorsement at the end of the application form and forward it to the Commission.

- 3. A candidate must send the following documents with his application:—
 - CROSSED Indian Postal, Orders or Bank Draft or Indian Mission Receipt for the prescribed fee, (See para 6 of Notice).
 - (ii) Two identical copies of recent possport size (5 cms × 7 cms. approx.) photograph of the candidate one pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided therein.
 - (iii) Two self-addressed, unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms × 27.5 cms.
 - (iv) Attendance sheet (attached with the application form) duly filled in.

Details of the documents mentioned in items (i) and (ii) are given below:—

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the pres-

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows:--

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office".

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Pank Draft for the prescribed fee-

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union

Rublic Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn no any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

Note (i).—Candidates should write their names and addresses on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidates on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose.

Note (ii).—Candidates residing abroad at the time of submitting their applications may deposit the amount of the prescribed fee [the equivalent of Rs. 28.00 (Rupees Twenty-eight)] in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative, as the case may be, in that country who should be asked to credit the amount to the account head '051. Public Service Commission—Examination fees'. The candidate should forward the receipt from that office with the application.

(ii) Two copies of Photograph—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. × 7 cm approx.) photograph one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied by any of the documents mentioned under paragraph 3(i) and (ii) above, it will be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.

4. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

5. The fact that an application form has been suppplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application

form does not ipso facto make the receiver eligible for admission to the examination.

6. Every application including late one, received in the Commission's Office is acknowledged, and Application Regn. No. is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Regn. No. has been issued to the candidate does not, ipso-facto mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

- 7. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidiate of any claim to consideration.
- 8. The Union Public Service Commission have brought out a priced publication entitled "Candidates manual for UPSC Objective Type Examinations". This Publication is designed to be of assistance to prospective candidates of UPSC Examinations or Selections.

This publication as also the copies of pamphlets containing rules and conventional type question papers of the five preceding examinations are on sale with Controller of Publications. Civil Lines. Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C' Block Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-11000' and (ii) Sale counter of the Publications Branch of Udyog Bhavan, New Delhi-110011 and (iii) The Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road Calcutta-700001. The Manual/pamphlets are also obtainable from the agent for the Government of India Publications at various mofussil towns.

- 9. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Union Public Service Commission for attending the examination.
- 10. Communications Regarding Applications.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI (110011), AND SHOULD INVARIABLE CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS.
 - (1) NAME OF EXAMINATION.
 - (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
 - (3) APPLICATION REGN, NO/ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF APPLICATION REGN, NO/ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
 - (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).

- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.
- N.B. (i)—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.
- N.B. (ii)—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDEDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.
- 11. Change in address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATION SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED IF NECESSARY CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 10 ABOVE ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY AFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

ANNEXURE-II

CANDIDATES INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

The General Studies paper of your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) soveral suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to uniamiliarity with the type of examination.

B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOK-LET. The booklet will contain items bearing number 1. 2, 3,etc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best answer. (See "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one answer; if you select more than one, your response will be considered wrong.

.C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you along with the Admission Certificate) will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet, Response marked on the Test Booklet or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of items from 1 to 160 have been printed in four Parts'. Against each item, circular spaces marked, a b, c, d are printed. After you have

read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is corect or the best, you have to mark the circle containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the circles on the Answer Sheet.

> 1 0 0 0 0 2 0 0 0 0 3 0 0 0 0 4 0 0 0 0

IT IS IMPORTANT THAT-

- You should bring and use only good quality HB pencil (s) for answering the items.
- To change a wrong marking crase it completely and re-mark the new choice. For this purpose you must bring along with you an eraser also.
- 3.Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

- You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
- Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- No Candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have clapsed after the commencement of the examination.
- 4. After finishing the examination, submit Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
- 5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on the Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test-Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticluously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous then you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test you must follow his instructions immediately.
- Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpner and a pen containing bulle or black ink.

You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer Sheet at the end of the test.

E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the Booklet number, otherwise get it changed. Write your Roll Number on the first page of the Test Booklet before opening the Test Booklet. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor, to do so

F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the Examination Hall.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

(Note: -*denotes the correct/best answer-option).

1. (General Studies).

Bleeding of the nose and the ears is experienced at high altitudes by mountain climbers because.

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure.
- *(b) the pressure of the blood is more than the atmospheric pressure.
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressures on the inner and outer walls.
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure.

2. (English).

(Vocabulary-Synonyms).

There was a record turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- *(d) largest so far
- 3. (Agriculture)

In Arhar, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below.

- *(a) spraying with growth regulators
- (b) planting wider apart
- (c) planting in the correct season
- (d) planting with close spacing
- 4. (Chemistry)

The anhydride of H₂ VO₄ is

- (a) VO³
- (b) VO₄
- (c) V^ao3
- *(d) Vº05
- 5. (Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs when

- *(a) wage is less than marginal revenue product
- (b) both wage and marginal revenue product are equal
- (c) wage is more than the marginal revenue product
- (d) wage is equal to marginal physical product
- 6. (Electrical Engineering)

A coxial line is filled with a dielectric of relative permitivity 9. If C denotes the velocity of propagation in free space the velocity of propagation in the line will be

- (a) 3C
- (b) C
- *(c) C/3
- (d) C/9
- 7. (Geology)

Plagioclase in a basalt is

- (a) Oligoclase
- *(b) Laboradorite
- (c) Albite
- (d) Anorthite
- 8. (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation.

$$\frac{d^3y}{dx^3} - \frac{dy}{dx} = 0 \text{ is given by}$$

- (a) y=ax+b
- (b) y = acx + be x
- (d) y = -aex -a

9. (Physics)

An ideal heat of engine works between temperatures 400°K and 300°K. Its efficiency is

- (a) 3/4
- *(b) (4-3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

10. (Statistics)

The mean of a binomial variate is 5, the variance is

- (a) 4^{2}
- *(b) 3
- (c) a
- (d) -5

11. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- *(b) it is the deltaid part of most of the rivers of Burma
- (c) it has excellent forest resources
- (d) most of the oil resources are found in this part of the country.

12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism?

- (a) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Buddhism.
- (b) Brahmanism was a highly formalised and pretentious religion.
- *(c) With the rise of Brahmanism, the Vedic sacrificial fire was relegated to the background.
- (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an individual.

13. (Philosophy)

Identify the atheistic group of philosophical system in the following:

- (a) Buddhism, Nyāya, Cārvāka, Mimāmsā
- (b) Nyāya, Vaiseika, Jainism and Buddhism, Cārvāka
- (c) Advaita, Vedānta, Sāmkhya, Cārvāka, Yoga
- *(d) Buddhism, Sāmkhya, Mimāmsā, Carvāka

14. (Political Science)

'Functional representation means

- *(a) election of representatives to the legislature on the basis of vocation
- (b) pleading the cause of a group or a professional association
- (c) election of representatives in vocational organization
- (d) indirect representation through Trade Unions

15. (Psychology)

Obtaining a goal leads to

- (a) increase in the need related to the goal
- *(b) reduction of the drive state
- (c) instrumental learning
- (d) discrimination learning
- 16. (Sociology)

Panchayati Raj institutions in India have brought about one of the following:

- *(a) formal representation of women and weaker sections in village government.
- (b) untouchability has decreased
- (c) land-ownership has spread to deprived classes
- (d) education has spread to the masses.

NOTE:—Candidates should note that the above sample items (questions) have been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping with the syllabus for this examination.